राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—डाक्टर फतहसिंह

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैणसी री ख्यात

[चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची, भूमिका, मुहता नैणसी और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम का संक्षिप्त परिचय, उनके प्राचीन चित्र और तीनों भागों की बृहत् नामानुक्रमणिका, विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुंडलियां, पद-विरुदादि की सार्थ-नामावली और शुद्धिपत्र आदि महत्वपूर्ण विषयों के छ: परिशिष्टों सहित ख्यात का परिशिष्ट भाग]

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR.

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतहसिंह
निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैणसी री ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैणसी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान मुहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा मे लिखित राजस्थान और उससे संबधित एवं संलग्न गुजरात, सौराष्ट्र और मध्यभारत आदि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्त्ता

राजस्थान राज्यादेशानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०२४	भारतराष्ट्रिय शकाब्द	ख्रिस्ताब्द १९६७
प्रथमावृत्ति ७५०	१८८९	मूल्य ८.७५ पै०

मुद्रक – श्री हरिप्रसाद पारीक, साधना प्रेस, जोधपुर

RAJASTHAN PURATANA GRANTHAMALA—No. 86

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Saṁskrit, Prakrit, Apabhraṁsa, Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to India in general and Rajasthan in particular.

General Editor

Dr. FATAH SINGH

M.A., D. Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices

by

ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan.

By

The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana

[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]

JODHPUR (Rajasthan)

V.S. 2024] All Rights Reserved. [1967 A.D.

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध अनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता मे, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों मे प्रकाशित होकर, तीन भागो मे पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग मे बयालीस पृष्ठीय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों मे ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों मे समाप्त होने वाली यह "मुहता नैणसीरी ख्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एव अनुपम धैर्य्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-बाधाओ के सामने कभी हार मानना नही सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक ख्याति इच्छुक मित्र' १९३४ ई० मे इस ग्रथ को प्रेस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, सपूर्ण ग्रथ मे साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एव गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पडती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रथ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हि द और हिन्दी के समस्त प्रेमियो पर असीम कृपा की है; अत इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह थोडा है। ग्रथ का महत्व उसके कलेवर मे नहीं, अपितु उस लौकिकता एव अर्थपरायणता मे है जिसको इस ग्रथ मे प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारको एव मनीषियों की दृष्टि मे उससे पूर्व गौण हो नहीं प्राय उपेक्षित हो गई थी। "सुखस्य मूलम् अर्थ." को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रथ के अन्त मे जो लम्बा शुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियो से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों मे पाठान्तरों का समावेश होसकता, तो वर्तमान सस्करण का मूल्य और अधिक बढ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चाताप करना व्यर्थ है।

आशा है कि लौकिक जीवन के अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति इससे प्रेरणा ग्रहण करके हमारी वर्तमान आर्थिक समस्याओं का, उसी तत्परता और लगन से अध्ययन करेंगे जिससे इतिहास, समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान आदि के विद्यार्थी "मूंहता नैणसीरी ख्यात" का उपयोग अपने-अपने विषय के लिए करेंगे।

जय हिन्द; जय हिन्दी

गुरु पूर्णिमा, २०२४
जोधपुर.

फतहसिंह
एम.ए., डी.लिट्.

विषयानुक्रमणिका

१. सञ्चालकीय वक्तव्य १–२

२. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची १–८

३ भूमिका भाग १–४२

(१) भूमिका १–२४

(२) महाराजा जसवंतसिंह के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी २५–३९

(३) महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम ४०–४२

४. परिशिष्ट १–तीनों भागों की नामानुक्रमणिका १–१९०

१. वैयक्तिक—

(१) पुरुष नामानुक्रमणिका १–१०८

(२) स्त्री „ १०९–११७

(३) अश्वादि पशु नाम ११८

२. भौगोलिक—

(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका ११९–१६४

(२) पर्वत जलाशयादि „ १६५–१७१

३. सांस्कृतिक—

(१) ग्रंथ, संस्था, कर, मासादि नामानुक्रमणिका १७२–१८०

(२) देवी-देवता तीर्थादि „ १८१–१८९

४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक) १८९–१९०

५. परिशिष्ट २–विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलियां १९१–१९३

६. परिशिष्ट ३–पद, उपाधि और विरुदादि की सार्थ-नामावली १९४–२०८

७. परिशिष्ट ४–पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि २०९

८. परिशिष्ट ५–पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि २१०

९. परिशिष्ट ६–शुद्धि-पत्र २११–२३१

—०—

मुंहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की

संपूर्ण विषय - सूची

भाग १

१. सीसोदियां री ख्यात

१. वार्ता (गेहलोत कहीजं तिणरी) १
२. वात (बापा गुहादित री) ३
३. वात रांणा राहप री ६
४. वार्ता दूसरी (नै कवित्त-रावळ बापा रा) ७
५ सीसोदिया रा भेद ८
६. वात राणा चीतोड़ रा धणियां री ९
७. पीढियां री विगत (इतरी पीढी तांई श्रैं सर्मा कहांणा) ९
८. इतरी पीढी दीत-ब्राह्मण कहाणा १०
९. वात (हारीत रिख नैं रावळ बापै री) ११
१०. इतरी पीढी रावळ कहांणा १२
११. माहप नै राहप री वात १३
१२. रांणा हमीर सूं पाटवियां रा बेटां री विगत १५
१३. गीत रांणा सांगा रो १८
१४. रांणा उदैसिंघ री वात २०
१५. वात रांणा उदैसिंघ उदैपुर वसायो री ३२
१६. घाटी राह री हकीकत ३५
१७. गिरवा री हकीकत ३६
१८. ग्यारै दपत री हकीकत ३६
१९. वात (कछवाहा मानसिंघ नैं रांणा प्रताप वेढ हुई तिणरी ३९
२०. मेवाड़ रा भाखरा री विगत ४०
२१. नदी तीन री विगत–चांवळ, बांभणी, पगपोई ४५
२२. दीवांण रै नास-भाज विखा नू वडी ठोड इतरी, इतरा गांवां मांहे ४६
२३. बनास नदी नीसरी तैरी हकीकत ४७
२४. वात चारण आसिये गिरधर कही, समत १६१७ रा भादवा सुदि ९ नै ४९
२५. वात एक रांणा कूंभा चित-भरमिये री ५१
२६ राणा राजसिंघ नूं पातसाही तरफ री इतरी जागीरी छै तिणरी विगत ५२
२७. वात १ सीसोदिया राघवदे लाखावत री, राघवदे नूं रांणै कुंभै नैं राव रिणमल मारियो तिणरी ५३
२८. वात १ वीठू झाझण कही मांडव पातसाह री मेवाड़ फेलियो लागै तैरी ५५
२९. वात (राणो अमरा रै विखा री) ५६
३०. गीत (राणा अमरा री) ५८
३१. वात (सोदा-बारहठ वाहरू री) ५९
३२. वात पठांण हाजीखान नै रांणा उदैसिंघ हरमाड़ै वेढ हुई तिणरी ६०
३३. वात (राणा अमरा रै विखा री फेर) ६२

३४. सकतावत (पीथो) नै रावत मेघै रै मांमलो हुओ तिणरी वात ६४
३५. सीसोदिया चूंटावतां री साख ६६
३६. वात सीसोदिया डूंगरपुर वांसवाहळा रा धणियां री ७०
३७. वात वांसवाहळा रा मांनसिंघ री ७३
३८. वात डूंगरपुर वांसवाहळा रा धणियां री (पीढियां री विगत) ७७
३९. वात सीसोदियां री (रावळ समरसी लोहड़ै भाई नूं चीतोड़ दी तिणरी) ७९
४०. वात वांसवाहळा री ८७
४१. वांसवाहळा रै सींव री विगत ८८
४२. मैहलोतां री चौवीस साख ८८
४३. पंवारां री पैंतीस साख ८९
४४. चहुवांणां री चौवीस साख ८९
४५. साख इत्ती पड़िहारां भिळै ८९
४६. सोळंकियां री साख ९०
४७. वात देवळिया रै धणियां री ९०
४८. वात(जीहरण रा मुकाता री)९०
४९. देवळियै नै रांणा रै मुलक री कांकड़ इण गांवां ९५

२. बूंदी रा धणियां री ख्यात

५०. वार्ता (राव लाखण रा पोतरा हाडा बूंबी रा धणियां री) ९७
५१. हाडां रै पीढियां री विगत १००
५२. वात हाडै सूरजमल नारायण-दासोत नै रांणा रतनसी मांमलो हुवो तिण समै री १०२
५३. वात (हाडा सुरजन नूं रांणा उदैसिंघ बूंदी दीवी तिणरी १०९
५४. बूंदी रा देस री हकीकत ११३
५५. वात (बूंदी रा देस रा रज-पूतां री विगत) ११७
५६. वागड़िया चहुवांणां री पीढी ११९
५७. वार्ता (चहुवांण डूंगरसी बालावत री) ११९
५८. वात वहियां री १२२
५९. बूंदेलां री वात १२७
६०. बूंदेलां री वात (कविप्रिया-ग्रंथ केसोदास कियो तिण मांहै सूं) १२८
६१. एकण ठोड़ पीढियां यूं पिण मांडी छै १३०
६२. वारता गढबांधव रा धणियां री १३२

३. वात सिरोही रा धणियां री

६३. वात (आबू लियां री) १३४
६४. पीढी सीरोही रा धणियां री १३५
६५. वात राव सुरतांण री १४२
६६. विचली वात (वेवड़ै विजै सूजै री) १४४
६७. वात (डूंगरोत देवड़ां री) १६२
६८. गीत चीबा जैता रो आढा दुरसा रो कह्यो १७०
६९. गीत चीबा खीमा भार-मलोत रो १७१
७०. वात (थिराद रै परगनै रा चहुवांणां री) १७२
७१. वात (सीरोही री हकीकत वाघेला रामसिंघ नैणसी नूं जाळोर में कही) १७२
७२. वात सीरोही रा धणियां-पाटवियां री आबू लियां री १८०
७३. कवित्त-छप्पय सीरोही रा टीकायतां रा १८४
७४. कवित्त रामसिंघ सिरोहियै रा १९१

४. भायलां रजपूतां री ख्यात

७५. पवारां री भायला साख री हकीकत १९३
७६. वात चहुवांणां सोनगरां रो राव लाखणोतां री २०२
७७. वात सोनगरां री २१२
७८. वात सिघावलोकिनी (तापस ब्रांभण नैं सोमइया महादेव री २१३
७९ वात सोमइयो महादेव, कानड़देजी री नैं कांवळ तथा बीजां री २१६
८०. वात (बीकै दहिये री, जाळोर रो गढ भेळायो तिणरी) २२३
८१. वात साचोर री २२७
८२. वात चहुवाणां साचोर रा धणियां री २२९
८३. पीढियां री विगत २३०
८४. वात (बोडां री) २४५
८५. बोड़ां री वसावळी २४७
८६. वात (कांवळिया चहुवांणां रै साख री) २४८
८७. वात (कूंभा कांवळिया री) २४८
८८. वात खीचियां री (पीढियां) २५०
८९. वात (खीची मांणकराव री) २५०
९०. वात (धारू प्रांनळोत री) २५३
९१. वात (खीची आंना री) २५३
९२. वात प्रणहलवाड़ा पाटण री २५८
९३. कवित्त (चावड़ै पाटण भोगवी तिणरी साख री) २५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख रो कवित्त २६०
९५. पाटण वाघेला भोगवी तिण साख रो कवित्त २६१
९६. सोळंकिया री साख इतरो २६२
९७. वात सोळंकिया पाटण प्रायां री २६३
९८. वात पाटण चावोड़ा थी सोळंकियां रै आवै तिणरी २६६
९९. वात १ जाड़ेचा लाखा नू सोळंकी मूळराज मारियो री २६७
१०० वात रुद्रमाळो प्रासाद सिद्धराव करायो तिणरी २७२
१०१. कवित्त सिद्धराव जैसिंघदे रै देहुरै रा, लल्ल भाट रा कह्या २७७
१०२ वात सोळंकिया खैरड़ा री २७९
१०३. सोळंकिया रै पीढिया री विगत २८०
१०४. वात (साखले रतनै जेमल नै मारियो तैरी) २८१
१०५ वात (जैमल रतनो काम आया री) २८३
१०६. वात सोळकी नाथावता री २८३
१०७. वात सोलकी राणा रै वास बैसूरी रा धणियां री २८४

५. कछवाहां री ख्यात

१०८. वात राजा प्रथीराजरी २८६
१०९. पीढी कछवाहा री, भाट राजपाण मडाई २८७
११०. कछवाहा सूरजवंसी कहीजै त्यारी विगत २९१
१११. कछवाहा री विगत २९३
११२. कछवाहा री वसावळी री विगत २९५
११३ वात एक गोहिला खेड रा धणियां री ३३३
११४. वात गोहिल खेड छाडनै सोरठ गया तिणरी ३३४
११५. पंवारा री उतपत नै पीढी ३३६
११६. वात पंवारा री ३३७
११७. पवार वाघ री ग्रोलाद रा साखला हुवा तिणरी विगत ३३८

११८. पीढियां री विगत (सांखलां री) ३३९
११९. सांखला जांगळवा ३४४
१२०. वात रायसी महिपाळोत री ३४४
१२१. इतरी पीढी जांगळू सांखलां रै रही ३४६
१२२. वात (चूंडा, गोगा, अरड़कमल, हरभम, रांमदेपीर नै दूजा) ३४८
१२३. वात (नापो सांखलो नै फेर) ३५३

६. सोढां री ख्यत

१२४. सोढां री पीढी ३५५
१२५. वात पारकर रा सोढां री ३६३
१२६. वात पारकर री ३६३

भाग २

७. ख्यात भाटियां री

१. श्रै जदुवंशी कहीजै १
२. वात भाटियां री ३
३. जेसळमेर रा देस री हकीकत वीठळदास लिखाई ३
४. खडाळरा गांवां री विगत ४
५. जेसळमेर रा देस री हकीकत मुं। लखै मंडाई ६
६. वात भाटियां री पीढी, चारण-रतनूं गोकळै मंडाई ९
७. वात रावळ घड़सी री १३
८. वंसावळी रा गीत, भवनो रतनूं कहै १४
९. भाटी छत्राळा कहीजै तिणरी वात १५
१०. वात (सोमवंशी भाटियां री हरिवंश पुरांण मांहै) १५
११. वात विजैराव चूड़ाळै री १७
१२. वात वरिहाहां री। देवराज धार ऊपर गयो तिणरी २५
१३. वात (धार रै मुंहतै री) २९
१४. वात भाटियां री (साख मंगरियां री) ३१
१५. वात गजनी पातसाह री ३३
१६. वात (रावळ जेसळ री) ३५
१७. वात (जेसळमेर री रांग मंडाई तिणरी) ३६
१८. कवित्त भाटी सालवाहण रा (नै आगली पीढियां) ३७
१९. वात राठोड़ सीमाळ री ४२
२०. पारता (वीकमसी री) ४४
२१. वात (पातसाह रा गुरु मारिया तिणरी) ४५
२२. वात (मूळराज नै कमालदी री। जेसळमेर ऊपर फोज विदा कीवी) ४६
२३. वात (मूळराज कना कमालदी लोयां मांगी तिणरी) ४९
२४. वात (कमालदी नूं हठ करनै विदा कियो) ५०
२५. वात (कमालदी गढ घेरियो) ५०
२६. वात (वीज उवारण री। दूहा-सोरठा। आगली हकीकत) ५१
२७. वात (रावळ दूदै तिलोकसी री) ५९
२८. वात (रावळ दूदो नै तिलोकसी मुंआ री। दूदा रा गीत) ६१
२९. वात (रावळ घड़सी रांणा रतनसी रो वेटो कमालदी रै अठै रह्यो तिणरी ६६
३०. वात (रावळ हुआ तिणांरी) ७५
३१. पीढी (जेसळ सूं) ९२
३२. वात (रावळ भीम री) ९४
३३. वात (रावळ भीम री फेर नै दूजी) ९९
३४. मनोहरदास रा प्रवाड़ा १०३
३५. वात भाटियां मांहै केल्हणां री साख ११२

३६. राव केल्हण देरावर लियाँ री वात (फेर दूजी) ११६
३७ बीकूपुर रै धणियाँ नै राठोड़ै सगाई तथा बीठा १३२
३८. केल्हणां नै बीकानेर रा धणियां सगाई १३३
३९ भाटियां केल्हणा नै कछवाहां सगाई १३३
४० तळाई, कोहर नै गांवा री हकीकत १३४
४१. वात एक (राव मालदे तथा राव जेसा री) १३७
४२. वात गाडाळा केलणा री १४०
४३. विगत (केल्हण री पीढी, केल्हणां री खरड़ रा कोहर तळाई आदि री)
४४. हमीर-भाटियां री साख १४४
४५. वात (जेसा भाटिया री साख) १५२
४६. रूपसी भाटिया री साख १९६
४७. सरवहिया री पीढी २०२
४८. वात सरवहियां री २०२
४९. वात सरवहिया जेसा री २०६
५०. वात (सरवहिया जेसा नै पातसाह री) २०७
५१. वात (सरवहिये जेसे चारण रा मांणस छोडाया २०८
५२. वात जाडेचा री २०९
५३. वात रायधण भुज रा धणियांरी २०९
५४. पीढी २१५
५५. गीत कुंवर जेहा भारावत रो २१५
५६. वात लाखै री २१६
५७. वात (जाडेचा फूलधवळ री) २२५
५८. वात (जाम ऊनड सावळसुध कवि रोहड़िया नू आउठकोड़ सामई दी तिण री) २३६
५९. वात १ जाम ऊनड सावळसुध री २३८
६०. वेढ १ जाम सतै नै अमीखान हुई तिणरी वात २४०
६१. वात १ झाला रायसिंघ मांनसिंघोत नै जाडेचा जसा धवळोत नै जाड़ेचा साहेब हमीरोत वेढ हुई तिणरी २४४
६२. वात (झाला रायसिंघ नै जाडेचा साहेब री) २४९
६३. वात १ जाड़ेचा साहिब री नै झाला रायसिंघ री फेर लिखी २५३
६४. झाला री वंसावळी २५६
६५. वात झाला री २५८
६६. मेवाड रै झाला री वात २६२
६७. मेवाड रा झाला री पीढी २६५

८. राठोड़ां री ख्यात

६८. रावजी श्री सीहेजी री वात २६६
६९. राव आसथांनजी री वात २७६
७०. वात राव कानडदेजी री २८०
७१. रावळ मालोजी री वात २८४
७२. वात वीरमजी री २९९
७३. वात रावजी चूंडजी री ३०६
७४. गोगादेजी री वात ३१७
७५ अरड़कमलजी चूंडावत री वात ३२४
७६ वात रावजी रिणमलजी री ३२९

भाग ३

राठोड़ां री ख्यात (द्वि. भा. सूं चालू)

१. वात राव रिणमलजी अर महमद रै आपस में लडाई हुई ते समै री १
२. रावळ जगमालजी री वात ३
३. वात राव जोधाजी री ५
४ वात राव बीकाजी री १३

५. भटनेर री वात १६
६. वात राव बीकेजी री, बीकानेर बसायो तै समै री १६
७. वात कांधळजी री, कांधळजी कांम आयो तै समै री २१
८. वात राव सीडै री अर रावळ सांवतसी सोनगरै रै भीनमाळ वेढ हुई तै समै री २३
९. वात पताई रावळ साको कियो तैरी (पावागढ रै घेरै री) २५
१०. वात राव सलखैजी री २६
११. गढ सक्रिया तैरी ख्यात २८
१२. वात राव सीहोजी (रै वंश)री २९
१३. जैसळमेर री वात ३३
१४. पूगळ राव ३६
१५. बीकूंपुर राव ३६
१६. वैरसलपुर राव ३७
१७. मुगल-चकता-भाटी ३७
१८. खारवारै रा भाटी ३७
१९. वात दूदै जोधावत मेघो नरसिंघदासोत सींधळ मारियो तै समै री ३८
२०. वात खेतसीह रतनसीहोत सीसोदियै चूंडावत री ४१
२१. गुजरात देस राज्य वर्णनम् ४६
२२. पाटन की स्थापना और शासकों का राज्यकाल (टिप्पणी) ४६
२३. वात मकवांणा रजपूतां री (झाला कहांणा तैरी) ५७
२४. वात पाबूजी री ५८
२५. वात गांगै वीरमदे री ८०
२६. वात हरदास ऊहड़ री ८७
२७. वात राठोड़ नरै सूजावत, खींवै पोकरणै री १०३
२८. जैमल वीरमदेवोत नै राव मालदेव री वात ११५
२९. वात सीहै सींधळ री १२३
३०. वात रिणमलजी री १२९
३१. नरवद सतावत री वात, सुपियारदे लायो तै समै री १४१
३२. वात नरबद रांणैजी नूं आंख दीवी तिणै समै री १४९
३३. वात राव लूणकर्णजी री १५१
३४. वात मोहिलां री १५३
३५. मोहिलां रै पीढियां री हकीकत १५८
३६. छंद वे-अखरी, राठोड़ रामदेव रा कहिया १६७
३७. दूहा, चारण चांपै सामोर रा कहिया १६८
३८. चौहानों की पीढियों की टिप्पणी १६८
३९. दूहा पीढियां री विगत रा १६९
४०. छत्तीस राजकुळी इतरै गढे राज करै १७३
४१. परमारां री वंसावळी १७५
४२. राठोड़ां री वंसावळी १७७
४३. टीकै बैठां री विगत १८१
४४. जोधपुर री पीढियां (टीकै वैठां री विगत) १८२
४५. भिन्न भिन्न वाकां रा संमत (गढ लियां री विगत) १८३
४६. दिली राजा बैठा तियांरी विगत (राज कियो तिका विगत) १८५
४७. वात सेतरांम वरदाईसेनोत राठोड़ री १९३
४८. बीकानेर री हकीकत २०५
४९. राठोड़ पृथ्वीराज कल्याणमलोत संबंधी टिप्पणी २०६
५०. वलपतसिंह रायसिंहोत संबंधी टिप्पणी २०६
५१. सतियां हुई २०९

५२. जोधपुर रा राजाओं री ख्यात २१३
५३. टिप्पणियां २१३-२१५
५४. किसनगढ़ री विगत २१७
५५. जैसळमेर री ख्यात २२०
५६ पीढ़िया (बीकानेर रा ६३ ठिकाणां री) २२३-२३४
(१) सिरगोतां री २२३
(२) रूपावतां री २२५
(३) नारणोतां री २२७
(४) रतनवासोता री २२८
(५) रावतोतां री २२९
(६) बीदावतां री २३०
५७. जोधपुर रा सरदारां री पीढ़िया (ऊदावतां रा १४ ठिकाणां री २३५
५८. विगत २३८
५९. अकबर री जन्म कुंडळी नैं टिप्पणी २३८
६०. वात चद्रावतां री २३९
६१. पीढ़िया री हकीकत (चद्रावतां री) २४७
६२. वात सिसरो बहलवै रहै तैरी २५०
६३. वात ऊदै ऊगमणावत री २५६
६४. बूंदी री वारता २६६
६५. कयामखान्यां री उत्पत नै फतैहपुर झूंझणू वसायो तैरी वात २७३
६६ दौलताबाद रा उमरावां री वात २७६
६७. ग्रादिदास्त २७८
६८. ग्रादिदास्त २७९
६९. सांगमराव राठोड़ री वात २८०
७०. टिप्पणी (कान्हड़दे-प्रबन्ध सू उद्धृत) २९३

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए
कृपया पृष्ठ उलटिये]

भाग ४

१. चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका १
२. संचालकीय वक्तव्य १
३. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची १–८
४. भूमिका १–२४
५. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी २५–३६
६. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम ४०–४२
७. परिशिष्ट १—तीनों भागों की नामानुक्रमणिका १–१६०

१. वैयक्तिक—

(१) पुरुष नामानुक्रमणिका १–१०८
(२) स्त्री नामानुक्रमणिका १०९–११७
(३) अश्वादि पशु नाम ११८

२. भौगोलिक—

(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका ११९–१६४
(२) पर्वत जलाशयादि ,, १६५–१७१

३. सांस्कृतिक

(१) ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामानुक्रमणिका १७२–१८०
(२) देवी-देवता, तीर्थादि ,, १८१–१८८

४. सम्पूर्त्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या) १८९–१९०

८. परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ १९१–१९३
९. परिशिष्ट ३—पद, उपाधि और विरुदादि की सार्थ नामावली १९४–२०८
१०. परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि २०९
११. परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि २१०
१२. परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र २११–२३१

॥ ॐ शिव ॥

भूमिका

राजस्थान वीरो और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम शूरवीरो के ओजस्वित रक्त की असख्य भावनाओ और अनगिनत सतियो के जोहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलो में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जोवट की एक सजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और मानवीय सवेदना की सुषमा ओतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बडी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वय युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरों ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असख्य सती वीरागनाओ के जोहर-यज्ञो और वीरो के मरणोत्सवो (अभूतपूर्व और अगणित नारी और नरमेधो) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरो के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेको ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड है। ऐसे वीरो, भक्तों और कवियो का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलिया अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परपराओ मे अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्‌गार प्रकट किये हैं[1]।

---

१. (अ) Rajasthani is the language of a brave and heroic people. Rajasthani literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है[२]। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ख्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ख्यात-

---

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary. .....I am eagerly looking for the day when a ful-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature.

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(आ) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published ? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(इ) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhali, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२. आठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवलयमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-इ-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। अपभ्रंश की परम्पर । सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन ख्यातो का महत्त्व बहुत अधिक है।

'ख्यात' शब्द

राजस्थानी में 'ख्यात' शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप मे ही प्रयुक्त होता रहा है। 'ख्यात' मूलतया सस्कृत भाषा का शब्द है। यह 'ख्या'-प्रकथने धातु से 'क्त' प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है। सस्कृत भाषा मे मुख्यत. इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम।
२. आहूत या आवाहित।
३. विदित या परिज्ञात।
४. कीर्त्तिमान या सुप्रसिद्ध।
५. उक्त या ज्ञप्त।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ। और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि[3]।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखको ने 'ख्यात' शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यजक बना कर प्रयुक्त किया है। उन्होने इसे इतिहास (इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

---

३. देखिये सस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

(१) मोनियर विलियम्स : सस्कृत-इगलिश डिक्शनरी, न्यू एडीशन
(२) जे०टी० मोलेस्वर्थ : मराठी-इगलिश डिक्शनरी, दूसरा सस्करण १८५७ ई०
(३) एन०बी० रानाडे : ,, ,, १९११ ई०
(४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी : सस्कृत शब्दार्थ कौस्तुभ
(५) गि०श० महता : सस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२९ ई०
(६) पन्यास मुक्तिविजयजी : शब्द रत्न महोदधि सवत् १९९३
(७) अमरकोश
(८) अभिधान चिन्तामणि कोश

हिन्दी शब्दकोशों मे 'ख्यात' शब्द के अर्थ–१. प्रसिद्ध २. कथित ३ वह कविता जिसमे योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहेलु ५. जाणीतुं आदि।

मराठी कोशों मे—१. पराक्रम २ कीर्त्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों मे—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि।

ऐतिह्य (पौराणिक वृत्तांत), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएं) आदि का व्यंजक माना और तदनुकूल 'ख्यात' शब्द का प्रयोग किया।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई। फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहास-कारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की अमूल्य निधि है।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है। केवल राजाओं और नवाबों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व संक्रान्ति काल का इतिहास है। देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है। वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था। इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता। ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं।

सामन्तशाही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तु-कला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं। तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो संसार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर संवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लडखडाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।[४] उसे अब तत्वज्ञ और मनीषियों की संजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में संस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस सस्था ने अपने शैशव काल मे ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्ही प्रकाशनों में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्व

'मुंहता नैणसी री ख्यात[५]' जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के दीवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुंहता नैणसी जयमलोत द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाडी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रथ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

---

४. 'दीपै वारो देस, ज्यारो साहित जगमगै।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी सस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार मे शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराज उज्ज्वल

५. 'मुंहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रथाभिधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोडां री ख्यात'=राठोड वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड़ री ख्यात' मेवाड राज्य का इतिहास' में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' न होकर 'के द्वारा लिखी गई' होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुंहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यों में ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब में 'मुंहता नैणसी री ख्यात' बहुत महत्व की है[६]। इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातों की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं। स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० ओझा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों में और स्व० रामनारायण दूगड़ द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनों खण्डों की भूमिकाओं में ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्त्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है।[७] मुंशी देवीप्रसाद मुंसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है[८]।

---

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं। एक संस्करण स्व० श्री बामकर्णजी आसोपा द्वारा मूल रूप में उनके निज के रामश्याम प्रेस में मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था। दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड़ का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० ओझा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है। पहला भाग सं० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ९ वर्ष बाद सम्वत् १९९१ में प्रकाशित हुआ है।

इनसे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातों का आधार भी प्रायः नैणसी री ख्यात ही रही हुई मालूम होता है। उनमें अनेक प्रसंग नैणसी री ख्यात के यों के यों उद्धृत कर लिये हैं। उदाहरण के तौर पर दयालदास री ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलों में से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा।

नैणसी री ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदास री ख्यात पृ० ८

" " " ३ " ९४ " " " " ६५

" " " ३ " १२०-१२१ " " ८२, २६८ इत्यादि।

७. वि. सं. १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिखे जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है। ... ... यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी संतोषदायक नहीं हो सकता।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुंशी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उसके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे। मुंशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज्ञ मूंता नैणसी की ख्यात के विषय में एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७४

प्रस्तुत ख्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात मे भी है कि नैणसी ने ख्यात मे प्राप्त समस्त सामग्री साभार स्वीकार की है। उन्होने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वालो के नाम ही नही लिखे, अपितु कही-कही तो उनका पूरा परिचय, सम्वत्, मिती और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध डिंगल-कवि और चारणजन हैं[६]।

---

६ (१) पोकरणा ब्राह्मण कवीसर जसवत रो भाई जोशी महेसदास।
(२) मुहतो लखो, स० १७०० माह वदी ६ मेहते मैं जैसलमेर रो हाल लिखायो।
(३) आढो महेसदास धनाळा भाटियां री वात, स० १७०६ फागण सुदी १५ री लिखाई, स० १७२१ माह मांहे लिख मेली।
(४) मुहते नरसिंघदास जैमलोत (नैणसी रो भाई) डूगरपुर मे रावळ पूंजा रै करायोड़ो देहरा री प्रशस्ति लिख मेली, समत १७०७ मे।
(५) बूदेला सुमकरण रै चाकर चत्रसेन मडाई, स० १७१०।
(६) चारण आसियो गिरधर स० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
(७) चारण झूलै रुद्रदास भांण रै साइपा झूला रै पोतरै कही समत १७१६ रा चैत मांहै।
(८) सं० १७२१ रा जेठ मांहै रा० रामचन्द्र जगनाथोत मडाई।
(९) लिडियो खींवराज सिसोदियां री चूण्डावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो स० १६२२ रा पोह वदी ५।
(१०) वात एक बीठू झाझण कही।
(११) दधवाडियो खींवराज, वात पठांण हाजीखान राणै उदैसिंघ वेढ हुई तिणरी लिख मेली। समत १७१४ रा वैसाख मांहै।
(१२) देवडो अमरो चदावत रो परधान बाघेलो रामसिंघ नूं अमरै नैणसी कनै मेलियो, उण कही।
(१३) मुहणोत सुदरदास जालोर थका लिख मेली।
(१४) रतनूं गोकुळ पीढियां मडाई। गोकळ रतनू कह्यो।
(१५) चारण चांदण लिडियो।
(१६) भाट खगार नोलिया रो पहियारा री साखा लिखाई।
(१७) भाट राजपाण उदैहोरो, पीढो कछवाहा री मडाई।
(१८) वात १ जीवै रतनू धरमदासांणी कही नै पहला सुणी थी लिखा तो लिखी होव हुती। वात जाडेचा साहिब री नै झाझा रायसिंघ री फेर लिखी।
(१९) भाखडी रावळ भीम री आसियो पीरो कहै।
(२०) राव नींबो महेसोत सवणी।
(२१) गाडण पसायत।
(२२) बारहठ खींदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्त्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की वहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विश्वसनीय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिंगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि को समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है[१०]।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ़ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

---

(२३) चारण वीरधवळ दूहा कहै।
(२४) गाडण सहजपाळ।
(२५) सांवळसुध रोहड़ियो।
(२६) भांणों मीसण, वडो आखरां रो कहणहार।
(२७) ढाढी.....। इत्यादि।

इनके अतिरिक्त बारहठ ईसरदास, दुरसो आढो, केशवदास, रतनू नवलो, बारठ बीठू, आसराव रतनू, आसियो दलो, लल्ल भाट और चारण चांदो आदि डिंगल के प्रसिद्ध कवि और कुछ बात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक बात यूं सुणी' या 'संमत १७२२ आसोज मांहे परबतसर मांहे लिखी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की अनुपम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हरएक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

—ओझा निबंध-संग्रह, तृ. भाग

बोलियो से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाडी'[११] की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपो में विकसित होने वाले अकुरो का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सागोपाग नमूना है[१२]। अन्य भारतीय भाषाओ की समकालीन परपराओ की तुलना में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमे पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात[१३], वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिघावलोकनो, मिसाल, साख, परियावली, वसावली, पीढिया आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब मे ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अग होने के साथ उसका

---

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'जूनी गुजराती' अथवा 'मारू-गुर्जर भाषा' अभिहित किया है।

१२ Rajasthani dialects form a group among themselves differenciated from Western Hindi on one hand and from Gujrati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independant language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट मे अनर्घराघव नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक द्रष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वी-९वी शताब्दि माना जाता है।

> चर्चाभिश्चारणानां क्षितिरमण ! परांप्राप्यसमोद लीला
> मा कीर्तेः सौविदल्लानवगणय कवि प्रात(?) वाणी विलासात्।
> गीत *ख्यातं* च नाम्ना किमपि रघुपतेरद्य यावत्प्रसा—
> द्वाल्मीके रेव धात्रीं धवलयति यशो(शः?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परम्परा : भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का 'चारण' नामक लेख।

विकसित परिमार्जित और प्रौढ़ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्यातों से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसी री ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदियां री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटियां री लिख्यते' इत्यादि। वात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

वात, वारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'वात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतंत्र ऐतिहासिक वात-साहित्य की वातें बड़ी होती हैं[१४]।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीढी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—झाला, छात्राळा और महेवचा, वाड़मेरा आदि। (३) किसी वात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

---

१४. 'वात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह वात पृ. १८४ महाराजा जसवंतसिंह प्रथम (अपूर्ण) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसी का उल्लेख महत्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुंदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह वात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वश या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध ब्यौरे को विगत कहा जाता है।

याद, याददास्त, श्रादिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका सक्षिप्त रूप। बडी बात का सकेत-लेखन या नोटस।

प्रस्ताव

प्रासगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारंभिक सकेत, जैसे—एकदा प्रस्ताव।

हवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिंघावलोकनी बात

पूर्वोल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

पीढियावली, वसावळी

देखें पीढी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशाओ के अतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशाओं के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढ़ता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारपरीण तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य मे प्राप्त नही है।[१५]

क्रीडा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से सबधित अपने अर्थों में सशक्त अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिंगल एव राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-भण्डार बहुत ही मूल्यवान हैं।[१६]

---

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशाओं का उल्लेख मिलता है—

'दिसि सोळ मग्यो खट-मघ-खूण, कुडियो नह मापण अन्न जूण'।

सोलह दिशाओं में जिन आठ विशेष दिशाओं के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमे से इद्र, उहड, खरक, मरहेर, रूपाराव और पवाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त है।

१६. वल्लभविद्यानगर, वी. पी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन मे राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश शोधार्थियों के लिये (अर्ध-सुलभ आवृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमे 'नैणसी री ख्यात' के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढ़ता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरों और रूढ़ि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एवं उनके प्रयोग भाषा की प्रौढ़ता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।[१७] सहस्रों स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें संक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, बघेलखंड, बुंदेलखंड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूंढाड़ के कछवाहे और मारवाड़ (जोधपुर और बीकानेर) के राठौड़ राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, जयपुर-शेखावाटी, सिरोही, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एवं दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की बादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी संकलित हो गया हुआ है।[१८]

---

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, री, रो, रै
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणै, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरै
४. संदा, संदी, संदियां, संदो, संदउ, संदै
५. हंदा, हंदी, हंदियां, हंदो, हंदउ, हंदै
६. नो, नी, ना, नउ
७. चा, ची, चो, चै
८. कउ, की, को, के इत्यादि

१८. नैणसी की ख्यात में चौहानों, राठौड़ों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वंशावलियों का इतना अपूर्व संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से संकलित यह ख्यात विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तौल, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदान्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, शासन और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रीझ-सीझ आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टंकसाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तियाँ, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखायें और वंशावलियाँ, परम्पराएँ और रीति-रिवाज; राजदरबार, सवारियें, तीर्थाटन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जवादि; जलहर (जलक्रीडा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जौहर और साका, सतीत्व और स्त्री-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और संस्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढंग; शत्रुता और मित्रता; पहाड़ और नदियाँ, नगर और गाँव; जंत्र-मंत्र और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान; चोरों की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण; देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्थापत्य कला) संबंधी और अन्य विभिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस ख्यात साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

अनुशीलन सूत्र

जैसा कि ख्यात के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत ख्यात में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वैसा अब मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लड़ाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्वत् एवं उनकी जागीरों का जो विवेचन दिया है, वह भी कम महत्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड़, कच्छ, बुंदेलखंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है। —ओझा अभिनन्दन ग्रन्थ, वी. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एवं पारकर (घाट-[१९]सिंध) का इतिहास।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं। कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं। नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं। इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्द्धा से हुए युद्धों का विवरण है। राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं। अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है।

४. वाणिज्य, माप-तौल, सिक्के और राजकर[२०]।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड़ राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

---

१९. घाट-थरपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढड़ा, मिट्ठी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और उमर-कोट के सोढाणा खंड का भू-भाग) मारवाड़ राज्य का अंग था। अंग्रेजों ने नाम मात्र की खिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्त से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था। उधार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी। अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड़ को वापिस नहीं लौटाया। सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड़ का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया। आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सीमाप्रदेश बना हुआ है।

२०. दुगाणी (दुरगाणी), फदियो, टको, दोकड़ो, जनादी, छकड़, दांम, ढबू, सोनइयो, रुपियो, महमूंदी, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तौल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयों से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेवियां और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व संतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व संस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्त्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अंतर्गत आने वाले कई शकुन प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन संबंधी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

६. पुरातत्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मगळीक, बधामणा, गुळ, सूखडी, वळ, भेट, तलार, थाब, पेसकस, दहबराड, दाण, वहतीवाण, पाघबराह, तुलावट, मळवो, लाचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, घोम, पूछी, घोडाचारण, ढोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, कोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टांक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि धान्यादि के मापों के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

ने अपने नाम से नगर, दुर्ग, प्रासाद, तालाब, मंदिर और कीर्त्ति-स्मारकों का निर्माण करवाया है। प्रस्तुत ख्यात में ऐसे कई पुरातत्व सम्बन्धी अवशेषों का निर्माण-संवत्, प्रयोजन और उनके निर्माताओं का विवरण दिया गया है। अतएव पुरातत्व विभाग के लिये इसमें अमूल्य सामग्री सुरक्षित है।

७. शाखायें और वंशावलियां

राजपूत जाति के इतिहास को समझने के लिये उसकी शाखा-प्रशाखाएँ और वंशावलियां सबसे बड़ा आधार हैं। वीरता की वहां पूजा है; अतः राजपूतों में यदि एक व्यक्ति के पांचों पुत्र वीरता में अपना व्यक्तित्व बना लेते हैं तो वे पांचों ही पांच पृथक् शाखाओं के मूल पुरुष बन जायेंगे। दानशीलता, धर्मपरायणता और बौद्धिक क्षेत्र में भी ऐसे शाखा-पुरुषों का वर्णन पाया जाता है। नैणसी ने राजपूतों की इस प्रकार से बनी उनकी शाखाओं, वंशावलियों और पीढ़ियों की विस्तृत सूचियां दी हैं, जिनका अन्यत्र प्राप्त होना असम्भव है। पीढ़ियों में विशेष व्यक्तियों के विशेष कार्य, सेवायें, युद्ध और जागीर पाने और तागीर होने के कारण और उनकी संवत्-तिथि, जन्म और मृत्यु-तिथि आदि आवश्यक बातों का साथ का साथ ही संक्षिप्त विवरण दिया हुआ रहता है।

८. जाति और धर्म परिवर्तन

काल के घूर्णित चक्र ने कई व्यक्तियों और जातियों को अपना नाम, धर्म और देश परिवर्तन करने को विवश किया है। नैणसी ने अपनी ख्यात में ऐसे कई अवसरों का वर्णन किया है, जबकि अनेकों की संख्या में हिंदू मुसलमान बन गये या बना लिये गये। ब्राह्मण क्षत्रियों में और क्षत्रिय कृषि-कर्म में प्रवर्त कृषक जाति में तथा शूद्रों में परिवर्तित हो गये। कई ब्राह्मण और क्षत्री-वैश्य और शिल्पियों में बदल गये। अनेक जातियों के प्रादुर्भाव की बातें इस ख्यात में वर्णित हैं।

९. लोक-साहित्य

इस ख्यात में इतिहास से जुड़ी हुई अनेक छोटी-मोटी सरस और महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाएँ उद्धृत हैं, जो जन-जीवन में लोक-साहित्य बन कर लोक-वार्ताओं के रूप में सामने आई हैं। जगमाल मालावत, लांजो विजैराव, लाखो फूलाणी, हुरड़ बनो, हेमो सीमाळोत, सिद्धराज सोलंकी, खाफरो चोर, विक्रमाजीत आदि ऐसी पचासों बातें हैं जो आज लोकवार्ताओं के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

लोक-साहित्य पर शोध करने वालों के लिये विविध प्रकार की सामग्री यह ख्यात प्रचुर परिमाण मे उपस्थित करती है।

१०. भाषा

'नैणसी री ख्यात' भाषा-वैज्ञानिकों के लिये जो शोध-सामग्री उपस्थित करती है, वह सब से अधिक महत्वपूर्ण है। इसकी भाषा पश्चिमी राजस्थानी का विशिष्ट रूप है जो राजस्थान की सब से अधिक सशक्त और विकसित भाषा है। तत्कालीन अन्य भारतीय अपभ्रंश भाषाओं की परम्परा मे इसकी परम्परा अपने विकास मे अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है[२१]।

पश्चिमी राजस्थानी उपनाम मारवाडी भाषा (मरु भाषा) में प्राप्त गद्य-साहित्य के विविध रूप, कहावतों और रूढ़ प्रयोगों की प्रचुरता विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग, कारकों की विभक्तियो[२२] के अनेक प्रकार और रूपो का प्रयोग, प्रत्यय और उपसर्ग आदि के विभिन्न रूप, क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणो के सैकडों रूप, भौगोलिक स्थानों की वास्तविक स्थिति-निर्देशन के लिये विशेष-दिशाओ[२३] के नामो का प्रयोग, अनेक संज्ञाओं के ऐसे भेद जिनके पर्याय हिंदी में नही मिलते और जिनका व्यक्तिकरण व्याख्या द्वारा करना पड़ता है इत्यादि बातें इसकी प्रौढता, व्यापकता और अर्थबोधकता के स्पष्ट उदाहरण हैं। नैणसी की ख्यात में सहस्रों स्त्री-पुरुषों एव नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा की परम्परा के अध्ययन की मूल्यवान सामग्री है। उदाहरण के लिये 'ऊदल' पुरुष नाम को लें। यह उदयसिंह का अपभ्रंश रूप है। उदयसिंह के उत्तर पद के 'सिंह' का लोप होकर उसके स्थान पर 'ळ' प्रत्यय रूप मे आ जाने से 'उदय' का 'ऊद' आदेश होकर 'ऊदळ' रूप बन गया। इसी प्रकार अक्खो,

---

२१. भाषा और प्राचीन इतिहास के विद्वान् डॉ० दशरथ शर्मा डी० लिट्० 'दयाळदासरी ख्यात' के इन्ट्रोडक्शन में उक्त ख्यात और 'नैणसी री ख्यात' की भाषा के सम्बन्ध में तुलना करते हुए लिखते हैं—

Dayaldas Sindhayach was an erudite scholar. He was an accomplished rhetorician, a writer of excellent Marwari, only a little inferior to that of Nainsi Muhnot."

२२. दे० टिप्पणी स० १४, इस ख्यात में मात्र सम्बन्ध-सूचक षष्ठी विभक्ति के लिये ७ या ८ विभिन्न रूप प्रयुक्त हुए हैं।

२३. दे० टिप्पणी स० १३, विशेष-दिशाओं के नामों के लिये।

अरहड़, अळधरो, आसथांन, गंपो, छाहड़, पाबू, पेथड़, वैरड़ वाहड़, सीयक हड्बू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं।

नामों को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है। 'राणो रूपड़ो', 'राव तीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामों में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं। आवड़, ईहड़, गायड़, जसमादे, लाछां, हुरड़ आदि स्त्री नाम; कमधज किराड़ खेड़ेचा, चीबा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम; और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूड़ी, ईकुरड़ी, किराड़ू और कूड़ो आदि गाँवों के नाम—एसे सहस्रों नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं।

मध्यकालीन पुरुष नामों में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बंध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियों ने अपने नामों का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था। तातारखां, लाडखां, अलखां, महमंद और भाखरखां आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानी नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना है। जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात में सैकड़ों सतियों का विवरण उल्लिखित है। इसमें ऐसी अनेक वीरांगना और पतिव्रता सतियों का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है। उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं। उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है। वे अवश्य पूजनीय हैं। परंतु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है। मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था।[२४] एक पुरुष की उसकी अनेक पत्नियों के सिवाय

---

२४. 'ताहरां अै असवार पाछा गया। आयनै देखै तो सगरो तोरण नीचै पड़ियो छै। ताहरां कह्यो—'जी, सती हुवी सगरै नूं लेनै। सती नूं कहो जु बाहिर आवै ज्युं सगरै नूं दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता मे पड़कर जलना पड़ता था[२५]। कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? ये सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुई कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था। कहाँ वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वय योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक मे भी साथ ही में रहने की भावना से पति का सहगमन किया जाता था। यही नही, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणो का विसर्जन करके अपनी स्नेहाकुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहां यह घोर नरमेघ का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारंभ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियो के विवरण, सतियो के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय है।

देवा।' ताहरा बींदणी नू भीतर आय कहियो। ताहरां बींदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हवै तो हू सतो न हवू। सगरै नू धींसनै नांख देवो।' पाछै आयनै कहियो—'जी, संभै नहीं।' ताहरां कहियो—'जो, म्हे एकलै ही सगरै नू बाळां ?' तो कह्यो—'म्हे अणसमाही ही सती करां ?' ताहरा कह्यो—'आवो बारै।' ताहरा आंनी ही सिलह पहरै छै, मांढी ही सिलह पहरै छै। वेहु हथियार बांधै छै, सिलह पैहरीजै छै। ताहरां बींदणी दीठो अर मा अर बाप नै कहियो—'हे ठाकुरां-रजपूता! हू बैर खेतसीह री छूं, अर एकली रै वास्तै घणा जीव मरै छै, तै हूं सगरै साथ बळीस।' बींदणी बाहिर आयनै सगरै साथै बळी।

—नैणसी री ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानियां, एक खवास, बारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियों की और एक पातरियों की रसोईदार ब्राह्मणी=कुल १२ स्त्रियां साथ में जली थीं।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियां, २० दासियां, ६ उर्दाबेगनियां, २० गायनें और २ हजूर-बेगनियां=कुल ५७ स्त्रियां जलकर मरीं थी।

—नैणसी री ख्यात, भा. ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवंतसिंह) के विरुद्ध सईया वांकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चौहान सातल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठौड़ के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलों के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हड़दे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के संबंध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी। द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत संस्करण

प्रस्तुत 'नैणसी री ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिंगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयश गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूं। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार करली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी इस ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतियां थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन अवसर पाकर वे हमारी अनुपस्थिति मे हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४०७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रो को, 'रतनरासो' और सपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हें वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर मे श्री अगरचदजी नाहटा के यहां अकस्मात दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियो के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री माधातासिंहजी बीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अत इस प्रति को देख कर उन्हें बडा आश्चर्य हुआ। प्रति ने न जाने कहां-कहा की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। हरिरस और ख्यात के पत्रो का आज तक कोई पता नही लगा।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भोमसिंहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस मे कई महीनो तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो धोखा खाना पडा और हानि उठानी पडी, इस हरिरस के द्वितीय सस्करण के सबध मे भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादको के नाम से ये दोनो ग्रथ प्रकाशित हो गये। वीर सतसई के सम्पादन मे और हानि उठाने मे श्री सीतारामजी लालस भी साथ मे थे।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियो से सब से पुरानी और शुद्ध एव विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयो के साथ पुन सम्पादन किया गया है जिसे सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीटचूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन त्रुटित पत्रो की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नही लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूगा गाव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नो से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नही लगी।

इधर मुहणोत श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वंशज मुहणोत सुखराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पड़ा। बहुत दिनों के बाद स्व० पं० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतियें प्राप्त हुईं। यद्यपि ये प्रतियां इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थीं, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था। एक वहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाड़ी शिकस्ता लिपि को स्व० पं० रामकर्णजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने में अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमें भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे। इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे। अन्त में एक बहुत सुन्दर प्रति चि. भूपतिराम के अथक प्रयत्नों से कई हाथों में होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और पाठों को शुद्ध करने एवं त्रुटित अंश की पूर्त्ति करने में बड़ी सहायता मिली। बीकानेर में प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठों का मिलान करने में सहायता ली गई। अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबंध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी। यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सीहथल के बीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है। अधिकांश प्रतियें इसीकी प्रतिलिपियें मालूम होती हैं, क्योंकि उनमें भी बीठू पन्ना का नाम अनेक बातों के अंत में यों का यों उल्लिखित है। प्रस्तुत संस्करण को तैयार करने में इन सभी प्रतियों के आधार से पाठों का मिलान करने और शुद्ध करने में बड़ी सहायता मिली।

मैं जब बीकानेर में था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पधारना हुआ था। उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस कॉपी दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी। उनकी कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारों भाग पाठकों की सेवा में प्रस्तुत हैं।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है। चौथा भाग इस वृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है। इसमें चारों भागों की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वैयक्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागों में इस ख्यात की वृहत् नामानुक्रमणिका पृष्ठांकों के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका मे १०००० हजार से अधिक नामो का संकलन हुआ है। नामो की इतनी बडी सख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थो में शायद ही आ सकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओ की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-सज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दो की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियो का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलियें (जो केवल अनूप सस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूर्ति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से सबधित अनेक महत्त्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग मे दिए गए हैं।

ख्यात के इस सस्करण को तैयार करने मे मुझे जिन महानुभावो की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम चिरस्मरणीय है। इसके प्रकाशन से उनकी आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अश की पूर्ति होने के रूप में शाति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पडित विश्वेश्वरनाथजी रेउ, महामहाध्यापक स्व. प. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियो का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अगरचन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बडा भारी आभारी हू।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुखराजजी मुहणोत से 'नैणसी री ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी अन्यो की भाँति निराश ही होना पडा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप सस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बडा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्त्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है। इनका भी मैं आभारी हूँ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूं जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय संचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है। और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-संचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर संभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है।

साकरिया - सदन
वल्लभ-विद्यानगर
रामनौमि, २०२४ वि.

आ. बदरीप्रसाद साकरिया

मुहता नैणसी

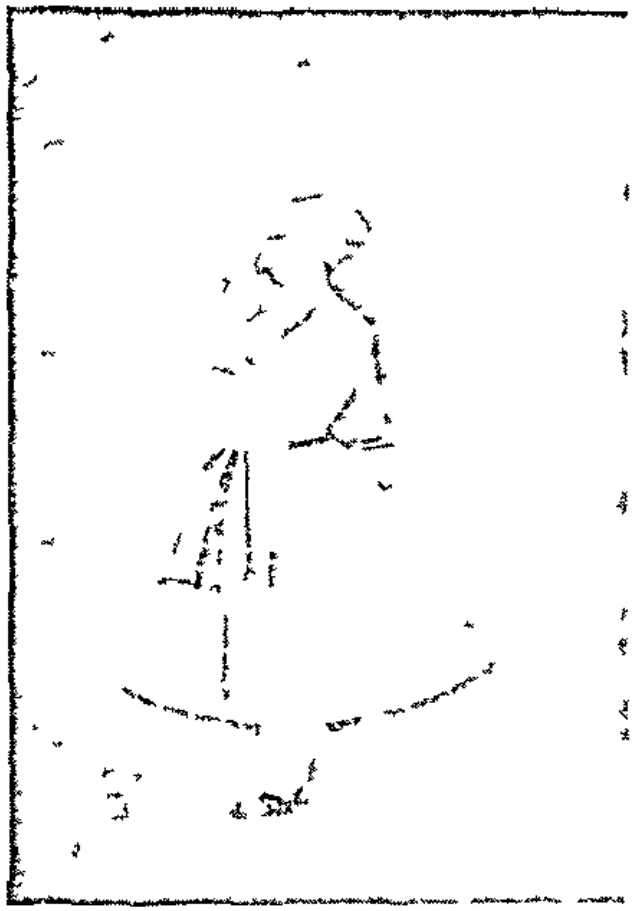

[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' से सधन्यवाद पुनर्मुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान प्रसिद्ध ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियों[1] के राज्य को नष्ट कर मारवाड मे राठौड राज्य की सर्व प्रथम नींव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पौत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रो मे से सब से बडा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर मे श्री जिनचद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया[2]।

---

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को मगाकर राठौड-राज्य की स्थापना इस नगर मे सर्व प्रथम की। (इसीलिये राठौडों की मूल शाखा खेडेचा कहलाई)। गोहिल और डामी आसथान के आतक से भाग कर सौराष्ट्र मे चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। ओझाजी ने लिखा है कि खेड या खेडपुर 'खीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर खडरों का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर शेष हैं। बड़े मन्दिर मे श्री रणछोडराय की बड़ी भव्य और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीऋषभदेव के मदिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ मे विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मत के अनुसार मोहणोत शाखा के प्रवर्त्तक मोहणजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्यातों मे मुहणोत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करने गये। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावडी के पास आकर खड़े हुए। इतने मे ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्य शिवसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को जल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० स० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनके द्वारा जैन-धर्म अगीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, मुहणोत नैणसी और उनके वशज' नामक श्रीहजारीमल बाठिया का लेख और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोत' उपखंड पृ० ४६ एव 'महाजन वश मुक्तावली।'

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलंबी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालों में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये।

ओसवाल जाति में परिवर्त्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठौड़ वंश से मोहणोतों का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए। जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थीं[३]। महाराजा गजसिंह के समय वि. सं. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे[४]। यह बड़े दानी[५] और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे। इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी।

मुंहता जयमल के पांच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे। इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिगसर शु. ४ शुक्रवार को

---

३. माघोदास केसोदासोत भलो रजपूत हुवो। सं० १६१४ रावळा थी गांव भवराणी गांवां १० सूं दीवी हुती। इणरा चाकर जैमल मुहणोत खानाजंगी कीवी जद भवराणी छोड़ सं० १६८८ मोहबतखां रै वसियो। पछै अमरसिंघजी रै। पछै राजा जैसिंघजी रै वसियो माघोदास।

—बांकीदास री ख्यात, वात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मांगीमल एडवोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त–'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्वत् १६९० दिया है।

५. जयमलजी का नित्य साधुओं को जलेबी बांटने का नियम था। जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं को जलेबी मिलनी बंद हो गई। तब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पलटघा परा, दीजै किणनै दोस।
जैमल जळेबी ले गयो, साधां करो संतोस॥

—विश्वमित्र, पूजा दीपावली अंक, १९६१, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रशासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से।

बांकीदास ने भी अपनी ख्यात की बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जैमल, जालोर का नाम भी अच्छे दाताओं में गिनाया है।

हुआ था[1] । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्त्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का संचालन किया था । सम्वत् १६६४-६५ में बलोचों से फलोदी की लड़ाई, स. १७०० में राडधरा की लड़ाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोकरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कारबारियों के पहुँचने पर रावल रामचद्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवतसिंह ने राठौड़ वीर सैनिकों और नैणसी को सेना देकर भेजा[2] । लड़ाई के पश्चात् राठौड़ी सेना का पोकरण पर अधिकार हो गया । इधर रावळ मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतार्थ सेना भेजकर रावल रामचद्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

---

६. सवत १६६७ मिगसर सुद ४ वार शुक्र, च० ४२ । गतांश ६ मु० श्रीनैणसीजी जनम

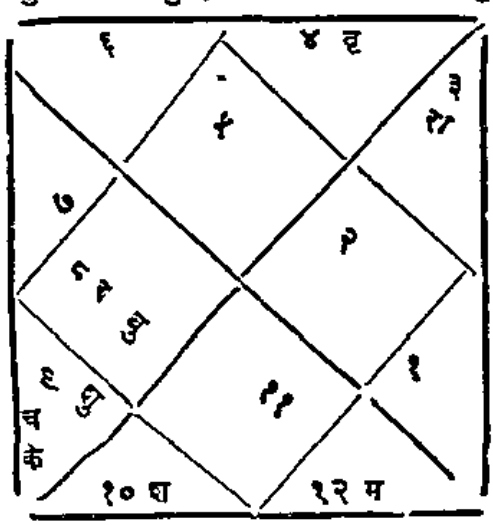

—हमारे निज के सग्रह 'विगत' में से और श्री मदनराज दौलतराम मेहता, जोधपुर के सग्रह में – 'सवत १७६२ रा मिती असाढ सुद ६ मुहणोत अमरसिंघजी री पोथी सूं' ।

७ स० १७०६ रा असाढ वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण मार्थे विदा कीवी । राठौड गोपाळदास सुदरदासोत मेडतियो १, राठौड वीठळदास सुदरदासोत मेडतियो २, वीठळदास गोपाळदासोत चापो ३, नारखान राजसिंघोत कूपो ४, भडारी बगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंघवी प्रताप ७ । —बांकीदास री ख्यात, बात स० ३२१

सम्वत् १७१४ में महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मियां फरासतखां की जगह इन्हें अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया। सं. १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया।

महाराजा जसवंतसिंह को औरंगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था। उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था। राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हें गांव बख्शिश कर देने तक का अधिकार था। महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति में महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था[८]।

कहा जाता है कि बाद में महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे[९]।

---

८ दीवानगी के काम में नैणसी कितना विश्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

'सिघश्री महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवंतसिंघजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसे सुप्रसाद वांचिजो। अठारा समंचार भला छै। पांहरा देजो। लोक, महाजन रंत री दिलासा कीजो। कोई किण ही सूं जोर ज्यादती करण न पावै। कांठा-कोरां री जापतो कीजो। कंवर रै डोल रा पांणी रा जतन करावजो।

अरजदास पांहरी जोधपुर सूं फेर आई। हकीकत मालुम करी। थे रुगनाथ लखमीदासोत नूं पटो दियो गांव ३ सु भलो कीनो।

—ओसवाल जाति का इतिहास : 'राजनैतिक और सैनिक महत्व' खंड, पृ० ४६.

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची। कोई ऐसी राजनैतिक दाँव-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊंचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मौत का कारण बनना पड़े। श्री हजारीमल बांठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख में लिखा है कि—

'जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे। और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों बंधुओं को माघ वदि ९ (ता० २९ दिसंबर) को कैद कर दिया।'

श्री अगरचंद नाहटा ने 'वरदा' वर्ष ३ अंक १ में 'अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह खींवावत की ऐतिहासिक बात' में लिखा है कि—

'महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्यधिक हासल (कृषि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिससे गांवों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवतसिंह छत्रपति शिवाजी को दबाने के लिये औरगजेब को

लाख रुपयों की हानि होना बताया है। इन अठारह लाख रुपयों को नैणसी से दंड के रूप मे वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा करदी। नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने को तैयार नही था। उसने तो एक पाई भी खाई नहीं थी। तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दंड तो माफ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को दीवानगीरी से हटाकर उसकी जगह मिनै भंडारी को दे दिया और यह आज्ञा करदी कि भविष्य में मेरी कोई भी सतान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगी, ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं।'

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विशेषाक, १९६३ मे इसके सबध में बडी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवतसिंह के बडे पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था। गर्व का परिणाम मजाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जगली सिंह की लडाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा। प्रोग्राम बनाया गया। कुश्ती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर को चीर डाला। इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई। लेकिन औरगजेब को बडी बेचैनी और ईर्षा हुई। पृथ्वीसिंह की इस वीरता के सबंध मे कवियों ने बहुत कुछ कहा है। पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे। अतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों मे खटकने लगे। नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ जाल बिछाना शुरू किया।

(२) *एक बार नैणसी ने एक बडी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवत*सिंह भी आये। दावत की तैयारी और अदभुतता महाराजा और औरगजेब के दरबारी देख कर दग रह गये। औरगजेब के आदमियो ने यह अच्छा मौका देखा। उन्होने महाराजा के कान भरे। महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप मे माग की। नैणसी ने उस लाख रुपये की माग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सेवाओं पर पानी फिराने वाला समझा। उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखारां नीपजै, वड पीपळ री साख।
नटियो मूतो नैणसी, तांबो देण तलाक॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम माग सकता था और वह उसे चुकानी ही पडती थी।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया। उसी समय औरगजेब ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया। युवराज पद के उत्सव के समय औरगजेब ने

आज्ञा से औरंगाबाद के थाने में नियत थे तब वि. सं. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ औरंगाबाद में गये हुए थे, वहां इन दोनों को कैद कर दिया और सं. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुंचने के पहले मार्ग में फूलमरी गांव के पास वि. सं. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करदी[10]।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख लखारां नीपजै, वड़ पीपळ री साख।
नहियो मूंतो नैणसी, तांबो वैण तलाक[11]॥

पृथ्वीसिंह को विशेष प्रकार की पोशाकें पहनाईं जिनके पहिनते ही पृथ्वीराज का काम तमाम हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड़ को औरंगजेब के हाथों से बचाया।

१०. देखिये रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड में ओझाजी द्वारा लिखित मुंहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' लेखक श्री हजारीमल बांठिया, पृ० २७६ और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड में 'मुहणोत' उपखंड।

११. दोहे का भावार्थ इस प्रकार है—

'लाख लखारों के यहां मिलती है या वट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहां तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को संबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—दहाडो जितरै देव, दहाडै बिन नहीं देव है।
सुर नर करता सेव, (अब) नेडा न आवै नैणसी॥

सुदरसी—नर रै नर आवै नहीं, आवै धन रै पात।
सो दिन आज पिछाणिये कहयै सुदरदात॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे। इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं। यहां ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है। गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बदी-जीवन के समय की ही होगी[12]।

गीत जाती गोरव मेहता नैणसीजी रो कह्यौ

सदा श्रीनाथ जिण नाम असरण-सरण, तारिया गयद जळ माझ तारण-तरण।
हाथ मत छोडियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण॥१॥
जास चो आस जीवत सगळो जगत, अधो आकास पाताळ मांझी अवत।
थिरथियो मटळ ध्रूमडळ ऐसो थिकत, तो दीनपत दीनपत दीनपत दीनपत॥२॥
मार मध कोट पहळाद जीतो समर, काज पहळाद हिरणंखि गजै गहर।
दइ बळ जीपवा वीर-वीराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर सखधर॥३॥
कूड संसार विस सिंधु भरियो कहर, लोभ चो लहर अजाद सुकृत लैहर।
नयणसी भज सोइ नाथ करिवा निजर, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि॥४॥

करुणा से ओत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव मे बदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं। इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया। एक पैसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसो पीपळ लाख, लाख लखारां लावसो।
तांबो देण तलाक, नटिया सुंदर नैणसो॥

१२. यह गीत राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी, जोधपुर के श्री सौभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है। लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवंतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में बंदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवंतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागोर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था[13]। इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था। बाल-बच्चों और कबीले को कैद में डाल देना किसी अवांछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है। चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असत्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को संतोष नहीं करा सकी होंगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके। और उनके बाल-बच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीसरे व्यक्ति से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया।

किन्तु ओझाजी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया। दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है[14]।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है। नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाड़मेर के कामदार कमा की बेटी कमळा(?)

---

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बांकीदास री ख्यात', बात सं० २१०६ (पृ० १७४)—

'नागौर रै सुराणै सहदेव चूहड़मलोत लाख रुपिया आपरा घर सूं राज में भर मुहणोत नैणसी सुंदरदास रा छोरू कबीला कैद सूं कढाया।'

१४. द्रष्टव्य, रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुंहणोत नैणसी की ख्यात' द्वितीय खण्ड श्री ओझाजी द्वारा लिखित 'मुंहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३।

से हुई थी। उस समय के राजाओ और दीवानो के रिवाज के अनुसार इन्होने भी अपने प्रतिनिधि के रूप मे अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वय बरात बनाकर विवाह करने को नही गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुलहिन की बजाय मूसल को भेज कर खड्ग की बरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाडमेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। बाडमेर उजड गया[१५]।

नैणसी कलम और तलवार दोनो के धनी थे। उन्होने एक ओर एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओ और युद्धों मे सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओ और तथ्यो का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-सग्रह) जैसे वृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थो को लिख कर इतिहासकार के रूप मे इतिहास और साहित्य दोनो क्षेत्रो मे बडी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशसा ही नही करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थो से अधिक विश्वस्त और महत्व-पूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रथो मे इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड रा परगना री विगत'[१६] (सर्व-सग्रह) भी प्राय ख्यात जितना ही बडा ग्रथ है। यह मारवाड राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नही हुआ। इसमे उन्होने मारवाड के सभी परगने, परगनो के गाँव, गाँवो की आमदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

---

१५ मुहणोत नैणसी जाळोर आमल जद बाडमेर रो कामदार कुमो जिणरी बेटी री सगाई नैणसीजी सू कीधी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खाडो बाडमेर मेलियो। कमो मूसळ खडग सामो मेलियो। डावडो ओर ठै परणायो। जिण कारण सू नैणसी बाडमेर हदवाट मेलियो। ('दहवाट मेळियो' होना चाहिये)। बाडमेर प्रोळ रै कगार रै काठरा किवाड हुता जिके आण जाळोर गढ री पोळ चढाया। सायद— 'बाहडमेर जुगां लग डूबो कमळा तणी कमाई।'

—बाकीदास री ख्यात : बात स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस वृहत् ग्रथ का सम्पादन राजस्थानी शोध-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलों का हाल, तालाब, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवों के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आबादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।[१७]

नैणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण[१८] भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (सं० १७११ से सं० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लड़ाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भंडारी नारायणदास की

---

१७ "......मध्ययुग में मुणोत नैणसी के द्वारा इस प्रथा (मर्दुमशुमारी) का आविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पंचवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसकी हस्तलिपि आपके वंशज जोधपुर निवासी श्री वृध्दराजजी मुणोत के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड़ के परगने, ग्राम, ग्रामों की आमदनी, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाब, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।......संवत् १७२१ में सोवाणा की मर्दुमशुमारी हुई......महाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुतार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिंजारा १, छीपे २, नाई १, ढेढ १६, थोरी २, जागरी १, राजपूत ९५, कुल २८३ घर आबाद थे। ......संवत् १७२१ में जोधपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं।......संवत् १७२१ आश्विन कृष्णपक्ष दशमी को परगनों की मर्दुमशुमारी की गई।...—

नाम परगना	कुल ग्राम	आबाद	वीरान	सांसण
१. जोधपुर परगना	११६७	८०२$\frac{1}{4}$	२२०$\frac{3}{4}$	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७९	३२	३३
३. जैतारण परगना	१५२	१०५	२९	१८
४. फलोधी परगना	६८	४९	१०	९
५. मेड़ता परगना	३८४	२९८$\frac{1}{2}$	४०	४५$\frac{1}{2}$
६. सीवाणा परगना	१४४	९४	२०	३०
७. पोकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८$\frac{3}{4}$	३७९$\frac{3}{4}$	२९५$\frac{1}{2}$

.........आपकी हस्तलिखित पंचवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड़ से संबंध रखने वाली सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का भी विवेचन किया है। वह रिपोर्ट क्या है, तत्कालीन मारवाड़ का जीता-जागता चित्र है।"

—ओसवाल जाति का इतिहास : 'मुणोत नैणसी और मर्दुमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०

१८ 'ओफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोतस' में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बडा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेब के साथ महाराजा जसवतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लडाई मे वह बडी वीरता से लड कर घायल हो गया था[१९]।

नैणसी और सु दरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सु दरसी के पुत्रो आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नही समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागोर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहा भी इनका पीछा नही छोडा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहा रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवको ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विप दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बडी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना स. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र सग्रामसी और सामतसी वहा से भाग कर किशनगढ आ गये और वहा से बीकानेर जा बसे[२०]। लेकिन महाराजा जसवतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होने सग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओ में नियुक्त कर दिया[२१]।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजो और वशजो ने अनेक सघर्ष और सकटो को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बडी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओ के बदले मे इन्हे समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलिया, पद, उपाधिया, खास रुक्के और रिआयतें इनायत होती रही हैं[२२] और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग मे उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१९ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(आ) चोरनारायण का युद्ध ही सभवतः धर्मत का प्रसिध्द युध्द हैं। मारवाड का सक्षिप्त इतिहास, पृ. ३९८, प० रामकर्ण आसोपा ने धर्मतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड की ख्यातो में चोरनराणा नाम लिखा है और कोई फतिया-बाद बतलाते है।

२०. श्री ओझाजी, 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वि० खड नैणसी का वश परिचय पृ० २-४

२१-२२. उपरोक्त और 'ब्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित)

सम्मानों को प्राप्त करने का कारण इनकी वफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहणोत परिवार के पट्टे-परवानों आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ब्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरसी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से जरूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।

[१]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सभि दळां कीध नेसणसी सुंदर,
दळे वडा-वड मांझी दोय।
किरमर-हथा न पूजै कळहर,
कलम-हथा नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग मांणग जैमलका,
मुणसा गुर-सदतारा मीढ।
ईढ नको असमर-झल आवै,
आवै लेखण-झला न ईढ ॥२॥

भीच बिनै राजेरा भारी,
गहण उघारी घड ग्रहै।
जोड नको विणियांणी-जाया,
रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

विवेय कवी

सभि दळां कीध नैणसी सुंदर,
लाखां जिसा कहै जुग लोय।
जणणी हेकण किणी न जाया,
दोय बांधव सारीसा दोय ॥१॥

वीजो नको वीकपुर बूदी,
ढाल-उयाळ नको ढूढाड।
जैमल-रां सारीसा जोड़ो,
मारू नको, नको मेवाड़ ॥२॥

मेवासियां ग्रासियां माथै,
जैत्राई कसिया जरद।
तढमल नको हिंदवै तुरके,
मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाघ काछ घर उत्तर,
सह पूरव जोवतां सहोघ।
दूजी घरा न दीठा दूजा,
जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गड़ावोड़ गजराज घंट-रोळ पाखर गरर,
भँवरपत चमर छत्र आप भावी।
मारिया महण फोजां पखै महपती,
आवसै चीत गज फोज आवी ॥१॥

सोह दरबार री (दरबारी) दानि ऋन सरीखा,
लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा।
मालहरा विनै चीतारसी मुरघरा,
आवती घीम नै हूंत आडा ॥२॥

जन मंत्री लालच बँधै गाजिया,
घणा दिन लगे चित घाट घड़सी।
घगड़ घड़ भाजण मंडोवर से-घणी,
चरड़ अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविध घड़ भांजण जोघ जैमलतरा,
सांइयरै वाग गैणाग सारे।
कायथां बांभणां तणो कहियो करे,
मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वणियो इसो आज छक,
औरंग तोट पड़ ओतड़ै ऊर।
महाराजा जैसा इसा क्युं मारिजे,
सूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त बड़े महत्व के हैं। इन गीतों में नैणसी की वीरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का संचालन करने, युद्धों में लड़ने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं।

[४]

कवत मुहणोत नैणसीजो रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
श्रोनीदो ऊठियो वडा रावता सभूलो ।
पोहतो तीजी फाळ भजड हाथळ तोलतो ,
मेछ दळा मूगला घात सीकार रमतो ।
मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण धडच खळै ,
गडडियो सीह जैमाल रो, नैणसीह भरियो नळै ॥१॥

दाण भरै घरहरै भावा वाका श्रस मिलसो ,
मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळी गिलस ।
किरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,
वूब करै बीवजी भजो वे भजो भाई ।
पचनद परै श्रनहद वजै, श्रसुरापण गमसो श्रलग ,
नैणसी कसै जैमाल रो, पिछम घर ऊपर पमग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नटिया मूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई अज्ञात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और श्रीनाथजी (श्रीबालकृष्ण) के भक्त थे । उनके स्वयं के रचे हुए बंदी-जीवन के करुणापूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है । उपरोक्त गीतो में 'खोड नको विणियाणी जाया, रांणी-जाया उरै रहूं' के विरुद वाला नैणसी एक ओर 'किरमर-हथा, असमर-झल, मछर-गुर, उधारी-धड-गहण और सूरवर-आभरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम हथा, लेखण झल, जांणग, माणग और गुर-सदतारां' आदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक बहुज्ञ, बहुतश्रुत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दातारों का गुरु है । इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था । 'जणणी हेकण किणी न जाया, थोय बांधव सारीसा दोय' नैणसी का भाई सुंदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था ।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खडगावत, डाइरेक्टर, राजस्थान स्टेट आर्काइव्ज, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूं । सूचना के लिये श्री सौभाग्य-सिंहजी शेखावत का आभारी हूं ।

नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेस कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अतः यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं ।—प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. सं. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रंथ और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊंचे-नीचे और पारस्परिक संबंध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य हैं। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलों का इतना गहरा संबंध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन संबंधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके संबंध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके संबंध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागोर की जागीरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ माघ वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था।[1] बादशाह शाहजहां ने वि. सं. १६९५ को आषाढ़ कृ० ७ शुक्रवार

---

१. पं० रामकर्ण आसोपा द्वारा लिखित 'मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० ३८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—

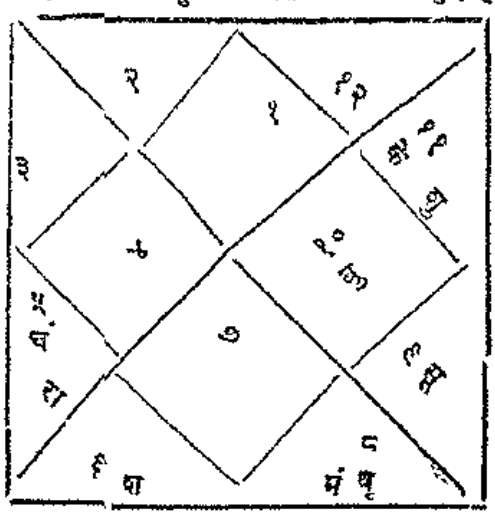

जोधपुर महाराजा जसवतसिंह - प्रथम

(वि० स० १६८३ – १७३५)

[राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]

को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी मे से मारवाड आये तो राडधरा (राष्ट्रधरा) के महेशदास के उत्पातो को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राडधरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेहवे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मदिर इन्ही महाराजा ने स १७०८ में बनवाया था।

स. १७०६ मे महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चीर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह की ओर से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

स १७१४ मे प्रसिद्ध घर्मत (चोरनारायण) में महाराजा जसवतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरगजेब का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

स. १७२५ मे महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शभाजी और शाहजादा मे सधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सुदरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) बदी जीवन से मुक्त हुए थे।

स. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धधुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे।

स. १७२८ मे जब औरगजेब ने गोवर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाई दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हे चौपासनी के पास कदमखडी मे रहने को स्थान दिया था।

स १७३५ की पौष वदि १० को जमरूद मे महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा सस्कृत, व्रज और मारवाडी के बडे विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पडित थे। इन्होने अनेक ग्रन्थो की रचना की है। जिनमे आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पांचों ग्रंथ वेदान्त के हैं। आनंद-विलास संस्कृत रचना है। भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है।

जोधपुर के अनार इन्हीं महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं। इन्होंने काबुल से अनार, मिट्टी और बागवानों को लाकर कागा के बाग में अनारों के पेड़ों का रोपण करवाया था। कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नींबूओं का बीज भी इन्हीं महाराजा ने कहीं से मंगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे। जगतसिंह, दलथंभन और अजीतसिंह। जगतसिंह भी दस वर्ष की ऊमर में ही चल बसा। दलथंभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानियां जमरूद से दिल्ली आ रही थीं लाहोर में एक ही दिन में सं. १७३५ को चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे। दलथंभन भी रास्ते में ही चल बसा। दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुकूमत जमा दी थी। बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कैद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था। मारवाड़ को बादशाही हुकूमत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक संघर्षों का सामना करना पड़ा था। स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं।

—आ० बदरीप्रसाद साकरिया

मुंहता नैणसीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

(१) वैयक्तिक (जीवधारी) – पुरुष, स्त्री व पशुनामावली

(२) भौगोलिक – ग्राम, देश, पर्वत, जलाशयादि नामावली

(३) सांस्कृतिक – ग्रंथ, संस्था, देवी, देवतादि नामावली

१. संकेत परिचय–

प० पहला भाग

दू० दूसरा भाग

ती० तीसरा भाग

दे० देखो

२ कुछ वर्णों के सम्बन्ध में–

(१) ल और ळ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार

(२) ड और ड़ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है।

(३) ळ वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता।

(४) शब्द के मध्य और अंत मे ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ळ हो जाता है। कई जगहो में अपने सही रूप मे भी उच्चारण किया जाता है; किन्तु वहां अर्थान्तर हो जाता है।

(५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी मे प्रायः ओकारान्त होते हैं।

[१] पुरुष नामावली

अ

अंगराज प. २८८
अंतरिक्ष ती. १७६
अंतरिख्य प. २८६.
अंधक दू. ३
अंबपसाव रावळ प. १२
अंबराय प. ११६
अंबराव प. १३५
अंबरीष प. ७८, २८८
अंबादित्य प. १०
अंबापसाव प. ५, ७६
अंबाप्रसाद प. ५
अंबुदेव राजा ती. १८६
अंबोपत्ता रावळ प. ७६
अंशुमान ती. १७८, २८८
अंसमान प. २८८
अंसुमान प. ७८
अकबर पातसाह प २१, ३०, ३२, ३६, १११, १५०, २५५, २६२, २६७, २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०४, ३१२, ३२०, ३२५, ३३१
,, पातसाह दू. ६८, २०५, २३८, २४०, २४२
,, पातसाह ती. २८, ५७, १८३, १६२, २०६, २३८, २४०, २४८, २६६, २६७, २७२, २७४, २७५, २७६
अको केलणोत दू. ३, १४३
अको चाचावत दू. ३३६, ३४०
अको राव दू. ११६
अक्रतासु प. २८७
अखैराज प. २३५, ३५३, ३५४
,, दू. १२४, १६८, २००
,, ती. २३४
अखैराज ईसरदासोत दू. १६२
अखैराज जैता रो प. ३५३
अखैराज झालो दू. २६३
अखैराज ठाकुरसी रो प. ३६०
अखैराज डूंगरसी रो प. १२०, १२१
अखैराज दलपतोत दू. १२८, १३१, १३२, १४४
अखैराज धीरावत प. २३७
अखैराज पातळोत दू. १६४
अखैराज प्रथीराजोत दू. १२३
अखैराज भगवांनदास रो प. ३०२, ३१०
अखैराज भादावत ती. ११६, १२०, १२१
अखैराज मेरावत दू. १८७
अखैराज रतनसी रो प. ३२७
अखैराज रायपाळोत दू. १५२
अखैराज राव प. १५५, १५६, १५७, १५८, १५६
अखैराज राव जगमाल रो प. १३५, १३७, १६१, १८६, १६०
अखैराज रावत कल्यांणदे राजा रो प. २६५, २६६
अखैराज राव राजसिंघ रो प. १३६, १८६, १६०
अखैराज रावळ प. ३३५
,, ,, दू. १०६
अखैराज सहसा रो दू. १२०
अखैराज साह प. ६६

अखैराज सोनगरो प. २०, २१, २८, २०७, २०८
,, सोनगरो तो ३१, ९५, १००
अखैराज हाडो प १०९
अखैसिंघ प ३२२
,, तो २३०
अखैसिंघ रावळ प १०९
,, ,, तो ३६, २२०
अखो दू ८७, ७८, ९५
अखो गागा रो प ३६३
अखो दयाळदास रो प २३१
अखो नेतसी रो प २४०
अखो भाण रो प. ३४१
अखो राम रो प ३५८
अखो रायपळ रो प ३४१
अगर प २२, २५
अगरसिंघ प ३००
अगस्त प १२२
अगिनीवरण प ७८
अग्नवरण प २८८
अग्निषर्ण प ७८
,, तो. १७९
अग्न सर्मा प ९
अचल प ७८
अचळदास प ६७, ११५, १६५, २१२, ३२०
अचळदास दू ९६, १६१, १६२
,, तो २३१
अचळदास किसनावत दू १२५
अचळदास केसवदास रो प ३१३, ३१५
अचळदास खीची तो १३५
अचळदास जगमालोत दू १२१
अचळदास जैतसिंघोत तो २०५
अचळदास प्रागदासोत प. २३९
अचळदास बळभद्रोत प ३०७
अचळदास भाटी दू ९५, १०६, १७४, १९२
अचळदास माधोदासोत दू १४९
अचळदास रघनाथ रो दू ११९
अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०
अचळदास विक्रमादीग्रोत दू १३०
अचळदास सावतसीग्रोत प २३४
अचळसिंघ प. ३००, ३२४
अचळो प २७, ६८, ७८
, दू ८५, १६८, १७८, १८२, १९७
अचळो खेतसी रो प. ३६०
अचळो नेतसी रो प २४०
अचळो भंरूदासोत दू १८१
अचळो रायमलोत तो ११६, २४६, २४८
अचळो रिणमलोत दू. १२, १४१
अचळो सिवराजोत दू. १८०
अचळो सुरताण रो दू. १०४, १५९
अचळो सेंला रो प ३२९
अज प ७८, २८८, २९२
,, तो. १७८
अजबसिंघ प २७, ६९, ८७, ३०५, ३०९, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८
अजबसिंघ तो २२४
अजबसिंघ करणसिंघोत तो २०८
अजबसिंघ विन्दावन रो प ३०६ ३०७, ३०८, ३१०
अजबो दू ९६
अजमखान नबाब दू २०५
अजमल चूडावत दू, ३१०
अजयपाल चक्रवर्ती प २९२
अजयभूपाल राणो तो. १७५
अजपवार दे० अजवाराह।
अजधार दे० अजवाराह।
अजवाराह तो २१९
अजसिंघ प ३२२, ३२४
अज सोहोजी रो तो २९
अजादित्य प. १०

अजीत मोहिल ती. १५८, १५९, १६०, १६७
अजीतसिंघ महाराजा ती. २१३
अजीत हाडो मालदे .त ती. २१६
अजु रावळ प. ७८
अजू दू. ३८, १०७
अजैचंद ती. १८०
अजैदेव प. २६१
अजैपाळ प. २६१, २८०, २९२
अजैपाळ गंध्रपसेन रो प. ३३८
अजैपाळ चकवै प. २९२
अजैबंध प. २९२
अजैराव प. २५१
अजैवाहु प. १२३
अजैसी प. १४, १५, १६३, १६४
अजैसी अजैपाळ रो प. ३३८
अजो प. ५१
,, दू. ७७, ८०, १००, ११७
अजो किसनावत दू. १४४
अजो चूंडावत ती. ३१
अजो (जांम) दू. २२४, २४०
अजो प्रथीराव रो प. २४३
अजो राजा रो दू. २६२
अजो सांवतसीग्रोत प. २३५
अटेरण दू. १, ११, १७
अड़माळ ती. १३८
अड़माल रिणमलोत दू. ३३८
अड़राज ती. ४९
अड़वाल प. ३९१, ३९२
अड़वाळ वीहळ प. २२५
अड़वाल सोढो प. ३६१, ३६२
अढू प. १६
अणंद दू. १४३
अणंदसिंघ प. ३१९
अणंदसिंघ ती. २२६, २३०
अणंदसिंघ अनोपसिंघोत ती. २०८
अणखसी रांणो रामसी रो प. ३४६, ३५२
अणघो दू. १०
अणतसिंघ ती. २२९
अणदो राव प. २८१
अणपाल भांणव दू. ५८
अणहल प. १०१, १३५, १७२, २३०, २५०, २५८
अतर प. १२३
अतिय प. ७८
अतिथि ती. १७८
अतिरथ प. २८८
अत्रि दू. ९
अढू प. १६
अदो वाघेलो प. १३७
अनंगपाल ती. १८७, २३८
अनंगराव प. १०१
अनंतपाळ प. २८९
,, ती. १८७
अनंतसी प. १४
अनंदराज प. ७८
अनरण्य ती. १७८
अनळ सींचो प. २९४
अनादि प. २९१
अनाभि प. ७८
अनियो (अनो) भाटी दू. ५८
अनिरुद्ध (अनुरुध) दू. ९
अनिरुद्ध गौड़ प. ३३०
अनिरुध प. २१२
अनुरुध दू. १५
अनुरुध राजा गौड़ प. ३३०
अनूपरांम प. ३०८
अनूपसिंघ प. ३०९
अनूपसिंघ जूझारसिंघ रो प. २९८, ३१०
अनूपसिंघ महाराजा ती. ३२, १७७, १८०, १८१, २०८ २०९
अनूपसिंघ सूरसिंघ रो प. ३२२
अनेकसाह ती. १८६
अनेकसिंघ राजा ती. १८६

अनेना प २८७
„ ती. १७७
अनरण प ७८
अनोपसिंघ प. १३३, ३०६ ३२४
„ ती २२३, २३६
अपर डोडियो दू. २०५
अबदुला खा प १३१
अबदुलो प ५६, ५७, ५८
अबाबकर सुलतांण ती १६१
अबुल फजल प १३०
अभगमसेन प ७८
अभग सेन प. ७८
अभीहड प. ३५२
अभंकरन प. ३०१
अभंचद ती. १८०
अभंमल पिथो रो ती १६०
अभंराम प ३०७, ३१०, ३२३
अभंराम ती. २२८
अभंराम अखैराज रो प ३०२
अभंराज धुधमार रो ती २१८
अभंसिंघ ती २३३
अभंसिंघ भाटी दू. ११०
अभो ऊदावत दू १४१
अभो नेतसी रो प. २४०
अभो भोजा रो प ३५४
अभो साखलो दू १८१
अभो सेखा रो प ३२७
अमर प ३४३
अमर जाडेचो दू २०६
अमर तेज प. २६२
अमरभाण प. ३२४
अमरयण प. २८६
अमरसिंघ प. १६०, ३२२, ३२४
„ दू. १६१
„ ती ३६, ३७, २२३, २२४, २२८, २३३, २३५, २३६
अमरसिंघ अणदसिंघोत ती. २०८
अमरसिंघ करणसिंघोत ती २०८
अमरसिंघजो दू १४६, १५७, १६०, १६३, १६५, १६७, १६८, १६६, १८३, १८८, १६३
अमरसिंघजो कुवर प. २०६, २३८, २४०
अमरसिंघ रांणो प ६, १५, २४, २८, २६, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६ ५७, ५६, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५
अमरसिंघ रामदास रो प ३०३
अमरसिंघ राजा प १३३
अमरसिंघ राजावत ती ३५
अमरसिंघ राव ती १८२, २१४
अमरसिंघ रावळ दू ६३. ६५, १०८, १०६
अमरसिंघ सबळसिंघोत ती ३५, २२०
अमरसिंघ हरिसिंघोत ती २४६
अमरसी रावळ प. ७६
अमरसी सोमावत प ३४१
अमर सोहड रो प. ३४३
अमरो प ६८, १५७, १५६, १६४, १६६, १६७, १७२, १७३, १६५, १६७, २१२
अमरो दू. ३८, ८८, ६२, १२२, १७५, १७७
अमरो अहीर प. ३१८ ३१६
अमरो कल्याणमलोत ती २०६
अमरो केसोदासोत दू १६८
अमरो खगारोत प ३०६
अमरो पिराग रो प २३८
अमरो भाणोत दू १८६
अमरो भाखर रो दू. ७६, १६६, १६८
अमरो भोजावत प ३५६
अमरो रतनावत दू १६३
अमरो राणो दे० अमरसिंघ राणो।
अमरो राणो झालो दू. २५७, २६४
अमरो रूपसी भाटी दू १६८
अमरो सोढो प. ३६१

अमीखांन पठांण दू. २०५, २४०, २४१
अमीपाळ प. २८६
अमीरखांन दे० अमीखांन पठांण।
अमृतपाल ती. १८८
अमेदसिंघ ती. २३०
अमर्पण प. २८६
अमर्षण ती. १७६
अयुनायु ती. १७८
अरजण रायमलोत ती. ११५, ११६
अरजन प. २७, ३०, १६६, १६८, १६०, २६१, २८०
अरजन दू. ११, ८८, १३१
अरजनदे प. २६१
अरजनदेव ती. ५१
अरजन भींव रो प. ३३५
अरजन रांणो मोहिल ती. १५३, १६६
अरजन, राव मालदे रो बोहीतो दू. ६८
अरजनसिंघ प. ३२२
अरजुण सूरसिंघोत ती. २०८
अरजुन पांडव दू. ३५, ३६
अरड़कमल प. २०५
अरड़कमल कांधळोत ती. १५
अरड़कमल चूंडावत प. ३४८, ३४६
,, ,, दू. ३१२, ३२४, ३२६, ३२७, ३२८
अरड़कमल चूंडावत ती. ३०
अरर्घाविव दू. १, ६
,, ती. ३७
अरसी प. २२५
अरसी रांणो प. १४, १५, ३२, ६८
अरसी रावळ प. ७६
अरसीह समरसी रो प. २०३
अरहड़ रावळ प. ७६
अरिमरदन प. ७८
अरुमक ती. १७८
अरोड़ भाखर दू. १७
अर्क ती. १७६
अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
अर्जुनपाळ राजा प. १२८
अर्जुनसिंघ ती. २२८, २२६, २३०
अर्द्धविव दे. अरर्घाविव
अर्घसोम ती. १८५
अर्बुद दू. ३
अलइयो दू. २१५
अलखां प. ३२७
अलखो चांदण रो प. ३१५
अलण प. २४७
अलधरो काकिल रो प. २६४, ३३२
अलफखां ती. २७४
अलमखां दे. अलफखां
अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३, २३०, २३१, २६२, २७६
अलाउद्दीन दे. अलावदीन पातसाह
अलावदी प. १४, २१३, २१६, २२०, ३३२, ३३५
अलावदीन पातसाह ती. २८, ५०, ५३, १८३, १८४, २६३
अलावदीन सुलतांण ती. १६०, १६१
अलावरदीखां ती. २७७
अलीखां दू. १०३
अलू प. ४, ५
अलैदियो दू. २०६
अल्लट महेन्द्र दू. ४
अवतारदे खीमरा रो प. ३५५, ३६१
अवलफजल प. १३०
अश्वमेघ राजा ती. १८५
असकरी कामरां प. ३००
असमंज प. ७८, २८८, २६२
असमंजस ती. १७८
अहमंद प. २६२
,, ती. १७, १८, ५७
अहमंदखांन ती. ५३
अहमंद चाहिल ती. १७

अहमदशाह सुलतांण तो १६१
अहिजन दू ७५, ७८
अहिनघु प ७८
अहिनाग प. २८८
अहिपथ तो १८७
अहिराव तो २१८
अहीन तो १७६

आ

आनो खीची प २५३, २५४, २५५
आंनो वाघेलो तो ५६, ६०, ६३, ६८, ६६, ७०, ७२
आंबा मालावत दू १७७
आबो राजसी रो, राणो प ३४६
आईदान दू ६६, २००
,, तो. २२७, २३३
आईदान ईसरदासोत दू १५१
आकडराय तो ५१
आकूतखां तो. २७६, २७६
आजमखा दू २५६
आजमखान दू. २४०, २४१
आटेरण दू १७
आणद प ३५२
,, दू ६५
आणदचद तो १८७
आणद जेसावत दू १७८
आणदसिघ प २६६, २०७, ३१८ ३१६
आदित्य राजा तो १८६
आदिसथ तो १८५
आनभराय प २८८
आपमल देवडो प १७८
आपमलसूरा रो प २००
आमत्र प २८६
आयसजी तो २८३
आयोतास प २८८
आलण प १६२, १८६, २०२, २४७
आलण मादडेचो प २८४
आलणसी कुतल रो राजा प २६५, २६६, ३३०
आलणसी मेहराज रो प ३४८, ३४६
आल राजा उदेचद रो प ३३६
आलुस रावळ प १२
आलू दू ४, ५
आल्हण आसराव रो प १३५
आल्हण देवडो प २२५
आल्हण माणकराव रो प १७२ २०३, २३०
आल्हणसी धीजड रो प १३४
आल्हणसी साखलो मेहराजोत द ३२७, ३४८, ३४६
आल्हण सोहड प २२५
आल्हो चारण दू ३०४ ३०५, ३०६
आसकरण प २५ १६७, १६५, ३०५
,, दू ६४
,, तो १४७, १४८, २२१
आसकरण ईसरदासोत दू १८६
आसकरण कला रो प १६०
आसकरण खेतसी रो दू १२३
आसकरण जसहडोत दू ४३, ४४, ५१, ५४, ५६, ७४
आसकरण झालो दू २५६
आसकरण भादावत दू १८८
आसकरण भीमावत तो २१४ २१७
आसकरण राणो झालो दू २५६ २५७
आसकरण राजा प २६०, ३०३
आसकरण राव तो ३६
आसकरण राव कान्ह रो दू १३६
आसकरण राव चद्रसेनोत प ७५
आसकरण राघत प ११७
आसकरण राव पूगळियो दू १३०, १३२, १३३
आसकरण रावळ प ७६
आसकरण लाडखान रो प ३२१
आसकरण सत्तावत तो. ३८, ३६
आसथान प ३३३
आसथांन राव दू २७६, २७७, २७८, २७६

आसथांन राव ती. २६, १७३, १८०
आसपखां प. ३३०
आसमक राज प. २८८
आसराव प. १३४
,, ती. २२१
आसराव कालण रो दू. ३८
आसराव खिंदराव रो प. १०१, ११६, १३५, १७२, १८६, २०२, २०३, २२६, २३०, २४७, २५०
आसराव धारावरीस रो प. ३५५
आसराव रतनूं-चारण दू ५६, ७२, ७४
आसराव रिणमलोत ती. ३०
आसराव सोढो प. ३६३
आसल प. ३४३
आसल मोहिल ती. १५८, १७०
आसल लाखण रो प. २०२
आसादित प. ३
आसावुद्धि ती. १८६
आसो प. १२५, १६६, २३८, ३४३
,, दू. ३८, ६३, १६४, १६५, १८६, १६१, १६६, १६६
आसो (आसथांन) दू. २७६
आसो कचरावत प. ३५७, ३६०
,, ,, दू. १७४
आसो डाभी दू. २७६
आसो पूना रो प. २००
आसो प्रागदासोत दू. १८४
आसो भील ती. ५३
आसो मांना रो दू. २६४
आसो रांमचंदोत दू. १५६
आसो रायपालोत दू. १४५
आसो वरजांग रो प. २३२
आसो वरसिंघोत दू. १७३
आसो संकर रो प. २४३
आसो सांवळदासोत प. ३४३
आहड़ मोहिल ती. १५८, १७०
आहूठमा नरेश प. ६
आहेड़ ती. १५४

इ

इंदराव मोहिल दे. इंद्रवीर रांणो ।
इंद्र ती. १७७
इंद्र किलंग रो प. ३३६
इन्द्रचंद प. ३१६
इंद्रजीत प. १२६, ३१०
इंद्रपाळ प. २६०
इंद्रभांण प. ६८, ३२१, ३२४
,, ती. २३३
इंद्रभांण केसरीसिंघोत दू. १५७
इंद्रभांण जैतसी रो प. ३१५
इंद्रभांण पंवार प. ४४
इंद्र राजा परमार ती. १७५
इंद्रराव दे० इंद्रवीर रांणो ।
इंद्रवीर रांणो ती. १५३, १६६
इंद्रसिंघ ती. २२१, २२४, २२६, २३५
इंद्रसिंघ मांनसिंघ रो प. १३३
इंद्रसिंघ राणावत ती. ३२
इंद्रसिंघ सगर रो प. २४
इंद्रत्रवा प० २८७
इक्ष्वाकु प. ७८, २८७
,, ती. १७७
इखुक प. ७८
इवार प. २८८
इसमाइलखां दू. १०४

ई

ईंदो प. १५३
,, दू. ३१४
ईतपाळ सोलंकी प. २८०
ईलियो चावड़ो दू. २०५
ईसर प. १६८, ३५१
,, दू. ७८, १४४, १७८
ईसर कपूर रो प. १२१

ईसर जैसा रो प १६६
ईसरदास प. ६६, १६०, २८१
,, दू. १२०, १२३
,, ती. ११८
ईसरदास अखैराज रो प. ३५४
ईसरदास उरजसिंघोत दू. १३०, १३६
ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६
ईसरदास कूपावत प ३१८
ईसरदास खेतसीओत दू ६३, ६४
ईसरदास जीवा रो प. २४१
ईसरदास जैमलोत प. ३२८
ईसरदास भोपतोत दू. १६०
ईसरदास मानसिंघोत दू १६३
ईसरदास मोहिल ती. ३१
ईसरदास राणावत दू. १५१
ईसरदास रांणो भोजराज रो प. ३५५, ३५६
ईसरदास रायमलोत दू १८२, १८६
ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६
ईसरदास वीरमदेओत दू १६६
ईसरदास वैरा रो प. २८१
ईसरदास सूजावत दू. १६१, १६२
ईसरदास सोढो प. ३६१
ईसरदास हरदासोत दू. १७६
ईसर पता रो दू. २००
ईसर बारहठ प. १५१
,, ,, दू २२३, २३६, २४६
ईसर रायपाळ रो प. ३५१
ईसर वीरमदेओत प. ३२
ईसर सीसोदियो प. १११
ईसरसिंघ ती. २२०, २३३
ईसरसिंघ प. २६०
ईसो बाभण दू. ३५, ३६
ईहड़ राणो प. १२४
ईहड़ सोळंकी ती. २५७
उगमणसीह सिखरोवत ती. ३०
उगरसेन प. ३२५
उगरो प १६३, १६८
,, दू १२२, १६८
उगरो लिखमीदासोत प. २३६
उदरसिंघ प. २६६
उग्रसेण चन्द्रसेणोत प. २३५, २३६
उग्रसेण नरसिंघदास रो प ३१६
उग्रसेन प. १६५, ३०४, ३०६, ३१७, ३२५
उग्रसेन अजैबघोत प. २६२
उग्रसेन केसोदास रो प ३१४
उग्रसेन छत्रसिंघ रो प २६६
उग्रसेन रावळ कल्यांणमलोत प ७४, ७५, ७६, ७७ ८७, १२०
उछरंग ती २२१
उणगराव ती. २२२
उत्तम रावळ प. ५, ७६
उत्तमरिख प १६३
उत्तमसिंघ ती. २२४
उदग भोहा रो प. ३३६
उदग सीहड़ रूणेचा रो प. ३४२
उदतराज रावळ प १२
उदयसिंघ करणसिंघोत ती २०८
उदयसिंघ महाराणा ती. १७३, २०७
उदयसिंघ दे० उदैसिंह मोटो राजा
उदयसेन ती. १८७
उदयादित्य राजा ती १७६
उदैकरण राजा प ३१३, ३२६
,, दू ६३
उदैकरण खवास रो प. ३२३
उदैकरण (जवणसी) जुणसी रो प २६०, २६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०
उदैकरण फरसरामोत प. ३१६
उदैकरण रामनारणोत प ३५८

उदैकरण वेणीदास रो प. ३१३
उदैकरण राजा प. ३१८, ३२६
उदैकरण राजा ती. १७५
उदैकरण रायमलोत ती. १०२
उदैकर पद्मनेत्र प. ७८
उदैचंद राजा प. ३३६
उदैभांण प. ३२४, ३२७
,, दू. १६०
,, ती. २२८, २२६, २३०
उदैभांण ईसरदासोत दू. ६४,१०६
उदैभांण देवड़ो प. ३२, १५७, १५८
उदैभांण फरसरांम रो प. ३१६
उदैभांण रावळ प. ८७
उदैमल पिथोरो ती. १६०
उदैरांम प. ३०८
,, ती. २३६
उदैरांम ब्राह्मण ती. २७६
उदैसिंघ प. १६६, ३१३, ३२८
,, दू. ८०, ८१, १६५, १८४, २०१
,, ती. २२६, २२७, २२६, २३१ २३७
उदैसिंघ अखैराजोत प. २०७, २११
उदैसिंघ कीरतसिंघोत ती. २१७
उदैसिंघ कूंभा रो प. ३१३
उदैसिंघ खंगारोत प. ३०६
उदैसिंघ गोपाळदासोत प. ३४३
उदैसिंघ जगमाल रो दू. ६८
उदैसिंघ जैमल रो प. ३१२
उदैसिंघ दूवोत प. १६६
उदैसिंघ पंचाइण रो दू. १२०
उदैसिंघ भगवांनदासोत दू. १७२
उदैसिंघ भादावत दू. १८८
उदैसिंघ भैरवदासोत दू. १६६
उदैसिंघ मालदेश्रोत दू. ६२
उदैसिंघ मोटो राजा प. १४२, १७०, २०८, २१०, २३२, २३३, २३८, २४१, २४२, २६७, ३००, ३०३, ३१२, ३२६
,, मोटो राजा दू. १२१, १२८
उदैसिंघ महाराजा जोधपुर ती. १८२, २१४, २१७
उदैसिंघ रांणो प. ६, १५, १६, २०, २१, २२, २३, २५, २६, २८, ३२, ३४, ३६, ४८, ४६, ५०, ५१, ५२, ६०, ६२, ७०, ७६, ८७, ६३, १०३, १०४, १०८, १०६, ११०, १११, ११२, १५०, १५७, १६०, २०७, ३४२
,, रांणो ती. ३१
उदैसिंघ रायमल रो दू. १२३
उदैसिंघ राव प. १६१, १६४
,, ,, ती. ३६
उदैसिंघराव रायसिंघ रो प. १३५, १३७, १३८, १३६, १४१
उदैसिंघ रावळ प. ७६
उदैसिंघ राव वाघोत वीकूंपुर धणी दू. १३०, १३१, १४१, १४४
उदैसिंघ विजा रो प. ३५८
उदैसिंघ वीठळदास रो प. ३०८
उदैसिंघ साहिब रो प. ३५८
उदैसिंघ सूरजमल रो प. १०६
उदैसी ती. १२४, १२६, १२७
उदैसोह अरसी रो प. २०३
उदोतसिंघ ती. २१७
उद्धरण राजा प. २६७
उधरण दू. १०३, १०४, १२१, १२६
उधरण अनवी प. १२३, १२४
उधरण गेहलोत प. २००
उधरण भोजदेश्रोत प. २३१
उधरण वणवीर रो प. २६०, ३१३
उधरण सारंग रो प. ३५१
उधरसिंघ प. ३२२
उपलराई प. ३३७

उपल राजा तौ. १७५
उरक्रिय प २८६
उरजण नरबद रो प. ५०, १०६, ११०
उरजन प १६४, १६७, ३६२
, दू ८०, ११६, १६६
उरजन कचरावत दू १८५
उरजन गोपाळदास ऊहड़ रो दू ६६
उरजन नरबद रो दे० उरजण नरबद रो
उरजन पचाइणोत प २३७
उरजन महेसदासोत दू १७०
उरजन विहळ प २२४
उरजन सत्तावत दू १४५
उरजन सोढो प ३६२
उसै राजा प २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
ऊगमड़ो ईं दो प ३४६
ऊगमड़ो ईं दो दू ३४२
,, ,, तौ २५१, २५६, २६६
ऊगमसी रांणो दे० ऊगमड़ो राणो।
ऊगो थिरा रो दू ३८
ऊगो मेहवचो दू १६४
ऊगो वैरसी रो दू २, ८१
ऊदळ भाटी दू ६६
ऊदो प १६, १७, ३६, ४१, ४२, ६८, १०१, २३६, २८१, ३५१
,, दू ८०, ८४
, तौ २३५
ऊदो ऊगमणावत तौ २५२, २५६, २५७, २५८, २५६, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
ऊदो करण रो प ३४३
ऊदो कूंभावत प ३६, ४१
ऊदो गोगादेम्रोत दू ३१७, ३१६, ३२०
ऊदो चाद रो प ३३१
ऊदो जैता रो दू १४१
ऊदो जैसा रो प १६६
ऊदो डूंगरसीम्रोत दू १७८
ऊदो त्रिभुवणसीम्रोत दू ३१४, ३१५
,, , तौ २४
ऊदो भैरवदास रो प २४०, २४१
ऊदो माना रो प ३६०
ऊदो मूंजावत प ३४६, ३४७, ३५२
ऊदो मूळावत दू ३००, ३०१
ऊदो रांमावत प. १६६
ऊदो रामावत दू १६४, १७३
ऊदो रायपाळ रो प ३५१ ३५३
ऊदो रायमलोत प ३५६
ऊदो राव लाखा रो प १३६, १४२, १५८
ऊदो लाला रो प ३१८
ऊदो सुरताण रो सोळंकी प २८१
ऊदो सोळंकी दू १०७
ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०
ऊदो हिमाळा रो प २४४
ऊधो साला रो प ३४१
ऊनड़ जाम दू २१५, २१६ २३६ २३७, २३८
ऊनड़ भाटी दू ३
ऊनड़ मूळराज रो दू ५४, ६६, ६७
ऊमजी तौ. २३३
ऊहो दू ६६

ऋ

ऋतुपर्ण तौ १७८

ए

एलविल तौ १७८

ओ

म्रोभड़ प १४
म्रोठो दू. २०६
म्रोढो दू २०६
म्रोढो रावण दोदो दे म्रोढो रावण दोदो।
म्रोसत राजा तौ १८७

औ

औरंगजेब पातसाह प. २६
,, ,, ती. १६२, २१४, २३८
औरंगसाह आलमगीर दे. औरंगजेब पातसाह ।

क

कँवरपाळ सोळंकी प. २६०, २६१
कँवळ दे. कमळ
कँवरसाल भैरूं रो प. ३२५
कँवरसी प. ३५२
कँवरसी ऊहड़ दू. १००
कँवरसी रांणो खींवसी रो प. ३४६
कँवळसी प. १२४
कँसेन प. ७८
कउकुस्त प. २६२
ककड़ प. १४
ककुत्स्थ प. ७८
कचरदास प. २७
कचरो प. २००, ३४३
कचरो दू. ८८, १३१, १४३
कचरो उदैसिंघ रो प. ३१२
कचरो गोयंददासोत दू. १८०
कचरो जैसा रो प. २८, ६८ १६५, ३५७
कचरो जैसिंघदे रो प. २३२
कचरो देईदास रो प. २३३
कचरो पीथावत दू. १६०
कचरो मेहाजळोत दू. १७४
कचरो संसारचंद रो दू. १८४
कचरो सांगा रो प. ३१५, ३१७
कड़वराव रांणो प. १२३
कनकसिंघ प. ३०६
कनकसेन प. ७८
कनीदास प. ३२६
कनीराम ती. २३३
कनीरांम बलपतोत प. २३५
कन्ह् प. २८, १६२
कन्ह् पंचायणोत प. २१
कन्हीदास (कान्हीदास) दू. १२०, १५१
कपिल मुनि दू. २१६
कपूर प. १२१
कपूरचंद बाला रो प. ३१८
कपूरो मरहठो दू. ४७, ४८, ४६, ५०, ६७
कमधज धुंधमार रो ती. २१८
कमरो प. ३००
कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०, २८७, २६२
,, दू. ६
,, ती. १७५
कमलादित्य प. १०
कमालवी दू. ४६, ४७, ४६, ५०, ५१, ५२, ५४, ६६, ६७
कमालदीन ती. ३३
कमालुद्दीन दे. कमालवी
कमो प. २७, ६८, ६६, १५६, ३४३
,, दू. २१५
कमो कल्यांणदास रो प. ३४३
कमो केलण रो प. १६८
कमो घोरंधार दू. १२
कमो बुध रो दू. १४०
कमो भैरव रो प. १६६
कमो मदा रो प. १६७
कमो रूपसी रो प. ३५६
कमो सीसोदियो रतनसी रो प. ५०
कमो सोळंकी दू. १०७
करण प. ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३
,, दू. ६६, ८२, ८४, ६०, ११६, १२२, १२५, १८२
,, ती. २२१
करण अखेराज रो प. ३५३
करण कान्हावत दू. १७७
करण गिरधरदासोत प. ३०५

करण गेहलो प २६१
,, , ती ५०, ५३, १८४
करण देईदासोत दू १६६
करण धोधो दू २०६, २१०
करण मांनसिंघोत दू १६१
करण रणमलोत ती २२६
करण रतना रो प ३४३
करण रांमचदोत दू १५८ १६६
करण राजा दू १३६
करण राव (बीकानेर) दू १३२
करण रावळ प ३५२
,, , दू १०, १४, ३६, ७५, ६६, १२१, १३०
करण वैरसल रो प १६६
करण सकतसिंघोत दू १५५
करणसिंघ महाराजा ती. १८ ३१, १८० १८१, २०८, २१०
करणसिंघ राव ती ३७
करण सूरजमल रो प ३६०
करणावित रावळ प ५, १२
करणादित्य प १०
करणो डहरियो प १३२
करन प १४, २१, ६३ ६६, ७०, १२८, १४२, १५६, १६१, १६४, १६६, १६७, १६८ १६६, २०६, २३८, २६०, २८०, ३०३
करन कान्हा रो प ३५२
करन गैहलो प २६१
करन चतुरभुज रो प ३४३
करन पतावत प ६७
करन महाराजा प १२८
करन, रतनसी रो भाई प २१
करन राणो प ६, १५, ३०, ३१
करन रावळ प ५, १३, ७६
करन बीसावत प १६८
करम (करमसी) रावळ प ७६
करमचद प २१, १०६, १२२
,, दू ६६, ७६, ६१, ६६, १२४, २०१
करमचद अचळा रो प ३२६
करमचद कल्याणोत ती २०५
करमचद केलण रो प २०५
करमचद जगन्नाथ रो प ३०१
करमचद दासा रो प ३१४, ३१५
करमचद नरहरदासोत दू १६६
करमचद रावत ती १७६
करमचद सरसिंघ रो दू १२७
करमसिंघ ती. २२५
करमसी प २६, १५६, २२६, ३२६
, दू १२४, २६४
करमसी अचळावत दू १८६
करमसा आसियो खींवसरोत प १६१
करमसी ऊहड दू १००
करमसी कल्यांणवास रो प ३११
करमसी खींदा रो प ३४१, ३४२
करमसी चहुवाण प ६७
करमसी चोबो प १५६, १५७, १६८, १७४, १७६
करमसी जसवीर रो प २०३
करमसी राजसी रो प ३४६
करमसी रायसिंघोत दू १६३
करमसी रावत दू ८६, ८७, ८८
करमसी रावळ प ७६
करमसी लूणकरणोत ती २०५
करमसी बीकावत दू १७३
करमसी सहसमल रो प ३२५
करमसी साखलो, हरिभक्त प ३४२ ३४६
करमसेन प २६, ३२४
,, दू ११३, १५२, १८६, १६३
,, ती. २२३
करमसेन राव दू ६५

करमो प. ६६, २४७
,, दू. ८०, ८१
करमो सेखावत प. १६५
करहीरो दू. २२६, २३०
करहो धुंधमार रो ती. २१८
कर्ण प. २१, २८, १६०, १६२
कर्ण चाचगदे रो ती. ३३
कर्णदेव ती. ५१
कर्मादित्य प. १०
कलंकी राजा ती. १८७
कलकरण केल्हण रो दू. ११६, १४४
कलकरण केहर रो दू. २, ७६, ७७, १५२
,, ,, ती. २०, ३४, १०४, २२१
कलमद राजा प. २६२
कलस सर्मा प. ६
कलादित्य प. १०
कलिकर्ण दे. कळकरण
कलो प. ६७, १६७, १७१, १७२, २३६, ३२६, ३४१
,, दू. ७७, ८५, १४३, १६६
कलो अखैराज रो प. ३२७
कलो केसोदासोत दू. १६८
कलो गांगावत दू. १६१
कलो ठाकुरसी रो दू. १६२
कलो भाटी दू. ६६, ७७, ६६
कलो भुजबळ रो प. १६४
कलो रतनावत दू. १३८
कलो रांमसिंघ रो प. ३६१
कलो रांमावत प. १६६
कलो रायमलोत दू. १८२
कलो राव मेहाजळ रो प. १४५, १४६, १४७, १४८, १६०, २४६
कलो रावळ दू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४
कलोलसिंघ ती. १६०
कलो वरसिंघ रो दू. १२७
कलो वीदावत ती. १२४
कलो वीसळ रो प. २०१
कलो संसारचंद रो दू. १८४
कलो सांवतसीग्रोत प. २३५
कलो साहरण रो प. १०१
कलो सिवराज रो प. ३५६
कल्यांण प. २७, २६०
कल्यांण किसना रो प. ८७
कल्यांणदास प. २५, २८, ३०७, ३२७, ३४३
,, दू. १५०, २६४
,, ती. २२५, २३६
कल्यांणदास उग्रसेणोत प. ३२०
कल्यांणदास करणोत प. ३२०
कल्यांणदास किसनदास रो दू. १२७, १२८
कल्यांणदास नारायणदासोत प. २४६, ३४३
कल्यांणदास प्रथीराज रो प. ३११
कल्यांणदास भांणोत प. २११
कल्यांणदास भाखरसीग्रोत प. १६६
कल्यांणदास भाटी ती. १८
कल्यांणदास राजधर रो दू. १७७
कल्यांणदास राजसिंघ रो प. ३०३
कल्यांणदास रायमलोत दू. १७३
कल्यांणदास राव दू. ८६
कल्यांणदास रावळ दू. ७६, ६८, १०२, १०३
,, ,, ती. ३५
कल्यांणदास लाडखांन रो प. ३२१
कल्यांणदे राजादे रो प. २६४, २६५, २६६, ३०१
कल्यांणमल प. १५६
,, दू. १००
,, ती. १०१, १०२
कल्यांणमल उदैकरणोत ती. १५१, १५२
कल्यांणमल जैतमालोत प. २२
कल्यांणमल फतैसिंघ रो प. ३१८

कल्यांणमल राव तो १७, १८, ३१, १८०, १८१, २०५, २०६, २०९
कल्यांणमल राव ईडर रो दू २५६
कल्याणमल रावळ दू. ११
कल्यांणसिंघ प २६ ४५, ३०५, ३०६, ३२१, ३२३, ३२४
,, तो २३५
कल्यांणसिंघ मांनसिंघोत प २९१, २९९
कल्लो प १९९
कल्लो रायमलोत तो २१४, २२०, २७२
कवरो प ३६२
कवाट दे कंवाट
कस्तूरियो मृघ (बिजो ई दो) दू ३४२
कस्यप प ७८, २८७, २९२
कश्यप तो १७५
कहनो राजा प २९३
कहवाट दे कंवाट
कागडो बलोच दू ५५
कांतिसेन तो १८९
काथडनाथ जोगी दू २१४
काधळ प ६६, १९५
कांधळ आलेचो प २१७, २१८, २१९
काधळ ओलेचो (आलेचो) तो २९३, २९४
काधळ कचरा रो प १९५
काधळजी तो १५ २१, २२
कांधळ देवडो प २२४
कांधळ भुजबळ रो प १९५
कांधळ मेहा रो प ३४१
कांधळ रिणमलोत दू ३३५, ३४२
,, ,, तो १६१, २२९
कांधळ सिंघवासोत दू १४५
कांन प. २७, ६८, १५९, १६०, १६१, १६३, १६४, १६७, २०५
कांन किसनावत दू १६४, १७३
कानड प २८१
कांनडदास प ३०९
कांनडदे प १४
कानडदे भाटी दू. ५२, ५४, ६६, ६७
कांनडदे मेर दे कांनो मेर
कांनडदे राव राठोड दू २८०, २८१, २८२, २८३
कांनडदे रावळ प २०४, २१३, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५, २३०, २३१
४०, ४१, ४२
कांनडदे सांवतसीग्रोत सोनगरो दू ३९, ४०, ४१, ४२
कांनड भाटी दे कानडदे भाटी
कांन राव रायमलोत प २५६
कांन सीसोदियो प ९६
कांनो प २००
कानो आलेचो प २२४
कांनो खेतसी रो प ३६०
कांनो गोपाळदासोत दू १८९
कांनो चारण प ३०७
कांनो मेर दू २७७, २७८
कानो सोढो दू १३५
कांन्ह प २१२, ३०७
,, दू १५, ७७, ८१, ८८, ८९, ९३, ९६, ९७, ११९ १२३, १२४, २६२, २६४
,, तो २९
कांन्ह अखैराज रो प. ३२७
कान्ह कल्याणदास रो प ३१२
कांन्ह कल्यांणोत तो २०५
कान्ह केल्हणोत तो ३०
कां ह तेजमालोत दू १२५
कांन्हड (जैस०) तो २२१
कांन्हडदे राव तो २३, २४
कांन्हडदे रावळ प १४, १८१
कांन्हडदे सोनगरो तो २८, १८४, २९३, २९४

कांन्ह दूदावत दू. १९७
कांन्ह भगवंतदास रो प. २९१, २९९
कांन्ह भोपतोत दू. १६१
कांन्ह रांणो भालो दू. २६५
कांन्ह राठोड़ रायसलोत प. ३२२
कांन्ह राव (कनपाल) ती. १८०
कांन्ह राव जैसा रो दू. १३९
कांन्ह राव पूगळ रो ती. ३६
कांन्ह सहसा रो प. ३१४, ३१६
कांन्हसिंघ जैतसीयोत प. २३७
कांन्ह सिंघ रो दू. २६४
कांन्ह सूजावत दू. १५१
कांन्हीदास प. ३२०
कान्हीरांम दे. कनीरांम
कांन्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
कांन्हो दू. १७६; १९३, २००
„ ती. १९, २०, ३१
कांन्हो आंबावत दू. १७७
कांन्हो कोळी दू. २५९
कांन्हो चूंडावत प. ३५३
„ „ दू. ३१०, ३१३, ३१४, ३३६
कांन्हो जांझणोत प. २३९, ३५७
कांन्हो तेजसी रो प. ३५८
कांन्हो पंचाइणोत प. २०७
कान्हो मेर दे. कांनो मेर
कांन्हो सादूळ रो प. ३१५
कांन्हो हमीरोत दू. १८०
कांमकाचंद राजा ती. १८८
कांमरां दे. कुंवरो
कांहियो दू. २१५
काकस्त प. ७८
काकिल राजा प. २९३, २९४, २९६, ३३२
काकिलदेव प. २९०
काकुस्त प. २८७
काकुत्स्थ प. २८७; २९२
काबो प. ३३७
कामपति सर्मा प. ९
कारतन राजा प. ३३६
कालण रावळ दू. १०, ३८, ३९, ६४
काळमुंधो दू. १०३
काळसेन राजा ती. १७५
काळो मोहिल दू. ३२६, ३२७
काळो चोर प. २७२
काळो टीवांणो दू. ३१४, ३१५
कालहण जेसळ रो दू. २, १५, ३९, ९२
„ „ ती. ३३, ३४, २२१
काश्यप प. २९२
कासिब प. २९२
किरतो आहेड़ोत ती. १५४
किलंग प. ३३६
किसन प. २७, १२१
किसनचंद प. ३१९
„ दू. ९२
किसनचंद राजा ती. १८९
किसन चूंडावत दू. १४४
किसनदास प. १६०, १६४, ३१३
„ दू ८८, ९०, १२३, १३९
„ ती. २२९, २३१
किसनदास अखैराजोत दू. १८७
किसनदास करमचंद रो दू. १२७
किसनदास पंचाइण रो प. ३०७, ३०९
किसनदास मेघराज रो प. ३५९
किसनदास रायमलोत दू. १५२
किसनदास राव लूणकरण रो प. ३१९
किसनदास सूजा रो प. ३१३
किसन भाटी बळुओत दू. १०७, १२४, १३४
किसन साह प. १२९
किसनसिंघ प. २५, ३१, २३५, २४७, ३०९, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
„ दू. ९५, ९७, १३३, १३९, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
,, ती. २२३, २२४, २२५, २२८, २३०, २३१, २३२
किसनसिंघ उदैसिंघोत दू १५५
किसनसिंघ खगारोत प ३०६, ३०७
किसनसिंघ गिरधर रो प ३२२
किसनसिंघ जूझारसिंघ रो प. २९८
किसनसिंघ रामचदोत दू १५८
किसनसिंघ राजसिंघ रो प ३०३
किसनसिंघ राजा ती २१७
किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७
किसनसिंघ रावत प. ३१६, ३१७
किसनसिंघ लूणकरणोत ती २०५
किसनसिंघ वाघावत प ३१६, ३१७, ३२०
किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती २१३
किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०
किसनसिंघ हमीरोत प ३०५
किसनो प १९, ६९, ८७, १५२, १६७, २३५
,, दू. ७७, ८०, ९९, १४३, १७४, २००, २६२
,, ती. ३७
किसनो खींवा रो प ३६०
किसनो जगमालोत दू १९१
किसनो जांझण रो प ३५२
किसनो तेजसीओत दू. १९४
किसनो नींबावत दू १५४, १६१
किसनो मेहाजळोत दू १७४
किसनो रामावत दू १६४
किसनो वाघावत ती. ३७
किसनो सिंघ रो दू २६४
किसोरदास प ३०७
,, दू ९६
किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८
किसोरदास महेसदासोत दू. १५८
किसोरसाह प १२९
किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६
कीतपाळ प २०५, २८०
कीतू प १३५, १६९, १८७, २०३, २४५, २४७
कीतो प २८
कीतो अवतारदे रो प ३५५
कीतो गोगली दू ३
कीतो सांडा रो प ३५४
कीरतखां अलखा रो प. ३१५
कीरतपाळ राठोड ती. २९
कीरत ब्रह्म रावळ प ५, ७९
कीरतसिंघ प २९८, ३११
,, दू ९१, १९६
,, ती २२१, २२३, २३२
कीरतसिंघ जैसिंघ रो प ३३०
कीरतसिंघ ताजखान रो प ३२४
कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प २९१, ३३०
कीरतसी राणो प १२३
कीत्तिमत ती १८७
कीत्तिसेन ती १८९
कील प १२४
कीलणदे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
कीलू करणोत प. ३४७
कुत प १२४
,, दू. ३
कुतपाळ प २०३
कुतल प ३३०
कुतळ कीलणदे रो प ३३१
कुतळ केल्हणोत ती ३०
कुतल माला रो प १२४
कुतल राजा कल्यांणदे रो प २९५, २९६
कुतसीह प १०१
कुभ प २८७
कुभकरण प ५४, १८८, ३२८
,, दू ९६, ३४३

कुंभकरण ती. २३१
कुंभकरण नाथावत ती. ३७
कुंभकरण रुद्र रो प. ३१६
कुंभक्रन दे. कुंभकरण
कुंभकर्ण दे. कुंभकरण
कुंभो दू. ९२, १२०, १२३, १२५, १८३ १९६, १९९, २०१
,, ती. २३४
कुंभो ईसरदासोत दू. १७९
कुंभो कांपलियो प. २४८, २४९
कुंभो किसनदासोत दू. १८७
कुंभो खेराड़ो प. २७९
कुंभो चाचा रो दू. ११७
कुंभो जगमाल रो दू. २८८, २९०, २९१, २९२, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७, २९८
कुंभो देवीदास रो दू ८४
कुंभो नरसिंघ रो प. १६६, १६७
कुंभो पलावत दू. १७१
कुंभो मनोहरदासोत दू. १६७
कुंभो रांणो दू. १५३, ३३९, ३४०
,, ,, ती. १, २, १३६, १४९, १५०, १६१, १६२, २४८
कुंभो वीरसिंघोत दू. १७३
कुंभो वीसारो प. १९९
कुंवरपाळ ती. ५२
कुंवर मांडणोत प. ३५४
कुंवरो प. ३००
,, ती. १६, १७
कुकर दू. ३
कुतबतारखां सुलतांन प. २६२
कुतबदीन ममारख सुलतांण ती. १९१
कुतबदीन ती. ५३, ५४, १९०
कुतुबखांन दू. २२४
कुतुब तातारखां दे. कुतबतारखां सुलतांन
कुतुबुद्दीन मुबारक सुलतान दे. कुतबदीन ममारख सुलतांण
कुदाद सुलतांण ती. १९१
कुमसी (कुंवरसी) रावळ प. ७९
कुरथ-सुरथ प. ७८
कुरमेर रावळ प. १३
कुरड़ो ती. २१८
कुलखत प. १२३
कुळसिंघ राउळ प. ८७
कुवलयाश्व ती. १७७
कुश ती. १७८
कुस प. ७८, २८८, २९२, २९३, २९५
कुसळचंद प. ३१९
कुसळसिंघ प. २०८, ३०५, ३०९, ३१० ३१७, ३२०
,, दू. ९४
,, ती. २२३, २३१, २३५
कुसळसिंघ रायसल रो प. ३०९, ३२४
कुसळो दू १३३
कूंतळ चूंडावत प. ६९
कूतळ सीसोदियो प. ६६, ६९
कूंपो ती. ८१, ८३, ८४, ९५, ९७, ९९
कूंपो अखैराजोत प. २३७
कूंपो ऊदावत प. ३९०
कूंपो मालावत दू. २८८
कूंपो मेहराजोत प. २०, २०७, २१२
,, ,, दू. १७८, १८७, १९२
कूंभो प. ३६१
कूंभो कछवाहो जुणसी रो प. ३२९, ३३०
कूंभो गोपाळदेजोत प. ३४८
कूंभो गोयंद रो प. २३९
कूंभो चंद राजा रो प. ३१३
कूंभो देवराज रो प. ३५६
कूंभो रांणो प. ६, १५, १६, १७, ५१, ५३, ५४, ९१, ३४२
कूंभो रांमसिंघ रो प. ३४३
कूंभो वीरमदे रो प. ३४१
कूंभो सीहड़ रो प. ३४१

कूभो सूजा रो प. १९७
कूभो सेखा रो प ३२८
कृतजय तो १७९
कृपाळदेव तो २१९
कृशाश्व तो १७७
कृष्णादित्य प. १०
केलण प. २०५
, तो ७२, २२१
केलण तेजसी रो प १६३, १६८
केलण दुजणसाल रो प. ३५५
केलण भाटी दू ३१५
,, ,, तो २०, ३४
केलण राव प २०३, ३५३
केलण रावळ दू २, ३, १२, ७५, ७६, १००, १०६, ११२, ११३, ११४, ११५, १२६
केलण वीसा रो प १९८
केल्हण राव तो ३६
केल्हणराव केहर रो दू ११२, ११४, ११५, ११६, १२९, १३७, १४०, १४१
केल्हण वीकावत तो. २०५
कल्हो दू ११२, ११३
केवळदास गोयदोत प. ६७
केवाघ प २९२
केसर मिलक दू ४७, ४८, ४९, ५०, ५२
केसरसिंघ प २०८
केसरिदेव रावळ दू २८०
केसरीसिंघ प २७ २८, २९, ४९, ११९, १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६, ३०७, ३०९, ३१०, ३१३, ३२०, ३२८
,, दू ९५, ९७, १७९, २६४
, तो २२६, २२७, २२८, २२९, २३०, २३१, २३५, २३६
केसरीसिंघ अचळदासोत प ३५९
,, ,, दू १५९
केसरीसिंघ करणसिंघोत तो २०८
केसरीसिंघ ठाकुर तो १७६
केसरीसिंघ दयाळदासोत दू १४७
केसरीसिंघ दूदावत दू १९३
केसरीसिंघ भाटी सपतसिंघोत दू १०६
केसरीसिंघ भोजराज रो प ३२३
केसरीसिंघ राव तो ३७
केसरीसिंघ रावळ प ७९
केसरीसिंघ लाडखान रो प ३२१
केसरीसिंघ लूणकरण रो प ३१७
केसवदास तो २३१
केसवदास देईदास रो प २३३
केसवदास भैरव रो प ३१३
केसव सर्मा प ९
केसवादित प. ३, ७८
केसवादित्य प १०
केसो प १९६, १९९
,, दू १४३
केसो उपाधियो प ३४४, ३४५
केसोदास प २६, २७, ६५ ६८ १२८, १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
केसोदास दू ८८ १२१ २६४
केसोदास अखैराजोत दू १५२, १८८
केसोदास ईसरदास रो प १५२ ३५४
केसोदास कीरतसिंघ रो प ३११, ३१४
केसोदास खगारोत प ३०६
केसोदास जगमालोत दू १७७
केसोदास जसवत रो प १२०
केसोदास जोगीदासोत दू ११९
केसोदास द्वारकादास रो प १६१
केसोदास नाथावत प ३११
केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
केसोदास नारायणदासोत दू २५६
केसोदास पंचाइण रो प २३७
केसोदास पतावत दू १७७
केसोदास प्रागदासोत दू १८३
केसोदास भाणोत प २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४
केसोदास मांन रो प. १०६
केसोदास मालदे रो प. ३१५
केसोदास रायसिंघोत दू. १६३, १६७
केसोदास राव प. ३१५
केसोदास वाघावत दू. ६०
केसोदास सहसमलोत दू. ६७
केसोदास सूरजमलोत दू. १८६
केसोदास हमीरोत दू. १७६
केसोदास हाडो प. ११७
केसो मुंहतो दू. १५८
केसोराय प. १३१
केसो लाडखांन रो प. ३२१
केसोसेन राजा ती. १८६
केहर दू. ४६, ५०, ११६, १५२
केहर रांणो झालो दू. २६५
केहर रावळ दू. १, २, १०, १४, १५, १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५
,, रावळ ती. ३४, २२१
कैकमरी लसकरी प. ३००
कैमास दाहिमो ती. २६
कैरव ती. १५३, १५४
कैवाट दू. २०२, २०७
कोजो चूंडा रो प. ३५१
कोदो रावत ती. १७६
कोळीसिंघ प. १५१, १५२
कौरव दे. कैरव
कौसल्य प. ७८
क्यांमखांन ती. २७३, २७४
क्रतराय प. २८६
क्रतांगराज प. २८६
क्रन वानेसवर प. १६१, १६२
क्रम प. २७८
क्रमपाळ प. २८६
क्षत्र ती. १७६
क्षीमराज ती. ५०
क्षुद्रक ती. १८०
क्षुद्रकराय प. २८६
क्षेमध्वनि दे. खेमधुनी

ख

खंगार प. १५, २७, ३६, ४७, ८६, ६२, १५०, १५५, ३१३
,, दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६ २१५, २१६, २१८, २१६, २२०, २२१, २२२, २२३, २४१
खंगार जगमालोत प. ३०४
खंगार तेजमाल रो दू. १२५
,, ,, ,, ती. ३७
खंगार जांझण रो प. २४०
खंगार देपा रो प. ३६३
खंगार भगा रो, भील प. ४७
खंगार भाटी नरसिंघ रो दू. १०७
खंगार राव दू. २०२, २३८, २३६, २५४
खंगार रावत रतनसीग्रोत प. ३६, ६६
खंगार राहिव रो प. ३५८
खंगारसिंघ ती. २३१, २३२
खंगारो हमीर रो प. १५
खंधारो प. ३५२
खंधारो धोरी ती. ५६
खटवांग ती. १७८
खड़गल तुंवर प. ३२०
खड़गसिंघ ती. २३२
खड़गसेन प. ३१२
,, ती. २२३, २२८
खरहथ डूंगरसी रो प. ३२६, ३५६
खरहथ बाला रो प. ३२६
खलमल धोरी ती. ५६
खवासण धाइ भाई प. ७१
खांडेराव प. ३३१
खांन दू. ३००, ३०१
खांन खांनो प. ३२५
खांन धोरो ती. २७८

खान नापा रो प ३३१
खानजिहां प २९९ ३०५, ३२१ ३२२, ३२६
खांन मिरजो तो ६९, ७०, ७१, ७२
खान हबीब प ३०७
खानजहा दे खानजिहा
खापू धोरो तो ५९
खाफरो चोर प २७२, २७३, २७४, २७५
खिजरखा लोदी तो १९१
खिलचखा तो १९१
खिलजी प ६, १४
खींदो प १९६
,, तो १४५ १४६
खींदो गोयद रो प १९५
खींदो बारहट दू ११८
खींदो वैरा रो प ३४१, ३४३
खींमरो दुजणसाल रो प ३५५
खींवकरण प ३२५, ३२८
खींवराज प १६३
खींवराज खिडियो प २०, ४८, ६६
खींवराज घघधाडियो प ६०, १८०
खींवसी राणो अणखसी रो प ३४६, ३५२
खींवसी सुरताणोत प ३४३
खींवो प १६, ९१, ९२, १०१, १४५, १५१, १५३, १६०, १६९, १७१, १९५, २०७
,, दू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३, १९९
खींवो करण रो प ३६०
खींवो जसहड रो प ३४७
खींवो जेठवो दू. २२१
खींवो राव दू १८४
,, , तो ३७
खींवो रावत सेखावत दू १२१
खींवो वरजागोत दू १९२
खींवो सोढो प ३६१
खींवो सोनगरो दू १२७
खीटवाळ दू १, ९
खीमपाळ तो २१९
खीमराज दे खेमराज
खीमरो प ३५५
खीमो तो २३५
खीमो ऊदावत तो १००, १०१
खीमो मुहतो तो ९५, ९८, ९९
खीमो राव पोकरणो तो १०३, १०४, १०७, ११०, १११, ११२, ११३, ११४
खीर दू १
खीरथुर प ७८
खीरज प ७८
खुधु प ७३
खुमाणसिघ रावळ प ७९
खुरम प २४, २६, २८, २९, ३०, ४८, ५३, ५६ ५८, ५९, ३०१
खुरम साहजादो दू १४८, १५२, १५६,
खुशरो दे खुसरू सुलताण
खुसरू सुलताण तो १९१
खूट (चारण) दू २०२, २०३
खू माण रावळ बापा रो प ४, १२ ५९, ७८
खेकादित्य प १०
खेढो वानर प २५०
खेतसी प १५, २३६, ३४३
,, दू ८५, १०४, १०५, १०९, १८५
खेतसी अरडकमलोत तो १६, १७
खेतसी ऊदा रो प. २४१
,, ,, ,, दू १७३
खेतसी किसनदासोत दू १८७
खेतसी जाडेचो दू २०९
खेतसी जैसिघदे रो प ३५२
खेतसी तेजसी रो प ३५७
खेतसी धाधू प १५२
खेतसी नेता रो प ३५२
खेतसी मडळीक रो दू १२१

खेतसी महीरांवण रो प. ३६०
खेतसी मालदेओत दू. ६, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७
खेतसी मालदेओत ती. ३५, २२०
खेतसी रांणो प. १५
खेतसी रांम रो दू. १४१
खेतसी राव दू. १३२
खेतसी सादूळोत दू. १६८
खेतसीह रतनसीहोत प. ६७
खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
खेतो प. ६, १५, १६, ५९, २५०
,, दू. ७५, ७७, ८१, १४३
खेतो कांपलियो प. २४९
खेतो तेजा रो प. ३५२
खेतो परवत रो दू. ८१
खेतो भाटी दू. ६६
खेतो रांणो प. ६
खेतो रांणो दू. ३२५
खेतो सहसमल रो प. ३५२
खेमधन प. ७८
खेमधुनी ती. १७८
खेमराज प. २५९
,, ती. ४९
खेम सर्मा प. ९
खेमादित्य प. १०
खेमो किनियो-चारण ती. ९१
खेलूजी ती. २७९
खेराज खरहथ वाला रो प. ३२९
खेराज रावत कीलणदे रो प. ३३१
खोखर दू. ३१०
खोटीवाळ दू. ९
खोहराव प. १९५

ग

गंग ती. १५३
गंग रांणा चाह रो दे. घणसूर
गंगादास प. ४३, ४६, ३५८
,, दू. ८०, १९८
गंगादास बैरसल रो प. ३५३
गंगादित्य प. १०
गंगाधरादित्य प. १०
गंजमादित्य प. १०
गंद्रपसेन राजा ती. १७५
गंधपाळ प. २९०
गंधर्वसेन दे. गंद्रपसेन राजा
गंध्रपसेन प. ३३६, ३६८
गजनीखांन दू. ९७
,, ती. १२४, १२५
गजनी पातसाह दू. ३३
गज सर्मा प. ९
गजसिंघ प. १६, २६, २७, ६८, १३३, १६१, १९७, २२७, २३३, २४७, २९९, ३००, ३०१, ३०८, ३१५, ३२८, ३४२
,, दू. १३४, २५७
,, ती. २२१, २२५, २२६, २२७
गजसिंघ केसोदासोत प. ३१०, ३११
गजसिंघ कुंवर दू. १५५, १६९, १९४
गजसिंघ जोधा रो प. ३५९
गजसिंघ महाराजा (जोधपुर) दू. ११०
,, ,, ती. १८२, २१४
गजसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२ १८०, १८१, २०८
गजसिंघ राजा प. ३२५, ३४२
गजसिंघ राजा दू. ८१, ९८, १५६
गजसिंघ हरनाथोत प. ३२३
गजू अचतारदे रो प. ३५५, ३५६
गजेसी प. ३४२
गजो भांभा रो प. १६२

गजो रिणमल रो प १३६
गहू प १६
गणेसदास राव ती ३६
गदाकर प २६२
गयासुदीन तुगलक साह ती १६१
गयासुद्दीन बलवड ती १६१
गयासुद्दीन बलवड (बलबन) देo गया-
सुदीन बलबड
गरीबदास प ३१, १५८, ३२५, ३२८
, दू. ६२
गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,
२१२, २१४
गहनपाळ प १३०
गहर राव दू २०२
गहरवार प. १२८
गांगो प ७६, १३७, १४१, १५६, ३४३
,, दू ७५, ८१, ८८
गांगो किसनावत दू १६७
गांगो खींवं रो दू. १२१, १२२
गांगो गोयंद रो प ३४६
गांगो चापा रो (चांपा रो ?) प ३५५
३५८
गांगो डूंगरसीओत ती. ८४
गांगो नरसिंघ रो प ३४३
गांगो नींबावत दू. १५४ १६१
गांगो भाखरसी रो प ३६३
गांगो भाटी वीरमदेओत दू १००
गांगो भैरवदास रो प २४१
गांगो राव ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
८५, ८६, ८७, ८८, ८९ ९०, ९१,
९२, ९३, ९४, १८२, २१५
गांगो रावळ प ७६
गांगो वरजांगोत दू १६२
गांगो हमीर रो प ३५८
गाडण सहजपाळ प. २२५
गाग्रड प ५, ७६
गारियो देo गाहरियो
गालण राव प २५३
गालवदेव सर्मा प ६
गालव सर्मा प ६
गालवसुर मर्मा प ६
गाहड दू २, ३३
राजा गाहडदेव (गाहडदे) ती. ४६
गाहर राव देo गहर राव।
गाहरियो दू २०२, २०६
गिरधर प २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
३४३
,, दू ८८, ९५, ९७, १२२, १२३
गिरधर अचळदास रो प ३०७, ३२५,
३२७
गिरधर कुंभार प ३५३
गिरधर चादावत ती २४६
गिरधरदास प ३२६, ३४३
गिरधरदास दू १८५
गिरधरदास नराइणदासोत प ३०५,
३२६
गिरधरदास माधोदासोत दू १४६
गिरधरदास रायसलोत प ३२१, ४४३
गिरधरदास सुरजनोत दू १८५
गिरधर भाटी गोवरधनोत दू १०६
गिरधर राजा प ३२६
गिरधर रावळ प ७६
गींदो प. २५३
गोगन राणा दू २६५
गुणरंग मंडळीक प १२३
गुमांनसिंघ ती २२७, २३१
गुरुप्रिय ती १७६
गुरु गोरख देo गोरखनाथ
गुरुप्रिय देo गुरुक्रिय।
गुलालसिंघ सिरदारसिंघ रो प १२१
गुहादित्य प ३, ७

गूंगो जगदेव रो प. ३३७
गूंडराज प. २५६
,, ती. ४६
गूंडो प. १२७, १२८, १३१
गूंदळराव खीची, प्रथीराज रो सांवत प. २५१, २५२, २५३
गूदड़सिंघ आणंदसिंघोत ती. २०८
गैचंद प. ३३८, ३३६
गैमल गजसिंघोत ती. ३०
गैहलड़ो प. ३३७
गोइंददास दे० गोयंददास ।
गोकळ दू० १४०, १७४
गोकळदास प. २६, ६६, २०८, २०६, ३०६, ३१२, ३१६, ३२५
,, दू. ६७, १२०
गोकळ पँवार प. ३४३
गोकळ पतावत दू. २००
गोकळ रतनू दू. ६, ३१
गोकळ सोढो प. ३६१
गोग रांणो दू. २६५
गोगादे ऊगमणोत ती. ३१
गोगादेजी प. ३४७, ३४८, ३४६, ३५०
गोगादे वीरमोत दू. ३०४, ३१२, ३१७, ३१८, ३१६, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३
गोगादे वीरमोत ती. ३०
गोगारांम प. ३२३
गोगो प. १३५
गोगोजी चहुवांण ती. ६२, ७२, ७३, ७४, ७५
गोतम दू. ६
गोतमादित्य प. १०
गोदभ प. ३३६
गोदसीदित्य प. १०
गोदसीस सर्मा प. ६
गोदो राजसिंघोत ती. ३०
गोपाळ प. १७, ३२६
गोपाळ दू. ७८
गोपाळ कांन्हा रो प. ३५२
गोपाळ खेतसी रो प. ३६०
गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६, ३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२
,, दू. ८१. ६१, ६२, ६३, ६५, १०८, १२२, १२८, १६१, १६७
,, ती. २३०, २३१, २३२
गोपाळदास आसावत दू. १४५, १४६
गोपाळदास ऊहड़ प. २४३
,, ,, दू. ६६, १०० १०२,
गोपाळदास कल्यांणमलोत ती. २०६
गोपाळदास किसनदासोत प. १५२
गोपाळदास गिरधर रो प. ३२२
गोपाळदास गोड़ प. ३०१
,, ,, ती. २७२
गोपाळदास जेसावत दू. १४६
गोपाळदास धनराजोत दू. १२२
गोपाळदास नाथावत प. २६०
गोपाळदास प्रथीराज रो प. ३०६
गोपाळदास भाटी आसावत प. १६१
गोपाळदास भींवांत दू. १६४
गोपाळदास मांडणोत दू. १६७
गोपाळदास मेरावत दू. १८८
गोपाळदास रांणावत दू. १६८
गोपाळदास राठोड़ दू. २०१
गोपाळदास सहसमल रो प. ३१४, ३१७
गोपाळदास सांवतसीओत प. २३१
गोपादासळ सुंदरदासोत दू. १५२
गोपाळदास सुरतांणोत दू. ६८
गोपाळदास सूजावत ती. २७४
गोपाळदे प. ३४६
गोपाळदे सींधल प. २५७
गोपाळ राव प. १५३, २५६
गोपाळसिंघ प. ३०१
गोपाळ सूजा रो प. ३२५, ३२६
गोपिंड प. ३३६

गोपीचंद राजा तो १८६
गोपीनाथ प १२०, ३०५, ३१५, ३१६, ३२६
गोपो प १६
,, दू १२, १७४
गोपो अखैराज रो प २३८
गोपो गंगादास रो प ३५३
गोपो देवड़ो दू १००
गोपो रांमा रो प ३५७
गोपो रावळ प १६, ७६, ८६
गोपो राव बीकूंपुर तो ३६
गोपो रिणमलोत दू १४१
गोयंद प १२, १७, ७८, १६४, १६५, १६६, ३२६
,, दू ७७, ८०
,, तो ११४
गोयंद ऊदा रो प ३६०
गोयंद ऊहड़ दू, १००
गोयंद कूंपावत तो १२३
गोयंद खंगार रो प ६६, ६२, ६३
गोयंददास प ६६, १६४, १६५, १६७, २३४, २३८, २३६, २४३, ३०८
,, ८८, ६४, १२२ १२३, १२५, १८३, १८६, १६८
गोयंददास आसकरणोत दू १३६
गोयंददास ईसरदास रो प ३५४
,, ईसरदास रो दू १०६]
गोयंददास उग्रसेनोत प २५६, ३२०
गोयंददास किसनावत दू. १६७
गोयंददास जेसावत दू १५०
गोयंददास तेजसी रो प ३५४
गोयंददास देवड़ो देवीदास रो प १४३
गोयंददास पचाइणोत दू ११६
गोयंददास प्रताप रो प १५६
गोयंददास बळभद्रोत प ३०७
गोयंददास भाटी दू ८१, १००, १५०, १५५, १५८, १६६, १७४, १८८, १६३, १६६
गोयंददास मानावत दू १५४
गोयंददास लखावत दू १६१
गोयंददास सहसमल रो दू ६६
गोयंददास सूरजमलोत दू १२८
गोयंददास हमीरोत दू. १८०
गोयंद देवड़ो दू १००
गोयंद राजधर रो प ३५६
गोयंदराज सोळंकी प २८१
गोयंदराव प २५१
गोयंद रावळ प १२, ७८
गोयंद सांवतसी रो दू ७८
गोयंद हमीर रो प ३१८
गोरखदांन (कतर) तो २२७
,, (गैंडाप) तो २२७
गोरखनाथ दू २११, ३२०
,, तो ७६
गोरधन गिरधर रो प ३२२
गोरधन रांमसिंघ रो प ३४३
गोरो प २५२
गोरो राघावत पड़िहार प १५२
गोरो सोनगरो तो २८०, २८६ २६०, २६१
गोवंद रावत खंगार रो प ६२, ६३
गोवरधन प ६८, १६०
,, दू ६५, १२२, १२३, १८६
गोवरधन कूंभा रो प ३४१
गोवरधनदास प ३१६
गोवरधन सर्मा प ६
गोवरधन सुंदरदासोत प ११७, १२५
गोवरधन सोढो प ३६१
गोवरधनादित्य प १०
गोविंद कवियो चारण तो २७०
गोविंदचंद राजा तो १८६

गोविंददास प. ३०४, ३०८, ३१६, ३२६
,, ती. २३१, २३२, २३४
गोविंददास उग्रसेणोत प. ३२०
गोविंददास बळभद्रोत प. ३१८
गोविंददास भाटी दू. २५३
गोविंदपाल राजा ती. १८८
गोविंद राजा ती. १८६
गोविंद सर्मा प. ६
गोविंदादित्य प. १०
गोशील दे० गोसील रांणो ।
गोसील रांणो ती. १७५
गौतम प. २६३
ग्यांनसिंघ प. ३००
ग्रहादित प. ३, ७८
ग्रहादित्य प. १०

घ

घड़सी प. २३१
घड़सी रतनसीग्रोत दू. २८८
घड़सी रावळ दू. १०, १३, ५२, ५३, ५४, ६६, ६७, ६८, ६६, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३, २८५
,, ती. ३४, २२१
घड़सी रायमलोत दू. १८६
घड़सी धोकावत ती. २०५
घड़सी सोढो प. ३६१
घणर दे० घणसूर
घणसूर (रांणा चाहड़रो बेटो) ती. १५३, १६६
घनादित्य प. १०
घाघड़दे (राजा) ती. ४६
घायड़दे ती. ४६
घोघो अवतारदे रो प. ३५५

च

चंडो प. १६
चंद प. २८७
चंद उधरण रो प. ३१३
चंदगिर प. २६०
,, ती. ५०
चंद रांणो परमार ती. १७५
चंदराज प. ३५८
चंद राजा प. ३१३
चंदराव दू. ८६
चंदेल धुंधमार रो ती. २१८
चंदो प. २६, १४२, १७३
चंदो राव ती. २४८
चंद्रपाळ राजा ती. १८८
चंद्रभांण प. ३२७, ३२८
चंद्रभांण जेतसी रो प. ३१५
चंद्रभांण बुरजणसाल रो प. ३०५
चंद्रभांण परसोतम रो प. ३२३
चंद्रभांण रांमसिंघोत प. ३२०
चंद्रभांण सांवळदासोत प. १०२
चंद्रभांण हिरवैरांम रो प. ३२४
चंद्रमिण प. १३०
चंद्र राजा प. १३०
चंद्रराव प. २५१
,, दू. १६८
चंद्र रावळ प. २०४
चंद्रव रतनूं-बारहठ दू. ५४
चंद्रशेखर कवि ती. २६६
चंद्रसेण ती. २३०
चंद्रसेण राव प. २३, ७८, १६४, १६८, २०८, २३७, २३६, २४३, २६०, ३५६
,, राव दू. ६७, ११६, १२७, १३२, १४५, १६१, १६३, १६७, १६८, १६६, १७५, १८६, १६४
,, ,, ती. १२८, १८२

चद्रसेण राजा उद्धरण रो प २६७
चद्रसेण पता रो प. ३५५
चद्रसेन प ७८, २६०
चद्रसेन दू १३४
चद्रसेन झालो दू २५६, २६३
चद्रसेन झालो मानसिंघ रो दू. २५६
चद्रसेन युधसेन रो प २६२
चद्रसेन भगवतदासोत प २६१
चद्रसन भाटी दू ८१
चद्रसन रांणो रायसिंघ रो दू २५४ २५५, २५६
चप ती. १७८
चपक दे० चप ।
चपतराय प १३१
चपराय प ११६
चकतो भोपत रो ती. ३७
चक्रसेन प. १२७
चतुरग प २८६
चतुरभुज जोगीदासोत दू १८५
चतुरभुज रायसिंघोत दू. १६४
चतुरसिंघ प. ३२१
चतुरसिंघ भगवत रो प. ३२६
चतुरसिंघ (रावतसर) ती. २२६
चतुरसिंघ रूपसी रो प. ३०६, ३१२, ३२१, ३२३
चतुरसिंघ हररामोत प. ३२४
चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६
चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८, ३१८, ३२५
चत्रभुज दयाळदासोत ती. २१३
चत्रभुज प्रथीराजोत प. ३११
चत्रभुज मालदे रो प. ३१५
चत्रसाल प. ३१५
चरडो ती. १४०
चरडो चद्रावत दू. ३४२
चहुवाण प. ११६
चहुवाण ती १५३, १६६
चांदण प ३१५
चांदण लिहियो दू ३३३, ३३४
चादण सोढो प ३६३
चांदराज जोधावत ती ११६, ११७, ११८
चादराव अरडकमलोत ती १४०
चाद, राव जोधा रो प ३५७
चांदराव रतनसी रो प ३५८
चांदराव वाघोत दू १४६
चादरो भीमसी रो ती २३६, २४०, २४७
चादसिंघ प ३२३
चांदसिंघ (लाबिया) ती २५३
चादसिंघ सूरसिंघ रो प ३००
चादसे (चद्रसेन) प. ७८
चादो प १५४, १५५, १५६ १५७, १५६, १६४, १६८
, दू ६५, ६६, १४२, १६७
चादो खीची दू १८६
चादो गागा रो प ३६३
चादो चूडावत ती ३१
चादो जगमाल रो दू ६८
चादो चोरी ती ५१, ६१ ६३ ६५, ६६, ६८, ६६, ७०, ७१, ७५, ७६, ७७, ७८, १२१
चादो नारण रो प ३५८
चादो माडण प २४३
चादो मेहवचो दू ६५
चादो रायमलोत दू. १२३
चादो रावत दू १२२
चादो विहळ प २२४
चादो सूजा रो प ३२५
चानणदास (चादण) दासा रो प ३१४, ३१५
चानण दासै रो प ३१५
चापो प १६३, १६७
,, दू १४४

चांपो गंगादास रो प. ३५३
चांपो छेनो दू. १६
चांपो तेजसी रो प. ३५७, ३५८
चांपो पूना रो प. २००
चांपो वालो दू. २०५
चांपो भाखरसी रो प. ३५६
चांपो रांणो दू. ६
चांपो सामोर-चारण ती. १६८
चांमुंडराय प. २५२, २५६
चांवड़दे दू. ३२
चाच. प. २६१, २८०, २८८
चाच दू. १५
चाचग आसथांन रो ती. २६
चाचगदे प. ३६३
चाचगदे करमसी रो, रावळ प. २०३, २०४
चाचगदे कालण रो, रावळ दू. १०, ३८, ३६, ६२
,, कालण रो, रावळ ती. ३३, २२१
चाचगदे वैरसी रो दू. ११, ४२, ४३
चाचगदे सोढं रो प. ३५५
चाचग वीरम रो प. ३४०
चाच रांणो प. १२३
चाच सोळंकी प. २६१, २८०, २८८
चाचो प. १५, १६
चाचो दू. ३३८, ३३६
,, ती. १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १४६
चाचो कांना रो प. ३५८
चाचो केल्हण रो दू. ११६, ११७, १२६, १३७
चाचो पूना रो दू. ६६
चाचो राव ती. ११३
चाचो राव (पूगळ) ती. ३६
चाचो रावळ ती. ३४, ३५
चाचो रावळ वैरसी रो दू. ११, ८०, ८२, ८३, ६२
चाचो सिवा रो प. ३५१
चाचो सीसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
चापोत्कट दू. २६६
चामंडराज प. २५६
चामंड राजा ती. ४६
चामुंडराय ती. ५०
चामंडराय दाहिमो प. २५२
चाय प. ११६
चालुक्य दू. २६६
चावंडराज प. २६६
चावंडो प. २०४, २६०
चावोटक दे० चापोत्कट।
चासळ थोरी ती. ५६
चाह चहुवांण रो ती. १५३, १६६
चाहड़दे प. १८६
चाहुवांण प. ३६५
चित्ररथ राजा ती. १८५
चित्रसेन राजा ती. १८७
चित्रांगद मोरी ती. २८
चित्रांगद राजा परमार ती. १७५
चिराई वारहठ आसराव रो दू ७४
चीगसखां दू. २०२
चीचो प. १६६
चीर सर्मा प. ६
चूंडराव प. २५६; ३४३
,, ती. ४६
चूंडराव देला रो प. ३४१
चूंडो जसहड़ रो दू. ३०४, ३०५, ३०६, ३०७
चूंडो राव प. १५, १६, ३४७, ३४८, ३५०, ३५३
,, राव दू. ६५, ८४, ११४, ११५, २८५, ३०८, ३०६, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३२४, ३२८, ३२६, ३३६

चूंडो राव ती. ३०, १२६, १८०
चूंडो सातावत रांणो प. ६६
" " " दू. ३३१, ३३२, ३३३, ३३४
चूंडो हरभम रो प ३५१, ३५२
चूंडासमो दू १, १६
चैनसिंघ (कुंभांणो) ती. २२८
चैनसिंघ (गंगल्यावास) ती. २३५
चैनसिंघ (भेऊ) ती. २२५
चोंपो रजपूत ती. १२६
चोरंग राव प. २२६
चोरासी-मिलक प. ८०, ८१, ८२
चोहथ प. २००
चोहिल सूत्रधार प. ३५३
चोहथ हूंदो ती. १३३
च्यवन प. ७८

छ

छत्रसिंघ दे० छत्रसिंघ (कतर)।
छत्रपति शिवाजी प. १५
छत्रराज प. २८६
छत्रसिंघ प. ३२६
छत्रसिंघ कछवाहो प. ३१, ३०५
छत्रसिंघ (कतर) ती. २२७
छत्रसिंघ माधोसिंघ रो प. २८६
छाजू चंदावत ती. २४०, २४१, २४२, २४३, २४७
छाडो राव ती. ३०, १८०
छाताळ प. ३१०
छाहड़ धरणीवराह रो प. ३५५, ३६३
छाहड़ दू. २०६
छीकण दू. १, ११, १७
छीतर प ६२
छीतरदास प. ३०७, ३०८
छीतरदास दयाळदासोत दू १४६, १४७
छीतर नरा रो प. ३१३
छीतर पूरणमल रो पं. ३१३
छेलो दू. १, ११, १६
छोहिल राजपाळ रो प ३३६, ३४०

ज

जगजीवणदास ती २२४
जगडोत जोसी प १८०
जगतमिण प १३०
जगतसिंघ प. ६, १५, २२, २५, ३१, ३३, ३५, ४५, ६८, ६६, ११७, १२१, २०६, २६१, ३१०
" दू १२२, १५७
जगतसिंघ अचळदासोत दू. १५६
जगतसिंघ अमरसिंघोत प. ३०३, ३१०
जगतसिंघ जसवंतसिंघोत दू. १०६
" " ती ३६, २२०
जगतसिंघ (जेसळमेर) ती. २२०
जगतसिंघ (नींबी) ती २२५
जगतसिंघ (नींबोळ) ती. २३६
जगतसिंघ (मलकासर) ती २३०
जगतसिंघ मांनसिंघ रो प. २६१, २६७
जगतसिंघ (रायतसर) ती २२६
जगतसिंघ (सांखू) ती २२४
जगतसिंह राजा ती २७२
जगतहर प १२७
जगदीशसिंह गहलोत ती २६६
जगदे दू १२४
जगदेव प ३२२
जगदेव पवार (परमार) प ३३६, ३३७
" " " ती १७६
जगदेव राव आसकरण रो दू. १३६, १४०
जगदेव राव (पूगळ) ती. ३६
जगधर प. १२४
जगनाथ प. २७, ६७, ६६, ११३, १६५, २३६, ३०६, ३१६, ३६२
" दू. ६१, ११६, १२३, १६५, १७१, १६८
जगनाथ अमरा रो प. ३५६

जगनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०६
जगनाथ उदैसिंघोत प. ३०८, ३१४
जगनाथ कलावत दू. १६२
जगनाथ कल्यांणदास रो प. ३४३
जगनाथ किसनदासोत दू. १८७
जगनाथ गोइंददासोत प. ३१७, ३२५, ३२७
जगनाथ जसवंतोत प. २०६
जगनाथ देवड़ो प. १६५
जगनाथ नांदा रो प. ३५८
जगनाथ प्रथीराजोत दू. १६३
जगनाथ भालरसीघ्रोत दू. १६८
जगनाथ भारमल रो प. २६१, ३००, ३०१
जगनाथ भैरवदासोत दू. १६६
जगनाथ माधोदासोत दू. १६३
जगनाथ मुंहतो दू. १३१
जगनाथ राघोदासोत दू. १४८
जगनाथ राजा प. २६१, ३१४
जगनाथ राजा दू १५५
जगनाथ राव दू. १६७
जगनाथ रूपसीघ्रोत दू. १४७
जगनाथ विजा रो दू. १०४
जगभांण प. ३१०
जगमाल प. १८६, २३२, ३४३, ३६२
,, दू. ७७, ८४, ६४, १०७, १२१, १२२, १२६, १२८, १५६, १६६
,, ती. २३४
जगमाल कल्यांणदास रो प. ३४३
जगमाल चंद्रसेणोत प. २६०
जगमाल जैसिंघदेवोत प. २४२
जगमाल देवड़ो प. १३६, १४०
जगमाल नेतसी रो प. २४०
जगमाल पंचाइणोत दू. १७७
जगमाल प्रथीराज रो दू. ६८
जगमाल भाटी खींवावत दू १३२
जगमाल भारमल रो प. ३१७
जगमाल मालावत प. २४६, २५०
,, ,, दू. १३, १४, २४, ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६, २८८, २८६, २६०, २६१, २६७, २६६, ३००
,, मालावत त . ३,४,२५२,२५३,२५४
जगमाल रांणा उदैसिंघ रो प. २२, २३, २४, २८, १६६
जगमाल रायमल रो प. ३२६
जगमाल रावत प. १४३
जगमाल रावळ उदैसिंघ रो प. ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ८७
,, रावळ उदैसिंघ रो ती. २६६
जगमाल राव लाखावत प. १११, १३५, १३६, १६०, १६१
,, राव लाखावत दू. १६१
,, ,, ,, ती. २१५
जगमाल रिणमलोत दू. १२, १४१
जगमाल वरजांगोत प. २३२
,, ,, दू. १६१
जगमाल वैरसल रो दू. ११८, ११६, १२०, १२७
जगमालसिंघ (भनाई) ती. २२४
जगमालसिंघ (सांडवो) ती. २२४
जगमाल सीसोदियो उदैसिंघ रो प १५०, १५१, १५२
जगमाल सीसोदियो वाघावत प. ६६
जगमाल हाडो प. ५०
जगरांम प. ३०२
जगरांम जवणसीघ्रोत मोहिल ती. १६५
जगरांम (जुणलो) ती. २३६
जगरांम (नींवाज) ती. २३५
जगरांम (नींबोळ) ती. २३६
जगरांम (रास) ती. २३५
जगरूप प. २६, ६८
,, दू. १३४

जगरूप जगनाथ रो प ३०१
जगरूप प्रतापसिंघ रो प ३१५
जगरूपसिंघ तो २२४
जगरूपसिंघ परमार तो १७६
जग सर्मा प ६
जगसी मुध रो दू ३१
जगसी सींधळ प २२६
जगहप खेतसी रो प २४१
जगहप घूहडजी रो तो २६
जगहप मेहाजळ रो प ३५१
जगादित्य प १०
जगो प ५१, ६७
,, दू ८८
जगो आसल रो प ३४३
जगो चूडावत तो ४७
जगो लाडखान रो प ३२१
जगो सोळको दू १०७
जगो हमीरोत दू ८०
जजात राजा दू ६
जतहर दे० जगतहर।
जदु राजा दू ६, १६
जनकादित्य प. १०
जनकार सर्मा प ६
जनमेजय दे० जनमेज राजा।
जनमेज राजा प ८ १०
,, ,, तो १८५
जन सर्मा प ६
जनागर दू २०६
जन्हु प ७८
जबदू प १०१
जबो सींगटोत मोहिल तो १६५ १६६
जमलो अहीर दू २२६ २२७ २२८
जयचद तो १८०
जयदेव राजा परमार तो १७६
जयवत धुधमार रो तो २१८
जय सर्मा प ६
जयसिंघ (कूदसू) तो २२६
जयसिंघ (केसणसर) तो २२८
जयसिंघदेव लघु (अणहिलपुर) तो ५१
जयसिंघ (पातळासर) तो २३३
जयसिंघ महासिंघोत प २६१
जयसिंघ राजा प २६१, ३१७
जयसिंघ (लखमणसर) तो २३३
जयसिहदेव (अणहिलपुर) तो ५१
जरसी, राव कीलणदे रो प ३३१
जरसी रावळ प २६६
जलादित्य प १०
जलाल जळूको तो ६६
जलालदीन अकबर पातसाह तो १६२
जलालदी सुरतांण प २०३
जलालदी सुलतांण तो १६१
जलालुद्दीन दे० जलालदी सुलताण।
जलालुद्दीन अकबर दे० जलालदीन अकबर पातसाह।
जलालुद्दीन सुलतान प २०३
जवणसी कुतल रो प २६० २६५ २६६ ३२६ ३३०
जवणसी मोहिल तो १६५
जवांनसिंघ (रास) तो २३५
जसकर प ६
जसकरण प १५, ३०६
, दू ६४
जसकरण (छिपियो) तो २३७
जसकरण नरहरदास रो प ३०८
जसकरण (बासो) तो २३७
जसकरण भोम रो प १२१
जसचद धुधमार रो तो २१८
जसपाल रांणो तो १७६
जसमाई प २६२
जसराज (कल्याणसर) तो २२७
जसराज रावळ कल्यांणदे रो प २६५

जसवंत प. ६, २५, २७, २६, ६७, ७६, १६३, १६५, १६८, १८७, २०८, २१२, २८५, ३१३, ३२५
,, दू. ७८, ८८, ६१-६३, ११६, १२२, १२४, १२८, १२६, १४०, १७४, २५२, २६४
जसवंत करमसी रो प. १२०
जसवंत केसोदास रो प. ३१३
जसवंत डूंगरसीग्रोत दू. १५१
जसवंत नारणदास रो प. ३५८
जसवंत फरसरांम रो प. ३१६
जसवंत भाटी दू. ७६, १०८, ११६, १२२
जसवंत मदनसिंघ रो प. ३१७
जसवंत मांनसिंघोत प. २१२
जसवंत रावत नरहरोत प. ६६
जसवंत रावळ प. ७६
जसवंत रूपसीग्रोत दू. १४८
जसवंत लूणकरण रो दू. ८१
जसवंत वीजड़ देवड़ा रो प. १३४, १८१
जसवंत (जसूंत) वीरमदेग्रोत दू. ११७
जसवंत वैरसलोत दू. ८०
जसवंत साधूळोत दू. १६१
जसवंतसिंघ प. २६, १३०, १७२, २११, २३४, २७६
जसवंतसिंघ (कलासर) ती. २३०
जसवंतसिंघ (पल्लू) ती. २२६
जसवंतसिंघ (महाजन) ती. २२८
जसवंतसिंघ महाराजा प. २११
जसवंतसिंघ महाराजा दू. १०५, १०६, १०८
जसवंतसिंघ महाराजा प्रथम (जोधपुर) ती. १८२, २१४, २१६
जसवंतसिंघ राजा दू. १५७, २०२
जसवंतसिंघ रावळ ती. ३६, २२०
जसवंतसिंघ रावळ अमरसिंघोत दू. १०६
जसवंतसिंघ (सांडवो) ती. २३२
जसवंतसिंह महाराजा प. २३४
जसवंत हरीदासोत दू. १६२
जसवीर उदैसी रो प. २०३
जसहड़ प. ३६३
जसहड़ ग्रासकरणोत दू. ७४
जसहड़ (जेसळमेर) ती. २२१
जसहड़ जैमुख रो प. ३५५
जसहड़ पाल्हण रो दू. २, ३६, ४३, ५३, ५४, ५५, ६४, ६५
,, पाल्हण रो ती. ३४, २२१
जसूंत नाथावत प. ३०६, ३१०, ३१३
जसू प. ६६
जसो प. ६६, १६७, २०१, २२६
,, दू. ३३, ७६, १६६
जसो अमरा रो प. ३५६
जसो कचरा रो प. १६६, १६७
जसो जगनाथ रो प. ३०१
जसो त्रिभणा रो प. २००
जसो नाथावत प. ३२७
जसोब्रह्म रावळ प. ७६
जसो सोढो दू. १०३
जसो हरषवळोत जाड़ेचो दू. २३६, २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४६, २५०, २५६
जहांगीर नूरदीन पातसाह ती. १६२
जहांगीर पातसाह प. २४, २६, ३०, ५६, ६३, १३०, २५६, २७६, २८३, २६८, ३०३, ३३१
,, पातसाह दू. १५५, २५६
,, ,, ती. २१४, २१७, २३८, २७२, २७४, २७६, २७६
जांभूण दू. ३८, १४३
जांभूण पूंजा रो प. ३५२
जांभूण वरसिंघ रो दू. १२७
जांभूण साजनोत ती. २४७

जांनडदे हणू रो प २९६
जानसाखांन (जांनिसारखां) प २९
जांभ वाघोडो प ३५०
जामणीभाण (यामिनीभानु) प १३३
जाम रावळ दू २१०, २१३, २१५, २१७ २२०, २२१, २३९ २४७, २४९ २५०, २५४
, रावळ तो २९
जामळसिंघ (पडिहारो) तो २३३
जाटव तो १५९
जाटो डूम तो १५
जादम दू ९
जादूराय तो २७६
जान कवि तो २७४, २७५
जानिसारखा फोजदार प ९६ (दे० जानसाखान)
जापाल (प्रजापाळ) प ७८
जाय सर्मा प ७
जालणसी राव (जोधपुर) तो २९, ३०, १८०
जाळप दू १४३
जाळपदास (खूहडो) तो २३१
जाळपदास वरावत मोहिल तो १७१
जाळप राणो दू २६५
जाळप सिवदासोत दू १९७
जालमसिंघ (पडिहारो) तो २३३
जालमसिंघ (वीदासर) तो २३१
जालमसिंघ (सिधमुख) तो २२४
जालमालादित्य प १०
जालाप प ३५२
जावदोखा तो २०७
जिंदराव चहुवाण प ११९, १३५ १८५ १८६
जिंदराव हाडो प १०१
जितमत्र प ७८
जितसत्र (जितशत्रु) प ७८
जींदराव प १७२, १८७, २०२ २३०
जींदराव खोची प २५०
,, ,, तो ५९ ६४, ७५, ७६, ७७, ७८ ७९
जींदराव बोडो प २४७
जींदो जोधा रो प ३५६
जीतमल प १०१, १११
जीयो ईदो तो १३३
जीवण नारण रो प ३५८
जीवराज राजा तो १८७
जीवो प ६८, २४३, ३५३
, दू ७७ ७८, ९०, १४३, १५६, १९९
जीवो गांगावत प २४१
जीवो जगमाल रो दू १२२
जीवो जेसा रो प १९६
जीवो देवराज रो प १५७
जीवो नरहरदास रो प ३६१
जीवो भोजराज रो प ३५३
जीवो रतनू धरमदासाणो दू २५३
जीवो लूणकरण रो दू ८१
जुगराज प १२८, १३०, १३१
जुगलो भाभो तो १२१
जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
जुधसिंघ प ३१०
जुधिष्ठिर राजा तो १८५
जूझारसिंघ प २६, २१२, ३०७, ३२९
,, तो २२०
जूझारसिंघ चत्रभुजोत प ३११
जू झारसिंघ जगतसिंघोत प २९१, २९८
जू झारसिंघ दळपतोत प २३४ २३५
जू झारसिंघ परसोतम रो प ३२३
जू झारसिंघ राजा परमार तो १७६
जू झारसिंघ (सलो) तो २३२
जू झो चौधरी तो २७४
जेठो पाहू प ३४९, ३५०
जेठो दू १९९

जेठो गंगादास रो प. ३५३
जेठो मांडण रो प. ३५७
जेसळ रावळ दू. १०, १५, ३२, ३४,
३५, ३६, ३७, ३८, ६२
,, ,, ती. २६, ३३, २२२
जेसावर राजा ती. १८७
जेसो प. २२६
जेसो कलिकरण रो दू. १५२, १५३
,, ,, ,, ती. २१५
जेसो जैता रो दू. २६४
जेसो पतावत दू. २००
जेसो भाटी दू. ६६, १६५, १८१, १८२,
१६७
,, ,, ती. ७
जेसो भैरवदासोत दू. १६४
,, ,, ती. २६६
जेसो रायपाळोत दू. १४६
जेसो राव (पूगळ) ती. ३६
जेसो लाखा रो दू. २२४
जेसो (लिखमी रो भाई) ती. १०५
जेसो वणीर दू. २४०
जेसो सरवहियो दू. २०२, २०६, २०७,
२०८
जेहो भारावत दू. २१५, २१६
जैकिसन प. ३०८
जैकिसनसिंघ प. २६८
जैचंद दू. ६६, ७४
,, ती. २२१
जैचंद लखमसी रो दू. २, ३६
जैत दू. ४५, ५३
जैतकरण वेगू रो प. ३५२
जैतकरण सीहड़ रो प. ३४०
जैत पंवार प. १८०, १८१
जैतमल प. २२, २२५
जैतमल सीहावत दू. १५२
जैतमाल प. ६१, २४६
,, दू. ८१, १६५
जैतमाल गोयंदोत ती. ११४
जैतमाल राजधर रो दू. ८०
जैतमाल सलखावत दू. २८१, २८४
,, ,, ती. ३०
जैतमाल सोढो ती. ३१
जैतराव प. १०१, १८५
जैतल दू. १४
जैतल मलेसी रो प. २६४
जैत लाखण रो प. २०२
जैतसिंघ प. २२, ३०६, ३१५, ३१६,
३१६, ३२६
,, ती. २२५
जैतसिंघ अग्रसेण रो प. ३२०
जैतसिंघ आसकरण रो प. ३०३
जैतसिंघ (करणीसर) ती. २२४
जैतसिंघ (छिपियो) ती. २३६
जैतसिंघ (डुसारणो) ती. २३१
जैतसिंघ द्वारकादास रो प. ३२३, ३२५,
३२६
जैतसिंघ राजावत दू. ८१
जैतसिंघ राव ती. १५२
जैतसिंघ राव मोहणदासोत दू. १३३
जैतसिंघ (सांडवो) ती. २३२
जैतसी प. २३५, २४३, ३२७, ३४१
,, दू. ६२, १०२, १७१, १६१
जैतसी अचळावत दू. १८६
जैतसी ऊदावत प. २३८
,, ,, ती. ८१, ८२, ८३, ६५,
६६, १००, १०१
जैतसी कूंभा रो प. ३२८
जैतसी जगनाथ वेवड़ा रो प. १६५
जैतसी (जेसलमेर) ती. २२१
जैतसी नागावत प. २३७
जैतसी पीथावत दू. १६४
जैतसी, रांणा भोजराज रो प. ३४१

जैतसी रांणो प ६
जैतसी राव दू. ६३, २२१
,, ,, ती १६ १७, ३१, ८०, ६०, ६१, ६२, १८०, १८१
जैतसी रावत प. ६६
जैतसी राव भांणोत दू १०७, ११६ १२१ १३४
जैतसी रावळ प १३, ७६
,, ,, दू. ११, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ६२, १००, १२१
,, रावळ ती ३३, ३४, ३५, २२१
जैतसी रावळ तेजराव रो दू. ४२, ४३
जैतसी रावळ वडो दू. १०, १४, ३६, ४४, ५१, ६२
,, रावळ वडो ती २२१
जैतसी राव (बीकूपुर) ती. ३७
जैतसी वीरमदे रो प ३५६
जैतसी सिंघ रो प ३१५
जैत सीसोदियो प ६८
जैतसी हमीर रो प २३७
जैतसेन दू ६
जैतुग दू १०७, ११३, १३४
जैतुग कोल्हावत दू ७२, ७४, ११२, ११३
जैतुग तणु रो दू १, १७
जैतो प १६४, ३६२
,, दू ५३, ६६, ७७, २००, २६४
जैतो ऊदावत दे० जैतसी ऊदावत।
जैतो खींवावत चीबो प १५३,१७०
जैतो खेता रो प ३५२, ३५३
जैतो जगमालोत दू. १२, १४१
जैतो जोगावत दू. १८७
जैतो जोधा रो ती ३७
जैतो देवडो प. २२४
जैतो मेहाजळ रो प १६१
जैतो रतनोत प. २४३
जैतो रायमल रो प ३६०
जैतो वाघेलो प. २२४
जैतो सांवळदासोत दू १७६
जैतो सोढो प. ३६२
जैनू जाट ती २७३
जैपाळ प ८६
जैपाळ राजा ती. १८७
जैब्रह्म प ३६३
जैभाण प ३२४
जैमल प. १११, १६६, ३६२
,, दू ६६, १६६
जैमल अखैराजोत प २०८, २१२
जैमल आसावत दू १७६
जैमल ऊहड दू १६७, २०२
जैमल किसना रो प ३५२
जैमल कूभा रो प. ३२८
जैमल जैसावत मुहतो प २२७
जैमल तिलोकसी रो दू १६२
जैमलदास ती २२७
जैमल दासै रो प. ३१७
जैमल प्रथीराजोत प. १२५
जैमल भा० प १५२
जैमल भाटी कलावत दू १३२
जैमल (मेळ) ती २२६
जैमल मुहतो प २११, २२७
जैमल रतनावत प १६७, १६६
जैमल रांणो प. २८१, २८२, २८३
जैमल, राम सोढा रो प ३५८
जैमल राठोड ती १८३
जैमल रायमलोत प १७ १८
जैमल रासावत दू १०७
जैमल रूपसीओत प ३१२
जैमल वीरमदेओत प ३२, ११२
,, ,, ती. ११५, ११६ ११७, ११८, ११६, १२१, १२२
जैमल वीरमदे सोढा रो प ३५८

जैमल सांगावत प. ६६
जैमल साहणी प. १३८
जैमल सीसोदियो प. २१
जैमल हरराज रो प. १६३, १६४, १६८
जैमाल प. ११७
जैमुख राजदे रो प. ३५५
जैरांम प. ३०७
जैरिख प. १२२
जैवराव प. १३५
जैसा ती. १८७
जैसिंघ प. १२४, २७७, २७८, ३२१
३२२
,, दू. १२३, १३३, १७६, ३०४,
३०५
,, ती. २२०
जैसिंघ करमचंद रो प. २०५
जैसिंघदे प. १४२
जैसिंघदे ऊदावत प. ३४६, ३५२
जैसिंघदे जोधा रो प. ३५६
जैसिंघदे रावळ दू. ८५, ८७, ८६
जैसिंघदे वरजांग राव रो प. २३२
जैसिंघदे सिघराव प. २७२, २७७, २७८
,, ,, दू. ३३
,, ,, ती. २६
जैसिंघ महासिंघ रो प. २६७
जैसिंघ रांणो प. १२०
जैसिंघ राजा प. २५, ३०६, ३०६, ३१०,
३११, ३१५, ३१७, ३१६, ३३०,
३३१, ३३२, ३५६
जैसिंघ राव प. १६६, १६७
जैसिंघ राव मोहणदासोत दू. १०७
जैसिंघ राव (बीकांपुर) ती. ३६, ३७
जैसिंघ वीरमजी रो ती. ३०
जैसिंघ सिलार रो प. १६४
जैसो खींदा रो प. १६५, १६६
जैसो जगमालोत प. ३०६
जैसो भैरवदासोत प. २१, २०७
,, ,, दू ६६
जैसो मांडण रो प. ३५७
जैसो मालदे रो प. २०५
जैसो राव दू. १२०, १२२, १२७
जैसो राव वरसिंघ रो दू. १३७, १३८,
१३६
जैसो लखावत प. ३६०
जोगराज प. ५, २५६
,, ती. ५०
जोगराज रावळ प. ५, १२, ७६
जोगराव प. २५६
जोगाइत दू. १२३, १२८
जोगाइत वैरसल रो दू. ११८, १२०
जोगादित प. ७८
जोगी प. ३५३
जोगी दू. १६, २०, २३, २४, २५
जोगीदास प. १६६, ३१८, ३५६
,, दू. ८०, ८८, १२३
जोगीदास ऊदावत प. ३५६
जोगीदास कचरावत दू. १७४
जोगीदास कांधळोत ती. १८
जोगीदास गोयंददासोत दू. ११६
जोगीदास ठाकुरसी रो प. ३६०
जोगीदास मेदावत दू. १७२
जोगीदास वैरसीश्रोत दू. १८५
जोगीदास सीसोदियो प, ६२
जोगी दूहा रो प. ३५३
जोगो प. १२४, १६०
जोगो अखैराजोत दू. १८७
जोगो आसावत दू. १७६
जोगो गौड़ ती. २६७
जोगो जोधावत ती. १६४, १६५
जोगो बारहठ दू. ७४
जोगो मथुरोत दू. १४५
जोगो मांडण रो प. ३५७

जोजड प २९३
जोजळ लाखण रो प २०२
जोध प १०१, २०९, ३१२
जोध गोपाळ रो प ९२, ९७
जोध गोयदोत प ६७
जोध मांनसिघोत दू १८८
जोधरथ राजा ती १८६
जोध बिहारी रो ती ३७
जोधसिघ प ३०९
जोधसिघ (जोळी) ती. २३३
जोध सीसोदियो प २७, ९३ ९४, ९५
जोधा प ३५६
,, दू १७७
जोधो कवर राव रिणमल रो प १७
जोधो करमा रो दू ८०
जोधो काधळ रो प ३४१
जोधो तेजसी रो प ३५४
जोधो नारण रो प ३५८
जोधो भाटी दू १५३, १६४
जोधो मांनसिघ रो प ३५९
जोधो मेहराज रो प ३४८
जोधो मोकल रो ती ११६
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१, २२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०, १५८, १५९, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६६, १६७, १८०, १८१, १८२, २३१, २३५
जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५३
,, , दू ६६, ८८, ३३५, ३३६, ३४०, ३४२
जोधो लाडखान रो प. ३२१
जोधो लोलावत प. २३८
जोधो सहसा रो प ३५६
जोधो सागावत प ३६०
जोधो सिंघावत प. २४३
जोपसाह राठौड ती २८०
जोबनारथ प २८७
जोरावरसिंघ ती २२०
जोरावरसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. १२, १८०, १८१, २११
जोवनजीत राजा ती १८७
जोवनार्थ प २८७
जोवनाथ प ७८
ज्ञानपति ती १८०

झ

झरडो बूडावत ती ७९
झांझण पडिहार प. २२५
झाझण भडारी प २२५
झांझण भुणकमळ दू २
झांझणसी चद्रावत ती २३९
झांझो प १६२, २००
झाझण षीढू चारण प. ५५
झालक राजा ती १७६
झूटो आसियो ती. ८९
झूलो भांण प ८६, ८८
झूलो रुद्रदास प ८६, ८८
झूलो साइयो प ८६, ८८
झेरडियो खूम प. २२८

ट

टॉड कर्नल ती. १६८, १६९
टोडरमल ती २७९

ठ

ठाकुर कचरा रो प १९६
ठाकुरजी प. २८६
ठाकुरसी प. १६७, १९४, २४८, ३२८
,, दू ७७
ठाकुरसी आसावत दू १४८
ठाकुरसी करण रो प ३६०
ठाकुरसी करमसीग्रोत दू. १८९
ठाकुरसी करमा रो दू ८०

ठाकुरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
ठाकुरसी जगमालोत दू. १६२
ठाकुरसी जैतसिंघोत ती. १७, १८, १५२, २०५
ठाकुरसी तेजमाल रो दू. १२४
ठाकुरसी धनराज रो दू. १२२, १२३
ठाकुरसी रांणावत दू. १७२
ठाकुर सेखा रो प. २००

ड

डंडधर ती. १८७
डंडपाल ती. १८६
डांबियो ती. ७५, ७६
डांबो थोरी ती. ७५, ७६
डाभ रिप प. ३३७
डाहलराय प. ५
डाहळियो सिसपाळ रो ती. १५४, १५५
डाह्याभाई पीतांबरदास देरासरी ती. २६३
डूंगर देवड़ो प. १३६
डूंगर भील प. ८२, ८३
डूंगर मांना रो प २०१
डूंगर रिणमल रो प. १६२
डूंगर वीमा रो प. २३१
डूंगर सिवा रो प. ३५१
डूंगरसी प. ६८, ७०, १५६, १६७, १६६, ३२८, ३४२
,, दू. १६८
डूंगरसी आसावत दू. १४८, १७५
डूंगरसी कल्यांणमलोत ती. २०६
डूंगरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
डूंगरसी धनराज रो दू. १२४
डूंगरसी बाला रो प. ११६, १२०, १२१
डूंगरसी मालदेओत दू. ६२
डूंगरसी मेळा रो प. ३५६
डूंगरसी राव दुरजणसल रो दू. १२८, १२६, १३०, १३३
डूंगरसी रावळ प. ७६
डूंगरसी (लखमणसर) ती. २३३
डूंगरसी लूंणा रो प. ३६१
डूंगरसी सांकर रो प. १६४, १६६, १६६
डूंगरसी (सांपू) ती. २२४
डूंगरसी सूरावत दू. १७८
डूंगरसी हरदासोत दू. १६५
डूंगरसीह ती. ३६
डूंगो प. २०५
डेल्हो आसकरणोत दू. ७४

ढ

ढाहर जाड़ेचो दू. २०६
ढील रबारी ती ७१
ढेढियो मंगरियो दू. ३२
ढोलो नळ रो प. २८६, २६३

त

तक्षक ती. १७६
तगो प. २२३
तणुं केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
तणुराव ती. २२१
ततारखांन प. ३२५
,, ती. ५३
ततारसिंघ जगतसिंघ रो प. २६१
तप प. ११६
तपेसरी चहुवांण रो प. ११६
तपेसरी धुंध रो प. ११६
तमाइची जांम रायसिंघ रो दू. २२४
तमाइची जाड़ेचो रायधण रो दू. २०६
तमाइची वीरमदे रो प. ३६१
ताजखांन रायसल रो प. ३२३, ३२४
ताड़जंघ प. ७८
तातारखां प. ३२५
तानसेन कलावंत प. १३३
तारासिंघ अणंदसिंघोत ती. २०८
तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
तिलोकचंद प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
तिलोकराम प ११७
तिलोकसी प २३९
,, दू ८९, १२२
,, ती २२१
तिलोकसी कलावत दू १९२
तिलोकसी जैतसिंघोत ती. २०५
तिलोकसी परबतोत दू १९२
तिलोकसी फरसराम रो प ३२३
तिलोकसी भाटी दू ३९, ४३, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१, ६५
तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
तिलोकसी वरजागोत दू १८०
,, ,, ती १०१
तिलोकसी वैरसलोत दू. १२०
तिलोकसी वैरागर रो दू ११८
तिलोकसीह ती १८४
तिहुणपालदेव ती. ५१
तिहुणपाळ राणो ती ५२
तीडो राव दू २८०
,, ,, ती २३, २४, ३०, १८०
तीहणराव बारहठ रतन रो दू ७४
तुगनाथ ती. १८०
तुवर (दूलहदेव रो भाणेज) प २९०
तुगलकशाह ती. १९१
तुगलसाह सुलताण ती. १९१
तुळछीदास प १०१, ३२३
तुदसत प २८७
तेजपाळ साह प १५६
तेजमाल प ९१, १६३, १९९
,, दू ९१, ९५, १२३
तेजमाल अमरावत दू. १८६
तेजमाल किसनावत दू १२४, १२५, १३२
,, ,, ती ३७
तेजमाल गोपद रो प २४०
तेजमाल धना रो प २३६
तेजमाल (रोहीणो) ती २२६
तेजमाल सूरजमलोत दू १२८
तेजराव चाचगदे रो दू ३९, ४२, ४३, ९२
,, चाचगदे रो ती ३३
तेजल दू १४
तेजसिंघ जसवतसिंघोत दू १०९
,, ,, ती ३६
तेजसिंघ (जैसलमेर) ती २२०
तेजसिंघ माधोसिंघ रो प २९९, ३०५
तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२ १६३, १६८, ३४१, ३४२, ३५८
, दू. ३८, ५३, ६६, ७३ ७४, ११२, १९७
तेजसी केसोदास रो प ३१४
तेजसी चहुवाण प १८३, २२७
तेजसी चूडावत प ७०
तेजसी डूगरसोग्रोत प ६२
तेजसी भाटी केहर रो दू. ७८
तेजसी भोजा रो प ३५४
तेजसी रांमावत दू १२०
तेजसी रायमल रो प ३२६
तेजसी रावळ प ७९
तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
तेजसी राव वरजाग रो प २३२, २४१
तेजसी लूणकरणोत ती २०५
तेजसी वणवीरोत दू. १९२
तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
तेजसी सेखा रो प २०१
तेजसी सोढो वीसा रो प ३५५, ३५७
तेजसीह प १८८
,, ती १४०
तेजसीह राव ती ३७
तेजस्वी विजड रो प १३४
तेजो प ६६, ९६, १०१, १६५
तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प. १५६
तेजो भाटी दू. ६६
तेजो रायमल रो प. ३६०
तेजो वांनर दू. ३२१, ३२२
तेलोचन दू. ५६
तैस्सितोरी डॉ० ती. १७३
तोगो प. २००
,, दू. ८४, १४३
तोगो कचरा रो प. १६५
तोगो किसनावत दू. १६७
तोगो दीवांण प. २०६
तोगो सिवा रो प. ३५१
तोगो सूरावत प. १५३, १६७, १७०
तोडरमल भोजराज रो प. ३२२
त्रभवणो प. २८५
त्रसिंघ प. २६२, २६३
त्रिदस ती. १७८
त्रिदस्यु दे० त्रिदस।
त्रिधानव प. २८७
त्रिवंधन ती. १७८
त्रिभणो करण रो प. १६६, २००
त्रिभुवणसी कान्हड़ोत ती. २४
त्रिभुवणसी, राव तीडा रो दू. २८०, २८३, २८४, ३१४
त्रियारोत प. २८७
त्रिलोचन दू. ५६
त्रिसंकु प. ७८
त्रिसाख प. २८७

थ

थांनसिंघ प. ३१३
थांनसिंघ खांडेराव रो प. ३३१
थाहरू प. ६१
थाहरू सोदो-वारहठ प. ५६
थिरो दू. ३८
थिरो श्रवतारदे रो ३५५, ३६०

द

दंडपाल ती. १८६
दत सर्मा प. ६
दधीच प. १२३
दधीचि ऋषि प. १२३
दधीचि ऋषि ती. १७३
दयाच दू. २०२
दयाळ प. ३२७
,, दू. ७७, ७८, १२४, २०२
दयाळ डोड ती. १३१
दयाळदास प. २३६, ३०६, ३२७
,, दू. ६०, १२३, १२४, १६२, १७०, १७५, १६७
दयाळदास खेतसीश्रोत दू. ६३, ६४, १०४, १०६
,, खेतसीश्रोत ती. ३५, २१७
दयाळदास गोपाळदासोत दू. १४६, १४७
दयाळदास (छिपियो) ती. २३७
दयाळदास (जैसळमेर) ती. २२०
दयाळदास तेजसी रो प. ३४२
दयाळदास देईदासोत दू. १६६
दयाळदास वळभद्रोत प. ३०७
दयाळदास भाटी प. १६१
दयाळदास (भादळो) ती. २२५
दयाळदास भील प. ४६
दयाळदास माधोदासोत दू. १४६
दयाळदास (रायपुर) ती. २३६
दयाळदास रायमल रो प. ३२४
दयाळदास राव दू. १२१, १३०
दयाळदास रावत दू २६४
दयाळदास राव (वरसलपुर) ती. ३७
दयाळदास लिखमीदासोत दू. १८०
दयाळदास सिंहायच ती २०६
दयाळदास सिखरावत प. २३३
दयाळदास सूजा रो प. २३१
दयाळ सोढो प. ३६१

दवास रा' दू २०२
दरमादि सर्मा प. ६
दरियाखांन प. ३२८
दळकरण राव तो ३५
दलजी तो २३१
दळथंभन दे० गजसिंघ महाराजा।
दळपत प. २७, ६७, १६०, १६७, १८३, १८७, २३३, २३५, २४१, २८५, ३०६, ३०८, ३३१
" दू ६०, ६३, १०७, १२१, १३१, १३४, १३६, १५७, १८७, १८६
दळपत अळसा रो प ३१५, ३२७
दळपत कवर प. ३५४
दळपत केसोदासोत दू १६५
दळपत जगनाथोत प २०६
दळपत जसवत रो प २८५
दळपत नेतावत दू १६६
दळपत पवार प १८३
दळपत रामदास रो प ३३१
दळपत राम रो प ३५८
दळपत राजसिंघोत प २१२
दळदत राव प २८१
दळपत लिखमीदासोत दू १८०
दळपतसिंघ (कणवारी) तो २३२
दळपतसिंघ (महाराजा बीका०) तो ३१ १८१
दळपतसिंघ रायसिंघोत तो २०७
दळपतसिंघ राव दू १४८
दळपत सीसोदियो प १४८
दलराव प १३५
दलसिंघ (अजीतपुरो) तो २२३
दलसिंघ (भेळू) तो २२५
दलियो गहलोत दू २०३
दलीप प २८८
दलू प १६६
दलो प २०५, २६४, ३५२, ३६०, ३६१
दलो दू २०६
दलो आसियो प १७१
दलो जोईयो प ३४७
" " दू २६६, ३००, ३०२, ३०३ ३१७, ३१८
दलो भुजबळ रो प. १६५
दलो राजधर रो प २०५
दलो राजादे रो प २६४
दलो विजा रो प ३५८
दशरथ दे० दसरथ।
दसमनखांन प ३०८
दसरथ प ७८, १७८, २८८, २६२
दस सक माघो तो १६०
दससेन तो १८६
दसाक दू ३
दान (देवीदान) दू ७८
दानसिंघ (पडिहारो) तो २३३
दानसिंघ (पातळासर) तो २३३
दानसिंघ (साडवो) तो २३२
दानो भाटी दू ५७
दामो नेता रो प ३५२
दाऊदखान प २२३, २६२
दाझोजी दू २३७
दामोदरसेन तो १८६
दाराशाह दे० दारासाह।
दाराशिकोह दे० दारासुकर।
दारासाह तो. १६२
दारासुकर तो १६२
दासू वहणीवाळ तो १५
दासो प. १६३, १६८, १६६
दासो नरू रो प ३१३, ३१४, ३१५
दासो पातळोत दू १७६
दिनकर राणो प ६
दिनमिणदास प ३३१
दिलराम प. ३२१
दिलीप प. ७८, २८८, २६२

दिलीप ती. १७८
दिवाकर प. १६२
दीत प. १०
दीत ब्राह्मण प. १०
दीपचंद नाराणदास रो प. ३२६, ३२७
दीपसिंघ प. ३१४, ३१६
दीपसिंघ (अजीतपुरो) ती. २२३
दीपसिंघ (कणवारी) ती. २३२
दीपसिंघ (दुसारणो) ती. २३१
दीरघबाहु प. २८८, २९२
दीर्घबाहु ती. १७८
दुजण जोधावत दू. १६४, १७४
दुजणसल प. १६६, ३६३
,, दू. ६३, ६५, ६६
दुजणसल धारावरीस रो प. ३५५
दुजणसल राव वरसिंघोत दू. १२७, १२८, १२९
दुरजणसल लूंणकरणोत दू. ८९, ९०
दुरंगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
दुरगदास भाटी दू. ९०, ९६, १०८, १२२, १२३, १३१, १३२
दुरगदास (भावळो) ती. २२५
दुरगदास मेघराजोत दू. १४५
दुरगादास सहसमल रो प. ३१४
दुरगो प. ६२, ६५, १०१
,, दू. ८९, ९१, २००
दुरगो राव ती. २४०, २४६, २४८
दुरगो सेखा रो प. ३२७
दुरगो हमीर रो प. ३४३
दुरजणसाल राव (बीकूंपुर) ती. ३६
दुरजणसाल प. २८१, ३२५, ३२९
,, ती० २२६
दुरजणसाल नाराइणदासोत प. ३०४
दुरजणसाल बळभद्रोत प. ३०७
दुरजणसाल महिळू रो प. २८१
दुरजणसिंघ प. २०९, ३२४
दुरजणसिंघ मांनसिंघोत प. २८१, २९८
दुरजणसिंघ (सांखू) ती. २२४
दुरजनसिंघ प. २१, २५
दुरजो दू. ९५
दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
दुरजोधन प. १३३
दुरवासा प. १२२
दुरसदास प. ४०
दुरसो आढो प. १७०
दुर्गादास राठोड़ ती. २१३, २२६
दुर्गादास (वैणातो) ती. २३१
दुर्गादास (साहोर) ती. २३०
दुर्जनमल राजा ती. १९०
दुर्जनशाल दे० दुजणसल ध दुरजणसल।
दुर्लभराज ती. ५१
दुलराज प. २९३
दुलह प. १६
दुलहरांम प. १२९
दुलेराय काराणी दू. २१४, २३७
दुसाझ जैतकरण रो प. ३५२
दुसाझ रावळ दू. १, १०, १५, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५
,, रावळ ती. २२२
दूगड़जी ती. ४९
दूदो प. १५०, १९६, ३१६, ३४३
,, दू. ८१, १२४, १९८
दूदो अड़वाल रो प. ३६१
दूदो आणंदोत दू. १५४, १५६, १६२
दूदो कांन्हावत दू. १८१
दूदो चीबो प. १५६
दूदो जैमल रो प. १९७
दूदो जोधावत ती. ३८, ३९, ४०
दूदो नोवावत दू. १९७
दूदो प्रथीराजोत दू. १९३
दूदो प्रागदासोत दू. १८३
दूदो भांना रो प. ३६०

दूदो भींव रो प ३२७
दूदो माना रो प. २०१
दूदो मेहरावत प १६८, १६९
दूदो राजधर रो प २०५
दूदो राव अखैराज रो प. १३५, १३७, १४०, १६१
दूदो रावत प ५०, ६६
दूदो रावत जगधर रो प १२४, १२५, १२६
दूदो राव नगा रो ती २४९
दूदो रावळ दू. ३९, ४३, ४४, ५१, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५
,, रावळ ती. ३४, १८४, २२१
दूदो राव सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८, २६९, २७०, २७१, २७२
दूदो लकडखान रो प १११, ११२
दूदो वैरसल रो प ३५३
दूदो सकतसिंघोत दू १६५
दूदो सहसमल रो प ३१४
दूदो सागावत प ६८
दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६
दे० दूदो राव सुरजन रो।
दूलहदेव प. २९०
दूलहराव सोढल रो प २९५
दूलेराव लूणकरण रो प ३१९
दूसळ दू ५८
देईदास प २४२, २४३
,, दू १६६, १६८
,, ती २३४
देईदास कानावत दू १६५
देईदास जैतावत दू १६२, १६३
देईदास तेजा रो प ३५२
देईदास पतावत मेहवचो दू १७५
देईदास भानीदास रो दू १०४
देईदास भायल प १९४, १९८, २४०, २४१
देईदास मोपत रो प ३१७
देईदास मनोहरदासोत दू १७०
देईदास महकरणोत प २३३
देईदास माधोदासोत दू १८८
देईदास धीरावत दू १७७
देईदास सहसमल रो प. ३१४
देद दू १५
देदल दू १४
देदो प १६८
देदो दू १०७, १२४
देदो चहुवाण वागडियो प ११९, १७२
देदो भैरवदासोत दू १७८, १९०
देदो रतनू-बारहठ दू ७४
देदो रावळ प ७९
देदो वणवीरोत प २४२
देदो सीहड धनराज रो दू १०४
देदो सोळकी दू १०७
देदो हमीर रो प २३७
देपाळ प २३२, २६१, २८०
देपाळ जोईयो दू ३०४
देपो प ३६३
देमो प २०५
देलण काकिल रो प. २९४, ३३२
देलो प ३४१, ३४३
देल्हो दे० देलो।
देवकरण दीवाण गोपाळ रो प ३१०
देवकरण राजा ती १७५
देवनीक ती १७८
देवरांम धीरावत ती १५७
देवराज प १५७, १६८, २३९, २६१, २८५, ३६०, ३६१, ३६२
,, दू ५८, ९३, १०४, १९९, २०१, ३०४
देवराज आसराव रो प ३६३
देवराज काथळ रो दू १४५
देवराज मूळराज रो दू १०, ५३, ७३, ७५ ९२, १४४

देवराज मूळराज रो ती. ३४, २२१
देव राजघर रो प. ३५६
देवराज भोहा रो प. ३३६
देवराज मांडण रो प. ३५६
देवराज वाघेलो प. २६१
,, ,, ती. ५०
देवराज विजैराव चूड़ाळा रो
दे० देवराव विजैराव चूड़ाळा रो।
देवराज वीका रो ती० २०५
देवराज वीरमोत ती. ३०
देवराज वीसा रो प. १६६
देवराज सांखलो प. ३५३
देवराज सातळोत दू. ८४
देवराज सीहड़ रो प. ३४०
देवराजादित्य प. १०
देवराव विजैराव चूड़ाळा रो दू. १०, १८, १६, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २६, ३०, ३१
देव सर्मा प. ६
देवसिंघ प. ३०४
देवांनी प. २६३
देवाइत दू. १६
देवाणिक प. ७८
देवादित प. ३, १०
देवादित्य दे० देवादित।
देवानीक प. २८८
देवायर प. १६२
देवियो थोरी ती. ५६
देवीदांन दू. १०८, १६८
देवीदांन सोम-भाटी दू. ७७
देवीदांन सांवतसी-भाटी दू. ७७
देवीदास प. १६, ३३, १४३, १६३, २११
,, दू. ८२, १०२, १२३, १३०, १६७
देवीदास (कणवारी) ती. २३२
देवीदास चाचा रावळ रो दू. ११, ८३, ८४
,, ,, ,, ,, ती. ३५
देवीदास चूडासमा रो दू. १
देवीदास जेतावत प. ६१, ३५४, ३५७
देवीदास (जैस०) ती. २२१
देवीदास भाटी दू. ८५
देवीदास सकतसिंघोत दू. ६५
देवीदास सूजावत राव प. ५०, २५६
देवीसाह प. १२६
देवीसिंघ प. ३०६
देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६
देवीसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
देवीसिंघ (जैतपुर) ती. २३०
देवीसिंघ (भनाई) ती. २२४
देवो ऊदावत प. १५२
देवो त्रिभणा रो प. २००
देवो विक्रमादीत रो दू. १४४
देवो हाडो (बांगा रो) प. ६७, ६८, ६६, १००, १०१
देवो हिमाळा रो प. २४४
देसपाल ती. १८८
देसळ दू. १०, ३२
देसावर राजा ती. १८६
देसावळ माधो ती. १६०
देहड़ मंडळीक प. १२३
देहु रांणो प. १५
देहुल विजैराव रावळ रो दू. ३३
देहो दू. १२६
दोदो सूंमरो ती. ६२, ६७, ६६, ७१, ७२, ७३
दोराव रांणो प १२३
दोलतखांन प. १०१
दोलतखांन भाटी दू. २, १०, १२२
दोलतखांन भोजू दू. १८६
दोलतखां कवि ती. २७५
दोलतखांन ती. ६०, ६१, ६३, २३०
दोलतखांन वहियो ती. २६८, २६६, २७०, २७१

दौलतसिंघ प. ३२२
दौलतसिंघ (कल्याणसर) ती. २३४
दौलतसिंघ (खनाघडी) ती २३६
दौलतसिंघ गजसिंघोत भाटी ती २१३
दौलतसिंघ (तिहांणवेसर) ती. २२७
दौलतसिंघ (नींबाज) नी २३५
दौलतसिंघ (वाप) ती. २२३
दौलो गहलोत दू ३१४
द्यास दू २०२
द्रढहास प. २६२
द्रढाश्व ती १७७
द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि।
द्रोणगिर प २६०, २८०
द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि।
द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४
द्वारकादास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७
द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प. ३२१, ३२७
द्वारकादास नरसिंघदास रो प ३२०
द्वारकादास नाथा रो प ३११, ३१२
द्वारकादास पतावत दू १७१
द्वारकादास भाटी दू ६४, १०६, १३१, १३२, १६७, १८८, १६७
द्वारकादास मनोहरदासोत दू १२०
द्वारकादास मेडतियो दू. १७७
द्वारकादास मेहाजळ रो प १६०

ध

धणसूर दे० घणसूर।
धनपालसेन ती. १८६
धनकपाळ प २८६
धनराज प १६७
,, दू. ८१, ६३, १२१, १२२, १२४, १२८, १३८
,, ती २३१
धनराज खेतसीओत दू ६६
धनराज गोयददासोत दू. १८०
धनराज जैतावत दू २००
धनराज नेतावत दू. १०७
धनराज बीकावत दू १७३
धनराज सावळदासोत दू १८१, १८२, १८४
धनराज सीहड उधरणोत दू १०३, १०४
धनराज हररान रो प १६३, १६४
धनालसेन ती १८६
धनुर्द्धर प ७८
धनो आसायत दू १७७
धनो गौड ती २७०
धनो जोगा रो प ३५७
धनो मांडणोत प. २३६
धनो वीसा रो प १६६
धरण सा प. ३६
धरणीवराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३
,, ती १७५
धरमचद प. ३२६
धरमदेव प ३३७
धरमागद प. २७
धरमो दू १४३
धरमो बीठू प ३४७
धरमोस प २६२
धर्म सर्मा प ६
धर्मागद राजा ती १७५ (दे० धरमांगद)
धर्मादि प. २८८
धवळ जाडेचो दू २२५
धवळोजी राय इंदो दू ३१०
धांधळ ती २६, ५६
धांधू प ३३७
धाऊ भेछळो दू. ६०, ६१
धारगिर राजा ती १७५
धारदे दे० धीरदे जोईयो।
धारदे मदोत जोईयो ती. ३०
धार धवळ दे० धीर धवळ।

धारावरीस सोमेसर रो प. ३५५, ३६३
धारू आनळोत प. २५३, २५४, २५५, ३४०
,, आनळोत ती. २८६
धारो देवड़ो प. १५६
धारो सोढो प. २२५
धाहड़ राजा ती. १७५
धिखनाश्व प. ७८
धिषताश्व दे० धिखनाश्व ।
धीरजदे दे० धीरदे जोईयो ।
धीरतसिंघ (सांडवो) ती. २३२
धीरतसिंघ (सिरंगसर) ती. २२४
धीरतसिंघ (हरदेसर) ती. २३२
धीरदे जोईयो दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०
धीरधवळ ती. ५३
धीर राठोड़ ती. २१९
धीरसेन राजा ती. १७५
धीरो जैसिंघदेवोत प २३२, २३६
धीरो देवराज रो दू. २०१
धीरो मालक रो प. ३३१
धुंभाळक परमार ती. १७६
धुंध प. ११९
धुंधमार प. ७८, २८७, २९२
धुंधळ प. १७२
धुंधळियो साहणी प. २२६
धुंधुमार ती. १७७. २१८ (दे० धुंधमार)
धुवसंध प. २८८
धूंधळीमल जोगी दू. २०९, २१०, २१२
धूमरिख ती. १७५
धूम्रऋषि दे० धूमरिख ।
धूम्रज्वालक दे० धुंभाळक ।
धूहड़जी राव ती. २९, १८०
धृतस्यंद ती. १८५
धोधादास दू. ८१
धोधो दू. ८०
धोम ऋषि प. ३३७
धोमरिख प. २८०
धोमरिष प. २६१, ३३७
धोमारिषख प. ३५४
ध्रुवसंध ती. १७९
ध्रुवसंधि ती. १७९
ध्रुवसिन्धु ती. १७९

न

नंदराय प. ४७
नंदराय बालणोत प. २७९
नंदियो प. १७४
नंदो प. २७९
नकोदर पांडे रो ती. १४, १५
नगजी राव चंदे रो ती. २४८, २४९
नगराज खींदे रो प. ३४१
नगो प. १७, २२, २७, ६७, १६६, १९८, २०५
,, दू. ७७, ७८, २६४
नगो भारमलोत ती. ११७, ११८, ११९, १२०, १२१
नगो सवरा रो प. १६७
नदो सोढो दू. २२१, २२३
नयपाल राजा ती. १८८
नरदेव प. ५, २९०
नरनाथ सर्मा प. ९
नरपत जांम दू. २०९
नरपति रांणो प. ६
नरपाळ प. २८९
नरबद प. ४९, ५०, १०९, ११०, १२५, १२६
,, दू. १९७, १९९
नरबद मेघावत मोहिल ती. १६१, १६२, १६३, १६४, १६६
नरबद सत्तावत दू. ३३६
,, ,, ती. ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १५०
नरबिब रावळ प. १२
नरब्रम रावळ प. ७६
नरब्रह्म रावळ दे० नरब्रम रावळ ।
नरवाहण प. १२३
नरवाहण रावळ प. ७६
नरवाहन रावळ प. ५, १२
नरवीर रावळ प. ७६
नर सर्मा प. ६
नरसिंघ प. १२६, १६३, १६६, १६७, २००
,, दू. ६६, ८१, १०७, १२०, १६०, २००
नरसिंघ उदैकरणोत प. २६०, २६५, २६७
नरसिंघ ऊदावत दू १७३
नरसिंघ खींदावत ती १४१
नरसिंघ गोपदासोत दू १८०
नरसिंघदास प २३६, ३०४, ३०५, ३२०, ३२४, ३२५
,, दू १८४
नरसिंघदास ईसरदास रो प ३५४
,, ,, ,, दू. १६१
नरसिंघदास कल्याणदासोत दू १५८
नरसिंघदास खीतरदास रो प ३०८
नरसिंघदास जाट ती १४, १५
नरसिंघदास देवीदासोत दू ८५ ८७, ८६
नरसिंघदास (नींबोळ) ती २३६
नरसिंघदास फरसराम रो प ३१६, ३२४
नरसिंघदास भाखरसीओत दू १५२
नरसिंघदास (भेळू) ती. २२५
नरसिंघदास मानसिंघ रो प. ३२६
नरसिंघदास मुहतो जैमलोत प. ७७
नरसिंघदास रावत प. ४६, ६५, ६६
नरसिंघदास (रोणवो) ती. २२६
नरसिंघदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२०
नरसिंघदास सांवळदासोत दू. १७४, १८२
नरसिंघदास सींधळ ती ३८, १४१, १४३, १४४, १४५, १४६
नरसिंघ देवडो तेजा रो प १६५
नरसिंघ बापा रो प ३४३
नरसिंघ भाणोत दू १५१
नरसिंघ राजा ती १६०
नरसिंघ वाघावत दू १६२
नरसिंघ सींधळ प २२६ (दे० नरसिंघदास सींधळ)
नरसिंघ सोढो प ३६१
नरहर प १२, १३३
,, दू ८८, ६०, ६४, १२३, २००
नरहरदास प २७, ६७, १०२, १११, १२५, १५६, १६१, १६५, १७८, २१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६ ३२५
,, दू १७४, २६४
नरहरदास ईसरदासोत दू १५५, १५६
नरहरदास केसोदासोत दू १७
नरहरदास गोपदासोत दू १५०, १५५
नरहरदास दुरगावत प ३४३
नरहरदास पचाइण रो प ३०७
नरहरदास भानीदासोत दू १६६
नरहरदास भैरवदासोत दू १६६
नरहरदास रामोत दू १२०, १२२
नरहरदास रायसिंघोत दू १६४
नरहरदास सावळदासोत दू १७६
नरहरदास सोढो प. ३६१
नरहर रावळ प १२
नराइण जोधावत दू १७३
नराइणदास प. ६७, ६६, २१०, २११, ३२०
नराइणदास आसावत दू १४७

नराइणदास खंगारोत प. ३०४
नराइणदास हाडो प. १०४
नरु प. १५, ३१८
नरु मेहराज रो प. ३१३
नरो प. २०५, ३५७
,, दू. ८१
नरो अजावत दू. १४४
नरो राजा चंद रो प. ३१३
नरो धीकावत ती. २०५
नरो सूजावत ती. १०३, १०५, १०६, १०७, १०९, ११०, १११, ११२, ११३, ११४
नळ प. २८९, २९३
,, ती. १७८
नलनाभ प. २८८
नवखंड रावळ प. १३
नवघण प. २४६, २४७
,, दू. २०२
नवब्रह्म प. ११७
नवलसिंघ (खूहड़ी) ती. २३१
नवलसिंघ (गोरोसर) ती. २३१
नवलसिंघ (सांखू) ती. २२४
नवसहँसो दे० मालदेव राव।
नवसेरीखांन प. २५७
,, दू २६२
नस्ता (नरु) राघळ प. ७९
नांगड़ दुजणसाल रो प. ३५५
नांदण दू. ६६
नांदो विजा रो प. ३५८
नांनग चावड़ो दू. ३११
नांनगदे प. १३०
नागदे प. १२९
नागपाळ रांणो प. ६, १५
नागादित प. ३, १०
नागादित्य दे० नागादित।
नागारजन खूंट रो दू. २०२, २०३
नागाजुंन दे० नागारजन।
नागोरीखांन ती. १२९, १३२
नाटो प. १५९
नाढ़ीजंघ प. ७८
नाथ ती. १०८
नाथू प. २०५
नाथू माला रो दू. १७८
नाथू रतनसी रो प. ६७
नाथू रिड़मलोत दू. ११६. १४३
नाथो प. १२१, २३६, ३१६, ३२१
,, दू. ७५. ७९, ८८, ९०. १२३, १२५, १८४, १८७, १९१, १९९, २६४
नाथो खंगारोत ती. ३७
नाथो गोपाळदास रो प. ३१०
नाथो घाय-भाई दू. १८०
नाथो पतावत दू. १७१
नाथो भाटी किसनावत दू. ७८
नाथो रूपसी रो दू. १९६, १९७. १९८, १९९
नाथो लिखमीदासोत दू १६६
नाथो लूंणा रो प. ३२७
नाथो वीरम रो प. १९७
नाथो सिंघ रो प. ३१५
नादो दू. १४३
नादो रायचंदोत भाटी दू. ९९, १००
नापो प. १०१
,, दू. १४३
नापो धीरा रो प. ३३१
नापो मांणकराव रो प. ३४६, ३५३, ३५४
नापो रिणधीरोत ती. १३०
नापो वरजांग रो दू. १९८
नापो सांखलो ती. ५, ८, ९, ११, १९, २०, २१
नाभंगराय प. २८८

नाभ प ७८
, तौ १७८
नानसुत (नाभसुत) प ७८
नारण प १०१, २३५
दू १४३ २६४
नारण जोधावत दू १६४
नारणदास प २७ ६३ १६५, ३२७
, दू ८१ ६६, १६२, १८६
नारणदास प्रखैराजोत दू १८८
नारणदास ईसरदासोत दू १८६
नारणदास पातावत प ३१
नारणदास भाडा रो प १०२
नारणदास भांनीदास रो प ३४३
नारणदास मानसिंघ रो प ३२६
नारणदास माधोदास रो प ३५८
नारणदास मालदेम्रोत दू ६२
नारणदास रायसिंघोत दू २५५ २५६
नारणदास रावळ जैतसी रो दू ८५
नारणदास साईदास रो दू १७६
नारणदास सांवळदासोत दू १७६
नारणदास सुजावत दू १६०
नारसिंघ तौ २२८
नाराइण गोयंद रो प ३५८
नाराइणदास प ३२०
नाराइणदास जमलोत प ६६
नाराइणदास पचाइणोत प ३०६
नाराइणदास भाणोत प २१०
नाराइणादित्य प १०
नाराणदास बोडो प २४६ २४७
नाराणदास बाघावत प २४७
नारायण प १६७ १६६ २३७ २४२
३३१
नारायण तौ २२०
नारायणदास ग्रासकरणोत दू १३६
नारायणदास (करेभडो) तौ २२७
नारायणदास (तिहांणदेसर) तौ २२७
नारायणदास (भळू) तौ
नारायणदास भैरवदास रो
नारायण मुहणोत प १६६
नारायणदास (मेवसर) तौ
नारायणदास रावत प ६२
नारायण रायमलोत दू १
नारायणसन राजा तौ १८
नाल प २८८
नाल्हो सीहड रो प ३४१
नासरदीन सुलताण तौ १६१
नासर सैद तौ २७३, २७५
नासिर सैयद दे० नासर सैद।
नासिरद्दीन दे० नासरदीन सुलताण।
नाहडराव पडिहार तौ २८
नाहर दू ६५
नाहरखान प २७, ६५ ६६, ११७
१४२, १५४, १५५ १५८, ३२५
नाहरखान दू १०८, १३०, १५६
१८८, २६३
नाहरखांन गोकळदास रो प २०६
नाहरखान नाराणदास रो प ३५८
नाहरखान राघोदास रो प २८३
नाहरसिंघ (जाकरी) तौ २३३
नाहरसिंघ (रावतसर) तौ २२६
निकुंभ प १२२
तौ १७३, १७७
निकुंभ ऋषि दे निकुंभ।
निखध प ७८
निगम राजा तौ १८६
निजांम साह तौ २७६
निरयानंद सर्मा प ६
निरघोस प ६
निषगराइ प २८८
निषध तौ १७८
नींबो प ७०
नींबो प्राणदोत दू १५४, १६०

नींबो फांघळोत ती. १६, २१
नींबो जैसिंघदे रो प. २३२
नींबो जोधावत ती. ३१
नींबो मुंहतो दू. १३५
नींबो राव महेसोत दू. १८२
नींबो सिवदास रो दू. १६७
नींबो सीमाळोत दू. ४१, ४२
नींभड़ पोहड़ दू. १३
नीतपाळ प. २८६
नीत राजा ती. १८६
नील प. ७८
नूरुद्दीन जहांगीर बादशाह दे० जहांगीर नूरदीन पातसाह ।
नेतसी प. १६६
,, दू. १६२, १७४
नेतसी अजावत दू. ८०
नेतसी दुजणोत दू. १७५
नेतसी भा० प. १५२
नेतसी मालदेग्रोत दू. ९६
नेतसी मेहरांवण रो प. ३६१
नेतसी रामोत दू. १२०
नेतसी राव दू. १२१
नेतसी वीरमोत प. २४०
नेतसीह राव (वरसलपुर) ती. ३७
नेतो दू. १९८
नेतो चाचा रो प. ३५१
नेतो जैमलोत दू. ९९, १९९
नेतो परबत रो दू. ८२
नेतो विजा रो दू. ११७
नेमकादित्य प. १०
नैणसी मुंहतो प. ८८, १७२, २७६
नैणसी मुंहतो ती. ४९, १६८, १७३, १७४, १७७, २१४, २१६, २९४
नैणसी सिवराज रो प. ३५६
नोंघण रा' दू. २०२
न्यामतखां कवि ती. २७४

प

पंच दे० चंप ।
पंचाइण प. २२, २५, १०९, १६५, ३०९
,, दू. ६६, १२०, १४२, १५१
,, ती. ९६, ९७, २२०
पंचाइण कचरा रो प. १९५
पंचाइण खेतसी रो दू. ९३, ९५
पंचाइण जैतसीग्रोत दू. १९९
पंचाइण जोधावत दू. १६४, १७७
पंचाइण पंवार प. १४१
पंचाइण प्रथीराजोत प. २९०, ३०७, ३०९
पंचाइण भगवांनदासोत दू. १५२
पंचाइण मूळावत दू. १९०
पंचाइण मेहाजळ रो प. १६१
पंचाइण रांणा भोजराज रो प. १७२
पंचाइण रूपसी रो प. ६७
,, ,, ,, दू. १४८
पंचाइण हमीर रो प. २३७
पंचायण दे० पंचाइण ।
पंचायण रावत ती. १७६
पंजुन सामंत प. २९०
पंजू प. २२०, २२१
पंजू पाथक दू. ४१, ४२, ६१
पंडरिख प. २८८
पंडवो प. १९
पंवार प. ३३६
पताई रावळ ती. २५, २६
पताळसिंघ दे० पातळसिंघ राजा ।
पतो प. २७, ११९, १६८, १९८, ३३०, ३५८, ३६२
पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४, १६७
पतो गांगा रो प. ३५५, ३५९
पतो चारण प. १३६
पतो चीबो प. १४८

ो जैमल रो दू १४५
ो जोगीदास रो दू. १६६
ो वहियो प २२६
ो देवडो सांवतसीग्रोत प. १५३
ो नगावत दू. १८१
ो नींबावत दू. १५४, १६०
ो मदा रो प. १६७
ो महणसी रो प. १३५
ो महिपा रो प. ११६
ो मूळावत दू १६०
ो रांणावत दू. १५१, १७१
ो रांणो प. ३५८
ो राजधर रो दू. १७७
ो रायमल रो प. १६
ो राव कला रो प. १६०
ो रूपसी रो दू. १६६, १६७
ो सिंघावत प २४३
ो सिखरा रो प. १६५
ो सींधळ प. २२५
ो सीसोदियो प. ३२, ६७, १११, ११२
, „ तो. १८३
ो सुरताणोत दू. ६६, १०८
ो सूजा रो प. २३६
ो सूरा देवडा रो प. १७०
त्रनेत्र प. ७८
दमपाळ प. २८६
दम राणो दू. २६५
दम रिख दू. ६
दर्मसिंघ दू. ६३
दर्मसिंघ करणसिंघोत तो २०८
दर्मसिंघ (जोळी) तो. २३३
दर्मसिंघ (जेसळमेर) तो. २२०
दर्मसिंघ (जैतपुर) तो. २३०
दर्मसिंघ भाटी दू ११०
दर्मसिंघ (भादळो) तो. २२५
पदमसी प. १६३
पदमसी कांनडदेग्रोत दू. २८३, २८४
पदमसी राघळ प ७६
पदमसी विजैसी रो प. २३०, २३१
पदमादित्य प. १०
पदमो सेठ तो. २१५
पदारथ तो. १८०
पद्म ऋषि दू. ६
पद्मनाभ कवि प. २०४, २१५
„ „ तो. २६३
पबो जाड़ेचो दू २५३, २५४
पमार डाहळियो तो. १५४
पमो घोरधार तो. ५८, ६०, ७८, ७६
परताप प. ११७
परतापसिंघ मांनसिंघोत दू. १६३
परतापसी लूणकरणोत तो. २०५
परपाळ राजा तो १८५
परबत प ३६१, ३६२
परबत आणंदोत दू १५४, १६२
परबत केहर रो दू ७८
परबत गांगा रो दू ८१, ८२
परबत रावत प. ७१, ७२
परबतसिंघ प. ४०, १७४
परबतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१
परबतसिंघ सीसोदियो प. १५५, १५६, १५७
परबत सेखा रो प. १६८
परमपय राजा तो. १८६
परमार प ४
परवेज साहिजादो प ३२१
परसराम प. ६८
परसराम भारमलोत प. २६१
परसराम रायसलोत प. ३२३
परसरांम (हरदेसर) प २३२
परसोतम प. ३२३
परसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३

पराछित ती. १८६
परियाल ती. १८५
परियत्रराइ प. २८८
परीआइत दू. ६
परीक्षित ती. १८५
परीखत प. ८, १०
परीखत राजा प. १०
परुपत प. २८७
परुरव पंवार रो प. ३३६
परुराई ती. १७५
पवन्य प. ७८
पसायत गाडण दू. ११८
पसो प. २१
पहपलकराज प. २८८
पहलादसिंघ प. ३११
पहाड़सिंघ ती. २२४
पहाड़ो ती. २३४
पहोड़ दू. १७ दे० पाहोड़
पांचो दू. ८१, १६६
पांचो नगा रो प. १६७
पांचो मांना रो प. १६८
पांचो वीसा रो प. १६६
पांडव ती. १५३, १५४
पांडो गोदा रो ती. १३, १४
पांणराज प. २८८
पातळ किसनावत दू. १६४
पातळ लोगावत दू. ८४
पातळ वरसिंघ रो दू. १२७
पातळसिंघ राजा ती. १७६
पातो चीचो प. १४६
पातो त्रभवणा रो प. २८५
पातो फरास प. १४५
पातो भरमा रो प. १७२
पातो रावत दू ६७
पातो वीकमसी रो प. २३१
पातो सांगा रो प. १७२
पाबूजी ती. ४०, ५८, ५६, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६६, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७६
पायक प. २८८
पारजात प. ७८
पारारिख प. १२२
पारियात्र ती. १७६
पाल उदैचंद राजा रो प. ३३६
पालण कालहणोत दे० पाल्हण कालहणोत
पालण पंवार प. १८१
पालणसी छोहिल रो प. ३४०
पालदेव सर्मा प. ६
पाल्हण कालहणोत दू. २, ३६, ५४
,, ,, ती. ३४, २२१
पासेनजित प. २८७
पाहड़सिंघ प. १३०
पाहुण ती. २२१
पाहु बापा राव रो दू. १, १०, ३३
पाहू जेठी प. ३४६, ३५०
पाहोड़ दू. १ दे० पहोड़
पियुराव दू. ७७
पियोरो राजा ती. १६०
पिराग जांझणोत प. २३८
पिरागदास प. ३२३
,, दू. १३३
पिरागदास वीरमदेवोत दू. १७१
पिराग भाटी दू. ६६
पिरोजशाह दे० पीरोसाह।
पीच सर्मा प. ६
पीत सर्मा प. ६
पीताम्बरदास वेरासरी ती. २६३
पीथड़ धूहड़ रो ती. २६
पीथम राव प ३६२
पीथमराव तेजसीयोत प. २३२, २४१
पीथळ दे० प्रिथीराज कल्याणमलोत।

ेपळसिंघ दे० पातळसिंघ राजा
ेयो प. १६४, १६६, १६६, ३१६, ३२६, ३३०
ेयो दू ६६, ७७, ६०, ६२, ६५, १२८, १७५, १६८
ेयो प्राणंदोत दू १५४, १६३
ेयो कान्हावत दू १८१
ेयो जसूंतोत दू. १७०
ेयो देदावत दू १६०
ेयो वीसावत दू, १६४
ेयो सीसोदियो बाघावत प ६४, ६६
ेरजादो दू. ४५
ेर ग्रहान चिसतो प. ३१८
ेरो बासियो दू. १०१
ेरोज दू ३४२
,, तो. १८
ेरोजशाह पातसाह दू. १
,, ,, तो १८४
ेरोसाह पातसाह दू. १, १०, ५०
ेरोसाह सुलतांण तो. १६१
जन राजा प. २६३, २६४, २६६
ज राजा तो १८०
डरीक प. ७८
,, तो. १७८
णपाल रांणो प. १५
ण्यपाल दे० पुनपाळ।
धन्वा (सुधन्वा) प. ७८
नपाळ रुदा रो प. ३४६
नपाळ जागळवो प. ३५४
नपाळ राणो प ६
नपाळ रावळ लखणसेन रो दू ४२, ४३, ११४
नपाळ रावळ लखणसेन रो तो. ३३
नराज दू ३२
नसी दू. ८६
नसी, रावळ जैतसी रो दू ८५
पुरस बहादर प. ३२२
पुरुकुत्स तो १७८
पुरुरवा दू ६
पुरुरवा दे० परूराई ग्रौर पुरुरवा।
पुरुषोत्तमसिंह प. ३२३
पुष्कर तो. १७६
पुष्पसेन दे० पोहपसेन।
पुष्य तो. १७६
पूंजो दू. ८६
पूजो चूंडा रो प. ३५१
पूजो पाता रो प. १७२
पूजो राजा रो प ३५२
पूजो रावळ प. ७७, ७६, ८७
पूनो प. १६६, २००
पूनो ईंदो दू. ३४२
पूनो सवंडे रो दू. ३१०
पूनो वोला गहिलोत रो दू. ३१४, ३१५
पूनो भाटी रांणावत दू. ६६
पूरणमल प १०४, १०८
,, दू १२५
पूरणमल कांधळोत तो. १६
पूरणमल गोपाळदासोत दू १८६
पूरणमल अंतसिंघोत तो २०५
पूरणमल दासा रो प. ३१८
पूरणमल प्रताप रो प. २८
पूरणमल प्रथीराजोत प. २६०, ३१३
पूरणमल मांडणोत दू. १८६
पूरणमल मालदेग्रोत दू. ६२
पूरणमल राजा दू. ३३५, ३३६
पूरो प १०६, १६६, ३१६, ३४२
,, दू १२६, १३०, २६२
पूरो जैमलोत प. ६६
पूरो भाणोत प २६
पूरो रांणावत दू. १७२
पूरो सिंघ रो दू. २६४
पृथीप प. ६

पृथुश्रवा प. २८८
पृथ्वीराज कुंवर ती. २४७
पृथ्वीराज चौहान प. २९६
पृथ्वीसिंघ (लोवो) ती. २३२
पेथड़ प. ६, १४, १५
,, दू. १००
पेमलो थोरी ती. ५९
पेमसिंघ प. ३०८
पेमसिंघ छत्रसिंघ रो प. २९९
पेमसिंघ (नींवां) ती. २२५
पेमसिंघ (लांबिया) ती. २३५
पेमसिंघ (धाप) ती. २२३
पेरजखांन जोगा रो प. १२४
पेरोसा सुरतांण दू. ५०
पैंजारखांन प. ४९
पैरोज प. ३२८
पैहळाद प. ३२१
पोलस्त अगस्त रो प. १२२
पोलियो नाई ती. २१४
पोहड़ दू. ११, १२, १३, १४
पोहपसेन प. १२४
,, ती. १७५
प्रछेमधन्वा पी. २८८
प्रजापाळ प. ७८
प्रणव ती. १७८
प्रतक प्रवेस प. २८९
प्रतबिंब प. २८९
प्रताप (चंडावो) ती. २३४
प्रतापचंद प. ३१९
प्रतापमल रांम रो प. ३१४
प्रताप रांणो प. ६, १५, २१, २८, ३०, ३६, ३९, ४८, ७४, १०९, २०८
प्रताप रावळ प. ७३
प्रताप रिणधीर रो प. १४२, १५९
प्रतापरुद्र प. १२९, १३०
प्रतापसिंघ प. ६८, ३०५, ३११
प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२
प्रतापसिंघ कल्यांणमलोत दू. २७९
प्रतापसिंघ कुंवर ती. १५२
प्रतापसिंघ (गोरीसर) ती. २३१
प्रतापसिंघ (छिपियो) ती. २३७
प्रतापसिंघ जसकरण रो प. १२१
प्रतापसिंघ भगवंतदासोत प. २९१
प्रतापसिंघ भगवांनदास रो प. ३००
प्रतापसिंघ भाटी सुरतांणोत दू. १००
प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प. ३०५, ३११
प्रतापसिंघ (महाजन) ती. २२८
प्रतापसिंघ मालदे रो प. ३१५
प्रतापसिंघ राजा (किसनगढ) ती. २१७
प्रतापसिंघ रावत प. ६६
प्रतापसिंघ (सिघमुख) ती. २२४
प्रतापसी प. १११
,, दू. ८८, २५६
प्रतापसी चहुवांण, राव ती. १८३
प्रतापसी रावत दू. २६४
प्रतापादीत प. १३३
प्रतापी रावळ प. ७९
प्रतिष्योम ती. १७९
प्रतीक प. २८९
,, ती. १७९
प्रथम रांणो प. ६
प्रयसवा प. २८८
प्रथीचंद मनोहर रो प. ३१९
प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २९१
प्रथीमल प. १८५, १८६
प्रथीमाल प. १८६
प्रथीराज प. १७, १९, ५५, ५६, ६९, १२५, १२९, १३०, १४४, २०९, २४१, २५२, २८६, ३०७, ३११, ३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४
प्रथीराज दू. ८९, ९२, ९५, ९७, ९८, १२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४
प्रथीराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९, १२०, १२१, १४०
प्रथीराज उडणो-प्रणो प. १७, १९
प्रथीराज कचरावत डू. १७४
प्रथीराज करमचद रो प ३१५
प्रथीराज राव, कल्याणमलोत बीकानेरियो प २५६
प्रथीराज कांन्हावत डू. १९३
प्रथीराज गोयददासोत डू. १५५, १५६, १५७
प्रथीराज चद्रसेणोत प. २९०, २९७
प्रथीराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१, २९६, ३३९, ३४४
प्रथीराज जूझारसिंघ रो प २९८
प्रथीराज जैतावत डू. २०१
प्रथीराज झालो मानसिंघ रो डू २५६
प्रथीराज देवड़ो सूजावत प. १५४, १५५, १५६, १५७, १६१, १६२, १६५, १६६
प्रथीराज (भूकरो) ती. २२३
प्रथीराज पातावत डू. १४९
प्रथीराज बळूभोत डू. १७३
प्रथीराज भोजराजोत डू. १२२, १३८
प्रथीराज राजा कछवाहो ती. १५२
प्रथीराज रायमल रो प. ९१, ९२, २८१, २८४
प्रथीराज रावत, जैतावत प ६०, ६६
प्रथीराज राव दलपतोत डू. १३१, १३२, १४४
प्रथीराज रावळ प. ७०, ७१, ७२, ७३, ७९
प्रथीराज रावळ उदैसिंघोत प. ८७
प्रथीराज राव (वैरसलपुर) डू. १२१
प्रथीराज हररावोत प. २५६
प्रथीराज हाडो केसोदास रो प ११७
प्रथीसिंघजी कंवर प. ३२२
प्रथीसिंघ परसोतम रो प. ३२३
प्रथु प. २८७
प्रदमन दे० प्रदुमन।
प्रदुमन प. ७८
,, डू. १, १५, १६, २०९
प्रद्युम्न डू. ९, १५, २०९
प्रयागदास ती. ११९, १२०
प्रशास्तनु दे० प्रसयतु।
प्रसयतु ती १७९
प्रसेनजित प. २८७, २९२
,, ती. १७९, १८०
प्रसेनयन्धा प. २८८
प्राग डू. ९
प्रागदांन ती. २३३
प्रागदास प. २१२
,, डू. १२०
प्रागदास करमसीग्रोत डू. १६३
प्रागदास कलावत डू. १६२
प्रागदास दयाळदास रो डू. ९४
प्रागदास सांवळदासोत डू. १८३
प्राछित राजा ती. १८६
प्रासेनजोत प. २८९ (दे० प्रसेनजित)
प्रिथीचंद प ३१९
प्रिथीराज कल्यांणमलोत ती. २०६, २०७ (दे० प्रथीराज कल्यांणमलोत)
प्रिथीराज वैरसलपुर राव ती. ३७
प्रिथु प. ७८
प्रेतारथ डू. ९
प्रेमचद प ३१९
प्रेम मुगल प. २४४
प्रेमसाह प १३१
प्रेमसिंघ प ३२१, ३२८

फ

फतैसाह ती. २७६

फतैसिंघ प. २५, १३३, ३०६, ३११, ३१८
" दू. ६५
" ती. २२३, २२४, २२५, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
फतैसिंघ किसोरदासोत प. ३०७
फतैसिंघ लाडखांन रो प. ३१८
फतैसिंघ विजैसिंघोत दू. ११०
फतैसिंघ हररांमोत प. ३२४, ३३५
फदनखां ती. २७५
फरसरांम प. ६६, ३०७, ३२३
फरसरांम उदैसिंघोत प. २१, ३०८
फरसरांम कचरावत प. ३१६
फरसरांम विंदावन रो प. ३०७
फरसो प. १२१
फरसो सूजा रो प. ११६
फरीद शेख ती. २७६
फरेखांन (फरेदान) प. २६२
फांबंस ती. १७३
फिरोजशाह बादशाह दू. १०
" " ती. १८४
फूंदो कांधड़ प. २०३
फूल दू. २२२, २३३
फूल जाड़ेचो छाहर रो दू. २०६
फूल जाड़ेचो धवळ रो दू. २२५, २२६, २२७, २२८, २२६, २३०, २३१, २३३
फूलांणी दू. २३३

ब

बंध प. ३३८
बंध राजा प. ३३६
बंधाइत प. ३३८
बंभ दू. २१५
" ती. १८०
बंभणियो जांम दू. २२४
बंभ राजा (मारवणी रो बाप) प. २६३
बंभेसर दू. २१५
बछुवै राजा ती. १८६
बद्री तिरमणोत प. ३२३
बद्रीदास प. ३०६
बळ प. ११६, १३५, २४७
बळकरण प. १०१
" ती. २२१
बळकरण जगनाथ रो प. ३०२
बळकरण नरहरदास रो प. ३०८
बळकरण पूरा रो प. ३४२
बळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७, ३२६, ३५६
" दू. ६०, २६४
" ती. २२८
बळभद्र नरसिंघदास रो प. ३२०
बळभद्र नारायणदासोत प. ३२४, ३२६, ३२७
बळरांम प. २८, ३०६
" ती. २३६, २३७
बलराज प. १००
बळराज तेजसी रो प. ३५७
बळ राजा प. १६०
बळ लाखण रो प. २५०
बळवीर प. १२६
बळसोही राव लाखण रो प. १७२, २०२.
बलाहक राजा ती. १८७
बळिकरन पूरावत दू. १७२
बळिपाळ प. २८६
बळिभद्र प्रथीराज रो प. २६०
बळिभद्र बांकड़ो राजा प्रथीराज रो प. ३०७
बलिरांम फरसरांमोत प. ३१६, ३२३
बलिरांम भगवंतदासोत प. ३००
बलि राजा प. १६०

बलि राव लाखण रो प. २३०
बली प १०० (दे बलि राव लाखण रो)
बलीराम नरसिंघदासोत दू. १८३
बलू प २५, ६८, ३०७, ३०८, ३१२, ३२५, ३२६, ३४१
, दू ६४, १२४, १२८. १२६, १३१, १३२, १४३, १४४, १७४
बलू उदैभाणोत देवडो प. ३२
बलू कान्हावत
बलू केसोत दू १८८
बलू चहूवाण प. ६३
बलू जसवंतोत दू १४८
बलू जैमल रो प. ३१७
बलू राव प २२७, २२८
बलू सकतावत प. २७
बलू सावतसीओत प २३४
,, ,, ती २१७
बलू सावळदासोत दू १७६
बलू सादूळोत दू १६४
बलू सुरजनोत दू १८५
बलू सुरतांणोत दू १५०
बलू हुल प २७६
बहलीम प २२८
बहलोल लोदी पातसाह ती. २७३
बहलोल सुलतांण ती. १६०
बहवन मोवरा रो प. ३३३
बहादर प ६२ दे० बाहदर
बहादर पातसाह प २०, ४६, १०६
,, ,, दू. २६२
,, ,, ती ५५, ५६
बहादर राजा प. २०, २६८
बहादुर प २६२
बहादुरशाह बादशाह दे० बहादर पातसाह।
बहादुरसिंघ ती. २२३, २२७, २२६
बहादुरसिंघ राजा (किशन०) ती. २१७
बहिराम सुलतांण ती. १६२
बहुवं राजा ती १८६
बांगण ती. २२१
बागण जसहडोत दू ३६, ४३, ५४
बांगो हाडा रो प. १०१
बाकळियो दू २५७
बागण दे० बागण।
बागुळ धुधमार रो ती. २१८
बाघसिंघ (नींबा) ती. २२५
बापो जगा रो प. ३४३
बापो राव ती. २२२
बापो रावळ प. ३, ४, ७, ८, ११, १२, ७८
बापो रावळ दू १, १०, ३३
बाबर पातसाह प. १६
,, ,, दू २६२
,, ,, ती १६२
बाबूरांम रायसल रो प. ३२४
बाळग चाच रो प २६१, २८०
बाळनाथ जोगी प ३५१
,, ,, ती १०३, १०७
बाळप सोळकी प २८०
बाळबध सालवाहन रो ती ३७
बाळव ती ३७
बाळवध ती. ३७
बाळव भाट प ३६३
बालहराव राणो मोहिल ती १७०
बालो प ५० ६७, ११६
बालो उदैकरणोत प. २६५, २६६, ३१३, ३१८
बालोजी प २६४
बालोजी जगनाथ रो प ३०२
बालो भोजा रो प ११६
बालो राव दू ६५
बालो सेलहथ प. १५३
बाहड धरणीवराह रो प. ३३७, ३३८

बाहदर प. ३२८ दे० बहादर
बाहुक ती. १७८
बाहेली गूजर दू. ५५
बिदपसाव रावळ प. १२
बिजड़ प. १३५
बीका राव, बीकाजी राव } दे० बीको राव।
बीज प. २५८, २६३, २६४, २६७, २६८, २६९
बीज राजा ती. १८५
बीबो प. १२४
बीभो जांम दू. २५४
बीरसीह रावळ प. १२
बुकण भाटी-अभोहरियो दू. ३०२
बुद्धसेन राजा ती. १७५
बुध दू. १, ९, ११, १५, १६, १४०
बुध ईच (बुधईस) ती. १७६
बुधरांम प. ३०८
बुधसिंघ प. ३०८
,, ती. २३२
बुधसिंघ जगतसिंघ रो दू. १०९
,, ,, ती. ३६, २२०
बुधसेन प. २९२
बुलाकी प. २९८
बूजो बारहठ दू. ३८, ७४
बूड़ो धांधळोत ती. ५९, ६२, ६४, ६५, ६६, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९
बूबनो दू. २५४, २५५
बूहड़ मंडळीक प. १२३
बोजो चूंडा रो प. ३५१
बोटी दू. ९
बोड़ो भाखरोत प. २४५, २४७
बोबो रांणो ती. १५८, १७१
बोहड़ बीठू दू. ६३
बोहड़ सोलंकी प. २८०
ब्रह्मदेव रांणो दू. २६४
ब्रह्मरिष प. २६१
ब्रह्माण्य प. ७८
ब्रहदस (बृहदश्व) प. २८७
ब्रहांनळां ती. ५७

भ

भईया दू. १, ११
भगवंतदास प. ३२९
,, ती. २२६
भगवंतदास राजा भारमलोत प. ११२, २९१
भगवंत राय प. १३१
भगवंतसिंघ प १४, १५
भगवतसिंघ ती. २२५, २३३
भगवांन प. २९
,, दू. ७७, ८१, ८९, १२२, १२८, १७७
भगवांन किसनावत दू. १९१
भगवांन मेघराज रो प. ३५९
भगवांन सोढो प. ३६१
भगवांनदास प. १३०, १६०, १६३, १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२९
भगवांनदास दू. ९८, १२९
भगवांनदास अखेराजोत दू. १५२
भगवांनदास कल्यांणमलोत ती. २०६
भगवांनदास गोपाळदासोत दू. १८९
भगवांनदास दयाळदासोत दू. १४७
भगवांनदास नारणदासोत दू १८७
भगवांनदास फरसरांम रो प. ३१६
भगवांनदास (भूकरो) ती. २२३
भगवांनदास रांमचंदोत दू. १५९
भगवांनदास राजा कछवाहो दू. १४५
भगवांनदास राजा भारमलोत प. २९१, २९७, ३०२
भगवांनदास रायसिंघोत दू. १२५, २५५, २५६
भगवांनदास लूंणकरणोत प. ३२०
भगवांनदास वीरमदेश्रोत दू. १६९

भगवानदास सीहावत दू १२४
भगवान सकतावत प २७
भगवान हरराजोत दू ९९
भगीरथ प २८८
भड लखमसी रांणो प १५
भडसी कुतल रो, कछवाहो प २९५
२९६ ३३०
भडसूर राघळ प ७९
भदो पचायणोत प २१, २०७
भदो सावतसी रो प २००
भरत तो १८०
भरथरी प ३३६
भरमो आढो दू २४२
भरमो चहुवांण प १७२
भरह रांणो प १२३
भरुक तो १७८
भव तो १७९
भवणसी ब्राह्मण रो दू ३८
भवणसी भूवर रो प १६
भवणसी (भीमसी) रांणो प १५
भवणसी राणो तो २३९, २४७
भवनो रतनू दू १४
भवसी राणो प १५
भवानीसिंघ तो २२३, २३२, २३७
भाडो जैतावत दू ६६
भाडो वैरा रो प. १०२ १०९
भाण प २२, १२०, १४१ १८९, २३५,
२३७, ३६०
, दू १२२, १४३
,, तो ८७, ८८
भाण अखैराज रो प २०७ २०९, २१०
भाण अभाउत पडिहार प १५२
भाण कल्यांणमलोत तो २०६
भाण खींवा रो प ३६०
भांण जेसावत दू. १५० १५१
भाण भूलो चारण प ८६, ८८
भाण तेजमालोत दू १२४
भांण दुजणसाल रो प ३५५
भांण दूदा रो प ३६१
भांण नारणोत दू ९९
भांण (भेळू) तो २२६
भांण मनोहरदासोत दू १६७
भांण मोटल रो प ३४१
भांण रायमलोत दू. १८६
भाण रायसिंघोत दू १९४
भाणराव भोजराजोत दू १३७
भांण रिणधीर रो प १४२, १५८
भाणल दू ९१
भांण वाढेल दू २२०
भाण सकतावत प २६
भाण सहसावत दू १८९
भांण साईदासोत दू १७६
भांण सिंघोत दू १९३
भाण सीहावत दू १२४
भांणो घाघळ प २२५
भांणो मीसण-चारण प १०५, १०६
भाणो सीसोदियो प १११
भांन प्रतबिंब रो प २८९
भानीदास प २७९
, दू ११, ८०, ९२, ९३,
१३६, १६३
,, तो २२०
भानीदास कांह रो दू ८८
भानीदास दुलणसलोत दू १२८ १२९,
१३२
भांनीदास धरजांगोत दू १९१
भांनीदास धीरमदेग्रोत दू १६८
भानीदास (भवानीदास) वैरसलपुर राव
तो ३७
भानीदास हरराजोत तो ३५
भांनीदास हमीर रो प ३४३
भानीसिंघ तो २२३, २२८ २३७

भांनो दू. १६६
भांनो खेतसी रो प. ३६०
भांनो जोगा रो प. ३५७
भांनो रावत प. २७, ६४, ६५
भांनो सोनगरो ती. ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६
भांमो साह ती. १२३
भाखर प. २४१, २४७
,, दू. ७६, १६८
भाखर रांणो प. १५, २३१
भाखरसिंघ ती. २३६
भाखरसी प. २७, १५६, १६६, ३६१, ३६३
,, दू. ११, १७८, १६६
,, ती. २३६, २४०, २४१
भाखरसी कल्यांणमलोत ती. २०६
भाखरसी खेंगारोत प. ३०६
भाखरसी जसवंत रो प. २०८
भाखरसी दासावत प. १६३, १६६, २३७
भाखरसी दूदावत दू. १६७
भाखरसी भांनीदास रो दू. १६८
भाखरसी महिकरन रो प. ३५६
भाखरसी रायपाळोत दू. १५२
भाखरसी वैरसल रो प. ३६३
भाखरसी साढूळोत दू. १६६
भाखरसी हरराज रो दू. ६८
भागचंद दू. ८०, १२४, १४२, २०१
,, ती. २२८
भागचंद जैतावत दू. २००
भागचंद हाडो प. १०१
भागस सकता रो प. १६८
भागादित्य प. १०
भागीरथ प. ७८, २६२
,, ती. १७८
भाटी द. ६, १६
भाटी सालवाहन रो ती. ३७
भादू रावळ प. ५, १२
भादो नारणदासोत दू. १८८
भादो भोजा रो प. ३५४
भादो मोकळ रो ती. ११६
भादो रावळ प. ७८
भाद्रावळ जोगी दू. २१६
भानु ती. १७६
भानुभान ती. १७६
भामाशाह दे० भांमो साह।
भार्यासिंह ती. २२६, २२८, २३०
भारतसिंघ ती. २२६, २३५
भारथचंद्र राजा प. १२६
भारथसाह प. १२६
भारथसिंघ प. २६८
भारथी प. ३०७
भारद्वाज ती. १५४
भारमल प. १५६, १६६, १७१, २०५, ३०६
भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६
भारमल जगमालोत ती. ३, ४
भारमल जोगावत ती. ३१
भारमल प्रथीराजोत प. २६०, २६१, २६७
भारमल भंरू रो प. ३२५
भारमल राजा ती. २१७
भारमल राजा प्रथीराज रो प. २६१
भारमल रावळ प. ३५६
भारमल वीकावत प. २००
भारमल सांगावत प. ३६०
भारमल सेखा रो प. ३२८
भारमल सोम रो प. १६६
भारो दू. २०६, २१५
भारो साहिब रो दू. २५३, २५५
भालो रावळ प. ७६
भावसिंघ प. २७, १०२, ११३, १६०, ३०४, ३२४

भावसिंघ दू ९३, १६९, २६३
,, ती २३७
भावसिंघ कान्होत दू १५०, १८४
भावसिंघ मानसिंघ राजा रो प २९१, २९७, २९८, ३१०
भावसिंघ राजा दू १४७
भावसिंघ सेखा रो प ३१७
भासादित प ७८
भींदो प १६२
भींव प २६, २७, ३२९, ३४१, ३४३
, दू. १, ७७, ८१, ९६ ११९, १५१
भींव करणोत प २३५
भींव करमा रो प १६५
भींव कल्याणदासोत दू १६६
भींव कूभावत प २३९
भींव जगमाल रो प ३२६
भींवड पुजन रो प. २९४, २९६ ३३२
भींव डोडियो प ६२
भींव दूदावत दू १९३
भींव देवडो प १६६
भींव पचाइण रो दू २५५
भींव प्रथीराज रो प ३१५
भींव प्रागदासोत दू १८३
भींव भगवतदासोत प २९१
भींव राणावत प १९६
भींवराज दू १२४, १२८, १७८
भींवराज प्रथीराज रो प ३०२
भींवराज मेळावत दू १९६
भींवराज सादा रो प ३६२
भींवराय प १३१
भींव रावळ दे० भीम रावळ।
भींव रुघनाथोत दू १६०
भींव वाघ रो प २०८
भींव सावतसोश्रोत प २३४
भींवसिंघ परसोतम रो प ३२३
भींवसी प २९०
भींवसी रांणो दे० भवणसी रांणो।
भींव सीहड रो प ३४३
भींव सुरताणोत दू १७१
भींव हमीरोत दू. २०९, २११, २१२, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
भींवो दू ७८, १९९
भींवो साडावत प २४३
भींवो साहणी दू १६६
भीखो प २०५, २९०
भीम प ५७, ५८, ५९, १०९, १५९, २६०
,, दू २११
भीम ईसर रो प १२१
भीम खगार रो प ३६३
भीमचद राजा ती १८८
भीम चवडोत (चूडावत) दू ३१०, ३४२
,, ,, ती ३१
भीम जसहडोत दू ७३
भीम जेठवो दू २२०
भीमदे प २६१
,, ती २२१
भीमदे आसकरणोत दू ५७ ५९, ६०
भीमदे नानग सुत प २६०
भीमदेव लघु ती ५१
भीमदेव वृद्ध ती ५१
भीमपाल प २९०
भीमपाळ छत्रमणोत ती २१३
भीम मेपराज रो प ३५९
भीम राणो झालो दू २६४
भीमराज ती २२५
भीम राजा प ३०
,, , ती ५२
भीमराव जैतसिंघोत ती २०५
भीम रावळ हरराजोत दू १, ६, ११, १४, १५, ९४, ९८, ९९, १००, १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती. ३५
भीम वडो दू. २०६
भीमसिंघ ती. २२५, २२८
भीमसिंघ महाराजा ती. २१३
भीमसिंघ रावळ प. ८७
भीमसी रांणो दे० भवणसी रांणो।
भीमसोळंकी प. २८०
भीमो दू. ३४२
भीमो रावत दू. ८६, ८७
भुंहसाजळ साहजी प. १५
भुजबळ रतना रो प. १६४, १६५
भुजो संढायच दू. ३३६
भुटो दू. २१, २२
भुणंगसी रांणो प. ६
भुणकमळ दू. २, ३८, ३६
भुवनसिंघ प. ६
भूधर दू. १६८
भूपमोच प. २८६
भूमांन प. २८६
भूवड़ राय ती. ५१
भूवर प. १६
भेटो दू. ८१
भैरव प. २३२, ३१३
भैरव दू. ६६, ६७
भैरव कवि प. ७
भैरवदास प. २१, १११
,, दू. ८८, १२४, १८२, २००
भैरवदास जेसावत दू. १५३, १७८, १६२
भैरवदास देवड़ो प. १५३, १५४, १५५
भैरवदास मरोटवाळो दू. १२०
भैरवदास मेळावत दू. १६६
भैरवदास रांणो दू. ६४, ६८, ६६
भैरवदास वेणीदासोत दू. १६८
भैरवदास सोळंकी नाथावत प. ५०
भैरव देवड़ो प. १६६
भैरव भांना रो प. ३६०
भैरव राव प. २३२
भैरूं प. ३१३
भैरूंदास जैसिंघदेवोत प. २३८
भैरूं सूजा रो प. ३२५
भोंसला शाहजी दे० भुंहसाजळ साहजी।
भोग्रो नाई प. २४८, २४६
भोगादित प. ३, १०, ७८
भोगादित्य दे० भोगादित।
भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६, १५३, १६०, २०५, ३६२
भोज दू. १, ३
,, ती. २२१
भोजदे प. २३१
,, दू. ८२, ८३
भोजदे गांगा रो प. ३५६
भोजदे रावळ विजैराव रो दू. ३३, ३४, ३५
भोज पंवार प. २६३
,, ,, ती. २८, १७५
भोज पंवार सिंघळसेन रो प. ३३६
भोजराज प. २१, १६३, ३०६, ३२३
,, दू. १३८, १८६, १६६, २०६, २१५, २५६
,, ती. २२५, २२६
भोजराज अखैराजोत प. २०८, २१२
भोजराज उदैसिंघ रो प. २१
भोजराज कांन्ह रो प. ३५३
भोजराज चंद्रसेन रो प. ३५५, ३५६
भोजराज जगनायोत प. २०६
भोजराज जसूंतोत दू. १७०
भोजराज जीवा रो प. २४१
भोजराज जैतसिंघोत ती. २०५
भोजराज नींबावत दू. १५४, १६२
भोजराज पंचाइण रो प. २३७
भोजराज मालदेग्रोत दू. १७८, १६३
भोजराज राजदे रो प. २६४, २६६, ३३२

भोजराज घाघोत दू १७६
भोजराज रांणो प १७२
भोजराज रायसलोत प ३२१, ३२२
भोजराज रूपसी रो प ३०५, ३१२
भोजराज सावळदासोत दू १७४, १७६
भोजराज साला रो प ३४१
भोजराज सिंघोत दू १६४
भोज राव दू १७१
भोज विजैराव लांझा रो तो २२२
भोज सुरजन रो तो २६६, २६७, २६८, २६६, २७२
भोजादित प ३, ७८
भोजा दत्य प १२
भोजो प ११६, २४०
,, दू ८०, ६६ १६४
भोजो कूभा कांपळिया रो प. २४६, २५०
भोजो जोधावत दू १७७
भोजो डेपावत प २८४, २८५
भोजो साडा रो प ३५४
भोजो सोढो प ३६१
भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६, १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
,, दू ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
भोपत कचरावत प ३१६, ३१७
,, ,, दू १८५
भोपत चकतो तो ३७
भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
भोपत पतावत दू १६०
भोपत भारमल रो प २६१, ३०२
भोपत माडणोत प ३५४
भोपत मांनावत दू १७६
भोपत रांम रो प ३५८, ३६०
भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
भोपत रायसिंघोत दू १०७
,, ,, तो. २०७
भोपत राहडोत दू ३२
भोपत लिखमीदासोत दू १६६
भोपत सहसावत दू १७६
भोपत सांवळदासोत दू. १७४
भोपतसिंघ प ३२२
,, तो २२७, २३०
भोपत सिंघोत दू. १६३
भोपत सोढो प ३६१
भोपाळ प ६८
भोपाळ दू ६१
भोमपाळ राजा तो १८८
भोमसिंघ तो २२५, २२६, २३२
भोमसिंघ सादूळसिंघोत तो. २१३
भोवड प २५६
भोवडराज प २५६
, तो. ४६
भोवो नाई प २४८, २४६
भोहो तेजपाळ रो प. ३३६

म

मगळराव मझमराव रो दू ६, ११, १५ १६, ३१
मगळराव, रावळ बछु रो दू १४०
मझमराव दू १, ६, ११, १५, १६ १४०
मडळीक दू ८८, २६३
मडळीक चहुवाण तो ३
मडळीक जगमालोत तो ३, ४
मडळीक राव (वैरसलपुर) दू १२१, १२६, १३०
मडळीक राव (वैरससपुर) तो. ३७
मडळीक सरवहियो दू २०२, २०३, २०४, २०५, २०६
मक रांणो दू. २६५
मजाहिदखा प १३६
मथुरादास प. ३०८
मदनपाळ राजा तो. १८८
मदनसिंघ प. २५, ३१०

,, ती. २२३
मदनसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
मदनसिंघ फरसरांम रो प. ३२३
मदनसिंघ सेखा रो प. ३१७
मदनो प. १४६
मदफरखांन ती. ५३
मदो रांमदास रो प. १६७, १६८
मधु दू. ३
मधुकरसाह प्रतापचद्र रो प. १२६, १३०
मधुकीटभ प. ४७
मधुकैटभ दैत्य दे० मधु कीटभ
मधु रांणो परमार ती. १७५
मधु राजा परमार ती. १७६
मधुबनदास प. ३१०
मधुसूदन प. १३३
मनदेव प. २८६
मनभोळियो डूंम दू. २३२, २३३, २३४
मनरदास ती. २२३
मनरांम (खनावड़ो) ती. २३६
मनरूप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६
मनरूपसिंघ प. ३००
मनरूप (हरदेसर) ती. २३२
मनहरदास (कल्यांणसर) ती. २३४
मनहरदास (जीळी) ती. २३३
मनहरदास (जैतपुर) ती. २३०
मनहरदास (लखमणसर) ती. २३३
मनहरदास (सांडवो) ती. २३२
मनु प. २८७
मनोरदास नरहरदासोत प. २३८
मनोहर प. २३, २७६, ३१६, ३४३
,, दू. ७८, ८५, ८८, ६०, ६६, १२२, १७६, १७८
मनोहरदास प. ६, १६५, ३१८, ३२७, ३४२
मनोहरदास दू. १२०, १२६, १६१, १६७. १८६, १६४
मनोहरदास ती. २२३
मनोहरदास अखैराजोत दू. १५२
मनोहरदास उदैसिंघोत दू. १८८
मनोहरदास कलावत दू. ६, ११, ६३, १०२, १०३, १०४, १८२, १८४
मनोहरदास खंगारोत प. ३०५
मनोहरदास जसूंतोत दू. १७०
मनोहरदास नाथावत प. ३१०
मनोहरदास पातळोत दू. १६४
मनोहरदास मिरागदासोत दू. १७१
मनोहरदास रावळ प. ३५६
,, ,, ती. ३५
मनोहरदास रुद्र रो प ३१६
मनोहरदास सांवळदास रो प. ३४२
मनोहर राव प. २७६, ३१६
मनोहर रावळ दू. ७७, ८०
मनोहर रूपसी रो प. ३४३
मनोहर (सिंघराव-भाटी) दू. १०७
मनोहर सोढो प. ३६१
मन्होर प. २३७
ममारखसाह सुलतांण ती. १६१
ममूसाह अमराव प. २१८, २१६
मयणसी रावळ प. ७६
मरीच प. ७७, २८७, २६२
मरीच रांणो दू. २६५
मरीचि ती. १७५
मरु राजा ती. १७६, १८५
मरुदेव ती. १७६
मर्दनादित्य प. १०
मलकंवर ती. २७६, २७८, २७६
मलिक दू. ४८
मलिक अंबर दे० मलकंवर।
मलीनाथ रावळ ती. २७, ३०, २५१, २५२, २५५, २५६
मलूकचंद राजा ती. १८८
मलूखां राजा प. १३०
मलेसी डोडियो ती. १३४, १३५

मलेसी पुजनराव रो प १६०, २६४, २६६, ३३२
मलो सोळकी प. ३४२
मलो सोळकी दू. १५३
मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ।
मल्लीनाथ राव दू २४८, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८७, २८८, २८६, २६०, २६१, २६६, ३००, ३०७, ३०८, ३०६
मल्लीनाथ रावळ दू. १३० (दे० मल्लीनाथ रावळ)
महंदराव प. १७२, २३०, २४७, २५०
महकरण रांणावत प. २३३
महड दू २१५
महड़ ऊनड़ दू. २३८
महणसी प. १३४, १३५, १६६, १८७
महदराव प. १०१
महदसी प ३४३
महपाळ राणो (परमार) ती. १७५
महपो पमार (परमार) दू. ३३८, ३३६, ३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)
महपो पमार (परमार) ती. १७६ (दे० महिपो पवार)
महमद प. २६२
,, दू ३४३
,, ती ५४, ५५, ५७
महमंद म्हालो दू. २५८
महमद पातसाह ती. १, २, २८
महमद बेगड़ो प २६२
,, दू २०२, २०३, २०४, २०५
,, ती. २५, ५६
महमदग्रलो सुलताण ती १६२
महमदखांन ती. ५३
महमदसाह ती १६१
महमदी आदल सुलताण ती. १६१
महमूद प. २६२
महमूद बेगड़ा बादशाह–दे० महमद बेगडो
महर जाड़ेचो दू. २०६
महरांवण प. ३६१ (दे० महिरांवण)
महरांवण तिलोकसी रो दू. १६२
महाजोध राजा ती. १८७
महानद प ७८
महाबळ राजा ती. १८७
महामति प. ७८
महायश ती. १७८
महारिख रिखेस्वर प १६३
महासिंघ प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३, ३२८, ३२६
,, दू ६३, २६३
,, ती २२०, २३६
महासिंघ ईसरदासोत दू ६५
महासिंघ उग्रसेण रो प ३१६, ३२२, ३२४
महासिंघ कछवाहो मांनसिंघोत दू. १३३
महासिंघ जगतसिंघोत प २६१, २६७
महासिंघ राजसिंघोत प. २०६
महासिंघ राव प. २८१
महिंद्रराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)
महिकरण प. ३५७
महिकरन कूभा रो प ३५६
महिपाळदे ती ५२
महिपाळ राजपाळ रो प ३४४
महिपाळ राजा ती १८८
महिपाळदे बोडो लखा रो प २४७
महिपो केल्हा रो दू ११२
महिपो केहर रो दू ७७, ७८
महिपो चहुवाण प ११६ (दे० महियो चहुवाण ?)
महिपो पंवार प १६, १७ (दे० महपो पमार)
,, ,, दू. ३३८, ३३६, ३४०, ३४१ (दे० महपो पमार)
,, ,, ती १, २, १३४, १३५, १३८, १३६, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)
महिपो भूवर रो प. १६
महिमडल-पालक ती. १८०
महियो चहुवांण प. १७२ (दे० महिपो चहुवाण ?)
महियो सीसोदियो प. ६२ (दे० महिपो सीसोदियो ?)

महिरांवण दू. ८८ (दे० महरांवण)
महिरांवण चाचा रो दू. ११७
महिरांवण वाघेलो प. २२६
महिळू प. २८१
महीकरण नारण रो प. ३५८
महीदास प. ७८
महीपाळ प. २८६
महीपाळ राजपाळ रो प. ३३६
महीपिंड प. ३३६
महीराव प. १३५
महीरावण वैरसल रो प. ३६०
महेंदर प. ४
महेंद्रराव प. १८६ (दे० महिंद्रराव)
महेंद्रादित्य प. १०
महेस प. ८, २२, १६४, २०१, २३५, २४०, ३६०, ३६१, ३६२
महेस दू. ८४, १००, १०४, १८३, १६७, १६६
महेस करमा रो दू. ८०
महेस कलावत प. ३५४
महेस घड़सी रो दू. १८६
महेस जीवा रो प. २४१
महेस ठाकुरसी रो प. ३६०
महेसदास प. १३५, १७६
,, दू. ६५, १८४, २६३,
महेसदास अचळदासोत दू. १५६
महेसदास आढो किसनावत दू. १५, २६५
महेसदास कलावत दू. १८४
महेसदास खेतसी रो दू. १२३
महेसदास गोयंददासोत दू. १५०
महेसदास जगदेवोत दू १४०
महेसदास दळपतोत प. २३४, २४६
,, ,, दू. १७७
महेसदास पीथा रो प. ३३०
महेसदास राव सुरजमलोत दू. ६०
महेसदास रूपसीओत दू. १४८
महेसदास लखावत दू. १६१
महेसदास लूणकरणोत दू. ६०
महेस प्रतापसिघोत ती. १५२
महेस भैरव रो प. १६६
महेस मानसिंघोत प. ३५६
महेस सांईदासोत दू. १७६
महेस सेखावत दू. १७३
मांखण सेद प. २७, ६५
मांगळ प. २६३
मांगळराय प. २८६
मांजो चूंडावत प. ६६, ७०
मांडण प. २४३, ३६१, ३६२
,, दू. १४३, १७०, १७२, १८२, १८४
मांडण ऊहड़ प. २४३
मांडण ऊहड़ गोपाळदासोत दू. ६६
मांडण कूंपावत दू. १८१, १८७, १८६
,, ,, ती. १२३, १२४, १२५, १२६, १२८, २७४
मांडण खांट ती. ५६
मांडण जोधा रो प. ३५७
मांडण रांणावत प. २३६
मांडण रणावत सांखलो ती. ३१
मांडण वैरसी रो प. ३५६
मांडण सकतावत प. २७
मांडण सीहड़ रो प. ३४१
मांडण सोढो दू. ८२, ८३, २६२, २६३
,, ,, ती. ३४, ३५
मांडो प. ६६
मांडो जैतसी रो, रांणो प. ३४१
मांडो मुंहतो दू. १३५
मांडो हुरभम रो प. ३५२
मांणकराव आसराव रो प. १०१, १७२, २०३, २३०, २५०, २५१
मांणकराव पुनपाळ रो प. ३४६, ३४७, ३५३

माणकराव रांणो मोहिल दू ३२२, ३२३, ३२५
„ रांणो सोहिल ती १५८, १७१
माणकराव सिवराज रो प ३५६
मांणकराव सोढो प ३६३
माणल देवाइत दू १६
मांधाता चकवै ती १७८
मांधाता चक्रवर्ती ती १७८
मांन प १०१
मांन खीमावत दू ६, १३६, १६१
मांन चहुवांण प ७४, ७५, ७६, ७७
मांन तुंवर, राजा ती १८३
मांनधाता प ७८, २८७
मान पूरा रो प १०६
मान रांणो प २३१
मांन लणवापो प २२४
मान वीरभांण रो प १२०
मांन सांवळदासोत प ७३
मानसिंघ प १६०, ३१६, ३२८, ३२६
„ दू ८८ ६५, १२२, १२६, १७०, १६२, १६४
„ ती २३०, २३१, २३२
मांनसिंघ अखैराजोत प २०७, २०८
मांनसिंघ ऊदावत दू १७३
मांनसिंघ कछवाहो प ३० ३६, ४०, ४८, १३३, २५५, २५६, ३०८, ३१३
मांनसिंघ करणोत प ६५
मानसिंघ कांन्ह रो दू १३६
मानसिंघ गागावत प ३५८, ३५६
मानसिंघ जैतसिंघोत ती २०५
मांनसिंघ जैमलोत प ६६
मानसिंघ झालो दू २४५, २५६, २५६
मानसिंघ तेजसी रो प ३२६, ३५४
मानसिंघ दुरसावत प ३२७
मानसिंघ भगवतदासोत प २५५, २५६, २६१, २६७
मांनसिंघ भांणोत प २६
मांनसिंघ भाखरसी रो प ३५६
मांनसिंघ मेहकरणोत दू १६३
मानसिंघ राजा प २६१, ३०८, ३
३४२
„ „ दू. १४७
„ „ ती २१७
मांनसिंघ राव प. १४२, १४३, १
१५०, १६१, १६५, १६६
मांनसिंघ रावत, सीसोदियो प ६६, ६८
मांनसिंघ राव दूदा रो प १३५ १
१३८, १३६, १४०, १४१
मांनसिंघ रावळ प ७३, ७४, ७५, ७७
मांनसिंघ राव (चैरसलपुर) ती ३
मांनसिंघ राव सीरोही प० २२, २३,
मांनसिंघ लखावत दू १६१
मानसिंघ सांवळदासोत दू १७४
मांनसिंघ हाडो प ११७
मांनो प २६, १४६, १५६ १
२३८, ३६२
„ दू ६६, ७७, १४३, २६४
मांनो केसोदासोत दू १८८
मानो जोगा रो प ३५७
मानो डूंगरसीग्रोत दू १७६
मांनो देवराज रो दू २०१
मानो नरबद रो प २४८
मानो नीबावत दू १५४
मानो मदा रो प १६८, १६६
मांनो महिपद दू ६२
मानो राव प १४३
मानो रूपावत ती ८४
मांनो लखमण रो प ३४१
मानो वीसळ रो प २००, २०१
मानो साईदासोत दू १७६
मानो सिखरा रो प १६५

मांनो सिवदासोत दू. १४४
मांनो हमीर रो प. ३५८
माखनखां सैयद दे० मांखण सैद।
माघ राजा परमार ती. १७६
माथुर दू. ३
माधवदास केसवदासोत प. २११
(दे० माधोदास केसोदासोत)
माधवदे प. ३३६
माधव ब्राह्मण प. २६२, २७७
„ „ ती. ५०, ५१, ५३, १८४
माधव माधो राजा ती. १६०
माधवसेन ती. १८६
माधवादित्य प. १०
माधू भाटी दू. ५८
माधो प. १६६, १६७, २४२, ३४३
माधो कांना रो प. ३६०
माधो गिरधर रो प. ३४३
माधोदास प. ३१३, ३२५
„ दू. ६०, ६२, ६६, १२२, १२३, १२५, १७०, १८४, १६१, २६३
माधोदास कलावत दू. १६२, १८४
माधोदास कांन रो प. ३१४
माधोदास केसोदासोत दू. १६३
(दे० माधवदास केसवदासोत)
माधोदास गोपाळदासोत दू. १४६
माधोदास छीतरदास रो प. ३०८
माधोदास नारणदासोत दू. १८८
माधोदास राघोदास रो प. ३२८
माधोदास वांकीदास रो प. ३५८
माधोदास सुरतांणोत दू. १७२
माधो रिणमलोत दू. १६१
माधो लाडखांन रो प. ३२१
माधोसिंघ प. २२, २५, ६८, ३०६, ३२६
माधोसिंघ ती. १७६, २२८, २३३
माधोसिंघ कछवाहो दू. १५१
माधोसिंघ जसवंत रो प. २०८
माधोसिंघ जोधा रो प. ३५६
माधोसिंघ भगवंतदासोत प. २६१, २६६
माधोसिंघ मालदे रो प. ३१५
माधोसिंघ सीसोदियो दू. २६३
माधोसेन राजा ती. १८६
मारू रांणा रावळ रो प. १६६
माल प. ३४३
माल दू. २१५
मालक खंराज रो प. ३३१
मालण कचरावत प. ३५७
मालण जेसा रो दू. १८१
मालदे दे० मालदेव राव
मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६
मालदे जैतसिंघोत ती. २०५
मालदे नाराइणदासोत प. २११
मालदे (जोळी) ती. २३३
मालदे पमार ती. १८३
मालदे (पल्लू) ती. २२६
मालदे भाटी दू. ६०, ६२, १०२, १३३
मालदे मूंछाळो सांवतसी रो प. २०४,२०५
मालदे राव (राव मालदे राठोड़) प. ६०, ६२, १६८, २०७, २३३, २३८, २६७, ३१६
„ राव (राव मालदे राठोड़) दू.१३, १४, ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१, १६२, १६३, १६४, १७४, १७७, १८०, १६०, १६२, १६४
„ राव (राव मालदे राठोड़)ती.२८, ८६, ८७, ६३, ६४, ६५, ६७, ६८, ६६, १०१, १०२, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, ११६, १२०, १२१, १२२, २१५
मालदे रावळ लूंणकरणोत दू. ११, १३, १४, ८६, ६१, ६७, १०६

मालदे रावळ लूणकरणोत ती ३५
मालदे राव (धंरसलपुर) दू १२१, १२२ १५४
,, राव (धंरसलपुर) ती ३७
मालदेव राजा परमार ती १७६
मालदेव राव गांगावत दू १३७, १३८, १५४
मालदे सोढो प ३६१
माल पवार प २८०
माळोदास करणसिंघोत ती २०८
मालूजो ती २७६
मालो प २७, ५०, १६८, १६९
,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
मालो किसनावत दू १२४, १२५
मालो चारण प १८४
मालोजो रावळ दे० मलीनाथ रावळ
मालो जोधावत दू १७७
मालो देवराज रो दू १०४
मालो रतनू-बारहठ दू ५४
मालो रावत दूदा रो प १२४
मालो रावत हांमा रो प १४६
मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
मालो सिंघ रो दू २६२, २६४
मालो सिलार रो प १९५
मालो सूजावत प १४४
मालो सेखा रो प १६५
माल्हण सूर दू १५३
मावल धरसडो दू २३२, २३३
माहगराव गींदा रो प २५३
माहप प. ५, १३, १४, ७०, ९०
माहिसिंघ प ११९
मित्रावरण प १२२
मिरजो खान दे० खान मिरजो
मिलक केसर दे० केसर मिलक
मिलक खान प १४६, १४७
मिलक खांन हेतावत प २४६
मिलक बेग दू २६०
मिलक मीर प. २३१
मीयां प १०१
मीर गामरू प २१८, २१९
मीर मलिक प २३१
मुगदराय प १३३
मुंजपाळ हेमराजोत ती ३०
मुंध प ११९
मुंधपाळ प ११९
मुंध रांणो दू २६५
मुंध रावळ देवराज रो दू १०, १५, ३१, ३२
मुकद प १९, २०
,, दू ९६, १२३, १८० १९६
मुकद ईसरदासोत दू ९४
मुकददास प १२५, २११, २१२, २३३ ३०८, ३२०
,, दू ८८, १७०, १९०
,, ती २३५, २३६
मुकददास कचरावत दू. १७४
मुकददास जैतसिंघ रो प. ३०३
मुकददास नरसिंघोत दू १८३
मुकददास भोपत रो प ३१७
मुकददास माधोदासोत दू १४९
मुकददास सांवळदासोत दू १७४
मुकददास सोसोदियो प १४८
मुकददास सुरताणोत दू १६०
मुकददास हरदासोत दू १६५
मुकरबखा ती २७७
मुकुंदसिंघ प. ११५
मुकुंद सुरतांण रो प ३५६
मुखनपाळ प २९०
मुगटमिण ताजखान रो प ३२४
मुगलखान इसमाइलखा रो दू १०४
मुंधरादास प २५, ३१०
मुंधरो दू. १३२, १४२

मुथरो रांणा रो दू. १०४
मुथरो रायमलोत दू. १४४
मुथरो हरावत दू. १४४, १४५
मुदकर प. २६२
मुदफरखांन प. २२३
मुदाफर प. ११६, २६२, ३०२
,, दू. २४१
,, ती. ५५
मुराद प. ३०५
मुरादबगस प. ३१
मुरारदास प. ३०६
,, दू १४६
मुहमुद्दीन आदिल ती. १६१
मुहम्मदशाह ती. १६१
मूंजो प. ३४६, ३४७, ३५२
मूलक ती. १७८
मूळदेव प. २६१, २६०
मूळदेव लघु ती ५२
मूळपसाव दू. २, ७६ ४३
,, ती. २२२
मूळराज दू. ६२, १०६, १४४
मूलराज चालुक्य दू. २६६
मूळराज चावड़ो दू. २६७, २६८
मूळराज रावळ दू. १०, १४, ३६, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४६, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८, ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
मूळराज रावळ ती. ३३, ३४, १८३, २२०, २२१
मूळराज लघु ती. ५१
मूळराज वाघनाथोत ती. २६
मूळराज वृद्ध ती. ५१
मूळराज सोलंकी प. २६०, २६१, २६५, २६७, २६८, २६६, २७१, २७८, २८०
मूळराज सोळंकी दू. २५८
,, ,, (मूळदेव) ती. ४६
मूळवो दू. २१५
मूळू सांगमरावोत ती. २८५, २८६, २८७, २८८, २८६, २६०, २६१, २६२, २६३
मूळू सेपटो प. २२६
मूळो दू. १६८. २०१
मूळो नींबावत दू. १५४, १६२
मूळो प्रोहित ती. ६७
मूळो रावत रिणधीर रो दू. ११७
मूळो वैणावत दू. १६०
मूसाखांन दू. २५३
मेघ दू. २०६, २६४
मेघनाद प. १०५, १०६
मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
,, दू. १२०, १६७, १७०, १८८ १८६, २०१
मेघराज अखैराजोत दू. १६२
मेघराज गांगावत प. ३५८, ३५६ (दे० मेघो गांगावत)
मेघराज झालो-मकवांणो दू. २५६
मेघराज दूदावत दू. १६२
मेघराज रांणो दू. २५७
मेघराज रावळ दू. ६७
मेघराज वीरदासोत दू. १४५
मेघराज हमीरोत दू. १७६
मेघ रावत दे० मेघो रावत ।
मेघवीसो ती. २०५
मेघादित्य प. १०
मेघो प. २०५
मेघो कचरा रो प, १६६
मेघो गांगावत दू. १००
(दे० मेघराज गांगावत)
मेघो नरसिंघदासोत ती. ३८, ३६, ४०
मेघो भैरवदास रो प. २४१
मेघो महेस रो दू. १०४
मेघो रांणा रो दू. १०४, १७२
मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राव वछु रो तो १६१, १६६, १७१
मेड कछवाहो प २६४
मेढारि राजा तो १८५
मेवनीमल प १२६, १३०
मेर प १७२
मेरादित्य प १०
मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५, ३५७
„ दू ३३८, ३३९
„ तो १३५, १३६, १३८ १४६
मेरो अचळावत दू १८७, १८६
मेळो दू ८०
मेळो गजू रो प ३५६
मेळो सांगावत दू १६६
मेळो सेपटो तो २५८, २५६ २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
मेवादित्य प १०
मेहकरण प ३२०
मेहकरण तेजसीग्रोत दू १६३
मेहदो पालणसी रो प ३४०
मेहर तुरक दू ३१
मेहराज प २०
मेहराज अखैराजोत दू १७८
मेहराज गोपळदेग्रोत प ३४७ ३४८, ३४६, ३५०
मेहराज मांगळियाणी रो प ३४७
मेहराज वरसिंघ रो प ३१३
मेहराज सालखो दू ३१२, ३२६, ३२७
मेहराज सोढो प ३६१
मेहरो प. १६६, २००
मेहाजळ प १४५, ३६०
मेहाजळ केहर रो दू २, ६ ३८, ७८, ८१, १०७
मेहाजळ जयमाल रो प १६०, १६१
मेहाजळ नारणोत दू १७४
मेहाजळ रायपाळ रो प ३५१
मेहो प ३४१, ३४२, ३५३
मेहो तजसीग्रोत दू १६४
मेहो भागस रो प १६८
मैंगळ प १६८
मैंगळदे वैवडो दू ६७ ६८
मैंगळदे भाटो दू ५२
मैंदो बोवा रो प ३४२
मैंहदमली (महदमली) दू १५१
मैंहपो रांणो तो २३६
मैंहरांवण कांहावत प २३६
मैंहरांवण साईदासोत दू १७६
मोकळ प १०६, २०३
मोकळ (जैसळमेर) तो २२१
मोकळ वाले रो प ३१८ ३१६
मोकळ रांणो प ६ १५, १६, ६१, ६२, ३४२
„ रांणो तो १२६, १३०, १३४, १४१, १४६
मोकळ लाखा राणा रो दू ३३४, ३३५, ३३७
मोकळसी जाडेचो दू २०६
मोकळ सोभ्रम रो दू १००
मोखरो राजा प ३३३
मोजदीन सुलताण तो १६१
मोजदे जैसिघदे रो प ३५२
मोटल प ३४१
मोटो राजा प
मोटो राजा दू ६०, ६३, ६६, १२४, १२६, १३०, १३२, १४५, १४६, १५४, १५५, १५७, १६३, १६४, १६५ १६६, १७६, १७६, १८०, १८१, १८२, १६४, २५६
(दे० उदैसिंघ महाराजा)
मोटो दू ६६, १२३
मोड जांम दू २१४
मोडो रावत कुतल रो प १२४

मोढी मूळवांणी ती. ५, ६
मोबतसिंघ ती. २२७
मोरी प. ८, १२
मोहकमसिंघ प. २४, २६, २९९, ३०५, ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
,, ती. २३०, २३२. २३३
मोहण प. ८७, १६५
,, दू. ८८,८९
मोहण जोगा रो प. ३५७
मोहण दहियो ती. २७०, २७१
मोहणदास प. ६६, १२५, १६७, २०७, २१६, ३२५, ३२७
,, दू. ९१, १२०, १३३, १६८, १७४, १७५, १७७, १९८
,, ती. ३६
मोहणदास ईसरदासोत दू. ९४, १०६
मोहणदास कल्यांणदास रो प. ३१२
मोहणदास गोयंददासोत दू. १५५
मोहणदास चतुरभुजोत दू. १८५
मोहणदास जैतसी रो दू. १६४
मोहणदास नरहरदास रो प. ३०८
मोहणदास भगवांनदास रो प. ३०२
मोहणदास राजावत दू. ८२
मोहणदास रूपसीयोत दू. १४८
मोहणदास सुरतांणोत प. ३०४
मोहणसिंघ प. २५, २८, ६७
मोहणसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
मोहणसिंघ सुरते रो प. ३१
मोहनरांम प. ३१०, ३२०, ३२९
मोहबतखांन (मोहवतखां) प. २५, ३१, २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४, ३२१, ३२५
,, दू. ८०, ११९, १३१
,, ती. २४६, २७७, २७९
मोहित रावळ प. ७८
मोहिल प. ४५, ८९
,, ती. २५०
मोहिल सुरजनोत ती. १५१, १५५, १५८
मोजुद्दीन सुलतान दे० मोजदीन सुलतांण

य

यमादित्य प. १०
ययळ दू. १२४
ययाति दू. ६
यशपाल रांणो परमार ती. १७६
याकूतखां ती. २७६, २७९
यादव दू. ६
यामिनीभानु प. १३३ (दे० जांमणी भांण)
युधिष्ठिर प. १६०
,, ती. १८५
युवनाश्व प. ७८
युवनाश्व ती. १७७
,, द्वितीय ती. १७७
योगराज ती. ४६
योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २९२
,, ती. १७८
रघोस प. २९२
रजभाई प. २९२
रना बहादुर प. ३०४
रढ रांवण इंद्रराव ती. १९९
रणंजय ती. १७६
रणजीतसिंघ ती. २३२
रणधीर प. १४२
,, दू. १७७, १९९
रणधीर गाजणियो दू. २२१, २२२
रणधीर चवंडे रो दू. ३०६
रणधीर चाचा रो दू. ११७
रणधीर नायू रो दू. १९८
रणधीर मूळावत दू. १३६
रणमल जांम दू. २२४

रणमल नींबा रो दू. १६१
रणमल वाघेलो दू. २५३
रणसिंघ राजा ती. १६०
रणसिंह दे० रंणसी राणो।
रणसीह दे० रंणसी रांणो।
रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१, ३२३, ३२६
,, दू १४, ६०, ६५, ६७, १५७, १६६
रतन चारण दू. ३८, ७४
रतन जैसिंघदे रो प. २३२
रतन दासे रो प. ३१५, ३१७
रतन महेसदासोत प. २४६
रतन राव प. ११३, २४६, २५६, २८३
,, ,, दू. १५८, १५६
रतन लूणोत बांभण दू. १६, २५, २६
रतन सांखलो सीहड़ रो प. ३४२
रतनसिंघ ती. १८३, २२०, २२८, २३५
रतनसिंघ भाटी दू. ११०
रतनसिंघ महाराजा ती. १८०
रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२
,, दू ८०, ६३, ६८, १२४, १२६, १८५, १८८, २६३
,, ती २२१
रतनसी अखैराज रो प २०८, २१२
रतनसी अजैसी रो प. १४, १६, २०
रतनसी आसावत दू. १७६
रतनसी कमा रो प ३५६
रतनसी गांगा रो प. ३५६
रतनसी चहुवाण ती १८३
रतनसी जैतसी रो दू. १८६
रतनसी नरहरदासोत दू १५०
रतनसी नाढावत सींधळ ती. ४१
रतनसी भींवराज रो प. ३०३
रतनसी भींवसी रो प. २६०
रतनसी भींवोत दू. १८३
रतनसी महकरणोत प २३५
रतनसी माला रो दू. १७८
रतनसी रांणो प. १६, २०, २१, १०४, १०५
रतनसी रांणो ती. ३४
रतनसी रांणो अमरा रो प. ३१
रतनसी रांणो जैतसी रो दू. ३, १०, ३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१, ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
रतनसी राजा प २६०
रतनसी राव प ६२, २६७
रतनसी राव काधळोत प. ६६, ६७
रतनसी रावळ प. ७६
रतनसी रावळ पदमणीवाळो प. १३
रतनसी राव लाखण रो पोतरो प. १७२
रतनसी लूणकरणोत ती. २०५
रतनसी वीजा रो प. ३५८
रतनसी सांगावत प. १०२, १०३
रतनसी सिवराज रो प. ३५६
रतनसी सीसोदियो प. ५०, ७४
रतनसी सीहड़ रो प. ३४०
रतनसी सेखा रो प. ३२७
रतनसी सोढो प. ३६१
रतनसेन प. १२६
रतनसेन रांणो ती. १८४
रतन हमीरोत प. ३०५
रतनो दू. १४५, १६६
रतनो गांगा रो प. ३४३
रतनो पीथावत दू. १६३
रतनो वीरम रो प. १६४
रतनो वीसा रो प. १६६
रतनो वेणा रो प १६६, १६७
रतनो सकरोत प. २४३
रतनो साखलो प. १८, २८२, २८३
रतो दू. १४३
रतो पिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प. ६, १४
रत्नसिंह रावल प. ६
रत्नादित्य ती. ४६
रनजीत प. १२६
रनधीर प. १२६
रनादित्य प. १०
रलादित्य ती. ४६
रवदंत प. २६२
रवो सुरतांणियो बारहठ दू. २०२
रसखंडबीज राजा ती. १८७
रांणगदे राव दू. ११४, ११५, १३८, ३१२, ३१३, ३१८, ३१६, ३२०, ३२४, ३२७
रांणक राय प. २८६
रांणगदे प. ३४८, ३४६, ३५०
रांण वरजांगोत ती. ३०
रांणादित्य ती. ४६, ५०
रांणो प. २४०
" दू. ६४, १०४, १२८, २५६
" ती. २२१
रांणो अखैराजोत प. २१
रांणो तेजमालोत दू. १२४
रांणो दूदावत दू. ६५
रांणो नरबद रो दू १६७
रांणो नींबावत प. २३३
रांणो नेता रो प. ३५२
रांणो भींवावत प. २४३
रांणो रांमावत दू. १६४, १७१
रांणो रायपालोत दू. १५१
रांणो रावळ रो प. १६६
रांणो राहड़ोत राहड़-धोधो दू. ३२
रांणो सहसावत दू. १७६
रांम प. १३०, १४२, १५४, १५५, १५६, १७२, २३७, ३६४
" दू. ७७, ८६, १४१, १६०
रांम उदैसिंघ रो प. ३१३
रांम उरजण रो प. ११०
रांम कंवर प. ३१५
रांम कंवरावत ती. २१५
रांम कूंभावत दू. १७६
रांम खैराड़ो प. २७६
रांमचंद प. २७, ६३, १११, ३०७, ३०८, ३०६, ३२८
" दू. ७७, ८८, ६२, १०५, १२१, १२२, १२४, १२८, २००
" ती. २२५
रांमचंद इंदो ती. २८२, २८३, २८४, २८५
रांमचंद करमसी रो प. ३२५, ३२६
रांमचंद गोपाळदासोत दू. १०६
रांमचंद गोयंददासोत दू. १७५
रांमचंद जसवंत रो प. २०६
रांमचंद नरहरदासोत दू. १६६
रांमचंद फरसरांम रो प. ३१६
रांमचंदर प. २६८
रांमचंद राजा वीरभांण रो प. १३३
रांमचंद राव प. १०१
रांमचंद राव जगनाथोत प. ११३
रांमचंद रावळ दू. २००
रांमचंद रूपसी रो प. ३१२
रांमचंद वाघावत दू. १६२
रांमचंद वेणावत मोहिल ती. १७२
रांमचंद सिंघोत रावळ दू. ६३, १०३, १०४, १०५, १०८
" " रावळ ती. ३५
रांमचंद सुरतांणोत दू. १५८
रांमचंद्र दसरथजी रा प. ७८, १२६ (दे० श्रीरांमचंद्रजी अवतार)
रांमचंद्र राजा ती. १८८
रांमचंद्र रायमलोत प. ३१८
रांम चवंडै रो दू. ३१०
रांम जगमालोत दू. १६१

रांम जादव ती. १८३
रांमण प १६०
रांमदास प. १२४, १२५, १६४, १६६, ३१७
,, दू. ८०, ६६, १२३, १४७, १८१, १८४, १८६, १६६
रांमदास ईसरदास रो प. ३५४
रांमदास ऊदावत प. ३०२, ३३१
रांमदास केसोदासोत दू. १८८
रामदास चांदावत दू. १५८, १६६
रांमदास देवा रो प. १६८, १६६
रांमदास नापा रो दू. ७५
रामदास भाखरसोम्रोत दू. १५२
रांमदास माल्हण रो दू. १५३
रांमदास मेहाजळ रो प. ३५१
रांमदास राजसिंघ रो प. ३०३
रांमदास राजसी रो प. १६७
रांमदास वणवीर रो प. ३३१
रांमदास सूजावत दू १६०
रांमदे पीर प. ३५०, ३५१
रांमदेव राठोड ती. १६६, १६७
रांम नारणोत प ३५८
राम पचाइण रो दू ११६
रांम मालदेम्रोत दू. १६७
राम रतनसोम्रोत प. १५१
राम रांणो दू २६५
राम राव प. २१२
रांम रावळ जैतसी रो दू. ८५
रांम रावळ देवीदास रो दू. ८४, ८५
राम लूणकरणोत ती. २०५
राम वरजाग रो प २३२
राम सहसमल रो प. ३१४
रामसा (रामस्या) दू. ४८, ४६
रांमसाह प. ३०८, ३१०
रांमसाह ताथावत प. ३१०
रामसिंघ प ६६, १५६, १६३, १६४, १६५, २००, २११, ३०७, ३२४, ३२७, ३२८, ३६१
,, दू. ८५, ८८, ६२, ६५, ६६, १२२, १२३, १२४, १६५, १७०, १७१, २६३
,, ती. २२३, २२५, २२७, २३०
रामसिंघ अखैराजोत प. ३६०
रांमसिंघ अभैराम रो प. ३०२, ३०७
रामसिंघ अभैसिंघोत दू. ११०
रामसिंघ आसावत प. ३४३
रामसिंघ उग्रसेण रो प ३१६, ३२०
रामसिंघ कवर जैसिंघोत प. २६८
रामसिंघ करमसेनोत प. ६६
रांमसिंघ कल्याणमलोत ती. २०६
रामसिंघ कान्ह रो दू. १३६
रामसिंघ चीबो प. १७४
रामसिंघ जगमाल रो प २३
रामसिंघ तेजसी रो प. ३२६
रांमसिंघ नरसिंघदासोत दू. १८३
रामसिंघ पचाइणोत दू. १०५, १०८
रामसिंघ बलू रो प ३२६
रामसिंघ भींवोत दू. १७०
रामसिंघ भोपत रो प. ३२८
रामसिंघ महासिंघोत प २६१
रामसिंघ मानसिंघ रो प. ६८
रामसिंघ मेहाजळोत दू. १७४
रामसिंघ राजा प. १३०
रामसिंघ रावळ प. ७६
रामसिंघ वाघेलो प. १७२
रामसिंघ वीकावत दू १७३
रामसिंघ वीरमदेम्रोत दू. १६७
रामसिंघ सिखरावत प. २३३
रामसिंघ सूरजमलोत दू १८६
राम सूजावत प. ३५६
राम सोढो प. ३६४
रामेस्वर राजादे रो प. २६४, २६६

रांमो प. १६, २४२
,, दू. ६६, १२६, १६७
रांमो चारण प. १११
रांमो जांझण रो प. २३६
रांमो जोधावत दू. १६४
रांमो देवड़ो प. १५५, १५६, १५७, १६५, १७६
रांमो नाथू रो दू. १६६
रांमो नारण रो प. ३५८
रांमो भाखरसी रो प. ३५६
रांमो मांडण रो प. ३५७
रांमो माधा रो प. ३६०
रांमो लूंणावत प. २३५
रांमो सोहड़ तो. १०६, ११०
रांमो हाडो प. ११८
रांवण प. ४७, ११६, १६० (दे० रांमण)
रा' दयास दू. २०२
रा' मोंघण दू. २०२
राइसी (रासी) रावळ प. ७६
राखाइच दे० राखायच सोळंकी ।
राखाइत दू. २६६, २६६, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४
राखायच सोळंकी प. २६५, २६६, २६६, २७०, २७१
राखो दू. १०४
राघवदास प. ११७
राघवदास दू. १२८
राघवदास कल्यांणमलोत तो. २०६
राघवदे प. १६
,, दू. २६४
राघवदे वरजांग रो प. २३२
राघवदे सीसोदियो-लाखावत प. ५३, ५४
राघो प. २०५
,, दू. ८५, १६०; १६७, १६६, २१५
राघो किसना रो प. ३५२
राघोदास प. १६०, १६७, २३३, ३२७, ३२६
राघोदास दू. ८६, १२२, १७७, १८८
,, ती. २२६
राघोदास अखैराजोत दू. १५२
राघोदास उदैसिंघ रो प. ३१२
राघोदास खंगारोत प. ३०५
राघोदास डूंगरसीग्रोत दू. १४८
राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२
राघोदास देवड़ो जोगावत प. १५७
राघोदास धीरावत दू. २०१
राघोदास फरसरांम रो प. ३१६
राघोदास महेसोत प. २०१
राघोदास रांम रो प. ३१४
,, ,, ,, दू. १६१
राघोदास वीठळदास रो प. ३०८
राघोदास वीरमदेग्रोत दू. १७१
राघोदास सादूळोत प. २८३
राघो नाथू रो दू. १६८
राघो वालो तो. १२६
राघो भाखरसी रो प. ३६१
राज प. २५८, २६१, २६३, २६४, २६५, २६७, २८०
राजकुळ प. २६०
राजचंद्र प. १२६
राजडियो सूर-माल्हण रो दू. ४२
राजदे प. ३३२
राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३
राजदेव प. २६०
राजधर प. १६६
,, दू. २
,, ती. २२१
राजधर धवंडै रो दू. ३१०
राजधर जोधा रो प. ३५६
राजधर भोजावत दू. १७७
राजधर मांनसिंघोत प. ३५६
राजधर रिणधीर रो प. २०५
राजधर लखमण रो दू. ७६, ८०

राजधर वैरसी रो प ३५६
राजपांण भाट प २८७
राजपाळ प २६०
,, ती २२१
राजपाळ रांणो धत्तु रो दू. १४०
राजपाळ रांणो सांगा रो दू १, ११,
१२, १३, १६
राजपाळ वैरसी रो प ३३६, ३४२, ३४४
राजमल उदैसिंघ रो प ३१३
राज रावळ दू ३
राजरिख प १२२
राज सर्मा प ६
राजसिंघ प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,
३०६, ३१६, ३१७
,, दू ८८, ६३, १२२, १४०,
१६५, १७६, १८१, १८४, १८५,
२६४
,, ती १८१, २२६, २३६, २३७
राजसिंघ आसकरण रो प ३०३
राजसिंघ करनोत प ६८, ७०
राजसिंघ खींवावत दू १८२, १८४
राजसिंघ गोपाळदासोत दू १०६
राजसिंघ जसवतोत दू १४६
राजसिंघ दयाळदासोत दू १४७
राजसिंघ म० कुवार दू ११०
राजसिंघ रांणो प ६, १५, ३१, ३२,
४६, ५२, ५३
राजसिंघ रामसिंघोत प ३२६
राजसिंघ राघोदास रो प ३१४
राजसिंघ राजा ती २१७
राजसिंघ रावत प ६६
राजसिंघ राव सुरताण रो प १३६,
१५३ १५४, १५८, १६१, १६३,
१६४
राजसिंघ लखावत दू १६१
राजसिंघ वेणीदासोत दू १५७, १६८,
१६१
राजसिंघ हमीरोत प ३०५
राजसिंघ हररांमोत प. ३२४
राजसी प १६५, १६८, ३४३
,, ती २२२, २३६
राजसी कवरसी रो, रांणो प ३४६
राजसी तेजसी रो प ३४२
राजसी देवड़ो प १५७
राजसी नाथा रो प १६७
राजसी भैरवदासोत दू १६६
राजसी राधावत प १५३
राजसी हींगोळ रो प १७२
राज सोळंकी प २६१, २६५, २८०
राजादित प २५६
,, ती ४६
राजादे धोजळदे रो प २६४, २६५,
२६६
राजा सर्मा प ६
राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११
राजो ती २२६
राजो ऊगमणावत ती २५२
राजो करण रो प ३५२, ३५३
राजो कांधळोत ती २१
राजो (बाहड़मेरो रो) दू ८८
राजो राणो दू २६२, २६५
राजो बीकाजो रो ती २०५
राज्यसिंघ राजा ती १६०
रामनारायण दूगड़ प १३४
रामशाह दे० रांमसा ।
रामादित्य प १०
रायकवर प ३१५, ३१७
रायकरन दू १२३
रायचद भाटी दू ६६, १००
रायचद मनोहर रो प ३१६
रायघण दू १, २०६, २१५, २१६,
२५४
रायघण हमीर रो २०६, २११

रायधवळ ऊगमणावत ती. २५२
रायपाळ तेजसी रो प. ३४१
रायपाळ नापा रो प. ३५४
रायपाळ राव ती. २६, १८०
रायपाळ साहणी ती. ८४
रायपाळ सिंघा रो प. ३५१
रायपाळ सीहावत दू. १४५
रायभांण हाडो रायसिंघ रो प. ११७
राय भूवड़ ती. ५१
रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३, ३२६, ३२७
,, दू. ७८, ८१, १२८, १४३, १४५, २००, २६३
,, ती. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ६८
रायमल अचळावत दू. १८५
रायमल उदैसिंघोत दू. १४६
रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
रायमल करमा रो प. १६५, १६६
रायमल किसनावत दू. १२४, १२५
रायमल गोयंददासोत दू. १७५
रायमल दासा रो प. ३१८
रायमल दुरजणसलोत दू. ६६
रायमल देवावत दू. ७६
रायमल घनराजोत दू. १२२, १२३
रायमल महकरणोत प. २३५
रायमल मालदेवोत ती. १५२
रायमल रांणावत दू. १५१
रायमल रांणो प. १५, १७, १८, १६, ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१, २८१, २८४, ३५२, ३५६
रायमल राव ती. २४६, २४७, २४८
रायमल सिवराज रो प. ३५६
रायमल सूरा रो प. ३६०
रायमल सेखावत प. ३१६
रायसल प. ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
,, दू. ६६
रायसल खीची प. २५५, २५६
रायसल दूदावत ती. ६४, ६७, ६८
रायसल राजा परमार ती. १७६
रायसल सूजा रो प. ३२०, ३२४
रायसिंघ प. २२, २३, २५, ३१, ४७, ७४, १०१, ११७, १४२, १४६, १५१, १५२, १५४, १५५, १५६, १५७, १५६, १८६, १६१, १६२, १६४, १६६, २३७, ३५६
,, दू. ६५, ७७, १२४, १४३
,, ती. २३३, २३६
रायसिंघ कछवाहो ती. ३२
रायसिंघ कल्यांणदास रो प. ३१२
रायसिंघ किसनावत दू. १२५
रायसिंघ गोयंददासोत दू. १५५, १५६, १५७
रायसिंघ चंद्रसेनोत (चंद्रसेणोत) प. १५१ १५२
,, ,, दू. १७५, १८६
रायसिंघ जांम लाखा रो दू. २२४
रायसिंघ जाळपोत दू. १६७
रायसिंघ जैसावत दू. १५०
रायसिंघ झालो दू. २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४६, २५०, २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६, २५६
रायसिंघ ठाकुरसी रो प. ३६०
रायसिंघ पंवार दू. २६०
रायसिंघ पोथावत दू. १६३
रायसिंघ भीमावत दू. १०३
रायसिंघ भैरवदासोत दू. १६६
रायसिंघ महाराजा ती. १८, ३१, १८०, १८१, २०६, २१०, २२४
रायसिंघ मांडण रो दू. २६३, २६४, २६५ २६७
रायसिंघ मालदे रो प. ३१५

रायसिंघ राजा दू ९४, १२८, १३२ १३९, १४९
रायसिंघ राव अखैराज रो प १३५, १३६, १३७, १४१, १६१
रायसिंघ वणवीरोत प २४२
रायसिंघ वीसावत दू १९४
रायसिंघ सूजावत प २४२
रायसिंघ हरदास रो दू २६३
रायसी रांणो महिपाळ रो प ३४४, ३४५, ३४६
रालण काकिल रो प २९४, ३३२
रावत प ९५, ९६
,, दू ९१, १४३
रावत देवडो सेसावत प १४३, १५८, १६३, १६४
रावत महकरणोत प २३५
रावतसिंघ प ९३, ९५, ९६
रावत हामावत प १४६
रावळ खूमांण बापा रो प ४, १२, ५९, ७८
रावळ बापो प ३, ४ ७, ८, ११, १२, ७८
रावळो रांणो, सजन रो प १९३, १९४
रासो दू ८९, १९२, २००
रासो उदैसिंघ रो दू. १३०
रासो धनराजोत दू १००
रासो नरसिंघदास रो दू १८३
राहड रावळ विजैराव रो दू २, ३२ ३३
राहप रांणो, रावळ करण रो प ५, ६, १३, १५, १६, ७०
राहप रावळ प ७९
राहिब दू २०९, २३९
राहिब हमीर रो प ३५८
राहुड राजसी रो ती २२२
रिखीश्वर प. १०
रिखी सर्मा प. ९
रिडमल सारंगोत दू १७४
रिणछोड गंगादासोत ती २२०
रिणधवळ प ३३६
रिणधीर प २०, १५८ १५९, २०५, २०७, ३४८
रिणधीर चूडावत ती १२९, १३०, १३२, १४०
रिणधीर सूरावत ती १४०
रिणमल प ३५७
रिणमल केलणोत दू १२, ११६, १४०, १४१
रिणमल चहुवांण प १२१
रिणमल देवडा सलखा रो प १३५, १३६, १६२, १८८
रिणमल नींबावत दू १५४
रिणमल भाटी दू ३, ७७
रिणमल राव राठोड (राव रिडमल) प १५, १६, १७, २१, ५३, ५४, २०६
,, राव राठोड (राव रिडमल) दू ३८, ६६, ८४, १४५, ३०९, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३२९, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६ ३३७, ३३९, ३४०, ३४१ ३४२, ३४३
, राव राठोड (राव रिडमल) ती १, २, ३, ४, ६, ९ ३१, ८४, ९०, १२९, १३०, १३२, १३३, १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९, १४०, १४१, १४९ १८०, २२६, २२९
रिणमल लाला रो प ३५२
रिणसिंघ प ३१८
रिणसी प १६९
रिप राजा ती १८५

रिसाळू राजा सालवाहन रो दू. ६
" " " " ती. ३७
रुकनदीन सुलतांण ती. १६०; १६१
रुकनुद्दीन दे० रुकनदीन सुलतांण।
रुखमांगदजी चंद्रावत दे० रुखमांगदजी चंद्रावत।
रुखमांगद चांदावत ती. २४६
रुखमांगदजी चंद्रावत ती. ३२
रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५
" दू. ६०, ६२, ६६, ६७, १०५, ११६, १२३, १२८, १३०, १६८, १८५, १८८
रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०७, १३१, १३२
रुघनाथदास प. २५
रुघनाथ पतावत दू. १७१
रुघनाथ भांणोत दू १०४, १०८
रुघनाथ भोजराज रो प. ३२३
रुघनाथ राव दू. १२१
रुघनाथसिंघ प. ३०६, ३१४
" ती. २२३, २२४, २२५, २२६, २२८, २२६
रुघनाथसिंघ उग्रसेण रो प. ३२०
रुघनाथ सुरतांणोत दू. १६०
रुघनाथ सेखावत दू. १७३
रुणक ती. १८०
रुणकराय प. २८८
रुदो प. १७२
रुदो चवंडै रो ती. ३१
रुदो देवड़ो तेजसी रो प. १६२, १६३, १६४
रुदो रांणा लाखा रो प, १६
रुद्रकंवर प. ३१६
रुद्रदास भूलो-चारण भांण रो प. ८६, ८८
रुद्रनाग प. १६०
रुद्रसिंघ प. २१, २३
रुद्र ती. १७८
रुरक प. २६२
रुरक ती. १७८
रूपचंद भारमलोत प. २६१, ३१४
रूपड़ो रांणो पड़िहार दू. १२, ५३, ७३, १४०, १४२
रूप राघोदास रो प. ३१६
रूपसिंघ प. २३, १०१, ३२०
" ती. २२४, २३०
रूपसिंघ भारमलोत प. २७६
रूपसिंघ राजा (किशनगढ) ती. २१७
रूपसिंघ राव भारमलोत दू. १०४, १०५, १०६
रूपसिंघ रुखमांगदोत ती. २४६
रूपसी प. ३१२, ३१३, ३१८, ३१६, ३२६
" दू. ११६, १७६, १८२, १८७
" ती. २२१
रूपसी प्रासावत प. ३४३
" " दू. १४७
रूपसी जसवंत रो प. ३१७, ३१८
रूपसी जोधा रो प. ३५६
रूपसी प्रथीराज रो प. ६७, १११, १६५, ३१२
रूपसी रायमल रो दू. १४५
रूपसी रायसिंघोत दू. १६८
रूपसी लखमण रो दू. ७६, १६६
रूपसी लूंणकरणोत ती. २०५
रूपसी वैरागी प. ३१३
रूपसी सोमोत दू. ७५, ७६, ७७
रूपो प. १६७, २०१
" दू. १४३
रूमीखां करमसीग्रोत ती. २१४
रेड़ो घायभाई ती. ८३
रेवकाहीन प. २६०

रैणसी रांणो तो १५८, १७०
रोमीलान तो ५५
रोह रांणो प १२३
रोहिताश्व तो १७८
रोहितास प ७८
रोहितास राजा हरिचद रो प २८७, २९२, २९३

ल

लकडखांन प १११
लक्ष्मणसिंह प ६
लक्ष्मीदास तो २२८, २३१
लखण दू २१५
लखणसेन दू २, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३
लखणसेन राव तो १५८
लखणसेन रावळ दू ११४
,, , तो ३३
लखधीर प १८९
,, दू २४१
,, तो ३७
लखधीरसिंघ तो २२९
लखमण प ११७, १६१ २२६
,, दू १४, ५२, १८८
लखमण ईसरदासोत दू १७९
लखमण केहर रो दू २, १०, ११, ७५, ७६ ७८, ७९, ८०, ९२, ११२
,, तो ३४, २२१
लखमण(लछमण)ढोला रो प २८९, २९३
लखमण नारणोत दू १९०
लखमण भादावत प ६१
लखमण रावत रिणधीरोत दू ११७
लखमण रावळ दू १९६
लखमण सातळ रो प ३४१
लखमणसी भड प १४
, ,, तो १८४
लखमणसेन रायपाळजी रो तो. २९
लखमसी कालण रो दू २, ३९
लखमसी राणो प. ६, १४, १५
,, ,, तो १७६
लखमसेन प्रमसेनोत चहुवाण तो २९
लखमीदास दू १२८, १३० १६१, १७०, १८३, १८५, २००
लखमीदास धनराजोत दू १२४
लखसेन राजा तो १७५
लखो प १८७
लखो दू १८७
लखो अमरा रो दू १२२
लखो खेतसी रो प
लखो जगनाथोत दू १६९
लखो नरबद रो प १२७
लखो बोडो प २४७
लखो मुहतो दू ६
लखो वीजड रो प १३४
लखो वीरमदेवोत दू १९१
लछपाल राजा तो १८८
लछमणसेन राजा तो १८९
लछपाळ राजा तो १८८
लपोड दू १, ११, १७
ललाचांन प ५६
लल्ल भाट प २७७, २७८
लव रामचद्रजी रो प २९३
लसकरी कामरां प. ३००
लहुवो दू १, ११, १६
लागल तो १८०
लाघा बलाय प ९१
दे० पृथ्वीराज उडणो।
लांप बाभण दू १९, २५, २६
लाखण पुजन रो प २९६
लाखण राणो परमार तो १७६
लाखण राव प ९७, १००, ११९, १३४, १३५, १७२, १८६, २०२ २३०, २४५, २४७ २५०, २५१
लाखणसी दू १२४
,, तो. २३२

लाखणसी मलेसी रो प. २६४
लाखाइत प. २६६
लाखो प. १८६, ३६१
लाखो अजा रो दू. २२४, २२५, २४१
लाखो ऊगमणावत ती. २५२
लाखो गोपावत प. २३८
लाखो जमला रो दू. २२८, २२६, २३०
२३१, २३२, २३३, २३४, २३५
लाखो जाड़ेचो प. २६४, २६५, २६६,
२६६, २७०, २७१
,, ,, दू. २५८
लाखो जाम दू. २१७, २१८
लाखो जाम मारू दू. २६६, २६७
लाखो डूंगरसी रो प. १२१
लाखो फूलांणी दू. २०६, २१६, २१७,
२१८, २३६, २६८, २६६, २७०,
२७१, २७२, २७३, २७४
लाखो रांणो प. ६, १५, १६, ३४
,, ,, दू. ३३१
लाखो राव प. १३५, १३६, १४२,
१४४, १५८, १६०, २८४
लाडक वजीर दू. २१६
लाडखांन प. २७, ३६१
,, दू. १२४, १७४, १८३, २०१
,, ती. ३७, २२७
लाडखांन ऊदा रो प. ३१८
लाडखांन किसनावत प. ६६
लाडखांन जैमल रो प. ३१७
लाडखांन भैरवदासोत दू. १६६
लाडखांन रायसल रो प. ३२१
लाडखांन रायसिंघोत दू. १६४
लाडखांन वाघावत दू. १६२
लाडखांन स्यांमदासोत प. ३०६
लाधो प. १६८
लालचंद दू. ६२
लाल डूंगरसी रो प. १२०
लालरंग प. २८६
लालसिंघ प. ५६, ११६
,, ती. २२३, २२४
लालो प. १०१, २२६
लालो चवंडैजी रो दू. ३१०
लालो जैमल रो प. ३५२
लालो नरू रो, राव प. ३१८
लालो नाथा रो दू. ७५
लालो साहणी दू. १६६, १६८
लिखमण सोभत (–सोभावत ?)
प. २२४
लिखमसी दू. ८८
लिखमीदास गोयंददासोत दू. १८०
लिखमीदास देईदासोत दू. १६६
लिखमीदास वाघोत दू. १६१, १६२
लिखमीदास सेखावत प. २३६
लिखमीदास हाडो मांनसिंघोत प. ११७
लिलाट सर्मा प. ६
लीलामाधो राजा ती. १६०
लूंको ती. १०८, ११३
लूंढो सेलोत प. २२५
लूंभो प. १८७, १८८, ३४८
लूंभो चवंडैजी रो दू. ३१०
लूंभो पता रो प. १३५
लूंभो विजड़ रो प. १३४, १६२, १८१
लूणकरण प. २२४, ३०२
,, दू. ८१, ८६, ६१, ६२,
१०३, ११०
,, ती. २२०, २२७
लूणकरण मदनसिंघ रो प. ३१७
लूणकरण राव दू. ८५
लूणकरण ,, ती. ३१, १८०, १८१,
२०५, २२८
लूणकरण रावळ प. २२
,, ,, दू. ११, ८७, ८८, ८६
,, ,, ती. ३५, १५१, १५२
लूणकरण राव सुरतांणोत प. १५२
लूणकरण राव सूजा रो प. ३१६

लूणकरण राव हमीर रो दू १४५
लूणकरण सीहड रो प ३४०
लूणग भाटी ऊदल रो दू. ६६, ७०, ७१, ७४
लूणराव दू. २, ३६, ४३
लूणो प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३, १८७, ३१६
लूणो अजा रो दू २६२
लूणो उदैसिंघ रो प. २२
लूणो दहियो प. २२६
लूणो प्रोहित दू १८, १६
लूणो माणकराव रो प. ३६३
लूणो मेहरांपण रो प ३६१
लूणो राणावत प २३५
लूणो रांम रो प. ३१३
लूणो रायसिंघोत दू. १६८
लूणो रावत तो ७, ८
लूणो राव भोजा रो प ३५४
लूणो राहिब रो प. ३५८
लूणो विजड रो प १३४, १८१, १८२, १८१
लूणो विजा रो प १६३
लूणो साईदास रो प ३२७
लूणो सीसोदियो प. ६६
लूणो सूजावत दू १५१
लूणो हरराज रो प. १६४
लेख सर्मा प. ६
लोढचद तो १८६
लोदचद तो १८६
लोदी जनागर रो दू. २०६
लोलो गोपावत प २३८
लोलो चवडेजो रो दू ३१०
लोलो राणा रो प २०६, २०७
लोलो सोमगरो तो. १३३
लोहचद राजा तो १८६
लोहट प १०१
लोहट रांणो मोहिल तो. १५८, १७०, १७१
लौसल्य प. ७८

व

वंसीदास प. ३०८
वखतसिंघ तो. २२५, २२८, २३२, २३५
वखतसिंघ परमार तो. १७६
वखतसिंघ महाराजा तो. २१३
वच्छो प ३५३
वछराज रांणो मोहिल तो. १५६, १६०, १७१
वछराव दू ६
वछवधराज प. २८६
वछु, राणा सीहड रो प ३४३
दे० वछो सीहड रो।
वछु राव तो. १६१
वछु रावळ मुंध रो दू १, १०, १५, ३१, ३२, १४०
वछो जबदू रो प. १०१, १०२
वछो माला रो दू. १७८
वछो सीहड रो प ३४०, ३४१
दे० वछु, राणा सीहड रो।
वजरदीप दे० वज्रद्वीप
वज्रद्वीप प. २६३
वज्रधर प. ७८
वज्रधांम बालरथ रो प २८८
वज्रधांम लखमन रो प २८६
वज्रनाभ प ७८
वज्रनाभ तो १७६
वज्रनाभ प्रदुमन रो दू. १, ६, १६
वडगछो जती तो. १६
वडसीस रावळ प. १२
वणराज चावडो तो. २६, ४६, ५०
वणवीर प. १७, २०, २१, १६३, २७६, २६०, ३१३, ३३१
" दू १६
वणवीर उधरण रो प ३१३
वणवीर काल्हा रो प. ३५८

वणवीर जेसा रो दू. १५३, १६२
वणवीर भांनीदास रो प. २७६
वणवीर मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
वणवीर मेर रो प. १७२
वणवीर राव सांकर रो प. १६४
वणवीर वैरसी रो दू. ८१
वणवीर सिघावत प.
वणवीर हरराज रो प. १६४
वणसूर ती. १५३
वत्स ती. १७५
वत्स वृद्ध ती. १७६
वनमाळीदास भगवंतदास राजा रो
प. २६१
वनराज चाम्रोड़ो प. २५८, २५६
" " दू. २६६
(दे० वणराज चावड़ो)
वन सर्मा प. ६
वर्नसिंघ ती २३५, २३६, २३७
वनो प. ३६१
वनो गोड़ ती. २७०, २७१
वनो भाटी दू. ६६
वयरसीह चावड़ो ती. ५०
वरजांग प. १६८, २४४, ३६२
" दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
वरजांग चूंडावत ती. ३१
वरजांगदे प. २४४
वरजांग पोकरणो ती. ११३
वरजांग भीमावत दू. ३४२
वरजांग भैरूंदासोत दू. १६०, १६२
वरजांग राव दू. ११७
वरजांग राव पाता रो प. २३१, २३२
वरजांग हमीर रो प. २५६
वरदायीसेन ती. १८०, १६३, २०४
वरदेव सर्मा प. ६
वरसिंघ प. १०१, १२७, १२८, १६५,
२५६
" दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७
वरी...
वरी...
वरसि...
वरसिं...
वरसिं...
वरसिंघ
वरसिंघदे ...
वरसिंघदे ...
वरसिंघ रांणो ...
वरसिंघ रावळ ...
वरसिंघ राव ह...
१२७, १२८...
वरसो लाट ती. ...
वरसो हरदास रो ...
वरहो प. २८६
वर्त तेजस राजा ती.
वहाँ ती. १७६
वलभराज सोळंकी प. २...
" " ती. ५...
वल्लभरांम ती. २३६
वल्लभराज प. २८०
वशिष्ठ ऋषि (दे० वसिस्ठ रि...
वसिस्ठ रिखीस्वर प. १३४, २३६
" " ती. १७५
वसुदांन राजा ती. १८६
वसुदेव दू. ६
वसुदेव बांभण लूंणोत दू. १६
वसु सर्मा प. ६
वस्तपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
वस्तो दू. १३०
वस्तो लाला रो प. ३५२
वह ती. १७६
वांकीदास दू. २०१
" ती. २२०
वांकीदास जसावत दू. १०३
वांकीदास जैमल रो प. ३५८

बाकीबेग मोहबतखां रो प ३०१
बाको दू. ६०
बांदर तो २२१
बांनग देव दू १४
बांनर दू २
बाक्पतिराज प १००
बाक्य सर्मा प ६
बाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६, १६५, १६७, १६८, ३४४
,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२, १३१, २६४
, तो २३०, २३१
बाघ अमरा रांणा रो प ३१
बाघ कांन्हावत दू १६३
बाघ खीची प २५६
बाघ छाहड रो प ३६३
बाघ जसवत रो प २०८
बाघजी प ३०८
बाघ ठाकरसीओत तो १८
बाघ तिलोकसीओत दू १६२
बाघ पवार प ३३८
बाघ प्रथीराज रो प. ३१२
बाघ फरसराम रो प ३१६
बाघ भारमल रो प ३२८
बाघमार घूहडजी रो तो २६
बाघ रतनसीओत दू १७६
बाघ राणो दू २६५
बाघ राजा परमार नी. १७६
बाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
बाघ रिणमलोत दू १६१
बाघ वीदा रो दू. २६३
बाघ साखलो प ३३८, ३४४
बाघ सांवळदासोत दू १६६
बाघ सिरग रो दू १२२
बाघ सुरताणोत प ३०४
बाघो प १६, २०, ५१, २४१, ३५६
,, दू ६०, २०१
बाघो कांधळोत राठोड तो २१, १६२, १६३
बाघो कान्हा रो प ३५८
बाघो जीवा रो प २४१
बाघो प्रथीराज रो प २४२
बाघो राठोड सूजावत तो ८६, १०५
बाघो राव दू ११६
,, ,, तो २१५
बाघो रावत सूरमचद रो प ५०
बाघो विजा रो प २४७
बाघो सूजावत प ३२०
बाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१, १२४
,, ,, तो ३७
बाट्सन तो १७३
बादळ सोनगरो तो २८० २८६, २६०, २६१
बाय सर्मा प ६
बाळद तो ३७
बाळग प २८०
बालहर राणो तो १५८
बाळाववध तो ३७
बालो (दे० बालो)
बाळो प १२१
बासत सर्मा प ६
बाहड प्रोहित तो २४
बाह्नीपति तो १७६
बिकुक्षि प ७८
बिकुष प ७८
बिक्रम प १६०
बिक्रमचद राजा तो १८८
बिक्रम चरित राजा तो १७५
बिक्रमपाल राजा तो १८८
बिक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
बिक्रमादित प २०, ५०, १०३, १०४, १०८, १०६, ३०३, ३३६
बिक्रमादित्य प १०, ३१६

र जेता रो दू. १५३, १६२
र भांनीदास रो प. २७६
र मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
र मेर रो प. १७२
र राव सांकर रो प. १६४
र सेंरसी रो दू. ८१
र सिवावत प.
र हरराज रो प. १६४
: ती. १५३
ती. १७५
द्व ती. १७६
ठोदास भगवंतदास राला रो
[. २६१
ज चाम्रोड़ो प. २५८, २५६
, ,, दू. २६६
दे० वणराज चावड़ो)
र्ता प. ६
घ ती. २३५, २३६, २३७
प. ३६१
ौड़ ती. २७०, २७१
भाटी दू. ६६
ीह चावड़ो ती. ५०
ग प. १६८, २४४, ३६२
दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
ग चूंडावत ती. ३१
गदे प. २४४
ग पोकरणो ती. ११३
ग भीमावत दू. ३४२
ग भैरूंदासोत दू. १६०, १६२
ग राव दू. ११७
ग राव पाता रो प. २३१, २३२
ग हमीर रो प. ३५६
धीसेन ती. १८०, १६३, २०४
सर्मा प. ६
व प. १०१, १२७, १२८, १६५,
२५६
दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७
,, ती. ३६, २२७
वरसिंघ उदैकरणोत प. २६५, ३१३
वरसिंघ खेतसीग्रोत दू. १७३
वरसिंघ जोधावत ती. २८
वरसिंघदे द्वारकादास रो प. ३२२
वरसिंघदे धीरावत प. २३६
वरसिंघदे मधुकरसाह रो प. १३०
वरसिंघदे वाघेलो प. १३२, १३३
वरसिंघदे वीसळदे रो प. ११६
वरसिंघ रांणो दू. २६५
वरसिंघ रावळ प. ७६
वरसिंघ राव हरा रो दू. १२१, १२६,
१२७, १२८, १३७
वरसो खांट ती. ५६
वरसो हरदास रो दू. २६३
वरही प. २८६
वर्त तेजस राजा ती. १८१
वर्हो ती. १७६
वलभराज सोळंकी प. २६०
,, ,, ती. ५१
वल्लभरांम ती. २३६
वल्लभराज प. २८०
वशिष्ठ ऋषि (दे० वसिस्ठ रिखीस्वर)
वसिस्ठ रिखीस्वर प. १३४, १३६
,, ,, ती. १७५
वसुदांन राजा ती. १८६
वसुदेव दू. ६
वसुदेव बांभण लूंणोत दू. १६
वसु सर्मा प. ६
वस्तपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
वस्तो दू. १३०
वस्तो लाला रो प. ३५२
वह ती. १७६
वांकीदास दू. २०१
,, ती. २२०
वांकीदास जसावत दू. १०३
वांकीदास जैमल रो प. ३५८

वाकीबेग मोहबतखां रो प ३०१
वाको दू. ६०
वांदर तौ २२१
वांनग देव दू १४
वांनर दू. २
वाक्पतिराज प. १००
वाक्य सर्मा प ६
वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६, १६५, १६७, १६८, ३४४
„ दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२, १३१, २६४
„ तौ २३०, २३१
वाघ अमरा राणा रो प. ३१
वाघ कान्हावत दू १६३
वाघ खीधो प २५६
वाघ छाहड रो प ३६३
वाघ जसवत रो प २०८
वाघजी प. ३०८
वाघ ठाकरसीग्रोत तौ. १८
वाघ तिलोकसीग्रोत दू १६२
वाघ पवार प. ३३८
वाघ प्रथीराज रो प. ३१२
वाघ फरसराम रो प ३१६
वाघ भारमल रो प ३२८
वाघमार धूहडजी रो तौ २६
वाघ रतनसीग्रोत दू. १७६
वाघ राणो दू २६५
वाघ राजा परमार तौ. १७६
वाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
वाघ रिणमलोत दू १६१
वाघ वीदा रो दू. २६३
वाघ सांखलो प ३३८, ३४४
वाघ सावळदासोत दू. १६६
वाघ सिरग रो दू. १२२
वाघ सुरताणोत प ३०४
वाघो प. १६, २०, ५१, २४१, ३५६
„ दू ६०, २०१
वाघो कांधळोत राठोड़ तौ २१, १६२, १६३
वाघो कान्हा रो प. ३५८
वाघो जोधा रो प २४१
वाघो प्रथीराज रो प २४२
वाघो राठोड सूजावत तौ ८६, १०५
वाघो राव दू ११६
„ „ तौ. २१५
वाघो रावत सूरमचद रो प ५०
वाघो विजा रो प २४७
वाघो सूजावत प. ३२०
वाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१, १२४
„ „ तौ ३७
वादसन तौ १७३
वादळ सोनगरो तौ २८०, २८६, २६०, २६१
वाय सर्मा प ६
वाळद तौ ३७
वाळग प २८०
वालहर राणो तौ. १५८
वाळावध तौ ३७
वालो (दे० बालो)
वाळो प १२१
वासत सर्मा प. ६
वाहड प्रोहित तौ २४
वाहनीपति तौ १७६
विकुक्षि प ७८
विकुप प. ७८
विक्रम प १६०
विक्रमचद राजा तौ १८८
विक्रम चरित राजा तौ १७५
विक्रमपाल राजा तौ. १८८
विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
विक्रमादित प. २०, ५०, १०३, १०४, १०८, १०६, ३०३, ३३६
विक्रमादित्य प. १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
विक्रमादित्य सांगा रो, रांणो प. ४६
विक्रमादीत राव केल्हण रो दू. ११६, १४३, १४४
विक्रमादीत राव मालदेग्रोत दू. ६०
विक्रमायत भालो ती. ११
विक्रमायत राजा प. ३१६
विक्रसाज प. २८८
विजड़ प. १८३
विजड़ प्रोहित ती. २४
विजपाळ दू. १५
विजय ती. १७८
विजयमल राजा ती. १६०
विजय राजा ती. १८६
विजयसिंघ महाराजा ती. २१३, २१५
 दे० विजैसिंघ महाराजा।
विजयादित्य प. १०
विजलादित्य प. १०
विजै प. ७८
विजैचंद ती. १८०
विजैदत्त प. २, ३
विजैनित्य प. ७८
विजैपांन प. ६
विजैपाळ प. १०१
,, ती. २६
विजैपाळ रांणो दू. २६५
विजैरथ प. ७८
विजैरांम प. ३२३, ३२६
,, ती. २३५, २३६
विजैरांम ग्रखैराज रो प. ३०२
विजैरांम उदैसिंघोत प. ३०८
विजैराज दहियो प. २२६
विजैराव प. २८८
विजैराव दू. ६, ११
विजैराव चूड़ाळो दू. १, १०, १७, १८
विजैराव रावळ वछु रो दू. १४०
विजैराव लांजो (—लंजो) दू. २, ३१, ३२, ३३, ३४
,, ,, ती. २२२
विजैराव लूणकरण रो दू. ६१
विजैराव वीरमोत ती. ३०
विजैवाह प. १२३
विजै सर्मा प. ६
विजैसिंघ प. ३२४
,, ती. ३६, २२०, २२६
विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२
विजैसिंघ महाराजा दू. ११०
 दे० विजयसिंघ महाराजा।
विजैसी प. २२५, २३१
विजैसी ग्राल्हण रो प. २२६, २३०
विजैसेन राजा ती. १८६
विजो प. २२, २३, २७, २८, ३०, १६३, २००
,, दू. ७७, ७६, १०४, २००, २०८
,, ती. २२१
विजो ईंदो (कस्तूरियो मृग) दू. ३४२
विजो ऊदावत ती. ११
विजो करमा रो प. २४७
विजो पूंजा रो प. १७२
विजो भांनीदास रो दू. १६१
विजो भाटी दू. ३४२
विजो रूपसी रो दू. १६६
विजो वीरमदे रो दू. ११७, १२०
विजो सीहड़ रो प. ३४१
विट्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६, २७५
विथक दे० विश्वक।
विदूरथ ती. १८१
विद्रुप राजा ती. १८६
विनिर्जधि प. ७८
विमळ राजा प. १२३
विरदसिंघ राजा ती. २१७
विरसेह (वीरसेन) रावळ प. ७६
विराज सर्मा प. ६
विराट सर्मा प. ६
विराम साह ती. १६१

विलापानस प ७८
विल्हण प १२२, १२४
विवसत प २९२
विवसान प २९२
विवस्वत दे० विवसत।
विवस्वान दे० विवसान।
विशक दे० विश्वक।
विश्व प २८९
विश्वक तो १७९
विश्वनि (विश्वाजित) प ७८
विश्वसक्त तो १७९
विश्व सर्मा प ९
विश्वसह तो १७८
विश्वसिक्त तो १७९
विश्वस्त तो १७९
विश्वस्तक तो १७९
विश्वावसु प ७८
विष्ण दू ३
विसनदास प ३१७
,, दू १६४
,, तो २८१, २८२, २८५
विसनदास राम रो प ३१४
विसनसिंघ रामचदोत दू १५९
विसनो दू ८०
विसरजन दू ३
विसोढो चारण तो २८६, २८७, २८८, २८९, २९०
विस्वसेन प २८८
विस्वावसु प ७८
विहारी प १२५ २३५, २४६, ३२७
,, दू १२३
विहारी कुभं रो तो ३७
विहारीदास प २०८, ३०५
,, तो २२०
विहारीदास उग्रसेण रो प ३२०
विहारीदास दयाळदासोत दू ९४, १०६
विहारीदास नाथावत प ३१०
,, ,, दू १६६
विहारीदास रायसल रो प ३२४
विहारीदास सूरसिंघ रो दू १३३
,, ,, तो ३६, ३७
विहारी प्रागदासोत दू १८४
वींजो वेणीदासोत दू १६८
वीकम प १९०
वीकमचित्र प. ३३६
वीकमसी प २३१
वीकमसी केल्हणोत दू २, ३९
वीकमसी सोहड दू ४३, ४४, ४५, ५०
वीकाजो जोधावत प ३५३
वीकादित्य प १०
वीको प ३२७
,, दू ७९, १७०, १७४, १७८, १९२
वीको ईडरियो दू २५४
वीको कल्याणदास रो दू ९३
वीको खेतसीग्रोत दू १७३
वीको जयसिंघ रो प १९४
वीको दहियो प २२६
वीको भदा रो प २००
वीको राव दू ८५, ८९, ९४, १२०, १४५
,, ,, तो १३, १४, १५, २० २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०, १८१, २०५
वीको रावत प ९२, ९३
वीको वरसिंघ रो प २३६
वीजड प १३४, १६२, १८१, १८३, १८७, १८८
वीजळ प २९०
वीजळ जगनाथ रो प ३०१
वीजळदे मन्नेसी रो प २९४, २९६
वीजळ राव तो २२१
वीज सोळकी प २६३, २६४, २६५, २६७, २६८, २६९
वींजो प. २४०

बीजो गोयंद रो प. ३५८
बीठळ प. १६५
,, दू. ७८, १६६
बीठळ गोयंदोत दू. ७६
बीठळदास प. २५, ३१४, ३१६, ३१७, ३२३, ३२७
,, दू. ३, ८८, १०८
बीठळदास केसोदासोत दू. १६३
बीठळदास गोपाळदासोत दू. १५०
बीठळदास गौड़ प. ३०४
बीठळदास नारणदासोत दू. १८८
बीठळदास पंचाइणोत प. ३०८
बीठळदास प्रागदासोत दू. १७१
बीठळदास राजा प ३०४, ३०६
बीठळदास राठोड़ जैमलोत प. ३२१
बीठळदास लखावत दू. १६१
बीठळदास सहसमलोत दू. ६६
बीठळदास सांवळदासोत दू. १८४
बीठळदास हरदासोत दू. १६५
बीणो जाळपदासोत मोहिल ती. १७२
बीदो प. १६८, २४१, ३४१
,, दू. १४३, २६३
बीदो खालत दू. १०७
बीदो झालो प. ४०
,, ,, दू. २६३
बीदो तेजसी रो प. ३५७
बीदो भारमलोत ती. ६५, १००
बीदो राव ती. २८, ३१, १६५, १६६, १६७, २३१
बीदो रावत दू. १२१
बीदो राहड़ दू. १०७
बीदो बीसळ रो प. २०१
बीदो साह दू. ११३
बीदो हरावत दू. १२६
बीर ती. १७६
बीरधन ती. १८७
बीरचरित प. २६२
बीरड़ राघळ प. ७६
बीरदास दू. ७८ ८०, ८१, ८८, ६१
बीरदास नीसळोत दू. ७६
बीरदास मांना रो दू. २०१
बीरदास रांमा रो प. ३५७
बीरधन राजा ती. १८७
बीरधवळ अवतारदे रो प. ३५५
बीरधवळ चारण लांगड़ियो दू. २०६, २०७, २०८
बीरधवळ (रांजा) ती. ५३
बीरनरसिंघ रांणो प. ३४१
बीरनाथ राजा ती. १८७
बीरनारायण प. १८७
बीरनारायण पंवार प. २०३
बीरनारायण भोज पंवार रो ती. २८
बीरबलसेन राजा ती. १८६
बीरभद्र प. १३३
बीरभांण प. ११६, १२०, १३३
,, ती. २३१
बीरम प. १५, १६, १६६
,, दू. १७०
बीरम ऊदावत प. २४०
बीरम कूंभा रो प. १६७, १६८
बीरम खावड़ियांणी रो प. ३४७
बीरमजी राव ती. ३०, २१५
बीरमदे प. १६७, २६१. २८५, ३४१
,, दू. ३२, ८८, ६४, ६६, १००, १२१
,, ती. २२८
बीरमदे अवतारदे रो प. ३५६, ३६१
बीरमदे उदैसिंघ रांणा रो प. २२
बीरमदे कंवरांणुर, कांन्हड़दे राघळ रो प. २०४, २०६, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५
,, ,, ,, ,, दू. ४०
,, ,, ,, ,, ती. २८, १८४

वीरमदे गोकळदास रो प. २६
वीरमदे चाचा रो प ३५८
वीरमदे जसवत रो प २०८
वीरमदे दूदावत तो १०४
वीरमदे देवराज रो प २८५
वीरमदे, राणा जैसिघदे रो प ३५९
वीरमदे रामावत दू. १६४, १६७
वीरमदे राय तो. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००, १०२, ११५, १८०
वीरमदे रायसिघोत दू १२५
वीरमदे रावत रिणधीरोत दू ११७
वीरमदे वरजांगोत दू १९१
वीरमदे वाघेलो प २६१
वीरमदे सहसमल रो प ३१४
वीरमदे सूरजमल रो प ३०
वीरमदे हरदास रो दू. २६३
वीरमपाळ राजा तो १८८
वीरम माला रो प. १९६
वीरम वीका रो प १९४
वीरम वेगू रो प. ३५२
वीरम सलखावत दू २८१, २८४, २८५, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०३, ३०४, ३०६, ३१७, ३२०
वीरम सोढल रो प ३४०
वीरम हमीर रो प २३७
वीर विक्रमादित्य राजा तो. १७५
वीर सर्मा प ९
वीरसिंघ राजा तो १९०
वीरसीह रावळ प. १२, ७९
वीरसेह (वीरसेन) प ७८
वीरसेन राजा तो १८६
वीरु राजा गहरवार रो प १२८, १३०
वीरो दू. ८५
वीरो भोजावत दू १७७
वीर्यपाल तो १८८
वीलण सोभत प. २२६
वीवर प. २८८
वीसम रांणो दू २६५
वीसळ प २६१
वीसळ दू २०३
वीसळ ठाकुर रो प. ३००, ३०१
वीसळदे दूदावत दू. ६५
वीसळदे मुधपाळ रो प. ११९
वीसळदे राव प २६१
वीसळदेव तो ५१, ५३
वीसळदे सोळकी तो २८०, २८५, २८६, २८७, २८८, २९०, २९१
वीसळ लाखण रो प २०२
वीसळ सांखलो तो. ३०
वीसो प २०५
,, दू १००, २०९
वीसो आपमल रो प २००
वीसो उघरण रो प २३१
वीसो जोधावत प २४३
वीसो पूना रो प १९९
वीसो वणवीरोत दू १९४
वीसो वीका रो तो. २०५
वीसो वीरम रो प १९८
वीसो हमीर रो प ३५५, ३५६, ३५७
वृद्ध मेघराजोत तो २९
वृक तो १७८
वद्धपाल तो. १८८
वृहत् तो १७९
वृहदर्य प २८९
वृहद्बल तो १७९
वृहदभानु तो १७९
वृहद्रण तो १७९
वृहद्रण तो १७९
वृहद्रथ प २८९
वृहदश्व तो १७७, १७९

वृहसत प. २८७
वृहस्थल ती. १७६
वेगड़ रांणो दू. २६५
वेगड़ो भील प. ३३५
वेग सर्मा प. ६
वेगू भोजदे रो प. ३५२
वेणो रांणो मोहिल ती. १५८, १७१
वेण राजा प. २८७
वेणादित्य प. १०
वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३, ३२७, ३३०
,, दू. ६२, १२०, १४६, १८३, १६६, १६६
वेणीदास केसोदासोत दू. १६८
वेणीदास गोयंददासोत दू. १५५, १५७
वेणीदास जोगावत दू. १७७
वेणीदास ठाकुरसीओत दू. १४८
वेणीदास दूदा रो प. ३६१
वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
वेणीदास बलुओत प. २३४
वेणीदास सहसमल रो प. ३१४
वेणीदास सिंघ रो प. ३१५
वेणो देदावत दू. १६०
वेणो रायमलोत दू. १२३
वेद सर्मा प. ६
वेन प. ७८
वेरड़ दू. ११८
वेळावळ प. १२१
वेलो प. १६६
वेहाद्रभाज प. २८६
वैजल रावळ ती. ३३
वैजल सालवाहन रो दू. ३७, ३८
वैणो प. १६६
वैणो अमरा रो प. ३५६
वैणो मोहण रो प. ३५७
वैणो राजधर रो प. १६६
वैरड़ रावळ प. ५, ६
वैरसल प. २४३
,, दू. ८८, ११८, १२०, ३४२
वैरसल कूंपा रो प. ३६०
वैरसल खंगारोत प. ३०५
वैरसल गांगा रो प. ३५६
वैरसल गोपाळ रो प. ३१०
वैरसल जसा रो दू. ३३
वैरसल जैता रो प. ३५२, ३५३
वैरसल प्रथीराजोत दू. १६७
वैरसल बलू रो प. ३४१
वैरसल भीम रो प. ३६३
वैरसल भोजावत दू. १७७
वैरसल मालू रो प. १६६
वैरसल रांणावत दू. १५२
वैरसल रांणो ती. १५८, १६१, १६२, १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
वैरसल राठोड़ प्रथीराजोत प. १५३
वैरसल राव चाचा रो दू. ११७, ११८, ११६, १२०, १२६, १३७
वैरसल राव (पूगळ) ती. ३६, ३७
वैरसल रूपसी रो प. ३१२
वैरसल सांकरोत दू. १८०
वैरसल हमीर रो प. १५
वैरसिंघ राजा ती. ४६
वैरसी प. ३१८
,, दू. ८२, ६२
,, ती. २२७, २२८
वैरसी नारणोत प. ३५८
वैरसी रांणो प. १२३
वैरसी रायमलोत दू. १८२, १८५
वैरसी रावळ प. ५
,, ,, दू. २, ८१
,, ,, ती. ३४, २२१
वैरसी लखमण रो दू. ११, १४, ७६, ८०
वैरसी लूणकरणोत ती. १५२, २०५
वैरसी वाघावत प. ३३८, ३३६, ३४४
वैरसी हमीरोत प. ३५६

वैरागर दू ११८
वैरागी प ३१३
वैरीसाल प २५
, दू २२८, २३२, २३६
वैरो प १०१, १०२, १०६, २८१
३४३
वैरो भींव रो प ३४१
वैवस्वत प ११६
वैवस्वत मनु प ७८
वोटी दू १
वोढो-रावण, दोदो दे० दोदो सूमरो।
व्रद्दीत प २८८
व्रहदा प २८६
व्रहान चिसती पीर प ३१८
व्रहा य (व्रह्मान्य) प ७८
व्रिदावनदास प ३०७

श

शभुपाल राजा तो १८८
शत्रुजय राजा तो १८६
शत्रुघ्न राजा तो १८७
शत्रुजित दे० सलाजीत।
शम्सखा दे० समसखां।
शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलताण।
शलादित्य तो ४६
शहरयार दे० साहयार पातसाह।
शहरयार शाहजादा दे० सहरियाल साहिजादो।
शादमा प ३००
शालिवाहन दे० सालवाहन।
शालिवाहन परमार राजा तो १०५
शावस्त तो १७७
शाह आलम प ५६
शाहजहा दे० साहजहा पातसाह।
शाहजहां शहाबुद्दीन दे० साहजहां सायबदीन।
शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी।
शाहबुद्दीन बादसाह दे० साहिबदी पातसाह।
शिवधन प २६२
शिवब्रह्म कछवाहा प ३२६
शिवाजी छत्रपति प १५
शिविर राजा तो १७५
शिशुपाल तो १५४
शीघ्र तो १७६
शुद्धोद तो १७६
शुद्धोदन तो १७६
शेख पीर बुरहान चिश्ती प ३१८
शेख फरीद तो २७६
शरशाह सूर बादसाह दू १५४
श्यामदास प १४४, १५६
श्राव तो १७६
श्रावस्त दे० शावस्त।
श्रीकरण रावळ तो २३६
श्रीपाल प २८६
श्रीपुंज रावळ प ५
श्रीमोर तो १५५
श्रीय तो १७६
श्रीवछ प २६२
श्रीवत्स तो १७७
श्रुत तो १७८

ष

षटग प २८८
षटवाग प २८८
,, तो १७८

स

सकर दू ८४, ८८
सकरदास प १२१
सकरदास रामोत दू ८४, १२०
सकर माधो तो १६०
सकर लाखा रो प १३६

संकर सिंघावत प. २४३
,, ,, दू. १००
संकर हींगोळ रो प. २३५
संकमाघो ती. १६०
संग्रामसाह प. १२६
संग्रामसिंघ ती. २२६
संग्रामसिंघ हररांमोत प. ३२४
संग्रामसी दुरजणसाल रो प. ३५५
संघदीप प. २८८
संजय ती. १७६
संडोख राजा ती. १८६
संतन धोहरो ती. १५७
संतोष प. २६२
संभरांण प. १०१
संभूसिंघ ती. २३५, २३६, २३७
संमत प. ७८
संसाद प. २८७
संसारचंद प. २०५
,, ती. २३१
संसारचंद अचळावत दू. १८१, १८२, १८४, १८५
सइयो बांकलियो ती. २५, २६
सकत प. ७८
सकतकुमार रावळ प. ५, १२
सकतसिंघ प. १११, १३१, २११, २३४, ३०३, ३११, ३१४, ३२०
सकतसिंघ दू. १६६
सकतसिंघ आसकरण रो प. ३०४
सकतसिंघ उदैसिंघोत प. २१२
सकतसिंघ खेतसीओत दू. ६३, ६५
सकतसिंघ तेजसी रो प. ३२६
सकतसिंघ मांनसिंघोत प. २६१, २६८
सकतसिंघ राव दू. १६४
सकतसिंघ वेणीदासोत प. २३४
सकतसिंघ विंदावन रो प. ३०७
सकतसिंघ सुरतांणोत प. ३०४
सकतसिंघ हमीरोत प. ३०५
सकतसिंघ हरदासोत दू. १६५
सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
,, दू. १७४, २६४
सकतो गोपंद रो प. १६६
सकतो रायमलोत दू. १४५
सकतो वीरमदेओत दू. १७०
सकतो वैरसल रो दू. ८०
सकितकुमार रावळ प. ७८
सगण ती. १७६
सगतसिंघ ती. २२०, २३२
सगतो दू. १८०
सगर प. ३०, ७८, २८८, २६२
,, ती. १७८
सगर रांणो प. ६२, ६५
सगर रांणो उदैसिंघ रो प. २२, २३, २४, २५, २७
सगरांमसिंघ प. २६८
,, ती. २२३
सगरो बालीसो प. ६७
,, ,, ती. ४१, ४३, ४७, ४८
सजन भायल प. १६३
सजो राजा रो दू. २६२
,, ,, ,, ती. २१४
सजोसराय (सुजसराय) प. २८६
सभो राजावत दे० सजो राजा रो।
सत राजा परमार ती. १७५
सतीदांन रूपावत ती. २२५
सतो प. ६६
,, दू. २, ५३
,, ती. २२१
सतो खीमराज रो प. ३५५
सतो चूंडावत दू. ३००, ३०६, ३१०, ३३६, ३३७
सतो चूंडावत ती. ३०, १२६, १३०, १३२, १३३

सतो जांम दू २०५, २३७, २४०, २४१, २४२, २४३
सतो जोधावत प २४३
सतो तमाइचो रो प. ३६१
सतो देवराज रो प ३६२
सतो भाटी लूणकरणोत तो. १४०
सतो रांणो दू २६५
सतो रांमावत प १६६
सतो राव प १५, १६
सतो रावत रतनसी रो प ५०
सतो रिणमलोत दू २२३, ३४२
सतो लूणकरणोत दू. १४५
सतो लोला रो प २०७
सत्यव्रत तो १७८
सत्यव्रत हरिश्चद्र तो १७८ दे० हरिश्चन्द्र।
सत्रजीत प १२६
सत्रसाल (शत्रुशल्य) प. १२०, २०६
,, ,, दू १५६, १६५, २६४
सत्रसाल नराइणदासोत प ३०५
सत्रसाल राव दू १२३
सत्रसाल सूरसिंघोत तो. २०८
सत्रसिंघ दू ६६
सत्राजित दे० सलाजीत
सत्वात दू ३
सदरयराज प. २८८
सप्त राजा तो १८५
सबळसिंघ प २५, ३१, ६८, ६६, ७०, २३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०, ३२५, ३२८,
सबळसिंघ दू १, १२०, १३१, २००
,, तो २३०
सबळसिंघ ईसरदासोत दू १८६
सबळसिंघ कवर प. ३०८
सबळसिंघ किसनसिंघ रो प ३०६
सबळसिंघ चतुरभुजोत पूरबियो प ६६
सबळसिंघ पूरावत प २६
सबळसिंघ प्रथीराजोत दू १५७
सबळसिंघ प्रागदासोत दू १८३
सबळसिंघ फरसराम रो प ३२३
सबळसिंघ मांनसिंघोत प. २६१, २६८
सबळसिंघ राजावत दू १५०, १७०
सबळसिंघ रावळ दयाळदासोत दू. ६३, ६७, १०४. १०५, १०६, १०७, १०८, १०६
सबळसिंघ रावळ दयाळदासोत तो ३५, ३६, २२०
सबळसिंघ वृंदावनदास रो प ३०७
सबळो प १५८, २०६
,, दू ८८, १२१, १६६, १७१, २६४
सबळो सादूळोत प ३६०
समपू प २८६
समरसी प. १०१
समरसी कीतू रो प १६६, २४७
समरसी रावळ प १३, ७६. ८०, ८१, ८२, ८७, २०३
समरो प १३४ १६५ १८७
समरो देवडो प १४४, १४५,१४६,१४७, १५१, १८१
समरो नरसिंघ रो प १६६
समसखा तो २७४
समसदी दू ६६, ७१
समसदीन सुलताण तो. १६०
समसुद्दीन दे० समसदी।
समुद्रपाळ राजा तो १८८
समो बलोच दू १३०, १३६
सरखेलखा तो ८५, ८८, ६०, ६१
सरदारसिंघ तो २२०, २३१
सरदारसिंघ महाराजा (बीकानेर) तो १८०
सरफराजखां तो २७७
सरवासु प. २८७

सराजदी दू. ४८, ४९
सराजुद्दीन दे० सराजदी।
सरूपसिंघ प. १३३
,, ती. २२८, २३०
सरूपसिंघ अनोपसिंघोत ती. २०८
सर्वकाम ती. १७८
सलखो प. १६
,, दू. २८०, २८१, २८४
सलखो देवराज रो प. ३६३
सलखो राव सीहैं रो ती. २३, २४, २६, २७, ३०, १८०
सलखो लूंभावत देवड़ो ती. २९
सलराज प. २८८
सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प. ७८
सलूंणो प. २२५
सलेमखां दू. ११५
सलेमसाह पातसाह ती. १९२
सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२
सलैदी सुरतांणोत दू. १५२
सलो राठोड़ प. २२५
सलो सेपटो प. २२५
सल्हैदी प. २९१, ३३१
सल्हैदी गिरधर रो प. ३२२
सल्हैदी रतनसी रो प. ३५६
सल्हैदी राजावत प. ३२१
सल्हैदी सांगा रो प. ३२५
सवरो प. १६६, १६७
सवीर प. ७८
सवाईसिंघ ती. २२३, २२४, २२५, २२६, २२९
सवाईसिंघ रावळ दू. १०९
सहंस राजा प. ३३६
सहजइंद्र राजा प. १२८
सहजग प. १३०
सहजपाळ राजा प. १२८
सहजपाळ गाडण प. २२५
सहजसेन दू. ९
सहणपाळ ती. २९
सहदेव प. २८९
,, ती. १७९
सहदेव सकतावत प. ३०४
सहरियाल साहिजादो दू. १५६
सहबाजखां प. २१०
सहवण (सहवर्ण) प. ७८
सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४, १८८, १८९, २३१, ३६१
,, दू. ९२, १४३
सहसमल चवडै रो दू. ३१०
सहसमल चांनण रो प. ३१४
सहसमल चूंडावत ती. ३१
सहसमल दुसाझ रो प. ३५२
सहसमल देवड़ो ती. २९, ३१
सहसमल मालदेवोत दू. ९६, ९७
सहसमल रायमल रो प. ३२५
सहसमल रायसिंघोत दू. १२५
सहसमल राव प. १३५, १३६
सहसमल रावळ प. ७४, ७९
,, ,, ती. २६६
सहसमल वीसळ रो प. २०१
सहसमल सोम रो दू. ७६, ७७, ११६, ११९
सहसमल हाडो प. ११०
सहसमांन प. २८९
सहसो प. २४३, ३६१
,, दू. १२०, १३०, १७०, १९८, २००
,, ती. २२०
सहसो ऊदावत दू. १७९
सहसो खरहथ रो प. ३५६
सहसो ठाकुरसीओत दू. १८९
सहसो दयाळदासोत दू. १६६
सहसो प्रताप रो प. २८

सहसो मोकल रो प. ९२
सहसो सूजा रो दू १९१, १९२
सहस्रार्जुन दू. ९
सहस्वान ती १७९
सहाबुद्दीन गौरी प १८०
सहिसो ती. ९५
सांइयो भूलो चारण प. ८६, ८८
सांईदास प. १११, १४२, २७९, ३२५
सांईदास अभा रो प ३२७
साईदास तिलोकसी रो दू १६२
सांईदास प्रथीराज रो प २९०
सांईदास भाटी दू ६६
साईदास राजसीओत दू. १७६
साईदास रावत प. ६६
साईदास हरदासोत दू. १९०
साकर चांपा रो प. २००
सांकर पोपावत दू १६३
साकर प्रथीराजोत दू १९३
सांकर भुजबळ रो प. १९४
सांकर सूरावत दू. १८०
सांखलो प. १८, ३३७, ३६३
सागण प १६९
,, दू. ३९, ४३, ५४, ८४
,, ती २२१
सांगम मगळराव रो दू १६
सांगमराव खोची प. २५१
सांगमराव राठोड ती २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २९०
सागी रबारी दू. १९, २०
सांगो प. २८०
सागो दू. ८१, ८८, १४४
,, ती. २३१
सांगो ऊदावत प. ३६०
सांगो करमा रो प १६५
,, ,, ,, दू ८०
सांगो खडेर दू. १०३
सांगो खींवा रो दू १२१
सांगो गोयदोत दू. १७६
सांगो पीपावत दू. १९०
सांगो प्रथीराजोत प. २९०, ३०७, ३१४
सागो बोहड सोळकी रो प २८०
सांगो भाटी ती १७
सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
सांगो मक्कमराव रो दू. १, ११
सांगो राणो प ४९, २८६
,, ,, दू २६२, २६४
,, ,, ती. २४८
सांगो रांणो माणकराव रो ती. १५८, १७१
सांगो रागो रायमल रो प. ६, १५, १८, १९, २०, २१, २३, १०२, १०३, १०४, ११९ १५०
सांगो राव्हळ वछु रो दू. १४०
सांगो वडवज प १५९
सागो वणवीर रो प १७२
सागो विजावत दू १९६
सागो सिंघोत प ६८
सागो सुलताण राजा ती १९०
सांगो सेलार प २२५
सागो हिमाळा रो प. २४४
साघण रावत ती १७६
साडो डोडियो प ३९
साडो पुनपाळ रो प ३५४
सांडो रायपाळोत ती २९
साडो सांखलो ती ८४
साडो सिंघावत प २४३
सांदू प. १११
सामतसिंघ ती. २२६
साम दू. १, ९, १६
सांम उदैसिंघोत प २२
सांमतसी रावळ प. ७९

सांमदास दू. ७८, ९०, १२९
सांमदास अमरा रो दू. १२२
सांमदास खेतसीओत दू. ९५
सांमदास गोपाळदासोत दू. १०७
सांमदास जोगा रो प. ३५७
सांमदास जोगीदासोत दू. १८५
सांमदास नाथावत प. ३११
सांमदास भांणोत दू. १९४
सांमदास मेघराज रो प. ३५९
सांमपत जांम दू. २०९
सांमसिंघ प. २६, ३२४, ३२७
सांमो प. ३६१
सांमो दू. ८०, २००
सांम्य दे० सांम।
सांवत प. २४७
सांवत करमचंद रो प. २०५
सांवतसिंघ प. ३२८
सांवतसिंघ ती. २२९, २३२, २३५, २३७
सांवतसिंघ चावड़ो दू. २६७
सांवतसिंघ सेखावत ती. ३२
सांवतसिंघ सोनगरो ती. २९१, २९२, २९३
सांवत सिंढायच-चारण ती. २८०, २८१
सांवतसी प. १६७, १८७, २१३, २८५
,, दू. २, ४, ७७, ७८, १०३
सांवतसी केहर रो दू. ७७
सांवतसी चीवो प. १३८, १३९
सांवतसी महकरणोत प. २३३
सांवतसी रांणो ती. १५८
सांवतसी रायमल रो प. २८४, २८५
सांवतसी रावळ चाचगदे रो प. २०४
सांवतसी वीकावत दू. १७३
सांवतसी वीसा रो प. २००
सांवतसी सादूळ रो प. १९४
सांवतसी सूरा देवड़ा रो प. १७०
सांवतसी सोनगरो रावळ ती. २३
सांवळ प. २९, १६५, ३३६
,, दू. ७७, ८४, १९९
सांवळदास प. २७, ६७, ७०, १०१, १०२, ११५, ११७, १२०, १२५, १६८, २०८, ३०६
,, दू. १२५, १२९, १६१, १९१, २६४
,, ती. २२७
सांवळदास कलावत दू. १६२, १७४
सांवळदास डूंगरसीओत दू. १७५, १७९
सांवळदास देवकरण रो प. ३१०
सांवळदास नारणदास रो प. ३५८
सांवळदास पंचाइणोत प. ३०९
सांवळदास बळकरण रो प. ३४२
सांवळदास भांनीदासोत दू. १६९
सांवळदास भाटी गोपाळदासोत दू. १०७
सांवळदास मेहकरणोत दू. १९३
सांवळदास रायमल रो दू. १२३
सांवळदास रावळ प. ७०
सांवळदास लूणकरण रो प. ३१९, ३२२
सांवळदास संसारचंद रो दू. १८१, १८२
सांवळदास हमीरोत प. ३४३
सांवळ मांडणोत प. २३६
सांवळ माधवदे रो प. ३३६
सांवळसुध रोहड़ियो-चारण दू. २३६, २३८
सांवळो प. १९४
सांसतव प. २८७
सागण ती. २२१
सागर रांणो दू. १५८
साजन ती. २३९, २४७
साड जांम दू. २१४
सातळ प. १९३, २२५
,, ती. १८४
सातळ अखा रो प. ३४१

सातळ फेहर रो दू ७७
सातळ चहुवांण दू ५८
सातळ भाटी दू ८४
सातळ रांणो दू २६५
सातळ राव जोधावत तो ३१, १०४, १८२
सातळ वरसिंघ रो दू. १२७
सादमत प ३००
सादमो सुलतान प. ३००
सादूळ प २२, २७, ११७, १६४, ३०६, ३१३, ३२८ ३४३
, दू ७८, १९८, २००, ३२७, ३२८
सादूळ कचरावत दू १८४
सादूळ किसनावत दू १९४
सादूळ खेतसी रो प ३६०
सादूळ गोपाळदासोत दू १०५
सादूळ गोयदोत दू १७५
सादूळ जगहथ रो प २४१
सादूळ जाम्हण रो प २४०
सादूळ दुजणसल रो दू ९०
सादूळ दूदावत दू १९७
सादूळ नरहरोत प ९६
सादूळ भानीदास रो दू १२८
सादूळ भास्करभीम्रोत दू १६९
सादूळ भारमलोत प २९१, ३०२
सादूळ मनोहर रो प ३४३
सादूळ मानावत दू १६०
सादूळ मालदे रो प ३१५
सादूळ राणावत दू १५२
सादूळ राणो सूजा रो प. २३१
सादूळ रामावत प १९९
सादूळ रावत परमार तो १७६
सादूळ राव महेसोत प १५२
सादूळ वीठळदासोत प ३०९
सादूळ साकर रो प १९४
सादूळ सांवतसीम्रोत प २३४
सादूळसिंघ तो २२५, २२६
सादूळ सिंघोत दू १७६
सादो दू ३२७, ३२८
सादो कुवर दू ३१२, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८
सादो देवराज रो प ३६१, ३६२
सादो रांणगदेवोत म्रोहीट प ३४८, ३४९
साबर तो २७८
सायबसिंघ तो २२३, २२८, २३०
सायब हमीरोत दू २४४, २५० २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
सायर प ३६२
सारंग ईसर रो प ३५१
सारंगखान तो २१, २२, १६३, १६४
सारंगदे जैमल रो प २१२
सारंगदेव वाघेलो तो ५१
सारंग सारणोत दू १७४
साल काल्हण रो दू २
सालवाहण प ६६
„ दू १५, ३८
सालवाहण राजा परमार तो १७५
सालवाहण रावळ प ७८
सालवाहन प १२३ १३५ २५६, ३३६
„ दू २ ३६, ३७
सालवाहन अरघविव रो तो ३७
सालवाहन चपनराय रो प १३१
सालवाहन राजा प २५६
सालवाहन राजा दू ९
सालिवाहन रावळ प ५, १२
„ „ दू १०
„ „ तो ३३, २२१
सालो सोहड रो प ३४०, ३४१
साल्ह दू ३९
साल्हो सोभ्रम रो प २३० २३१
सावत हाडो प ११७

सावटू भाटी दू. ३१६
सावर प. १२२
साहजहां पातसाह प. ४८
,, ,, दू. १०५
,, ,, ती. १८, १६२, २३८, २४६, २७७, २७८
साहजहां सायबदीन पातसाह ती. १६२
साहली ती. २७७
साहणपाळ रांणो मोहिल ती. १५८, १७०
साहणमल दे० साहणपाळ रांणो मोहिल।
साहबखांन प. २२
,, दू. १३४
,, ती. २७७
साहयार पातसाह ती. १६२
साहरण जाट ती. १३
साहरण घछा रो प. १०१, ३३८
साह, रांणा उदैसिंघ रो प. २२, २५
साहिजहां पातसाह दे० साहजहां पातसाह
साहिब प. २७
,, दू. २०६, २१६, २२२, २२३
साहिबखांन प. १५७, २७६
साहिबखांन वेणीदास रो प. ३३०
साहिब मांगा रो प० ३५८
साहिबदी पातसाह ती० १८३
साहिल प. ११६
साहुर अमरा रो प. १६५
सिंघ प. २३, १६०, २१२, २५६, ३०४, ३२८
,, दू. ११, ६०, १००, १०३, १०४
सिंघ झालो, अजा रो प. ५१
,, ,, ,, ,, दू. २६२, २६३, २६४
सिंघ करमचंद रो प. ३१५
सिंघ कांधळोत प. ६७
सिंघ कांन्हावत दू. १६३
सिंघ खेतसीओत दू. ६५
सिंघ जैतमालोत दू. १८७
सिंघ ठाकुरसीओत दू. १८६
सिंघ देवकरण रो प. ३१०
सिंघ भांनीदासोत दू. ६३
सिंघ रतनसिंघोत दू. १७६
सिंघ राव प. ११६
सिंघ राव प. १३५
,, दू. १. १०
,, ती. २२२
सिंघ रावत प. ६५
सिंघ रूपसीओत दू. १४७
सिंघलसेन राजा परमार प. ३३६
,, ,, ,, ती. १७५
सिंघसेन राजा दे० सीहोजी राव।
सिंघो घाघावत प. २४२
सिंघराज प. २८६
सिंघ राजा ती. १७६
सिंघु ती. १७६
सिंघु प्रसयतु का पुत्र ती. १७६
सिंहबल राजा ती. १८५
सिंहल कवि दू. ७५
सिकंदर प. २६२
,, ती. ५५, १७१
सिकंदर लोदो ती. १६२
सिखर प. १६
सिखरो दू. ३०७
सिखरो ऊगमणावत दू. ३१४, ३१५, ३१६
,, ,, ती. २५०, २५२, २५३, २५४, २५५, २५७, २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
सिखरो बोड़ो प. २४७
सिखरो भुजबळ रो प. १६५
सिखरो महकरण रो प. २३३
सिखरो रतना रो प. १६७
सिद्धराज सोळंकी प. २७८
सिद्धराव प. ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिंघदे ती २६, ५१
सिधगराय प २८८
सिधराज प २८६
सिधराव प २७५, २७६, २८०
(दे० सिद्धराव)
सिधराव जैसिंघदे प २६०, २७४, २७७
(दे० सिद्धराव जैसिंघदे)
सिधराव सोळकी करन रो प २८०
सिरग खेतसीग्रोत दू १२२, १२३
सिरगजो ती २२३
सिरग जैतसिंघोत ती २०५
सिरग डूगरसीग्रोत दू १०७
सिरदारसिंघ प १२०
सिरदारसिंघ प्रतापसिंघ रो प १२१
सिरपुज रावळ प १३
सिरवान भाटी ती ५७
सिलादत प ३
सिलार रावळा रो प १६४ १६५, १६७
सिवदानसिंघ ती २२३, २२८
सिवदास दू ८०, १५१
सिवदास नाथू रो दू १६७ १६६
सिवधान प २६२
सिवब्रह्म प २६५, २६६
सिवब्रह्म कछवाहो राजा उदकरण रो
प ३२६
सिवर प १२३
सिवर राजा परमार ती १७५
सिवराम प २६ ३०७
सिवराम उदैसिंघोत प ३०८
सिवराज दू ३४२
सिवराज राजा प २६२
सिवसिंघ प २६८
„ ती २३७
सिवसेन राजा ती १८६
सिवो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,
२००
सिवो दू १४३
सिवो केलवेचो दू १००
सिवो गोहिल प ३३५
सिवो पूजा रो प ३५१
सिवो राव छाजू रो ती २४१, २४२,
२४३, २४४ २४५, २४६, २४७
सिसपाळ प २८६
सींगट मोहिल जगरांमोत ती १६५
सींधळ नींबावत प २०७
सींघो प ३२७
सींधो नापा रो प ३२७
सीगळ कव दे० सिंहल कवि
सीमाळ दू ४१ ४२
सीयळ पवार दू ६
सील प ७८
सीहड़ दू ३६ ४३
सीहड़ काल्हण रो दू २
सीहड़ चाचग रो राणो प ३४० ३४२
३४३
सीहड़दे रावळ प ७६
सीहड़ भाटी दू ६४
सीहड़ रावळ प १२
सीहड़ सांखलो प २५३
„ „ ती १४०, १४२ १४३
सीहपातळो प २१७
सीहमाल ती १२५
सीहा राठौड़ प ३३३
सीहँड़ रावळ प १२
सीहो प १ २४८
„ दू १०८ १२२, १८६
सीहो गोविंद रो दू ७७ ७८ १०६ १०७
सीहो जगमाल रो दू ८४
सीहोजी राव दू २५८ २६६ २६७
२६८, २६६, २७१, २७२ २७३
२७४ २७५ २७६
„ „ ती २६ १७३, १८०
सीहो धनराज रो दू १२३

सुरपुंज रावळ प. ७६
सुवचंद ती. १६०
सुविधि राजा ती. १८५
सुसिंघ प. २६२
सुस्तराज प. २८६
सूत्रो प. १६
सूजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१, १०२, ११६, १२१, १२४, १६१ २४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
,, दू. १६६
सूजो आसावत प. ३४३
सूजो करणोत प. १६८
सूजो खेतसी रो प. ३६०
सूजो जगमालोत दू. १६१
सूजो जसूंतोत दू. १७०
सूजो जैसा रो प. २६६
सूजो देईदास रो प. ३१७
सूजो देवड़ो प. १५६, १६४
सूजो पतावत दू. १५१
सूजो पूरणमल रो प. ३१३
सूजो प्रागदासोत दू. १८३
सूजो भाटी दू. ६६
सूजो भारमलोत प २००
सूजो भुजवळ रो प १६५
सूजो महीकरण रो प. ३५६
सूजो मांडणोत प. २३६
सूजो रांणो प. २३१, २३५
सूजो रांमावत दू. १६१
सूजो रायमलोत प. ३१६
,, ,, दू. २००
सूजो राव प. ३६१
,, ,, दू. १५३, १७८
सूजो राव, जोधावत ती. ३१, ८१, १०५ ११४, १८२, २१५, २१६, २३५
सुंदर-र. रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८
सुकर सोळ ...वीर रो प. २४२
सूजो वीजा रो प. ३५८
सूजो वेणावत दू. १६०
सूजो सिलार रो प. १६७
सूमरो दू. २३८
सूर प. १७८, १८८, १६०, २६२ (दे० सूर मालण)
सूरज प. ७८, १२५, २६२
सूरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६६, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०६, ११०, १२०, २०६, २११, २१२
सूरजमल दू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३, १२४, १२८, १३६, १५६
सूरजमल ती. २२७
सूरजमल अमरा रो प. ३०, ३५६
सूरजमल किसनावत दू. १६६
सूरजमल केसोदास रो प. ३१४
सूरजमल गोपाळदासोत दू. १८६
सूरजमल चांपा रो प. ३५६
सूरजमल चालासो ती. ४१
सूरजमल लूणकरणोत दू. ६०
सूरजमल हाडो प. २०
सूरजसिंघ प. ५३, २४७
सूरजसिंघ राजा दू. ८१, ६६, ११६, १५५, १५८
सूरजसिंघ राव दू. १३१, १३२
सूरतसिंघ प. १२०, २६६, ३०७, ३०८
,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६
सूरतसिंघ महाराजा (वीकानेर) ती. ३२, १७७, १८०, १८१, २०८
सूरदास प. २३२
,, दू. १६४
सूरदेव ती. २१६
सूर नरसिंघोत प. १५३
सूर नाहरखां ... प.

पातसाह दू १७७, १८०, १९०, १९२
पाळ प. २८९
मचद प ५०
माधवदे रो प ३३६
मालण (सूरमाल्हण) दू ४०, ४१, ४२, १५३, १७८
र राणो दू २६५
रसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१, ३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११, ३२०, ३२२, ३२६, ३२८
रसिंघ दू १५८
रसिंह ती २३०
रसिंघजी राजा प. ३२३
ूरसिंघ फरसराम रो प ३२३
ूरसिंघ भगवतदास रो प २९१, ३००
ूरसिंघ महाराजा (जोधपुर) ती १८२, २१४
ूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) दू १११
ूरसिंघ मांनसिंघोत प ३२७
सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर) ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८, २१० (दे० सूरसिंघ महाराजा बीकानेर)
सूरसिंघ राव दू १३०, १३१, १३२, १३३, १३६, १४४
सूरसिंघ रुद्र रो प ३१६
सूरसिंघ वीकूपुर राव ती ३६
सूर सुरताण रो प १५८
सूरसेन दू ३, ९
,, ती. २३१
सूरसेन उग्रसेन रो प २९२
सूरसेन राजा ती. १८६
सूरो प ७०
,, दू ८४, ८८, १७८, १८९
सूरो कलावत प. १९९
सूरो काथळोत ती. २१
सूरो कांना रो प ३६०
सूरो डूगरसी रो प. १२०
सूरो देवडो प. १४५, १४६. १४७, १५४, १७०
सूरो नरबद रो प २४८
सूरो नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६, १६७
सूरो भैरवदासोत दू १७८
सूरो माधा रो प. ३२१
सूरो लोलावत प २३८
सूरो वणू रो प. ३५२
सूरो सोढो प ३६२
सूयपाळ पदमपाळ रो प २८९
सूयपाळ भीमपाळ रो प. २९०
सेख फरीद ती २७९
सेखो प ६७ ३२७
,, दू. १४२, १४३, १९८
सेखो खारबारा रो राव ती ३७
सेखो खेतसीग्रोत दू १७३
सेखो चहुवाण झाझणोत प १५२, २३९
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो माकळ रो प ३१८, ३१९
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो रांणो दोला रो दू २६५
सेखो रामावत प १९८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११९, १२०, १२४, १२६, १३७
,, ,, ती १९. ३१. ३६
सेखो रुदा रो प १६२
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सूजावत प २४१, २४२ ३६०
, ,, ती ८६, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२
सेतराम दू २६८

सीहो रांमदासोत दू. १६६
सीहो राजावे रो प. २६४
सीहो रायमल रो प. ३२७
सीहो रावळ प. ५, ७८
सीहो रुदा रो प. १७२
सीहो सींधळ दू. १८७
" " ती. १२३, १२४, १२५, १२६, १२७, १२८
सुंदर प. ३४३
" दू. ८६, ६५, १२३, १७७, १६६, २००
सुंदर कचरावत प. ३५७
सुंदरचंद राजा ती. १८८
सुंदरदास प. २६, ६६, १२५, १७३, १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१, ३४३
सुंदरदास दू. ८१, ८८, ६०, ६३, १२६, १५८, १५६, १६४, १८३, १६२
सुंदरदास ती. ३७, २२५, २२६, २२७
सुंदरदास गोयंददासोत दू. १५०
सुंदरदास गौड़ प. ११७
सुंदरदास देवराज रो दू. १०४
सुंदरदास भगवांनदासोत दू. १५२
सुंदरदास भारमल रो प. ३०२
सुंदरदास भींवोत दू. १७२
सुंदरदास मुंहणोत प. १६७
सुंदरदास लाडखांन रो प. ३२१, ३२५, ३२७
सुंदरदास सुरतांण रो प. ३०४, ३१२
" " " दू. १५६
सुंदरदास सूरजमलोत दू. १८६
सुंदर भारमलोत प. २६१
सुंदर सहसावत दू. १७६
सुंदरसी मुंहतो ती. २१४
सुंदर सोढ़ो प. ३६१
सुकर सोळंकी प. २६१, २८०
सुकव प. ७८
सुकायत राजा ती. १८७, १८८
सुकृत दे० सुकव।
सुक्रत सर्मा प ६
सुखचंद माधो ती. १६०
सुखरांमदास ती. २२६
सुखसिंघ ती. २२४
सुखसिंघ सूरजमलोत ती. २१७
सुखसेन राजा ती. १८६
सुगणो मुंहतो प. ३३८
सुचंद माधो ती. १६०
सुजत प. ७८
सुजन अर्जुनोत मोहिल ती. १६६, १७०
सुजय प. ७८
सुजांण प. २७
" दू. ६२, १२३
सुजांणराय प. १३१, २७८
सुजांणसिंघ प. २२, ३०, ६७, १३०, २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८, ३१०, ३२८
सुजांणसिंघ दू. ६५, ६६, २६४
" ती. २२४
सुजांणसिंघ परसोतम रो प. ३२३
सुजांणसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२, १८०, १८१, २११
सुजांणसिंघ माधोसिंघ रो प. २६६
सुजित प. ७८
सुदरसण प. ३२७
" दू. ८८
" ती. ३६
सुदरसण भाटी मांनसिंघोत दू. १३२
सुदरसण राव जगदेव रो दू. १३६
सुदर्थराज प. २८८
सुदर्शण प. ७८
सुदर्शन ती. १७६
सुदर्सन प. २८८, ३२७

सुदास तो १७८
सुदेव तो १७८
सुदसेन तो २३०
सुधन राजा तो १८६
सुधन्व प २८८
सुधन्वा दे० पुधन्वा।
सुधानंद प. २८७
सुधियह्मा प २९३
सुधोम प २८९
सुनगराम प २८८
सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकाश।
सुप्रतिकाश तो १७९
सुबाहु प २८८
सुबुद्ध सर्मा प ९
सुभकरण प. १२७, १३१
सुभरांम तो २३५
सुभाद्य सर्मा प ९
सुमत दे० समत।
सुमल प. १२३
सुमित्र तो १८०
सुमित्र मांगळ रो प २९३
सुमेधा प ७८
सुरचद माधो तों. १९०
सुरजण प. ११०, १११, ११२
सुरजन प ३०९, ३१५, ३२८
सुरजन आसावत डू १४९
सुरजन ऊगा रो डू ८१
सुरजन कचरावत डू १८४
सुरजन जंतसिघोत तो २०५
सुरजन राणो तो १५३, १५५, १५८
सुरजन रायपाळ रो प ३५४
सुरजन राव तो २६६, २६८
सुरजन सीहड रो प ३४०
सुरतराज प. २८९
सुरतसिघ प. ३०८
सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०, १०९, ११०, १३५ १३६, १४१, १४२, १४३, १४५, १४६, १४७, १४८, १४९, १५०, १५१, १५२, १५३, १५८, १६०, १६६, १६७, १६९, १७१, २००, २१०, २३६, २८१, २८३
„ डू ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८ ९९, १०४, १०८, ११९, १२४, १३९, १४३, १५८, १५९, १६१, १६५, १९७, १९८, २००
„ तो २८७
सुरताण कल्यांणमलोत तो २०६
सुरतांण कोटडियो डू. १००
सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
सुरतांण चवडे रो डू ३१०
सुरतांण जाभण रो प २४०
सुरताण जैमलोत तो १२०
सुरतांण झालो प्रथीराजोत डू २५६
सुरताण झालो सिघ रो डू २६२ २६३
सुरतांण ठाकुरसी रो डू १९२
सुरतांण दुरगावत प ३४३
सुरतांण प्रथीराजोत प ३०४
सुरताण भाखरसीओत डू १५२
सुरताण मानावत डू १५४, १५७, १७९
सुरतांण रतनसीओत डू १८९
सुरताण रांणावत डू १७१
सुरताण रायमल रो प ३२७
सुरताण रायसिघोत डू १५०
सुरताण राव प २८१
सुरताण राव भाणोत प २४६
सुरताणसिघ प ३२३
„ तो २२४, २२७, २३५
सुरतांणसिघ ठाकुर परमार तो १७६
सुरतो प. ३१
सूरथ प ७८
„ तो १८०

सुरपुंज रावळ प. ७६
सुवचंद ती. १६०
सुविधि राजा ती. १८५
सुसिंघ प. २६२
सुस्तराज प. २८६
सूम्रो प. १६
सूजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,
१०२, ११६, १२१, १२४, १६१
२४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
,, दू. १६६
सूजो आसावत प. ३४३
सूजो करणोत प. १६८
सूजो खेतसी रो प. ३६०
सूजो जगमालोत दू. १६१
सूजो जसूंतोत दू. १७०
सूजो जैसा रो प. १६६
सूजो देईदास रो प. ३१७
सूजो देवड़ो प. १५६. १६४
सूजो पतावत दू. १५१
सूजो पूरणमल रो प. ३१३
सूजो प्रागदासोत दू. १८३
सूजो भाटी दू. ६६
सूजो भारमलोत प २००
सूजो भुजबळ रो प १६५
सूजो महीकरण रो प. ३५६
सूजो मांडणोत प. २३६
सूजो रांणो प. २३१, २३५
सूजो रांमावत दू. १६१
सूजो रायमलोत प. ३१६
,, ,, दू. २००
सूजो राव प. ३६१
,, ,, दू. १५३, १७८
सूजो राव, जोधावत ती. ३१, ८१, १०५
सुं ११४, १८२, २१५, २१६, २३५
सुंदर रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८
सुकर सोढ धीर रो प. २४२
सूजो बीजा रो प. ३५८
सूजो वेणावत दू. १६०
सूजो सिलार रो प. १६७
सूमरो दू. २३८
सूर प. १७८, १८८, १६०, २६२
(दे० सूर मालण)
सूरज प. ७८, १२५, २६२
सूरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६६, ७३,
७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,
१०३, १०४, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०६, ११०, १२०, २०६,
२११, २१२
सूरजमल दू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,
१२४, १२८, १३६, १५६
सूरजमल ती. २२७
सूरजमल अमरा रो प. ३०, ३५६
सूरजमल किसनावत दू. १६६
सूरजमल केसोदास रो प. ३१४
सूरजमल गोपाळदासोत दू. १८६
सूरजमल चांपा रो प. ३५६
सूरजमल बालासो ती. ४१
सूरजमल लूणकरणोत दू. ६०
सूरजमल हाडो प. २०
सूरजसिंघ प. ५३, २४७
सूरजसिंघ राजा दू. ८१, ६६, ११६,
१५५, १५८
सूरजसिंघ राव दू. १३१, १३२
सूरतसिंघ प. १२०, २६६, ३०७, ३०८
,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६
सूरतसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२,
१७७, १८०, १८१, २०८
सूरदास प. २३२
,, दू. १६४
सूरदेव ती. २१६
सूर नरसिंघोत प. १५३
सूर नाहरखांन रो प. ११७

सूर पातसाह दू १७७, १८०, १९०, १९२
सूरपाळ प. २८९
सूरमचद प. ५०
सूर माधवदे रो प. ३३६
सूरमालण (सूरमाल्हण) दू ४०, ४१, ४२, १५३, १७८
सूर रांणो बृ २६५
सूरसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१, ३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११, ३२०, ३२२, ३२६, ३२८
सूरसिंघ दू १५८
सूरसिंह ती २३०
सूरसिंघजी राजा प. ३२३
सूरसिंघ फरसराम रो प ३२३
सूरसिंघ भगवतदास रो प २९१, ३००
सूरसिंघ महाराजा (जोधपुर) ती. १८२, २१४
सूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) दू. १११
सूरसिंघ मांनसिंघोत प. ३२७
सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर) ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८, २१० (दे० सूरसिंघ महाराजा बीकानेर)
सूरसिंघ राव दू १३०, १३१, १३२, १३३, १३६, १४४
सूरसिंघ रुद्र रो प ३१६
सूरसिंघ वीकूपुर राव ती. ३६
सूर सूरताण रो प १५८
सूरसेन दू. ३, ९
,, ती. २३१
सूरसेन उग्रसेन रो प २९२
सूरसेन राजा ती. १८६
सूरो प. ७०
,, दू ८४, ८८, १७८, १८९
सूरो कलावत प. १९९
सूरो काथळोत ती. २१
सूरो कांना रो प ३६०
सूरो डूगरसी रो प. १२०
सूरो देवडो प. १४५, १४६. १४७, १५४, १७०
सूरो नरबद रो प. २४८
सूरो नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६, १६७
सूरो भैरवदासोत दू. १७८
सूरो माधा रो प. ३२१
सूरो लोलावत प २३८
सूरो वगू रो प. ३५२
सूरो सोढो प. ३६२
सूर्यपाळ पदमपाळ रो प २८९
सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २९०
सेख फरीद ती. २७९
सेखो प. ६७ ३२७
,, दू. १४२, १४३, १९८
सेखो खारबारा रो राव ती. ३७
सेखो खेतसीग्रोत दू १७३
सेखो चहुवाण झाझणोत प १५२, २३९
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो राणो दोला रो दू २६५
सेखो रामावत प १९८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११९, १२० १२४, १२६, १३७
,, ,, ती १९, ३१, ३६
सेखो रुदा रो प १६२
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सूजावत प २४१, २४२, ३६०
,, ,, ती. ८६, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२
सेतराम दू २६८

सेतरांम वरदायीसेनोत ती. १८०, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७, १९८, २०१, २०२, २०३, २०४
सेनजित ती. १७७
सेन राजा ती. १८५
सेरखांन रतनसी रो प. ३५६
सेरमर्दन राजा ती. १८७
सेरसाह पठांण पातसाह ती. १९२
सेरसिंघ ती. २२६, २२८, २२९
सेवो सांखलो दू. २६१
सेहराव देदा रो प. ११९
सैंहसो चांनणदास रो प. ३१४
सैंहसो प्रथीराज रो प. २९०
सैंसमल रावळ प. ३९
सोढ उसै राजा रो प. २९३
सोढ देव प. २९०
सोढल राजा प. २९५
सोढो छाहड़ रो प. ३६३
सोढो वाहड़ रो प. ३३७, ३३८, ३५५
सोनग सीहोजी रो ती. २९
सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५
,, ,, ,, ती. ३०
सोभ हरभम रो प. ३५३
सोभो रांमा रो प. ३५७
सोभो रावत प. १९६
सोभो राव लाखा रो प. १५८
सोभो रिणमल रो प. १३५, १३६
सोभो हीमाळा रो प. २४४, २४५
सोभ्रम प. १६९, २३०, २३१
सोम प. ११९, १६९, १९३
,, ती. १८४
सोम केहर रो भाई दू. ११६
सोमचंद व्यास प. २२५
सोम चहुवांण दू.
सोम चूंडावत प. ३४१, ३४३
सोमदत्त प. ३
सोम भाटी दू. ७५, ७६, ७७
सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१
सोमसी दू. ३
सोमेस प. २८९
सोमेसर जसहड़ रो प. ३५५, ३६३
सोमो प. ३४३
सोमो राकसियो दू. ३१२
सोहड़ प. ११९
सोहड़ सालू सूरावत ती. ३०
सोहित प. १००, १०१
सोही प. ११९, १३५, १८६, २३०, २४७, २५०
सौंहर जाट ती. १५
स्यांम प. २७, १२५, १२६
स्यांम कूंभावत दू. १७९
स्यांम जगावत दू. २६३
स्यांमदत्त ती. २२५
स्यांमदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८
,, द. ९२, ९३, १८८, १९०, १९७, १९८, २६४, २६८
,, ती. २२५
स्यांमदास भगवांनदासोत दू. १५२
स्यांमदास रावळ प. ७९
स्यांमदास वीठळदासोत प. ३०९
स्यांमदास सीसोदियो प. १४८
स्यांम देदा रो दू. २६३
स्यांमरांम प. ३२३
स्यांमरांम अखैराज रो प. ३०२
स्यांमसिंघ प. २३, १९७, ३०६, ३०८, ३१६, ३२२
स्यांमसिंघ दू. ९३, १७०
,, ती. २३२
स्यांमसिंघ जसवंत रो प. २०९
स्यांमसिंघ पता रो प. ३३०
स्यांमसिंघ परसोतम रो प. ३२३
स्यांमसिंघ मनोहरदास रो प. ३४२
स्यांमसिंघ मांनसिंघोत प. २९१, २९९

स्यामसिंघ मानसिंघोत दू. १६३
स्यामसिंघ राजा रो प ३०८
स्यामसिंघ राव प २८१
स्वतनस प ३३६

ह

हदापळ दे हदाळ।
हदाळ प ३००
हसन घसु प ७८
हसपाळ पड़िहार प ३३३, ३३४
हसपाळ मेहृदा रो प ३४०
हस राजा परमार तौ १७६
हस रावळ प ५, १२, ७६
हसो सीहड रो प. ३४०
हईहय प ७८
हठीसिंघ तौ २२६, २२७
हठीसिंघ राव तौ २४६
हणुमांन प २६०
हणूतसिंघ तौ २३१
हणू राजा, प २६३, २६४, २६६
हणू राजा, काकिल रो प ३३२
हदनेत्र प ७८
हदो दू १७८
हदो गागा रो प ३४६
हदो मालारो प ३४१
हनु प ७८
हबीबखान प ३०७
हबीब पठाण दू २५४
हमाऊ पातसाह प २०, ३००
,, ,, दू ८०
,, ,, तौ १६, १८३, १६२
हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६
,, दू ३, ८०, २१५, २१७, २१८
हमीर अवतारदे रो प. ३६०
हमीर आसावत दू १७६
हमीर एको दू १३१, १३२
हमीर करमा रो प. १६५
हमीर कुनल रो प २६५, २६६, ३३०
हमीर खगारोत प ३०५
हमीर खींवावत प ३४१, ३४३
हमीर गोयदरो तौ ११४
हमीर गोहिल प ३३५
हमीर चिरा रो प ३५६
हमीर दहियो प ११७, १२५
,, ,, तौ २६७, २६८, २६६, २७०, २७१, २७२
हमीरदे चहुवाण प. २२०
,, ,, दू ५८
,, ,, तौ. १८४
हमीर देवराजोत दू ५३, १४४, १४५
हमीर बीजो दू २०६
हमीर भीम रो प ३३५
हमीर, रतनसी राणा रो दू ३६
हमीर राणो प ६, १४, १५
हमीर राव तौ २८
हमीर रावत, परमार तौ १७६
हमीर लाखारो प १३६, १६१
हमीर वडो दू २०६, २१३
हमीर वणवीरोत प ३५८
हमीर वीकावत प २३७
हमीर सांकरोत दू १८०
हमीर सोढो प ३३८
हमीर हरा रो दू १२१, १२६
हयनर राजा तौ १८६
हर प. ९१
हरकरण प ३१६
हर करमसीग्रोत प ३५१
हरख सर्मा प ६
हरचद दे० हरिश्चद्र
हरचद रायमलोत दू १४५
हरजस प २८७, २६२
हरणनाभ प २८८
हरदत्त राणो, मोहिल तौ १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१
,, दू. ७७, ७९, १०७, १२३, १९२, १९६, २६३
हरदास अजा रो दू. ८०
हरदास ऊहड़, मोकळोत ती. ८५, ८७, ८८, ८९, ९०, ९२
हरदास कांनावत दू. १६५
हरदास डूंगरसीओत दू. १७८
हरदास पतावत दू. १९७
हरदास भगवंतदासोत प. २९१
हरदास भाटी दू. १७६
हरदास महेसोत प. २३७, ३४१
हरदास लूणकरणोत दू. ९०
हरदेव प. ३२२
हरधवळ प. १२२
,, दू. २२०, २३९
हरनांम प. २९२
हरनाथ प. ३०८, ३२०, ३२२
,, दू. ९०, ९६, ११९
,, ती. ३७
हरनाथसिंघ ती. २३२
हरनाथसिंघ तोडरमलोत प. ३२२
हरपाळ प. २९०
हरपाळ रांणो दू. २६५
हरभम दू. १५३
हरभम केल्हणरो दू. ११६, १४३
हरभम राव दू. ११६
हरभम सांखलो मेहराज रो प. ३५०, ३५१
हरभांण प. ३२२, ३२४
हरभीम राजा ती. १८९
हरभू पीर प. ३४८
हरभौ मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३, १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो मेहराज रो)
हररांम प. २७, ३०६, ३०८, ३१२, ३२०, ३२७
,, दू. १२२, १५१, १८७
हररांम जसवंत रो प. ३१७
हररांम रायसल रो प. ३२४
हररांमसिंघ ती. २२५
हरराज प. २२, ९९, १००, १६३, १६४, २८१
,, दू. १७८
,, ती. २२०
हरराज करमसी रो दू. १९०
हरराज जैतसी रो प. ३१५
हरराज ठाकुरसी रो प. ३६०
हरराज देवड़ो प. १४५
हरराज नरवद रो प. १०९
हरराज नारण रो प. ३५८
हरराज मालदेवोत, रावळ दू. ९२, ९७, १०२
हरराज रावळ दू. ११, ९२, ९७, ९८, ९९, १०२
,, ,, ती. ३१, ३५
हरराज समरसी रो प. १०१
हरराज सोळंकी, दुरजणसाल रो प. २८१
हर सर्मा प. ९
हरसिंघदे प. १२९
हरसिंघ राव (पूगळ) ती. ३६
हरसूर रांणो प. १५
हर हारीत प. ११
हरिअश्व ती. १७७
हरि कांन्हा रो प. ३५२
हरिचंद (हरीचंद, हरिस्चंद्र) दे० हरिश्चन्द्र राजा।
हरिजस प. ३१६
हरित प. २८८
हरिताश्व दे० हरिअश्व, हरियश
हरिदास प. १६६, २३३, ३२९
हरिदास अमरा रो प. ३५९
हरिदास फरसरांम रो प. ३१६
हरिदास बीठळदास रो प. ३०८

हरिदास सिखरावत प. २३३
हरियश ती. १७७
हरियो थोरी ती. ६२, ६३, ६७, ६८, ६९, ७०, ७५
हरिवंश राजा ती. १७६, १८७
हरिश्चंद्र राजा प. ४२, ४७, १९०, २८७, २९२, २९३
" " ती. १७८
हरिसिंघ प. २११, ३१५, ३२०, ३२५
" दू. ९५, ९६, ११९, १२४
हरिसिंघ अमरसिंघोत दू. १०९
हरिसिंघ किसनसिंघोत दू. १७५
हरिसिंघ गिरधर रो प. ३२२
हरिसिंघ चांदावत ती. २४९
हरिसिंघ नारणदासोत दू. ९२
हरिसिंघ परसोतम रो प. ३२३
हरिसिंघ भीमसिंघोत दू १०७
हरिसिंघ रतनसीओत दू. १८३
हरिसिंघ राजा ती. १९०
हरिसिंघ राव प. ३०६
हरिसिंघ सकतसिंघोत दू. १०६
हरिसेन राजा ती. १८९
हरिहर प. ७८
हरीदास प. १६१
" दू. १०५
हरीदास कलावत दू १६१
हरीदास गोपाळदासोत दू. १९८
हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
हरीदास दलावत दू ३०४
हरीदास पता रो प. १६०
हरीदास पेरजखांन रो प. १२४
हरीदास भगवानोत दू १९१
हरीदास भाणोत दू. १९४
हरीदास माधोदासोत दू. १७२
हरीदास मोहण रो प. ३५७
हरीदास रतनसी रो प. ३५६
हरीदास रामचदोत दू. १८३
हरीदास रायमलोत दू. १७५
हरीदास वाघोत दू. १७६
हरीदास सुरतांणोत दू १६०
हरीदास सोढो प. ३६२
हरी नाथा रो दू. ७५
हरीपाळ राजा ती. १८८
हरी भाखरसी रो दू. १९७
हरी रांणो दू २६५
हरीराम प २५
हरीरांम रायमलोत ती. २१७
हरीसिंघ प २४, ३०२
" ती. २२१, २३६
हरीसिंघ जसवतसिंघोत ती. २१७
हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७
हरीसिंघ रावत प. ९४, ९६, ९७
हरीसिंघ वीरमदे रो प २०८
हरो दू १५, ८१
हरो राठोड दू. ५८
हरो सेला रो दू १२०, १२१, १२४, १२६, १२७, १३७, १४१
हर्षमादित्य प १०
हर्जनकार सर्मा प ९
हर्जनर सर्मा प ९
हर्यश्व ती १७८
हांमो प. १०१
हांमो काठीलो दू. २४०
हांमो रतनावत प. १६५
हांस रावळ प. ७९
हांसू ती. २२१
हांसू पडोहियो दू ३१७
हाजीखांन प ६०, ६१, ६२
हाजो प. २४७
हाजो काठी दू. २२०, २३९
हाडो प १०१
हाथी प. २९, १०१

हाथी अभा रो दू. १४१
हाथी ईसरदास रो दू. १३०
हाथी भाटी दू. ६६, ११६
हाथी वाळा रो प. १२१
हाथी सुरतांण रो दू. २६३
हापो प. ११६, २३१
हापो रावत परमार ती. १७६
हापो रावळ दू. ८४
हारस चारण दू. २३७
हारीत ऋखीश्वर प. ३
हारीत ऋषि दे. हारीत रिख।
हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
हालो हमीर रो दू. २०६, २१५, २१६
हावसिद्ध प. ७८
हिंगोळो आहाड़ो प. १११
हिंदाल प. ३००
हिंदुसिंघ प. ३०६
हिंदुसिंघ माधा रो प. ३२१
हिमतसिंघ प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६
हिमतसिंघ कछवाहो ती. ३१
हिमतसिंघ परसोतम रो प. ३२३
हिमतसिंघ मांनसिंघोत प. २६१, २६६
हिरण्यनाभ प. २८८
हिरण्यनाभ ती. १७६
हिरदैनारायण प. ३०४, ३१०
हिरदैरांम प. ३०८, ३२४
हिरदैरांम अखैराज रो प. ३०२
हिरन प. ७८
हींगोळ प. १७२, २३५
हींगोळदास दू. ८१, १०४
हींगोळदास सुरतांणोत दू. १७२
हींगोळो पीपाड़ो ती. १२०
हीमतसिंघ ती. २२४, २२६, २३०, २३३
हीमतो दू. ६५
हीमाळो, राव वरजांग रो प. २३२, २४४
हीरसिंघ ती. २३६
हुमायु बादशाह दे० हमाऊ पातसाह।
हुमायूं पातसाह प. १६ (दे० हमाऊ पातसाह)
हुरड़ वनो दू. २०
हुसंग गोरी पातसाह ती. २४३, २४७
हूंन राजा प. २५५
हूंफो सांदू दू. ६२
हृदैनारायण ती. २३६
हृदै सर्मा प. ६
हेड़ाऊ दू. २१६
हेमराज दू. १२३, १६६
हेमराज खींदावत प. १६६
हेमराज पड़िहार दू. १४०, १४२
हेमवर्ण सर्मा प. ६
हेमादित्य प. १०
हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७, २८८, २८६, २६०, २६१, २६२, २६३, २६५, २६६, २६७, २६८
हैहय प. ७८
होरसराउ प. १२६

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली मे पुल्लिग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी सस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिंग-रूप विलक्षण व्यजना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहां दिये जारहे हैं।]

आंणी – कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामो के अन्त मे लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—खाबडियाणी, जोईयांणी इत्यादि। पुरुष नामो के अत मे यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ मे बदल जाता है। जैसे लाखो फूलाणी।

ओळगण, ओळगाणी – १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश मे और उत्तर गुजरात मे महतरानी को 'ओळगाणी' और महतर को 'ओळगाणो' कहते है।

कवराणी – कुवरानी।

कवर, कुवर – कुवरि, कुवरी। जैसे—आसकवरबाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास – १. राजा की दासी २. रखेल ३. सेविका।

खवास-विणियांणी – बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा – १. राजा की एक विशेष दासी. २. एक रखेल।

खीचण – खीची-क्षत्री वश मे उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (–जी) – चौहान क्षत्री कुल मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम तथा सबोधन।

चारण – चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची – कतिपय नगर या प्रदेश नामो के अत मे लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति। जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (–जी) – चूडा के वश मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम और सबोधन।

छोकरी – दासी।

जोगण, जोगणी – १. योगिनी. २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकराणी – ठाकुरानी।

ढूंमणी – ढाढिन, गायिका।

दे – देवी का सक्षिप्त रूप। जैसे—अतरगदे, उछरगदे इत्यादि मे। पुरुष नामो के अत मे यह 'देव' शब्द के सक्षिप्त रूप मे भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हडदे, गोगादे इत्यादि मे।

नाचण – नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (–जी) – पंवार (परमार) क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या संबोधन ।

पासवांन – राजा की एक पर्दायत दासी ।

पूतळ छोकरी (–छोरी) – दासी ।

बा – १. माता. २. राजरानी. ३. राजमाता ।

बाई – १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इंद्रावतीबाई, रांमीबाई इत्यादि । २. पुत्री. ३. बहिन. ४. बच्ची, कन्या ।

बैर – १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (–बा) – फूफी ।

माजी – १. राजमाता. २. माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (–जी) – राठौड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय संबोधन और उपनाम । राठोड़णजी, राठोड़ांणीजी, राठोड़णीजी (राठौड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय – १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमांनराय पातर, गुलाबराय खवास इत्यादि । पुरुष नामों के अंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुंडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण – १. वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास को वजीर भी कहते हैं ।

वडारण – ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती – १. शक्ति, देवी. २. देव्यांशी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री. ४. भोपी ।

सहेली – १. साथिन. २. दासी ।

सेखावत (–जी) – १. शेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा संबोधन ।

स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

अतरगदे तुवर तो २०६
अतरगदेजो पवार तो २०६
अखेकुवर देरावरी तो २११
अजबदे धनराजोत भटियांणो तो २१०
अजादे दहियांणो प ३४४
अजंदे दहियाणी प २५२
अजंमाळा पातर तो २१०
अतभागदे रांणी (अजबरजी) तो ३२
अनारकळी पातर तो २०६
अभेकुवरजी तो २११
अमोलकदे भटियांणो तो २१०

आ

आचानण तो २८१, २८२, २८३ २८४, २८५
आछी शाहजादी तो १६१
आसकवर बाई, (राजा भार्वासंघ री रांणी) प २६६
आसकवर बाई (राजा मानसिंघ री राणी) प २६७
आसारण प. ६३

इ

इद्रकुवर (कस्तूरदे राणी) तो. ३२
इद्रावती बाई (आसकरण री राणी) प ३०३

ई

ईंदो तो १०७ १०८
ईडरची दू ८७
ईहडदे तो २५८

उ

उघरगदे ईंदो तो २६
उदंकुवर चहुवांण तो २१५
उमादेवी भटियांणी तो २१५
उमवकुवर तुवर, राणी तो. २११, २१२

ऊ

ऊघळ (कांनडदे री बेटी) दू ४१
ऊमादे (कांनडदे री रांणी) प २२५

ओ

ओळगाणी दू ३३६
,, मी. २५८

क

ककाळी प ३३६
कवळदे रांणी प २२५
कवळावतीबाई, (गोरधन री पत्नी) प. ३०३
कवळावती, (बीवा री बेंर) प १२४
कनकावतीबाई, राणी प २६७
कनकावती (राव भोज री पत्नी) प १११
कपूरकळो खालसा तो. २०६, २१२
कमोदकळा खवास तो २११
कमोदो खवास तो २०६
करणा री मा प १६२
करमा खवास प ३१२
करमती बाई (मेहराज री पत्नी) दू १७८
करमेती हाडी राणी प २०, ४६, ५०, ६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४, १०८, १०६
करमेती हाडी रांणी दू २६२
,, , ,, तो. ५५

कल्यांणदे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. ३०१
कल्यांणदे देवड़ी ती. २६
कसतूरदे रांणी (इंद्रकुंवर) ती. ३२
कसमीरदे रांणी ती. ३१
कांमरेखा पातर ती. २१०
कांमसेना पातर ती. २१०
किसनबाई प. १६७
किसनराय ती. २११
किसनाई खवास ती. २११
किसनावती बाई प. ३१२
कुंजकळी पातर ती. २११
कुमरदे दू. २८०
कूंभारी दू. २६६
केर वा दू. २१६
केसर इंदी ती. ३१
केसरदे कछवाही ती. २१४
केसरदे नरूकी प. ३१५
कोटेची ती. २५०, २५१, २५२
कोढमदे धीकूंपुरी ती. २११

ख

खवास (गोकळदास री मा) प. ३१६
खातण (मेरा री मा) प. १५, १६
खावड़ियांणी प. ३४७
खेतूबाई (राव सूजा री बेटी) प. १०२
खेतू राठोड़, माजी प. १०७

ग

गंगाजी रांणी (सोभागदे) ती. ३१
गरुड़राय पातर ती. २११
गवरां ती. २११
गांगे री मा ती. ८०
गायड़देवी सीसोदणी ती. २१४
गाहिड़दे रांणी ती. ३२
गींदोली दू. २८७
गुणकळी पातर ती. २१०
गुणजोत बडारण ती. २१२
गुणजोत सहेली ती. २०६
गुणमाळा खवास ती. २११
गुमांनराय पातर ती. २११
गुमांनी पातर ती. २१२
गुलाबराय खवास ती. २०६
गुलाबराय पासवांन ती. २१३
गुलाबां पातर ती. २११
गोकळदासरी मा, खवास प. ३१६
गोड़ रांणी प. २६८
गोपाळदे सींधळ प. २५७
गोरज्या गोहिलांणी ती. ३०
गोरां पातर ती. २११

च

चंद्रकुंवर, रांणी (जोधपुर) दू. ११०
चंद्रकुंवर, रांणी (बीकानेर) ती. ३२
चंपाकळी ती. २११
चंपावती पातर ती. २११
चतुरसिंघरी मा मैणी प. ३१२
चहुआंणजी ती. ६३
चहुवांण / चहुवांणी ती. ३
चांदजी प. १३३
चांदण ती. ३०
चांद वा सोढी दू. २०६
चांद वीवी ती. २७२
चांपा बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७
चांपादे, (राठोड़ पृथ्वीराज री पत्नी) ती. २०६
चावड़ी रांणी दू. २७४, २७५, २७६
चावोड़ी (मूळराज री मा) प. २६४, २६५
चैनसुखराय खालसा ती. २११
चोवरण ती. १४, १५
चौहान रांणी ती. ३

ज

जसमादे, (महाराजा रायसिंह की रानी) ती. २०७
जसमादे हाडी (राव जोधा री रांणी) प. १०१
जसमादे हाडी (राव जोधा री रांणी) ती. ३१
जसमादे हाडी ती. २१६
जसवंतदे रांणी ती. ३१
जसहरबाई मांगळियांणी दू. ३०४, ३०६
जसोदा (जैसा भैरवदास री बेटी) प १११
जसोदाबाई (मोटा राजा री बेटी) प. ३००
जसोदा (भाटी भानीदास री बेटी) दू. १३२
जाणदे राणी ती ३०
जाणादे हुलणी ती. ३१
जाटणी (बाबूराम री मा) प. ३२४
जाड़ेची (राखाइच री मा) प. २६५, २६६
जीऊ पातर ती. २१०
जीवी, जीवू ती २१०
जेळू प. १२४
जेसळमेरी राणी, रतन कवरजी ती २०६
जैतळदे, कांनड़दे री राणी प. २२५
जैमाळा पातर ती. २०६, २१०
जोईयांणी, (सलखेजी री राणी) ती. ३०

झ

झाली कवराणी, (कु० जोगे री बहू) ती. १६५

ड

डगली खवास ती. २०६
डाहो डूमणी दू. २३०, २३१
डाहो धाय दू. १८
डोकरी ती. १०१, १२६
डोड गेहली ती. ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

त

तनतरंग पातर ती. २११
ताज बीबी ती. २७५
तारादे रांणी, चहुवाण (तोड़ै री अतेवर) ती. ३०,
तारादे, (राव सुरताण री बेटी। प्रथीराज-उदणै री अतेवर) प. १७, २८१
तारादे (हरिचंद री राणी) प. २६३
तुवरजी अंतरंगदे ती. २०६
तुरकणी ती. २७८

द

दमयंतीबाई प. ३१२
दमैतीबाई (मोटा राजा री बेटी) प ३१२
दुरगावती बाई (राजा भगवानदास री राणी) प. २६७
दूडी माचण प. ६६
देवड़ी (चापा सींधळ री बैर) प. १६३
देवी सोनगरी प. १५
द्रोपदा चहवाण ती २६
द्रोपदा तुंवर ती. २१०

ध

धण (जाड़ेचा फूल री राणी) दू २२८, २२६, २३०
धनाई राठोड़ (राणा सांगा री रांणी) प. १६, २०, १०२
धायजी ती ६६
धारू पातर ती. २१६
धारू री मा प. २५४
धीरबाई प. २२

न

नवरंगदे साखली, राणी ती. ३१, १६५
नाई री बैर प ३२१
नागही चारण दू. २०२, २०३, २०४
नारगी पातर ती. २०६
नैणजषा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।
नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पंगळी बेटी प. ३४०
पंवार रांणी प. १०७, १०८
पत्ती, (जैतमाल री बेटी) प. २४६
पदमणी प. १३, १४
,, दू. ४२, २०२, २०३, २०४, २९६
पदमणी ती. २५८
पदमां देवड़ी (मालदेवजी री मा) ती. २१५
पदमां विणियांणी; खवास प. ७३
पदमां (भांनीदास री मा) दू. ९२
पदमावती पातर ती. २१०
पदमावती रांणी दे. परमावती रांणी ।
पदमावती रांणी, (रांणा सांगा री कन्या) ती. २१५
परमावती रांणी ती. १८६
पांगळी बेटी प. २५३, ३४०
पातसाह री सहेली दू. ७०
पारवती भटियांणी दू. ९६
पुण्यकुंवरि दे. पोहपकंवर माजी
पूतळ छोकरी प. २०
पूरांबाई महेवची दू. १५६, १५७
पेमांबाई ती. ५९
पेमावती पातर ती. २११
पोहपकंवर, (अजीतसिंघजी री माजी) ती, २१३
पोहपराय ओळगण ती. २१०
पोहपावती, (मोटा राजा री रांणी) दू. १२८
प्रतापदे सेखावत, रांणी ती. २११
प्रेमकळी ती. २११
प्रेमकुंवर भटियांणी, रांणी ती. २१०
प्रेमलदे दू. १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११
फत्तू सहेली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४
बाबूरांम री मा जाटणी प. ३२४
बालबाई बीकानेरी प. २९०
बाहड़मेरी प. १४३, १४८
बाहड़मेरी दू. ८६, ८८
बिरवड़ी, चारण-काछेली ती. ७६, ७७
बुधराय पातर ती. २१०
बूंट पदमणी (राजा मोखरा री बेटी) प. ३३३, ३३४

भ

भगतांदे रांणी ती. ३१
भटियांणी (जोधाजी री रांणी) ती. १५८
भटियांणी रांणी ती. ३१
भांणवती ती. २१०
भांणवदे ती. २१०
भांणीबाई (भांण जेसावत) दू. १११
भाटियांणी (रावळ केहर री बेटी) दू. ३२
भानुदेवी ती. २१०
भानुमती ती. २१०
भारमल आंधी प. ३४६
भारमली प. ३४६
भावळदे, (कांन्हड़दे री रांणी) प. २२५

म

मनरंगदे भटियांणी, रांणी ती. २१०
मनसुखदे बीकूंपुरी, रांणी ती. २११
मलकी बैहणीवाळ ती. १३, १४
महताब पातर ती. २१२
महेवची दू. ८४
मांगळियांणी, (ऊदै की बैर) प. ३४७
मांगळियांणी (वीरमजी की स्त्री) दू. ३०३, ३०४
मांणल देवाइत दू. १६
मांणवती पातर ती. २१०

मांणवदे सोढी, रांणी ती. २१०
मारवणी प. २९३
मालवणी प. २९३
मीरांबाई प. २१
मृदंगराय पातर ती. २११
मेघमाळा खवास ती. २११
मेलणदे रांणी, खीचण प. २९४
मैणी, चतुरसिंघ री मा प. ३१२
मोतीराय सहेली ती. २०९
मोहनी पातर दू. ८१
मोहिल कुवरानी दे० मोहिल रांणी।
मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४, ३२५, ३२८, ३२९
मोहिलांणी (धीवे री ठकरांणी) ती. १६६
मोहिलानी दे० मोहिल राणी।
म्रघावतीबाई (राजा जैसिंघ री रांणी) प. २९७

य

यशोदा (राजा रायसिंह की रानी) दू. १३२

र

रगनिरत पातर ती. २११
रगमाळा पातर ती. २१०
रगराय पातर प ६१
„ „ ती. २०९, २१०, २११
रंगादे भटियांणी ती. ३१
रभा दू. ३७
रभावती (मोटा राजा री बेटी) दू. ९३
रतनकवर जेसळमेरी ती. २०९
रतनकुवर रांणी ती ३२
रतनादे (किसनदास री बेटी) दू ९०
रतनांदे भटियांणी, राणी ती २९
रतनावत राणी ती. ३१०
रतनावती (पोहपसेन री पत्नी) प. १२४
रवाय दू. १९, २०, २३, २५
राणादे, जसहड़-भटियांणी ती. ३०
रांणीबाई (राव मालदे री रांणी) दू. ९१
रामकंवर (कला री बेटी) दू. ९८
रायकंवर भटियांणी, रांणी ती. २०९
रामजोत खालसा ती. २१२
रांमीबाई ती. १३३, १३४
रांमोती खवास ती. २११
राईकवरबाई (राजसिंघ री रांणी) प. ३०३
राजकवर, मोटा राजा री बेटी प. २६
राजबाई दू. ७२, ८५
राजबाई भटियांणी प. २६
राजां पातर ती. २१२
राठवड़ दे० राठोड़ सती।
राठोड़ (राठोडजी) ती. ६३
राठोड सती दू ३२४, ३२५
रायकवरबाई (सबळसिंघ री बैर) प. २९८
राही ब्राह्मणी ती. २१२
राह सहेली ती. २१२
रुखमावती बाई, राजा महासिंघ री रांणा प. २९७
रूठी रांणी दे० उमादेवी भटियांणी
रूपकळी खालसा ती २०९, २११
रूपमजरी पातर ती. २१०
रूपरेखा सहेली ती. २०९, २१०
रूपांदे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मीदेवी ती २१५
लखा मांगळियांणी राणी, दू ६१
लजसी (तेजसी री बैर) प. १८३
लवगकवरजी ती. २१०
लाग सगती ती २२२
लाछ सगती ती २२२
लाछां ई दी ती. ३०
लाछां देवडी दू ७५, ७६, ७७, ७८
लाडां भटियांणी, रांणी ती. ३०
लालांदे ती. २०६

लालां देवड़ी, रांणी ती. ३१
लालां मांगळियांणी, रांणी ती. ३०
लिखमांदे भटियांणी ती. २१५
लिखमी ती. १०४, १०५
लिखमी रांणी प. ३६१
" " दू. १५३
लीलादे मेहवची दू. ७५, ७८
लूंगकंवर, रांणी ती. २१०

व

वडकंवार बेटी दू. २२७, २२८
वडकुंवार ती. २५०
वनां पातर ती. २११
वहूजी ती. ८०
वाघेली ती. ६३, ६६
वारू पातर प. २१६
विजनां ती. २१२
विजी पातर ती. २१२
विजैकुंवर दू. ११०
विनैकुंवर दू. ११०
विमळादे रांणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५, २८५
वीरां हुलणी, रांणी ती. ३०
वेणीवाई दू. १५१
व्रजवर (रांणी अतभागदे) ती. ३२

श

शेखावतजी ती. ६३
शेखावत रानी प. ३२३

स

सकांमी सहेली ती. २१२
सजन भटियांणी दू. ६०, ६८
सजनांबाई दू. ६८
सजनां (राव मालदेव री बेटी) दू. ६२
सतभामाबाई दू. २५६
सदां खवास ती. २११
सदांमी ती. २१२
सदाकंवर ती. २७०, २७१
सरकसळी ती. २०६
सरसकळी पातर ती. २०६
सरूपदे (कछवाही) ती. ३१
सरूपदे गोहिलांणी, रांणी ती. ३०
सरूपदे झाली ती. २१४
सरूपदे रांणी दू. २६४
सरूपां पातर ती. २११
सांखली, सांवळदास री वैर दू. १८१
सांखली ती. १४५
सांखली, आना री वहू प. २५४
सांखली, सुरतांण री वैर प. २८२
साहमती कछवाही ती. २१४
साहिबदे तुंवर, रांणी ती. २११
साहिबदे (दलपत री मा) दू. १३४
सिणगारदे जेसळमेरी, रांणी ती. २१०
सींधळ, खीची वाघ री मा प. २५६, २५७
सींधलियांणी प. २५६
सीताई प. २२१
सीतावाई बाहड़मेरी दू. ८६, ८८,
सीसोदणी ती. ८०, ८३, ८६
सीसोदणी (राव मंडळीक री वैर) दू. २०३
सीहा री डोकरी ती. १२७
सुंदर भुवा (गैचंद री भुवा) प. ३३८
सुखविलास पातर ती. २११
सुगणांदे सोढी, रांणी ती. २११
सुघड़राय खवास ती. २०६
सुजांणदे (राजा सूरसिंघ री रांणी) दू. ११६
सुपियारदे ती. ३८, १४१, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
सुभविलास ती. २११
सुरतांणदे देरावरी, रांणी ती. २११
सुवळी सीसोदणी ती. २३
सुहवदे जोईयांणी प. २५१, २५२
सुहागण रांणी प. १३
सूरजदे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे सांखली ती. ३०
सेखावत प. ३२३
सेखावत मोहल दू ११०
सेंणी चारणी देवी प २०४
सोढी दू ५८, ५९
सोढ (कूमा री बैर) दू २९७
सोढी, पाबूजी री ठकराणी ती. ७२, ७६, ७९
सोढी रांणी दू. ६०
सोढी (रावळ सलखसेन री रांणी) दू ४०
सोढी (लाखा री बैर) दू २३२ २३३, २३४, २३५
सोनगरी प. २०६
सोनगरी ती ७, ८
सोनगरी (कांन्हडदे सोनगरा री बेटी) दू ४०, ४१, ४२
सोनांबाई ती ५८, ५९, ६३, ६९
सोना (मोहिल ईसरदास री बेटी) ती ३१
सोभागदे चावडी (सीहोजी री अतेवर) ती २९
सोभागदे भटियांणी, रांणी (गगाजी) ती ३१
सोभागदे (दुरजणसाल री राणी) प. ३२५
सोळकणी (अर्द री बैर) ती २५८, २५९, २६१
सोळंकणी (जगमालजी री बैर) दू २८७, २८८
सोळकणी (सांवतसिंघ सोनगरा री बैर) ती २९१, २९२
सोळकणी (सीहोजी री अतेवर) ती २९
सोहड़ रजपूताणी दू १४२
सोहड़ां भटियाणी, रांणी दू. ११९
स्वाळख री जाटणी प ३२४

ह

हसबाई, (रांणा लाखा री रांणी) प १५, १६
हसबाई (राव लूणकरण री पत्नी) प. ३१९
हसावळी रांणी प. १२३
हरखरेखा ती २०९
हरखां (मोटा राजा री राणी) दू १३२
हरजोतराय बडारण ती २११
हरमाळा सहेली ती २०९
हररेखा ती २०९
हसती (हसणी, हसणी) खालसा ती २११
हासांजी गहलोत, रांणी ती २०९
हाडी करमेती प. ५०
हाडी, कला जगमालोत री बेटी प ५०
हाडीजी रांणी ती १३५
हाडी ठाकरांणी प ७५
हुरड दू १९, २०, २४, २५

[३] अश्वादि पशु नाम

अमोलक घोड़ो दू. २०३

अरवी घोड़ो प. ६६

उचासरो घोड़ो (उच्चैश्रवा) दू. २०३

उजाळो-पछेरो प. २४६

एकलगिड़-बाराह प. १७०

एकलवाड़चर प. १७०

एकल-सूकर प. १७०

ऐराकी घोड़ो प. ६६, १०४

,, ,, दू. ७०

,, ,, ती. ४४, ११६

कच्छी घोड़ी दू. २५७, २५६

करहो-झीणो दू. २३३

काछण-घोड़ी ती. २५७, २५६

काछी खांनाजाद (घोड़ी) ती. २५६

काछी घोड़ो दू. २६४

काळवीं घोड़ी ती. ६४

कोड़ीधज घोड़ो प. २७२, २७३, २७४, २७५

,, ती. ११०, १११

खांनाजाद काछी दे० काछी खांनाजाद।

खासो ऊंट ती. १०६

छुरीकार घोड़ो ती. ६६

जूह बाकरो ती. २६०

जेठी-घोड़ो दू. ३१४, ३१५, ३३५

झाभो-घोड़ो प. २०६

झीणो करहो दे० करहो झीणो।

तेजल-घोड़ो ती. ६४

दरियाई घोड़ो ती. २८०, २८१

दरिया-जोइस हाथी ती. ६१

नीली घोड़ी प. २६३

नीलो (घोड़ो) ती. ११०

पट-हसती दू. ४८

पट्टाभरण दू. ५०

पड़ोहियो घोड़ो दू. ३१८

पांणीपंथो-घोड़ो दू. ५५

पाटहड़ो-महुवो (घोड़ो) प. २७१, २७२

बचियां रो घोड़ो प. २८१

बांडो ऊंठ ती. ७१, ७२

बोर घोड़ी ती. २८१, २८३, २८४

भुंवर घोड़ो ती. १५

मृग घोड़ो (त्रग घोडो) ती. २६६, २७१

मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६

मोर घोड़ो प. ३४६

,, ,, दू. ३२५, ३२७

लांप घोड़ी प. ३५०

लाछ घोड़ी दू. २०३

लाल लसकर घोड़ो प. १०४, १०५, १०६

लिखमी घोड़ी दू. २०३

षडी घोड़ी प. २६३

वेल भैंस दू. १३

साहुलो भैंसो प. २१८

सुपेद हाथी दू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अंजार दू. २५५
अंतरगढो दे० आंतरगढो।
अंतरवेद प. ३३२
अंबली रो टूक प. ९६
अंबाव प. ४६
अकेलो प. १७६
अखासर दू. १११
अचलगढ प. १७७
अजमेर प. २४, ३७, ३८, ५२, १८६, १९८, २५२, २८०, २९९, ३०३, ३६२
" दू. १०२, १५१, १५५, १६२, १६३, १६७, १७१, १७४, १८०, १८८, १८९, १९३
" तो. ९५, ९६, ९७, १७४, १८४, २१५
अजमेरगढ तो. १७४
अजमेरपुर प. १८६
अजीतपुर दे० अजीतपुरो।
अजीतपुरो तो. २२३
अजैपुर तो. २१९
अजोध्या प. २९२
अटक प. ३००, ३१४
" दू. १६८
अटवड़ो दू. १४५
अटरोह प. ११६
अटाळ चारणां री प. १७६
अटाळ-भाटां री प. १७६
अटाळी प. १८, २८२
अणखलो (सिवाने का गढ) प.
अणदोर प. १६२, १७७
अणधार प. १७६
अणवांणो दू. १५७
अणहलनगर प. २६१
अणहलनयर दे० अणहलपुर-पाटण।
अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०, २६१, २७१
" दू. २६६
" तो. २९, ४९, ५०, ५१, ५२, १७३
अणहलवाड़ो दे० अणहलपुर पाटण।
अणहलवाड़ो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण।
अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण।
अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण।
अभैपुर तो २१८
अमोहर दू १०
अमणेर प. ३४०
अमरकोट दे० ऊमरकोट।
अमरपुर प. ३१९
अमरसर प. २८७, ३१८, ३१९, ३३२
अमरा अहीर री छांणी प. ३१८, ३१९
अरजणियारो दू. ४
अरजणो दू० ३९
अरजियाणो प. १९५, ३३५
अरटवाड़ो प. १६२, १७७
अरटिमो दू. १९३
अरणो प. ५२
अरणोद प. १२८
अरबद्द प. १८७, १८८, १८९
अरोड़ दू. २८
अर्बुद प. १८७

अवाहनो प. १२८
अवाह डू. १४२
अवेळ प. १७७
अहनला दे० एहनळा ।
अहमंदावाद दे० अहमदावाद ।
अहमदनगर प. ३२६
,, डू. १८४
,, ती. २७२
अहमदपुरो डू. २४१
अहमदावाद प. ३७, ६७, २०८, २६२
,, डू. २०२, २०३, २०७, २०८, २५३, २६०, २६१
,, ती. ५३, ५६
अहवा डू. १२
अहाड़ प. ३३
अहिचावो प. १७६
अहिचावो-खुरद प. १८०
अहिलांणी डू. १५३
अहुर प. २४०

आ

आंतरगढो डू. १२, १४२
आंतरवो प. ११०
आंतरी प. ४२
,, ती. २३६, २४०, २४१, २४२, २४३, २४५, २४६, २४७, २४८
आंनापुर प. १७६
आंनावास डू. १६७
आंनो प. २८५
आंबयळो प. १७४
आंवरी प. ३२
आंवलो डू. १७६
आंवार डू. १८५
आंवाव प. ४६, १५६
आंवेर दे० आमेर ।
आंवेरी प. ४४
आंवेलो प. १७७
आंवो डू. ८४
आंमरण डू. २४०
आउआ प. १७८
,, डू. ८६
,, ती. २१५
आउर नयर प. ५
आउवो दे० आउआ ।
आऊठ कोड़-वंभणवाड़ डू. २३६
आऊठ कोड़ सांमई डू. २३८
आऊठ लाख सांमई डू. २३७
आकड़सावो प. २८२, २८३
आकड़ावास डू. १८०
आकळ डू. ४
आकुवाई डू. ४
आकेली प. १७६
आकेवळो डू. १११
आकोलो प. ४७, ५६
आखूना प. १७६
आगरियो प. २८५
आगरो प. १८, ११२, ३३७
,, डू. १४७
,, ती. २८, १६२
आघाट दे० आहाड़ ।
आघाटपुर दे० आहाड़ ।
आचोणो डू. १७२
आजोर डू. २५४
आभारी प. १७६
आभारी-वांभणां री प. १७४
आठकोट प. २७१
आठांणो प. ६६
आणंदपुर प. ७
आधोसर प. ३४६
आपूरो प. १७७
आबू प. १३४, १३५, १४१, १४४, १५१, १७३, १७७, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, १८७, २५८, २७३, २७४, ३३६

,, दू ३४, ३८, ६८
,, तो १७४, १७५
आमव तो २४०, २४५
आमेर प २८७, २९०, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७ २९८, २९९, ३२९, ३३०, ३३१, ३५६
,, तो २७२
आरखो प १७६
आरम दू ६
आलमपुर-रो मैंडो प १२८
आलवाडो प १७५, २४८
आलासण प २४८
आळियो प १७७
आलोपो प १६२
आवठ कोड दे० आऊठ-कोड सामई।
आवड सावड प ३६
आवळ प १५८
आसणीकोट दू ४, ८, ९, १०, ३८ ११२, ११३
आसणीकोनोट दू ४
आसपुर प ३८
आसरानडो दू १९०
आसलकोट प २०२
आसलवासो तो ५३
आसलोई दू ४
आसावस प १८०
आसा-रो-नाडो दे० आसरानडो।
आसावाडो प १८०
आसेरगढ तो १७३
आसो दू ४
आसोप प २४०, दू १५५, १५६, १५७, १७०
आहप दू ४
आहाड प ९, ३२ ३३, ४३, ८०, ८१
,, तो १७३
आहाळो दू ४
आहुर प २४०
आहोर प ५, ७, ३९, ४२, २४०
आहोरगढ तो २१८

इ

इछापुर दू १७२
इद्रवडो दू १७८
इद्रांणो प २३६
इकुदरडा प १७८
इटावो (मेडता रो) दू १८९
इणगार प ३३१
इसलामपुर कोसीयळ प ५२
इसलामपुर मोही प ५२

ई

ईदावाटी दू ३०८
ईकड दू ४
ईडर प १, ३७, ३८, ३९, ४३, ४७, ५१ ८६ १४५, १४६, १५६, २४८, २८४
ईडर दू ५०, ८९, ९२, १७०, १७२, २५६, २७६
ईडरगढ प ३७
ईडवो दू १७९
,, तो ११५
ईसवाळ प ४१

उ

उटाळो प २७
उडवाडियो प १७५
उडवाडो प २४७
उगरावण प ९५, ९६
उगरास तो ११०
उजीण दे० उजण।
उजण प ३७ ९७, २०९, २११, ३४३, ३६०
, दू ९०, १५९, १६०, १६१, १६३, १६७, १८०, १८३, १९१

उज्जैन दे० उजेण।
उड़ प. १७४, १७६
उड़द्यो प. १२७, १२८, १२९
उतोसा प. १७७
उत्तर-गुजरात दू. २६६
,, तो. २९
उत्तर प्रदेश प. २१०
उदयपुर दे० उदैपुर।
उदरा प. १७३
उदळियावास दू. ३६
उदीवस दू. १७०, १७१
उदैपुर प. १, ५, ८, ११, १४, २१, २४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६, ३७, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६, ५७, ६१, ६३, ६४, ८६, ९१; ९४, ९६, १२७, १५४, ३२२
,, दू. ९५
,, तो. १७३
उदैही प. २८७, ३०२, ३०९, ३११, ३२०
उनावो प. ४, १५
उनो दू. ८
उपमणो प. १७७
उमर प. ३३६
उमरकोट दे० ऊमरकोट।
उमरणी प. १७८, २७२
उमरलाई दू. १८८
उरमाळकोट दू. २६२

ऊ

ऊंच-देरावर दू. १८
ऊंटाला दे० ऊंटाळो।
ऊंटाळाव प. ५६
ऊंटाळो प. ६६
ऊंटोळाव प. ३७
ऊंठाळा दे० ऊंटाळाव।
ऊदसर तो. २२६
ऊदारो प. २४०
ऊदावतां-री-देवळी तो. २३७
ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२
ऊमरकोट प. ३३६, ३३८, ३५५, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६३, ३६४
,, दू. ६, ११, ३१, ३२, ३८, ४०, ७८, ७९, ८२, ८३, ८४, २२१, २९२, २९३
,, तो. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०, १११, २५०

ऋ

ऋषिकेश (आबू, राजस्थान) प. १७८

ए

एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२, ३४, ३५, ४४
एलद्य प. १२७
एवा-रो-परगनो प. ११५
एहनळा प. २१०

ऐ

ऐवड़ी-भाटां-री प. १८०
ऐहमदाबाद दे० अहमदाबाद।
ऐहमदनगर दे० अहमदनगर।

ओ

ओईसां प. २३३
,, दू. ९६, ९७, १५९, १७०, १७१, १७४, १८८
ओगरास तो. १०८
ओनो-भीम-रो प. ३९
ओडवाड़ियो-चारणां-री प. १८०
ओडवाड़ो दू. ९१
ओडीट दू. ३२५
ओडीसो प. ८

ओड्ड प १७७
ओडो दू. ६
ओयसां दे० ओईसा।
ओरीसो प १७८
ओल प ४१
ओळषी दू १४६, १४९
ओळो दू ६, ६७
ओसियां प ३३७, ३३९
ओहलांणी इद्रवडो दू. १७८

क

कथकोट दे० कांथडकोट।
कथडकोट दे० कांथडकोट।
कधार प १८७, ३११
,, दू २, १०२
कवळपुर ती २१९
ककु ती २३३
कच्छ प ३६१, ३६४, ३६५
,, दू ३७, २०२, २०९, २१२, २१४, २१७, २३०, २३७, २४२, २४३, २५२, २६६
,, ती १७४
कछ दे० कच्छ।
कछडबो प १२७
कटक प १८७, २२७
कटखडो प ११०
कटहड प ३०९
कठाड प ४७
कणवण-देवडोवाळो दू ३
कणवार दू. १८७
कणवारी ती २३२
कणवारो ती २३२
कणवीर प. ५३
कणावद प २४७
कणियागिर (जालोर) प. १८७
कतर ती. २२७
कनकगिरि (जालोर) प १८७
कनड ती २७१
कनवज प ८
,, दू २६६, २६७, २६९, २७४
,, ती १७३, १९३, २०३
कनवजगढ दे० कनवज।
कनोडियो प ३५७
कन्नोज दे० कनवज।
कपडवज दे० कपडविणज।
कपडविणज ती १७४
कपासण प ३७, ५३
कपासियो प १७५
कपिलकोट प २६९ (दे० केलाकोट)
,, दू २१६
कपूरियो दू १५१
कमळपुर ती २१९
कमळां पावा ती १२३
कमळो दू. १२
कमा-रो वाडो दू १८७
कमोल प. ४२
करडो सत्ता रो दू ३३
करणाट प २२१
करणावटी ती. १५४
करणीसर ती २२४
करणू दू. १३८
करनवास प २८५
करनचगढ ती. १७४
करमसीसर प २३९
,, दू. १९४
करमावस प. २८, १६६
करलो (?) प १०९
करहर प. १२८
करहुटी प १७५
करहेडो प. ३७
करहेडोगढ ती २१८
कराडो दू १६७

करेभड़ो ती. २२७
करोली द्व. १, १६
कर्णाटक प. २२१
कलड़्या प. ३२
कळसकी द्व. १११
कळहटगढ ती. १७४
कलायी प. १७६
कला-री-कोटड़ी द्व. ११७
कलासर ती. २३०
कळूंभो प. ४२
कल्यांणसर ती. २२७, २३४
कवरला प. १७८
कवळो द्व. १५६
कवीयो प. ३२
कसमीर प. ८ दे० कासमीर।
कसूंबी ती. १५७
कांगड़ो प. ३१६
कांगणी प. ३५६
कांगळ द्व. १७६
कांभरी द्व. १८८
कांणाऊ द्व. ४
कांणाणो ती. २२६
कांणावद द्व. ४
कांयड़कोट द्व. २१४
कांनासर द्व. ६, १२
कांप द्व. १
कांपलो प. २४८
कांयो ती. २१७
कांभड़ो द्व. १६२, १६६
कांमसकराही प. ४७
कांमां-पहाड़ी-रो-सूबो प. ३१८
काकरवो प. ४२
काका द्व. ३२
काचाखेड़ो द्व. २२१
काछ दे० कच्छ।
काछ-कालेवर द्व. २४३
काछो द्व. २, ४, ७६, १८६, १६८, १६६
काछोलो प. १७४
काटसी द्व. १६६
काठासी द्व. १६३
काठियावाड़ द्व. २०२, २६६
काठीवाड़ द्व. २६०, २६१
काठो द्व. २०७
काणाणा ती. २२६
कावल दे० कावुल।
काविल दे० कावुल।
कावुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
" द्व. १५८, १६४, १६८
कामड़ो द्व. १७४, १६२, १६६
कायलांणो ती. १४८, १४६
कारोली-भाटां-री प. १८०
कालंजर प. १३२
काळंद्री प. १३६, १४३, १४७, १५८, १६७, २४६
काळंधरी दे० काळंद्री।
कालंवर द्व. २४३
काळधरी दे० काळंद्री।
काळवास ती. २२८
कालांणो द्व. १२५
काळाऊ द्व. ३०६
काळिया-ठड़ो द्व. १७६
काळो-डूंगर द्व. ४, १३, २७
काशी प. २१६
" ती. २६६
काश्मीर दे० कासमीर।
कासधरा प. १८०
कासमीर द्व. १५६ दे० कसमीर।
कासी दे० काशी।
काहूनी द्व. ३१४
" ती. ५
किडांणो द्व. १३६

किणसरियो प १२३
किणसरियो ती १७३
किरडो दू. ६८, ११४, १२७, १५२
किरतावटी ती १५४
किरवाड ती २६८
किराड़ प ३३७
किलाकोट दे० केलाकोट।
किवाजणो प. २०
किसनगढ दू १७०, १७१, १७२
,, ती. २१७
कीभरी दू. १७४
कीठणोद (कीटणोद) दू. १८२, १८३
कीतेर प ४२
कुकण प ८
कुच प १२८
कुड दू २३८
कुडणो प २११
कुडळ प १६६, २००
,, दू १०६, १३१, १३६, १५४, १६४
,, ती. ७८, २८१, २८३, २८४, २८५
कुवीरोह प. ३४६
कुभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६, ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६, १३८, २०७, २१०, २८४
,, दू १६६, १६४
,, ती ४७
कुभांणो ती. २२८
कुभाछत प. २४८
कुभार-रो कोट दू ५
कुछाऊ दू ४
कुडकी प ३०३
,, दू १४७
कुडळ गुळाई दू २३८
कुरडो प २५
कुराज प ४७
कुळथांणो प १६३
कुळदहो प. १७६
कुळधर दू ८
कुसमळो दू १०४
कुहड दू १५१
कुहाडियो प. ४२
कूदडो दू. ३६, ४३
कूजावाडो प. १७६
कूडळ दे० कुडळ।
कूडांणो दू. १८३
कूडाळ प ४५
कूडोरो दू २६३
कूपडावास दू १५०
कूपावास दू. १८२, १८३, १८४
कूपासर दू. ७६, १३६
कूमळमेर दे० कुमळमेर।
कूवोरो प ३४६
कूचमो प. १७६
कूडणो प. २०६
कूडो प. ११६
,, दू १६५
कूदसू ती २२६
केकडी प २७६
केदार प ८
केदार (केदारनाथ) दू २०४
केरभड दे० करेभडो।
केरभडो दे० करेभडो।
केरडू ती ११०
केराकोट प २६६ (दे० केलाकोट)
,, दू. २१६
केलणसर ती २२६
केलवाडो प ४२
केलवो दू. २२०
केलाकोट दू २१६, २२५, २२६, २२८, २२६, २३१, २३३, २६६

केलावो दू. १५७, १५८, १५९
केवड़ो प. ३५
केसूली प. २८५
केहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७, १२०
कैर प. १७४
कैरलो प. २३५
कैरू दू. १४२
कैलवो प. ६, ४०, ६६
,, दू. २२०
कैलावो दू. ८० दे० केलावो।
कैलाहकोट प. २६६
कोजड़ो प. १७९
कोटड़ो दू. ४, ७७
कोटड़ो प. ३२, १७८, ३३४
,, दू. ५, ६, ८, ११, १३, ६७, ६८, ६६, १२६
,, ती. ३, ४
कोटहड़ो दू. ११
कोटा दे० कोटो।
कोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४, ११५, २५३
कोठारियो प. ३७, ४४, ४७
कोडमदेसर ती. १६, १८१
कोडियाबास दू. ८
कोडियासर दू. ६८
कोडीबास दू. ६
कोडणावाटी प. २४२
कोढणो प. २४२
,, दू. ६६ १००, १०२
,, ती. ८७, २५६ ,२६१
कोदमियो प. १०५
कोरटो प. १६२, १७७
कोरणो प. २३६
कोलर दू. ३३०
कोळियासर दू. १३६
कोळीसिंध प. १५१
कोळू दू. ४
,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७
कोसीथळ प. ५२
कोसीयूर प. १००
कोहर दू. ३२
,, ती. २२१
क्षीरपुर दे० खेड़।

ख

खंडरगढ प. ४७
खंडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२७
,, ती. २१७
खंडेलो-रैवासो प. ३२०
खंडोखळी दू. १३६
खंधार दे० कंधार।
खंभणोर दे० खमणोर
खखर-भखर प. २६, ४६
खजवांणो दू. १२२
खजूरी प. ११७
खटखड़ प. ११३
खटोड़ो दू. ६६, १६३
खड़वळोदो प. १८०
खडाळ दे० खाडाळ।
खडीण दू. ४, ५
खटोरां-रो-गांव दू. ४
खत्रियांवाळो दू. ४
खनावड़ी ती. २३६
खमण प. ४१
खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८
खरगो दू. ८
खरड़ दू. ३, ११, १२, १६, ११३, ११६, १४०, १४१, १४३
खरड़-केल्हणां-री दू. १६, १४२, १४३
खरड़-बुधेरो दू. ११,१६
खरड़ी दू. ६०

खरदेवळो-भाट-रो प ६१
खवास-रो-गांव दू. ४
खंडिप दू १८७
खाडायत-ब्राभणां री प १८०
खांडार दू ८
खांण प १३६
खांणा प १८०
खांभळ प. १७६
खाखरवाडो प. १७४
खाटहडो दू ३१
खाटू प २५१
खाडाळ दू ३, ४, ८, १७, १८, २६, २७, ३१, ३२, १०३, २६१
खाडाळो प १६४
खाडाहळ दे० खाडाळ।
खाताखेडो प ११५, २५२
खावड दू १२६
खारडी प २४२
खारबारो दू १११
,, तो. ३७
खारवो दू १२५
खारियो प ३६१
,, तो २३६
खारींग दू ८६, ८७
खारो प २४८
,, दू ४, ३१, १७४, १८६
खारो खावड प ३३७
खारो दू १०८, १४८
खिणियो प ६०
खिराळू प. २३६
खींदासर दू ३६, १२३
खींवलसर दू ४
खींवलो दू. ८४
खींवसर प. ३४१, ३४७
,, दू ६२, १४५, १४८, १६०
खींवो दू ५
खीचवद दू ७७
खीचीवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
खीनावडी दू ८१
खीमत प १७५
खीरड दू ४
खीरबारो दू ११
खीरवो (खीरवो) दू १२, ११६, १४२, १४३
खीरोहरी प २४०
खुधु प ७३, ८८
खुटहर रो मेडो प १२८
खुडियाळो दू १७१
खुडियो तो १६
खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१, ३३३
,, तो ५५
खुराडी-भाटां-री प. १८०
खुरासाण दे० खुरसाण।
खुरासान दे० खुरसाण।
खुहियो दू ३१, ३२
खूटलो दू १७१
खूहडा, दू ४
,, तो २२२,२३१
खेजडलो प २३३
खेजडलो दू. १४५, १४७, १४६
खेजडियो प १६२
खेड प ३३३, ३३४
,, दू ३८, १३०, २७८, २७६, २८०, २६०, २६१
, तो १७३
खेड-पट्टन दे० खेड।
खेड पाटण दे० खेड।
खेतपालियां-रो गाव दू ६
खेतसी रो गुढो दू १७३
खेतासर दू १५६, १७६
खेरडी दू २२६, २२७, २३०
खेरबरो प ४४

खैरवो दू. १९२, २६४
खैरावद प. ११०, ११४
खैरापाद ती. २१६
खैरीगढ प. २१०
खोखरांणो दू. १११
खोखरियो प. ६०
खोखरो दू. ६५
खोगढ़ी प. १७६
खोटोलो प. १२७
खोढ़ प. २१०
खोढ़ादरो प. १८०
खोडावळ दू. ६८
खोह प. ३०७, ३०६, ३२३
खोहरो प. ३२३

ग

गंगादास-री-सादड़ी प. ४३, ४६
गंगारड़ो ती. ११६, ११८
गंगावाळी दू. १६०, १६१
गजनी दू. १५, ३४, ३५, ६७
,, ती. १८३
गजसिंघपुरो दू. १५१
गजियो दू. ४
गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ।
गढ बंधव प. १३२
गढ रिणथंभोर प. ३७
गढिया दू. ८६
गढी दू. १६६
गणकी-भाटां-री प. १८०
गणोड़ो ती. १६०
गमण प. ४१
गरभवास दू. २६१
गरवो प. २१
गलाणियो प. २११
गळथळू प. १७६
गलापड़ो दू. ५
गळियोकोट प. ८४, ८५
गांगरड़ो प. ३०४
गांगाहो दू. १००
गांगुरण दे० गागुरण।
गांगेरो प. ७०
गांघड़वास दू. १७२
गांधी प. २८५
गागटाणो दू. १५१
गागरोनगढ ती. २०६
गागुरण प. ११३, ११५, २५२, २५६
गागूरूण प. २५२
गादेरी (लवेरा री) प. २३८, २३६, २४०
गाहिड़वाळो दू. २, ३३
गिरनार प. २२
,, दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०
गिरराजसर दू. १३६
गिरवर प. १५८, १७४
गिरवार प. ३२
गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२
गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर
गींगोळ प. १७६
गोघाळो दू. १७६
गुंडवांण प. ११३, ११५
गुजरात प. १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२ ८६, १०६, १३२, १३६, १४२, १७२, १८५, २१३, २१५, २२७, २३६, २४४, २६२, २७६, २७८, ३००, ३०२, ३३१
,, दू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३, १७६, १८२, १६८, २०२, २०४, २०५, २२०, २४०, २५७, २५८, २६६, २७६, २८७, २६६, ३०७
,, ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५, ५७, १३६, १७४, १८४, २८०, २८१
गुजरात (पंजाब) प. ३००

गुज्जर वू ३८
गुडो ती. २२२
गुढो प. ४२, २०६
,, वू. ६४, १४७, २८५, ३००
गुंनोर प. १२७
गुलाई वू. २३८
गुलियो वू ८
गुहीलो प १७६
गूगोर प ११५, २५२
गूड प. १२८, १३१
गूडसवाडो प १७५, १७६
गूडो दे० गूड।
गूदवच दे० गूवोच।
गूवावरो प. १७८
गूवाली प ४२
गूवोच प २११
,, वू. १६३, २६३
गूजर प. २७८
गूजरखड प. १८७
गूजरधरा प. २६०, २६१
गूढो प. १६६, २५३, ३४४
,, वू १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
२९९. ३००
,, ती. १८
गैंड़ाप ती. ३२६
गैमलियावास वू. २६४
गैमल्यावास ती. २३५
गैहलोतांवाळो वू. १३५
गोअोद प. १२८
गोखम प. १६०
गोकर्ण दे० सांस्कृतिक नामावली में।
गोगलोसर वू. १३५
गोघेळाव वू १६३
गोठियो प. ६१
गोठोळाव प. ६४
गोडवाड़ दे० गोढवाड़।
गोडो-भीम-रो प. ३६
गोढलो प. २८५
गोढवाड़ प. ५३, ५५, २८५
,, वू. १५३. १६६
,, ती. १७३
गोपावस वू १६३
गोपड़ी (सिवांणा री) प २३८
गोपलदे प. ११५
गोपीमरियो वू. १६०
गोयद वू. ४
गोयदपुर प. १७६
गोयद-री-वाही प ३३३
गोरहर वू. १२६
गोरहरो वू. ६, ७७
गोरीसर ती. २३१
गोरोटी वू १६
गोलाहसणी (गोलावासणी) वू. १६८
गोवस प ३६०, ३६१
गोवोल प. १८०
गोहिल टोळो प. ३३५
गोही वू ४
गोहुवाळ ती. १३५
गौड़देस ती. २६६
ग्यासपुर प. ६०, ६१
ग्रावधो वू ७६, ७७, १३६
ग्वालियर प. १२८, १३१, २८६, २९०,
२९३, ३०३
,, वू. २५६
,, ती. १८३
ग्वालेर दे० ग्वालियर।

घ

घटियाळी वू. ४, १२, ३४२
घमोल वू ७६, ९७
घांघांणो ती. ६०
घांगत प. १७४
घांघेर प. ३६

घांणेराव दे० घांणोरो।
घांणेरो प. ४१
घांणा प. १७८
घांणोरा ती. ४२
घांमट दू. ५
घांसेर प. ४१, ४७
घाघेड़ो प. १२८
घाटी प. ११४
घाटो प. ४०
घाटोली प. ११४
घीघालियो दू. १८०
घूंघरोट (घूघरोट) प. १६४, १६५, १६६
,, दू. २६०, २६१, २६४
घोघूंद प. ४२
घोघूंदो प. २६, ३०, ३५, ३७, ४२, ४६, ४८
घोड़ाहड़ दू. १४८
घोड़ाहड़ो दू. ४
घोसमन प. ५३

च

चंग दू. ६६
चंगावड़ो दू. १७२
चंडाळियो दू. १७०, १७२, १७३
चंडावळ प. २६
,, दू. १४६
चंडावो ती. २३४
चंदावसो प. ३६
चंदेरियां-रो-गांव दू. ८
चंदेरी प. २०
,, ती. २१८
चंद्रावती प. १३५
चंवरागढ प. १२७, १२८, १३१
चनार प. १७४
चरहाड़ो प. १७७
चवदै-चाळ प. २८७
,, ती. १७०, १७१
चवदै-चाळ-ढूंढाहड़ प. २८७
चवदै-चेढी प. ३६४
चवरासी दे० चौरासी।
चवरो प. २३४
चवाड़ी प. २३३
चांदण प. २४७
चांदरस दू. ११६
चांवण दू. ३६, ४३
चांधणो दू. ७४
चांपानेर ती. २५, ५५, १८३
चांपासर दू. ४, १४६, १६३, १७५
चांपोल प. १७५
चांबड़ियास दू. १६६
चांमूं दू. ६७, ६२, १२५, १६०, १६७, १७५
चाखू प. ३५०
चाखू दू. १२३
चाचरड़ो प. १७४
चाचरणी प. २५२, २५६, २५७
चाटलो प. ३५४
चाटसू प. २८७, २६२
चाडी दू. १२२, १३८, १४२
चारण-खेड़ी प. ६१
चारणवाळो दू. ३६
चारणां-बांभणां-रो-सांसण प्रदेश प. १७३
चावंड प. ३५, ३७, ४३, ५७
चावंडेरो प. २८५
चावळो दू. १८१
चाहड़ दू. ४
चाहिल ती. १७
चित्तौड़ दे० चीतोड़।
चित्तौड़गढ़ दे० चीतोड़।
चित्रकोट प. ८
चित्रांगलस दू. २५

चिनडी दू १७२
चिहु दू १३६
चीखलवो प. ३२
चीताखेडो प ६५, ६६
चीतोड प ३, ५, ६ ८, ९, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १९, २०, २१, २४, २६, ३०, ३२, ३७, ३९, ४४, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५९, ६२, ६६, ६७, ७०, ७९, ८०, ८१, ९१, ९२, ९८, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७ १०९, ११०, १११, १२०, १२५, १५६, १८६, २०५, २४३, २७९, २८०, २८१, २८२
,, दू १४५, १५३, १५८, १८१, २६२, ३३१, ३३३, ३३४, ३३५, ३३७, ३३८, ३३९
, ती ५, २८, ५५ १३६, १४९, १७३, १८३, २४१, २८१
चीतोडगढ प. १८६
चीत्रोड दे० चीतोड।
चीत्रोडगढ दे० चीतोड।
चीनडी प २४०
चीन्हो दू ३१
चीबागाव प १७७
चीमणवो ती २३३
चीरवो प ४४
चीवळो प १७७
चीहरडा प. १७८
चीहळी प. ४७
चुडियाळो प १७९
चूडासर प ३४७
,, ती १८१
चूडो रांणपुर दू २५९, २६०
चूनांणी प. १७४
चूनी दू १२
चूहडसर दू १११, १२५
चेढी दे० चवर्द-चेढी।
चेलावस प १७६
चैराई दू ६५, १६८, १७०
चोकीगढ प १२७
चोखावसणी दू १४८
चोचरो दू ६
चोटोलो दू १३८
चोपडा दू १५३
,, ती ८४
चोपडो दू १४८, १६७, १७८, १८१
चोरवाड दू. २०२
चोळी-महेसर प ७६
चोलेर प ४७
चोहटण प ३६४, ३६५
, दू ५, १२६
चोहटन दे० चोहटण।
चोहटां दू १६४
चौकडो दू १४८
चौरासी प २५०
चौरासी भाद्राजण री ती २५६, २६२
चौरासी मिलक-री प ८०, ८१, ८२
चौरासी रतनपुर-री प ४४
च्यार-छपन प. ३६

छ

छडाणो दू १८२
छतीस पवन प १२४
छपन प ४३
छपन-चावद (छपन-चावड) प ४३
छपन रा-गाव प. ३६
छमीछो ती. ५६

छहोटण- दे० चोहटण।
छाईग्रो दू. २२१
छाकेरलो प. ४७
छाछोळाई दू. १८७
छापर दू. ३२४, ३२५
,, ती. १५३, १५४, १५६, १५९, १६१, १६२, १६३, १६५, १६६, १६७, १७१
छापरोलो प. ३२
छापुर दे. छापर।
छारू दू. १२
छाळी-पूतळी प. ३८, ३९, ४३, ४७
छाळी-पूतळी-राणां-री प. ३८, ३९
छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३
छाहोटण दे. चोहटण।
छिवियो ती. २३६
छीलो दू. १६३
छेलपुर प. २५३
छोडो दू. ४
छोहलो प. ३४६

ज

जंगळधर ती. २०७
जगड़वास प. ३२८
जगतहर-रो-परगनो प. १२७
जगदेवाळो दू. १११
जगनेर प. ४३, ४७, ११०
जगियो दू. ४, ५
जझू दे० झझू।
जड़ियो प. १७९
जतहर दे० जगतहर-रो-परगनो
जवलो प. ९५
जमरूद ती. २१४
जयपुर दे० जैपुर।
जरगो प. ४२, ४३, ११६
जळखेड़-पाटण ती. २१८
जवनपुर प. १८
जवाच दे० जवाछ।
जवाछ प. ३८, ४३, ४७
जसखेड़-पाटण दे० जळखेड़-पाटण।
जसरासर प. ३४९
जसवंतपुरो प. २०४
जसूवेरो दू. १३६
जसोदर प. १७९
जसोल ती. २२०, २२१
जसोलाव प. १७६
जहाजपुर प. ३८, ४७, २७९, २८०
,, दू. २६३
जहांनावाद दू. १०५
जांगळू प. ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३५२, ३५३
,, दू. ३००, ३०१
,, ती. २८
जांझोरो दू. ६
जांणां ती. २२३
जांणावाड़ो प. १७८
जांनड़ दू. ९
जांनरो दू. ६
जांनो प. ४३
जांभ-री-गुढो प. ३५०
जांभ-वाघोड़-री-गुढो प. ३५०
जांमेळाव दू. १२३
जाकरी ती. २३३
जाखवर प. १८०
जाखोरो ती. ४१
जाजपुर प. २७९, २८०
,, दू. २६३
जाजीवाळ दू. १८५
जाटीवास दू. १७३
जाडो दू. २५०
जादवस्थळ दू. ३
जामनगर ती. २९
जामोतर प. १७७
जायल प. १८०, २५०, २५१, २५२, २५३

जायलवाडो ती १७४
जारोडो प. ३८
जालधर प. ८
जालेना दू. १९३
जाळसू ती. ११६
जोळियो दू ५
जाळीवाड़ो प. ३५७
जाळेली दू ६, १६३
जाळोर प. १४, १७, २५, ३७, ६०, ६१, १३५, १३६, १४६, १४७, १६१, १६२, १७२, १७३, १७८, १८१, १८७, १९४, १९५, १९६, १९८, १९९, २०३, २०४, २१२, २१३, २१६, २१७, २१८, २२०, २२२, २२४, २२६, २३०, २३१, २३४, २३५, २३६ २३९, २४०, २४१, २४५, ३३६, ३६१
,, दू. ३९, ४२, ६१, ६७, १४६, १४८, १५०, २९०
,, ती. २८, १२४, १८४, २१४, २८०, २९१, २९२, २९३, २९४
जाल्हकड़ो प १७९
जाल्हणो दू १९३
जावद प. ४७
जावद-नदराय प ४७
जाबर प. ३५, ४३
जावाळ प १७६, १७७
जासासर ती. २३२
जाहडदेटो प. १७९
जीजियाकी दू. ४
जीरण प. ५३
जीरावळ प. १७५
जीरोतरो प. ४७
जीलगरी प ६०
जीलवाडो प. ३६, ४०, ४१, ११
जीळी ती. २३३
जीहरण प २७, २९, ४८, ५३, ९२, ९३, ९४, ९५
जुट दू. ९६
जुडलो दू १५०
जुडियो-सेवडो दू. १३६
जुणलो ती. २३६
जुवादरो प १८०
जूझणू ती. १६२, १६३, २७३
जूझो दू १९६
जूडो प ४६
जूढ दू १५९, १६९
जूनागढ दू. १६
,, ती. १७४
जूनो प. ३३७
जेडांध दू. ३९
जेराहत दू ४
जेसळगिर दे. जेसळमेर।
जेसळमेर प २२, १४७, २०६, २०७, २३२, ३३४, ३३५, ३४६, ३५२, ३५५
,, दू. १, २, ३, ४, ५, ६, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, २७ २९, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६, ३८, ३९, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ५०, ५३, ५५, ५७, ५९, ६२, ६३, ६४, ६५, ६७, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८७, ८९,

९१, ९३, ९४, ९५, ९७, ९८, ९९, १००, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९, ११०, १११, ११२, ११४, ११८, १२६, १३२, १४७, १५२, १६२, १६६, १६७, १६८, २६१, २८०, २९०, ३००

„ ती. २९, ३३, ३४, १८३, १८४, २०६, २१५, २१७, २२०, २२१

जैसळां (जैसलां) ढू. १६०

जेसांण, जेसांणो दे. जेसळमेर।

जेसावस ढू. १७३, १८७

जेमुरांणो ढू. ४, ८, १३, १४४

जैतकोट प. २०२

जैतपुर ती. १७, १८, २३०

जैतपुरो ती. १७

जैतवाड़ो प. १५८, १७५

जैतारण प. ६२, ८६, ८८, ३६४

„ ढू. १४८

„ ती. ३९, १४१, १४५, २३५, २३६

जैतोवास ढू. १५०

जैपुर प. १७, ३११

जैवांघ दे. जेवांघ।

जैराइत ढू. ४, १००

जोगापुर ढू. ६५

जोगाउ ढू. ९१

जोजावर प. ३७, ५२, २०२

जोतपुर प. १७५

जोधपुर प. २५, २६, २७, २८, ३७, ८९, १०१, ११४, १३०, १३६, १४२, १४४, १४७, १५३, १५८, १६०, १६१, १६३, १६४ १६५, १६६, १७०, २०७, २०८, २०९, २३३, २३७, २४०, ३०६, ३०९, ३१०, ३११, ३१४, ३१६, ३१७, ३१८, ३२०, ३२२, ३२३, ३२४, ३२८, ३४२, ३४६, ३५६

„ ढू. ३३, ३८, ३९, ५३, ६६, ७७, ७९, ८०, ८१, ८४, ८९, ९०, ९१, ९४, ९७, १००, १०५, १०६, ११० ११९, १२२, १२३, १२५, १२८, १३८, १४५, १४६, १४७, १५१, १५९, १६१, १६४, १६५, १७३, १७५, १७६, १७९, १८०, १८२, १८६, १९०, १९४, १९९, २६३, २६४, २७७

„ ती. १२, २८, ३४, ८०, ८१, ८३, ८४, ८९, ९०, ९२, १००, १०१, १०२, १०४, ११५, ११८, १२१, १२२, १८०, १८१, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २३५, २३७

जोपड़ावास ढू. १७३

जोधनेर प. ३३०, ३३१

जोळपो प. ११६

ज्याकरी ती. २३३

झ

झझू ढू. ३९, १७७, १७८

झड़वो ढू. ३२

झरहर प. ३०७

झरो ढू. ४

झांझर-ग्रांदां-री प. १७९

झांझण दू २
झांझमो प ३३७
झाबठो प १७६
झांसताळो प ४१
झाडखड दू ३८
झाडट्र दू १२, १४२
झाडोल प ३६, ४२
„ दू २६३
झाडोली प ४६, १७३, १७७
झात प १७६
झालांवाळी-सादडी प ५
झालांवाळो देलवाडो प. ४४
झालावाड दू. २५८, २६२
झालावाड-छोटो दू २६२
झातल तो २२
झींपडो प २२३
झूझूवाडो दू २६०
झूपडाखेडो प ४७
झूठाडियो दू १८१
झूरो दू ३६
झेरडियो प २२८
झोरा मगरा पट्टो प १७६
झोरो प १७३, १७६

ट

टगरावतो प ४२, ४६
टमटमो प १७६, १७९
टाकरो प १७५
टावरियावाळो दू. १३५
टोकलो प ३२
टोबडो दू १७३
टोबो दू ९
टोवरियाळो दू. ४
टूक प ४७
टेइयो दे. टेहियो ।
टेहियो दू ४, ६, १०३
टोकला प. १५८
टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरडो दू ८४

ड

डमांणो प १७५
डांगरां प. २४०
डांगरो दू ६
डाबर दू ४, १५५, १६०, २६१
डाक प १७५
डावर प ४७
डाभडो दू. १५६
डामलो दू. २, ४, १०
डाहळ प ५
डीघाडो प. १७७
डीडलोद प १७७
डीडवांणो प. ३२४
„ दू ६, ३०८, ३२८
„ तो. ६५
डीडवाना दे. डीडवांणो ।
डीवजाळ दू. १११
डूंगरपुर प. १४, २६, ३५, ३७, ३८, ३६, ४३, ४६, ५३, ७०, ७१, ७४, ७७, ८०, ८१, ८२, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ११६ १२१
„ दू. १६३
„ तो २२६
डूंगरी प. १७६
डूंगरो-देस प ४३
डेडुवा प. १७६
डेह दू १५७
डोंगरो दू. ६७
डोडवाडो प २५३
डोडियाळ प १४७, १६०
„ तो. १२४, १२५

ढ

ढाकसरी प. ३४७
ढाको ती. १४
ढाहो प. २८, ३२३
ढिलड़ी प. १८
ढिली दे. दिल्ली।
ढींकली दू. ८६
ढींगसरी ती. २२५
ढीकाई दू. १६१, १६७, १७१
ढूंढाड़ प. १८७, २६३, २६५, ३४२
" दू. ३१५, ३३५, ३३६
ढूंढार दे. ढूंढाड़।
ढूंढाहड़ प. २८७
ढोल प. ४२
ढोलांणो प. २८५
ढोहो प. ३२३

त

तई-अईतरो दू. ४
तड़ूपी प. १७४
तणणो दू. ११६
तणूंकोट दू. ३
तणूंसर दू. ४
तणोट दू. ४, १०
तणोटकोट दू. १७
तलवाड़ो ती. ३
तलावस प. ११७
तांणांणो दू. १४२, १४३
तांणो प. ३७
" दू. १५३, १८१
तांणो-सोळंकी-मला वाळो प. ३४२
तांतूवास प. २३३
तांनूंवास प. २३८
तांबड़ियो दू. १६६, १९२, १९४
ताड़तोली-वांभणां-री प. १८०
तालियांणो प. ३४०
ताळो प. ३१८
तिघरो दू. १८६
तिघमो प. १८०
तिमरणी प. १६७, २३३, ६
" दू. १४८
तिमरली दे. तिमरणी।
तिलंगांण प. ८
तिलवाड़ा दे. तलवाड़ो।
तिलवाड़ा-फेयर दू. २८४, २८५
तिलवाड़ो (मालांणो) दू. १३०, २८५
" " ती. ३
तिलावली प. ३४०
तिलांणेस दू. १५६
तिसींगड़ी दू. ४१
तिहांणदेसर ती. २२७
तीतरड़ी प. ३२
तीतरी प. १७६
तीस-रा वाणहियां-देवड़ां-रो-उतन प. १७३, १७८
तुंड प. २४७
तुवरां दू. १४८
तेजसी-रो-गांव दू. ४
तेलपुरो प. १७३
तेलियांणो प. २४०
तोडड़ी प. २८०, २८१
तोडो प. ४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१
" दू. १५५
तोडो-मागरचाळ-री प. २८०, २८१, २८३
तोडो-मींव-रो प. ३०१
तोसीणो प. ३४३
त्रंबक प. १, १२२

त्रिकुट डू. २४२
त्रिकोणगढ (लंका) डू ३६
त्रिगठी डू. १६६
त्र्यंम्बक दे. त्रंबक।

थ

थटो प. ६०, २६२
,, डू. ३२, ८०, ८२
,, ती. २८०, २८१
थट्टा दे. थटो।
थलूकड़ो डू. १६०
थळ डू. २, ३१, २८५
,, ती. ६५, ६६, १०३
थळथट डू. ३२०
थळो प. १७५
,, डू ३२३
थळूडो प. १६४
थहीयावत डू. ४
थांन गांव डू. २८४, २८५
थालनेर प. १२१
थावर प. १७८
थाहर-वासणी डू. १८७
थाहरी डू. १६८
थिराद प १७२
थूर प. ३२
थुळायो डू. ५
थोभ डू. ६०
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दतारखो प १७८
दतीवाडो प. ३६२
दक्षिण (प्रदेश) प. १८५
दतांणी प. २३, १५०, १६६, १७५
ददरेरो ती. ७२, २७३
दवरेवो दे. ददरेरो।
दभोड़ प. १२८
दमोई प. १२७
दमोदर डू. ४
दलोल प. ३८
दलोल-कलोल प. ३८, ३६, ४३, ४७
दसाड़ो डू. २६१
दसोर प. ३७, ३८, ६४
दहवारी प. ३२, ४३
दहियावत प. १८७, २४८
दहियावतरी दे. दहियावत।
दहीपड़ो प. २३३
,, डू १८२, १८३
दहीपुडो दे. दहीपड़ो।
दहीगांव प. २४७
दहीसतोय डू. ६
दांतणियो प. २४१
दांतीवाड़ो प. १५१, १५२, ३६२
,, डू. १४६
दांमण प. २१२
दागजाळ डू. ६
दिखण (देश) प. २३४
दिलड़ो प. १८
दिल्ली दे. दिल्ली।
दिल्ली प. १८, ५८, ५६, ७०, ८२, १८०, १८५, २०४, २२४, २६२
,, डू. १५, १६, ५६, ६५, ६६, ७४, ७५, २८२, २८३, २८५, ३०२, ३०८
,, ती. ५३, ५५, १०२, १५१, १६२, १७४, १८३, १८५, १६२, २३८, २४३
दिहायलो प. १२८
दीव बदर ती. ५६
दुकोल प. २५३
दुजासर डू. ४
दुजासी डू. ४
दुणियासर ती. २३०

दुणोद्र प. १७६
दुरंगगढ ती. १७३
दुसारणो ती. २३१
दूंगपुर दू. ६३, ३२५
,, ती. १०१, १५१
दूधवड़ प. ३१
,, दू. १४६
दूधोड़ प. ३१
दूनाड़ो प. २३३
देछू प. २११, ३६२
देदपुर प. १२८
देदापुर प. १७५
देदाहर दू. १११
देपारो दू. १३६
देपारो प. १२४
देरावर प. १२२, १२३, २५३
,, दू. १०, १८, २१, २२, २३, २५, २६, ३०, ७६, ६३, ६६, १०८, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८
,, ती. ३४, १७४
देरासर दू. ४
देलवाड़ो प. ३४, ४४, १५८, १७७
देलांणो-भाटां-रो प. १८०
देलोद्र प. १७७
देव प. ४३
देव-गदाधर प. ४३
देवको-पाटण दे. देव-रो-पाटण।
देवखेत प. १७६
देवड़ी प. ६२
देवड़ो प. २४७
देवत दू. २६१
देवतकही दू. २६१
देव-पट्टन दे. देव-रो-पाटण।
देव-रो-पाटण (देवको-पाटण) प. २१३, २१४, ३३५
देवळियां-रो-मेरवाड़ो प. ४५
देवळियो प. १६, २७, ३८, ४५, ५ ८६, ८८, ६ ६३, ६४, ६ ६७, १६४
,, ती. २१७
देवळी प. ४७
,, ती. २३७
देवळी ऊवावतों की ती. २३७
देवसीवास प. २४८
देवहर प. ४३
देवाहत दू. १६, ११३
देवीखेड़ो प. ११५, २०८
देवो दू. ४, ६, १०३
देसूरी प. ४१, २८४, २८५
देसेहरो-देस प. ४२
देहेरे-भाचाहर दू. १२६
दोहोळाई दू. १४७
दोसा प. २८७
दौलतावाद प. १३१, २३४
,, दू. १२२
,, ती. १८३, २४१, २७६, २७७
द्योसा प. २६७
द्रम दू. ३१
द्रावड़ प. ८
द्रूणपुर दे. द्रोणपुर।
द्रंग प. ३५७
,, दू. १३, ३६
द्रोणपुर दू. ६३, ३२५
,, ती. १०१, १५१, १५३, १५४, १५६, १६१, १६२, १६४, १६५, १६६, १६७
द्रोणागिर दे. द्रोणपुर।
द्वारकाजी प. १११, २६३, २६४, २८६, ३३७

द्वारकाजी दू. २२५, २६६, २६७, २६८
„ ती. २६६
द्वारामती दे द्वारकाजी।

ध

धघूको दे धांधूको।
धणलो दू ८४, ३२६
धनवाड़ो प. ६०
धनवो प २४८
„ दू ६, ८
धनारी प १७४
धनियावाड़ो प. १७५
धनेरियो प. ६०
धनेरी प. १५८, १७६
धमांणो प १२७
धमोतर प ६६
धरियावद प ३८, ४३, ४५, ६४, ६६
धवळको दू २६०
धवळपुर प ३१
धवळहर दू २१५, २४०, २४६
धवळासर दू. १११
धवळेरो दू १७८
धवो दू. १५०, १५६
धावणियो दू ७६
धांधपुर प १७५, १७६
धांधूको दू १, २६, २६०
धाधूसर ती २२६
धानेरा प. १७८
धामणियो प २८५
धामणी प १२७
धाचरियो प १७६
धाट ती ७५ १७४
धाधोळाव दू १६८
धार प ४, ३२, ४३, ३३६
„ दू २६, २६, ३०१ ३१
धारणवाय दू १४८
धारता प. ६१
धारनगर ती. १७३
धारवा प १७८
धींगांणो दू. १७०
धीणोद दू २१०, २१२, २१४, २२१
धीरावद प ४५
धीरावादगढ ती २१६
धीवली प १७५
धुबावस प १८०
धूळकोट प ११३
धूळोप प ११६
धोध प ३३५
धोधुको प ३३५
धोरीनमो प २४८
धोलपुर प २०६, २३४
धोळहर दे धोळहरो।
धोळहरो प २५
„ दू. १, २४०, २४४, २४७, २४८
„ ती ८४
धोळेरो प २५
धोलपुर दे धोलपुर।

न

नदराय प ४७
नदियो प १७४
नगरकोट प. ३००
नगरगाव दू १३६
नगर थट्टा प ८, ६०
नगर सांमई दू २३७
नगराजसर दू १११, १३६
नडियाद ती १७४
ननेऊ दू. ६१, १२८, १३३, १३४
नरवर प. १२८
नरवरगढ ती १७४, २१७
नरसांणो दू १४८
नरांणो प ३०४, ३०५, ३३०, ३३१, ३५६

नराइणो दे. नरांणो।
नरायणो दे. नरांणो।
नरावस प. २३८
नळवर प. २९३, २९४, ३०३
नळवरगढ प. २८९, २९३, २९५, ३०३
नवकोट दू. १४
नवदीप दू. ३८
नवलखो प. १८६
नवलखी-सिंध दू. २२७
नवलाख-ब्हर प. १३२
नवसर प. २१०
" दू. ९२
नवसरो प. १६०, १६५, २११
नवानगर दू. १५, १६, २०५, २२०,
२२१, २२३, २२४, २३९,
२४०, २४१, २४४, २४७,
२४९, २६०, २६१
" ती. २९
नवोसहर प. २८०
नहवर दू. ३२
नांदणो प. ११७
" दू. १३
नांदियो दू. १५०, १६६, १६७
नांदोती प. ३०९
नांनाउग्रो प. १७८
नांमो प. १६२, १७७
नाई प. ३२
नाउग्रो-घाघरेड़ो प. ६६
नाकोड़ो प. ३३३, ३३४
नागंजो कोट दू. २२
नागड़ो दू. १६०
नागण प. २४७
नागदहो प. १, २, ८, ११, ३५
नागरचाळ प. २८०
नागांणो प. १७७
नागांणो दे. नागोर

नागो-जोगीकोट (वेरावर,
नागोर प. २४, १२५
२५३, २९७,
३४७, ३४८,
" दू. ५४, ६५,
११५, १३१, १
१५३, १५६, १
३००, ३०१, ३१
३१२, ३१३, ३१
३२४, ३२६, ३२८
३३७
" ती. २९, ८५, ९०,
९७, १५४, १८२,
नागोर-री-पट्टी प. २५०
नाचणो दू. ८, १२, ११६, १
१४३
नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३
१८१, १८६, १८७, १९८
२०२, २०६
" दू. ३२९, ३३०, ३३१
" ती. ४८, १३३, १७३
नाडूलगढ दे. नाडूल।
नाडूळाई ती. १३४
नाडोळ दे. नाडूल।
नाडोलगढ दे. नाडूल।
नाथवांणो ती. २२८
नाथूसर दू. ७५, १२३
नादियो दे. नांदियो।
नापावस दू. १६३
नाभासर दू. १२३
नारंगगढ ती. १७४
नारणसर दू. १३५
नारदणो प. १६२
नारदरो प. १७७
नारनोळ ती. १५१
नारायणो प. २९०

नाऊ दू. १२८
नासिक प १, १२२
नाहरळाव प. १७८
नाहवार दू. १३
नाहेसर प ४२
निरवांणो प ३२०
निवाई प. ३१४
नींबडो दू २११
नींबलो प १६५
„ दू. १२, १३४, १३५, १३७
नींबा तो २२५
नींबांवरी तो. २२५
नींबाज प. ९०, १५७, १५९
„ तो. २३५
नींबाड़ो तो २३७
नींबलायो दू १२
नींबाळियो दू. १२
नींबूडो प. १७५
नींबोडो प. १७५
नींबोळ प. ६२
„ तो. २३६
नींबोवरी तो २२५
नीतोडो प १७४
नीनरिया दू ५
नीभिया दू. ५
नीमच दे मीमच।
नीमाज दे. नीबाज।
नीलकंठ प २३६
नीलपो दू. ३२
नीलावो दू. १४८
नीलिया प. ८९
नीलेर प. १७५
नीवाई प २८७
नूंहन प. १७६
नेउवो प. ९२
नेगरड़ो दू ६
नेछवो प. ३५८
नेडांण दू. ३१
नेनरवाड़ो प १८०
नेहडाई दू ४, ९
नैणधाप प. ११०, २८३
नैणेर प ९४
नोल दू ३९, ११७, ११८, १२७,
१३४, १३५
नोल-चारणवाळो दू. ३९
नोल-सेवडो दू. ११७, ११८, १२७, १३४
नोहर प. १७६
„ तो. १८

प

पंचळ देस प. ४५
पचाळ दू ३७, २४२
पजाव प ३००
पई-मघारो प. ४३
पलाटद दू. २२१, २५९
पलंरीगढ प. २१०
पछवाळो दू ४
पटाऊ प. २४२
पट्टन दे. पाटण।
पट्टनखेड दे खेड।
पट्टन देवको प. २१३, २१४, ३१५
पट्टन-प्रभास प २१३
पट्टन-शिव प २१३
पट्टन-सोमनाथ प २१३
पठार प. ४४
„ तो. २४०, २४१, २४७
पड़ावळ प. ५४
पडिहारो तो. २३३, २५०, २५१
पयण प. १७३, १७४, १७५
पड़ोळायो दू. ३०४, ३१७, ३१८
पनवाड प. ३१५
पनोतो दू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६
पवई प. १२७
पवउवो प. १२८
पमांणा प. १७४
परबतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६, ३१२
परवर गांव प. ३६०
पळाइतो-हाडांवाळो प. ४४
पलू (पळू) ती. २२६
पल्लू ती. १७३, २२६
पश्चिम-रेलवे दू. २६६
पांचड़ो प. १७४
पांचनड़ो दू. १८७
पांचरदरो दू. १८६
पांचलो प. १७५, १७८, २००
,, दू. १७०, १७५, १८७
पांचाड़ी-भाहरो दू. ६५
पांचाल प. ४५
,, दू. २४२
पांडरो-भाटां-रो प. १८०
पांडवारो प. १२७
पांणीपथ ती. १६
पांथावाड़ो प. १७६
पांनीलो प. २४३
पांसचो दू. २५३
पांसूवाळा प. १७६
पाखंड ती. २
पाटड़ी दू. २५८, २५६
,, ती. १७४
पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०, ११३, १८६, २५३ २५८, २५६, २६०, २६१, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६६, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७७, २८४, ३३६
,, दू. ३३, २३४, २५८, २५६, २६६, २६७, २६६, २७२, २७३
,, ती. २६, ४६, ५०, ५३, ५६, ५८, २८५
पाटण (बूंदी) प. १०८, ११३
पाटरिया (प्रदेश) दू. २५८
पाटरी दे पाटड़ी।
पाटोदो (पाटोधी) प. ८६, २४३
पाडरी दू. १८५
पाड़लोळी प. ४७
पाड़ीव प. १५५, १७६
पातंवर-चारणांरो प. १८०
पातळसर ती. २३३
पातळासर ती. २३३
पाताळदेश प. १६२
पाद्रोड़ प. ४१
पाद्रोलायां दे. पद्रोळायां।
पाधोर प. १७६
पानीपत दे. पांणीपथ।
पानोरो प. ३८, ३६
पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
,, दू. ३८, ५१, ५४, ५५, २१४
पारसो (पारस) दू. २४२
पाल दू. ३८
पालड़ी प. ३२, १५६, १५८, १६२, १६८, १७५ १८०
पालड़ी-बाहरली प. १७७
पालड़ी-मांहेलो प. १७७
पाळड़ी रावळां-री प. १८०
पालसी प. १७८
पाली प. २०७, २०८, २०६, २११, २१२, २३५, २३६, २४१

,, दू १६६, १८०, २७७, २७८
,, ती १३०, २३५
पालीताणो प ३३५
पावट दू. ३८
पावागढ ती २५
पाहरांवगढ प १२७
पाहुवेरो दू. ११, १११
पिडरवाडो प १७४
पींडवाडो प ४१
पीगियो प १७६
पीछोली प ३२
पीठवाळो दू १११
पीढी प ८८
पीथापुर प १५८
पीयासर दू ७६, १३६
पीयोली प १७६
पीपळ वडसायो दू ५३, ५४
पीपळवो दू ६
पीपळहडी प ४३
पीपळाई प ३२०
पीपळी-रावळा-री प. १८०
पीपळू प १११, १२४
पीपळो दू ६५
पीपलोण प १६७
पीपाड प ११४, ३४१
, दू १५०, १८६ १६३
,, ती ८८, ६४
पीरान पाटण दे पाटण (गुजरात)।
पीळियोखाळ प १६
,, दू २६२
पीहलाप प ३४७
, दू. १२२
पुजूरो प ८६
पुनपुरी प १७६
पुर प १४, ३७ ४७, ५३
,, दू १५१
पुष्कर प. २४
पूगळ दे पूगळ।
पूजा-साठियारी-परतो प २७७
पूगळ प. २५३, ३४६, ३४८, ३४६,
,, दू १०, ११, १२, ४२, ११०, १११, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११६. १२०, १२२, ३१२, ३१८, ३२४, ३२७, ३२८
,, ती. ३१, ३३, ३४, ३६
पूछणो दू १६४
पूनो प २०६
पूनासर दू ६६, १६३
पूरब रो सूबो प २६७
पेथापुर प १७५
पेथोडाई दू ६, ८
पेरवा प १७६
पेशावर प. ३०२
पेसवा चारणां रो प १७६
पैंळाइतो प ११४
पैसोर प ३०२
पोकर दे पुष्कर।
पोकरण प १८६, २३६, ३५७
पोकरण दू ६, ११, १६, ५३, ७४, ७५, ७६, ८०, ८४, ६७, ६६, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, ११३, ११७, १३१, १३२, १३८, १४४, १८३, १६६, २००
,, ती १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, ११०, १११, ११२, ११३, ११४
पोछीणो दू. ३३
पोटलियो दू ६
पोलावास प. २४०
पोसतरा प १७५

पोसांणो प. १६२
पोसाळियो प. १७७
प्रभासक्षेत्र दे. प्रभासखेत्र ।
प्रभासखेत्र दू. ३
प्रयाग प. १३२
,, ती. २७६
प्रोहितवाळो-गांव दू. १३५

फ

फतहगढ ती. २१७
फतहपुर दे. फतैपुर ।
फतैपुर प. ३१२
,, ती. १६२, १६३, १६४, २७३, २७४
फळवध प. १७७
फळसूंड दू. १०४
फळोडी दू. ४
फळोधी प. ६०, ३५०
,, दू. ११, ६८, ७७, ६४, ६८, १०६, ११३, ११४, १२२, १२४, १२८, १२६, १३०, १३१, १३२, १३६, १३८, १४१, १४३, १४५, १५२, १५६, १६०, १६१, १६३, १६४, १६६, १७६, १७७, १८०, १८१
,, ती. २८, १०३, १०५, ११४
फागूणी प. १७६
फारस ती. ५५
फिरसूळी प. १७४
फुलाज दू. १८६
फूलसरेड़ प. १७६
फूलियो प. २६, ३७, ४८, ११०, २७६
,, दू. ६
,, ती. २२२

ब

बंगस प. ३१६, ३३१
बंगाल ती. १८६, २६६
बंगाळो दे. बंगाळ ।
बंठास प. ३१६
बंध दू. १११
बंधटो दे. बांधड़ो ।
बंधव प. १३२, १३३
बंधवगढ प. २०, १३२, १३३
बंधवो प. २०
बंधो ती. २२४
बंभणवाड़-आऊळकोड़ दू. २३६
बंभारो प. ४५
,, दू. २३६
बंभोरी-रो-परगनो प. ११६
बंभोरो प. ४३, ४५
बग प. १७६
बगड़ी प. ६०
बड़ोदा (गुजरात) ती. २५
बड़ोदो (सीरोही) प. १७५
,, ती. २५
बधनोर प. ५३
बधाउड़ो दू. ६६
बनू ती. २३३
बरड़ो दू. २२०, २२६
बरियाहेड़ो . ३३४
बळदुरो प. १७७
बळोर प. ६४, ६६
बसाड़ दू. ४
बह दू. १३४
बहलवो दू. १७१
,, ती. २५०, २५१, २५२, २५३, २५५
बांगो प. ६७, ६८, १०१
बांद प. १७५
बांडी ती. १७
बांधड़ो दू. ४, १११, १६३, १६४, १८६, १६५

बांधवगढ दे० बंधवगढ ।
बांधव रो मुलक प १३१
बांभणवाड़ प १७६
बांभणहेड़ो प १७६
बांभणीका गांव (प्रदेश) दू ८
बांभोतर प ६६
बांभोरो प ४३
बांसवाड़ा दे० बांसवाहळो।
बांसो ती २३७
बांहाळो दू ४
बाकरलो प ४७
बाकारोठो प ६८
बाघलव प. २३९
बाचारांवाळो दू २६०
बाटवडोर प ८०
बाटियो प १७६
बाडमेर दे० बाहड़मेर।
बाढेल बांभणां-रो प १८०
बापड़ोनरो प ४४८
बापणसर दू ६
बापला प १५८
बार प २५२
बारखरड़ौ प ४३
बारू दू १२, १४०, १४२, १४३ दे० बारू
बारू-दांहिण दू ५३, ७३
बाळघो प १७३
बालपुर प २३७
बाला दू १८३
बालाणो दू १४२
बाला रो-गांव दू ४
बालापुर प २६७
,, दू १८२
बालाभेट प २५२
बालो गूदोच रो दू ११३
बालो भाद्राजण रो प २३६
बालोतरा प ८६, ३३३
बालोतरा दू १३०
,, ती २२६
बाहड़मेर प १४३, १४८, ३३३, ३३७, ३३८, २६१, २६३
,, दू. १२६
,, ती. ३, ४, ११३
बाहतर खड गूजरा वाळो दू १६२
बाहरड़ो प ४३
बाहरली-पालड़ी ती १२४
बाहरोट रो पबग प १७३, १७४
बाहिरलो बास प २४७
बाहुल प १७६
बिटड़्यां ती. १०६, ११०
बीकानेर दे० बीकानेर।
बीजवा प १८०
बीजापुर ती २७७
बीम्होली प ४४
बीड दू ६८
बीलाड़ो दू १५०, १८७
बीलेसर दू २२६
बीसलपुर प ४५
बुंदेलखड प १२७
बुगलाण ती २१८
बुचकठो दू ८
बुज दू ७८
बुजड़ो प ३२
बुजेरो दू ४
बुड़कियो प. ३५७
बुड्डण प १२८
बुढारो दू १३६
बुधेरो-दू १६
बुधे रो-खरड दू ११, १६
बुरवटो प्रोईसा-रो दू १७२
बुरवटो लवेरा रो दू १८९
बुरहांनपुर प २५ ७७, १२०, १३१, १९७, २००, २३४, २३५, २९८, ३११, ३२१

बुरहांनपुर दू. १५६, १५८, १७०, १७२
बूंटेची दू. १८०
बूंदी प. २६, ३७, ३८, ४४, ४६, ५६, ६७, ६६, १००, १००, १०१, १०२, १०३, १०५, १०६, १०७, १०८, १०६, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११७, ११८, २८०, २८३
„ दू. १७१
„ ती. २४१, २६६, २६७, २७२
बूंदेलो प. १६
बूचाड़ो प. १७६
बूट प. २७
बूटड़ो प. १७६
बूटेळाव दू. १७७
बूढहर दू. १२
बूराळ प. १७५
बूसियो प. १७८
बेधू प. ५३
बेड़च्यो प. १२८
बेदलो प. ३२
बेहड़ो प. ४१, १७६
बेहु सिवलवाळो प. ११५
बेहुगटो प. ३४८, ३५१, ३५२
„ ती. ७, १०३, १०५
बैराई दू. १७०, १७२, १७५, १६०
„ ती. ६०
बैराही दे० बैराई।
बैरु दू. १६८
बैरोळ ती. २३६
बोलड़ा प. ४२
बोड़बी दू. १८०, १८१
बोड़ानड़ो (बोड़ानाढो) दू. १८०
बोथरी दू. ५
बोरबो प. ३४०
बोळ दू. १६६
बोळो दू. ४
बोहरावास प. २६०
बौंळी ती. ६८
ब्यावर प. ३८
ब्रहमंड प. १६२
ब्रहमांण प. १४६
ब्रहांनपुर दे० बुरहांनपुर।
ब्रह्मसर दू. २, ४, ३६
ब्रह्मावासणी दू. १६६
ब्राह्मणवाड़ो ती. १७४

भ

भंडण दू. १११
भंभारो दू. ४
भंवरी प. २११
भगतावासणी दू. १६७, १७३, १७४, १६४
भगवंतगढ प. ४७
भटनेर प. २१२
„ दू. १६, १२२, १२३, १२४
„ ती. १५, १६, १७, १८, १६२, २२१
भटिंडो दू. १०
भट्टी प. २६८, ३१६
भठी प. २६८
भड़ियाद दू. १
भणांय प. ६४, ६५
भदळो दू. १२
भदांण प. २५०, २५१
भदांणो प. २५१, २५३
भदावर प. १२८
भदावर-रो-मैड़ो प. १२८
भदियावद प. १२३
भनाई ती. २२४
भरबळ (भडौंच) दू. १६
भरोसर (भरेसर) दू. १३७

भव प. १६२
भवणों प ३२
भवराणो प २११, २३७
, दू १६७
भांउडो दे० भाउडो
भांगेसर दू. १६४, १६७, १६४, १६७
भांडोतर प १७६
भांडोळाव दू १५१
भाणगढ प २६६
भांणल (?) दू ६१
भांनावास प २३६
भांनियो दू ६
भांभेरो दू. ६, ३८
भांभेळाई दू १५०
भांमरा १७८
भांमोळाव प ३६२
भांवरी दू ४
भांहरो दू १६६
भाउडो दू १५३, १५८
भाखर दू ३१
भाखरी दू १७०
भागवो प. २००, २०१
भागोनडो दू. ६
भागेसर दू १४६
भाचरांणो प २३६
भाचाहर दू १११, १२६
भाटरांम प १७५
भाटरो प ६१
भाटवो प २४८
भाटांणी प १७५
भाटी प ३१५
भाटीपा दू १५
भाटीव प २४१
भाटीघटो दू १५
भाटेर दू. १६४
भाटेवो (भाटो?) प २४८
भाटोद प ४१
भाठवां तो १८
भाडग तो १३, १४, १५
भाडली प. १७६
भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
भावळो तो २२५
भादासर दू. ४
भाद्राजण प. १५८, १६०, २०६, २१०, २१२, २३६, २३७, २३६, २४०
„ दू १४६, १४७, १५८, १६३, १६७, १८१, १८६, २७८
„ तो. २५६, २५७, २५८
भाद्रावळ दू २१६
भाद्रेसर दू. २१६, २२०
भारत प १४७
„ तो १७३
भारमलसर दू १०४, १३५
भालाही दू. ६६
भालेसरियो दू १८०
भाषी दू. १६४
भाहरजो प १७४
भाहरू प १७४
भाहरो दू ६५, १८६
भिणाय दे० भणाय।
भिणियांणो तो ११२, ११३
भिरड तो २८
भिरडकोट दे० भिरड।
भींव-रो तोडो प ३०१
भींवासर दू ६८
भीडवाडो प ३८
भीतरोट प ४६ १५१, १५२, १७३
भीतरोट-रो-पथग प १७३, १७४
भीदासर दू १३५
भीनमाळ प. १३६
„ तो. २३

भीमांणो प. १७४
भीमेळ प ६१
भीलडांमो प. १७६
भीलड़ियो प. ६०
भीलड़ो-नांन्हो प. १७६
भीलमाळ दे० भीनमाळ।
भीलवण प. ७६, ७७
भुज प. ३६४
,, ट्ट. १५, १६, २१४, २१८, २२०, २२५, २३८, २४४, २५३
भुजनगर दे० भुज।
भुड़हड़ ट्ट. १८२, १८३
भुरलिया प. ६१
भूंडू प. १६८
भूंडेल प. ३४७, ३४८, ३५०
भूंण ट्ट ६
भूंणोद प. ४१
भूंभळियागढ ती. १७४
भूंभळियो प. ६०
भूंभावड़ो प. २४१
भूकर ती. २२३
भूकरको ती. २२३
भूकरी ती. २२३
भूकांणी प. १७६
भूका दे० भूखो।
भूखो प. ३५६
भूतगांव प. १७७
भूतेल प. २४१
भूमळियागढ ती. १७४
भूवो ट्ट. ६
भेटनड़ो ट्ट. ६०, १५६
भेटाळो प. २४७
भेड ट्ट ६५
भेळू ती. २२५, २८२, २८३, २८४
भेवो प. १७७
भेंण्डेवो ट्ट. १०
भेंसड़ो ट्ट. २, ३६, ६५
भेंसरोड़ प. २०, २६, ३८, ४४, ४५, ४६, ५२, ६५, ६७, ६८, २८०
भेंरवी-रांणा-री प. ६६
भोजनेर प. ११७
भोजू ट्ट. १८६
भोवाळ (?) ट्ट. ६१
भोरड़ प. ४०
भोवाद ट्ट. १६२
भोवादी ट्ट. १६१
भोवाळ प. ३०६
,, ट्ट. १६०

म

मंगळीका-थळ ट्ट. ३१
मंघलो प. १६२
मंडळ प. ४३
मंडळगढ प. ५३
मंडळप ट्ट. ४१, ४२
मंडावरो ट्ट. १८६
मंडाहड़ प. १७३
मंडोर दे० मंडोवर।
मंडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४, ३४८
,, ट्ट. ६६, ३०८, ३०६, ३१०, ३३६, ३३७
,, ती. १०, १२, २८, १३०, १३२, १३५, १४०, १४१, १४६, १५८, १६०, १६१, १६४, १६६, १७३, १८०, १८२, १८४, २१३
मंडोहर दे० मंडोवर।
मंदसोर प. २७, २६, ३७, ४६, ६४, ६५, ६६
मऊ प. ११३, ११४, ११५, २४२, २५६, ३६०

मऊ दू २६२
मकरोडो प. १५८
मकवाळ प. १७५
मकावळ प १७५
मकावळी प. १७६
मक्का दू. ४६
मगराउवो प. १७८
मगरो प. १७३, १६३
मगरो दू ३१४
मगरो-झोरो प. १७३, १७६
मगरोप प. ५६, ८८
मगरोपगढ तो. १७३
मचीव प. ४१
मछवाळो दू १४४
मट्टण प. ३२
मढलो दू. १६१
मढलो प. ३६२
मणोहरो प १७७
मतोड़ो दू १५६
मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
,, दू. ११, १६, १४०
,, तो. २०६
मदार प ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
मदारड़ो प ४१
मदासर दू. ३६
मनदसोर प. ४६
मनसोर दू २६३
मनोहरपुर प ३१८, ३१६, ३२६, ३३२
ममणवाहण दू १०
दे० मूमणवाहण।
मरुप्रदेश दू ३१, २६६
मरुस्थल दू. ३१
मरोट दू ११५, ११७, १२०, १३७, १३६
,, तो. ३४, २२०
दे० महारोठ।
मरोठ दे० मरोट।
मलकासर तो. २३०
मलार दू. १४७, १८५
मलारणो तो. ६८
मलोरणो प. ४७
मल्हार दे० मलार।
मवडो दे० मोडी।
मवडी-भाटा-री प. १७६
महकर तो २१४
महमदाबाद तो. २८
महमाना जक्शन दू. २६६
महाजन दू. १११
,, तो २२८
महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
दे० मरोट, मारोट, मारोठ, माहरोठ
महियड दू. ३८
महीकाठा दू. २७६
महोनाळ प ४४
महेप दू १८७, १८८, १६०
महेवो दे० मेहवो।
महेसरी प १७६
महेसियो दू १४६
मांकडो प. ४५
मांगळो दू. १५४
मांगळोद प. २६३
मांगळोर प. २६३
मांचाळो प. १७७
मांडणसर दू. १२६
माडणी प. १७७
माडळ प ६८, १२४, १७६, ३०१
,, दू. ३४२
मांडलगढ प. २६, ३७, ४४, ४७, ४८, २७६, २८०
,, तो. १७३
मांडलो प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,
५६, ८२, ८७, ८७,
६१, ६६, १०२, १२२,
,, दू. २६२, २८५
,, ती. १, १३६, २४०, २४३,
२४४, २४७, २४८
मांडवगढ ती. २
मांडवाड़ो प. १७४, १७७
मांडवो प. १७६, २३६
,, दू. १५०, १७१, १७४
मांडहड़गढ ती. १७३
मांडहो ती. १२३
मांडाळ दू. १३१
मांडावरो दू. १८६
मांडावाड़ियो प. १७७
माडावाड़ो प. १७८
मांडाहड़ो प. १७५
मांडाही दू. ६
मांणकळाव प. २४१
,, दू. १७६
मांणकियावास दू. १४६, १८६
मांणच प. ४३
मांणेवो दू. १७५, १७६
मांनपुरो प. ३६, ३८, १७४
मांहिलोवास प. २४७
माछ प. ४७
माटवणां प. १७६
माटासण प. १३६, १७६
माड दू. २१, २२, २५, ६३
माडपुरो प. २८५
माड-राठी वाळी दू. ३३
माडाऊ दू. ४
मायको दू. २५६
मायासरो प. १६३
मादड़ी प. १६५
मादळियो दू. ७६, १६६
मामयो दू. ४
मारलो प. ११५
मारवाड़ प. १५, १७, २१, २५,
३१, ३५, ३८, ५५,
६०, ६२, ८८, ८६,
६०, १२२, १२३, १४७,
१४६, १६४, १६५, १८७,
१६३, २०४, २०७, २०६,
२११, ३०३, ३०४, ३३३,
३३७, ३३८, ३६१
,, दू. १०५, ११०, १३०, १५८,
१७२, २६१, २६८, २७७,
२८०, ३४२
,, ती. १०, २८, ८३, ८८,
६५, ६६, १०५, १२०,
१२४, १७३, २१४, २२६,
२३७
मारेल प. १७५
मारोट दू. १०
दे० मरोट, मारोट, महारोठ, माहरोठ
मारोठ दू. ५३
दे० मरोट, मारोट, महारोठ, माहरोठ
मारोली प. १७७
माळ प. १४६
मालकोट ती. २१५
मालगडो दू. ४
मालगढ प. ६०
मालणिपाळ दू. २५५
मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,
२८०, २६६, ३०६
मालव प. ४, ५३, ६४, १८५
मालवदेश ती. १७३
माळवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४
,, दू. १६३
मालांणी प. ३१, ३३३
,, दू. २१६, २८०

मालाणी तो २८, २५६
मालागाथ प. १७५, १६६
मालाजाळ दू १३०, २८४, २८५
मालानी दे० मालांणी।
मालावास प १८०
माळियो दू २५३
माळीगडो दू ३२
मालेर प ३३२
मालेरी प ८
माल्हणसू प ४१
माहरोठ प १२२, १२३, १२४, ३२१
माहिडियाई दू ८
माहोली प २१, २०७
मियां रो गुढो प १०१, ११७
मिलकापुर प ३०१
मिलकी अभिरांमपुर प ११४
मिळसियाखेडो तो २४२
मींया रो खेडो प. १०२
मीठडियो दू १२५
मीठोडो प १६६
मीतासर दू ३२१, ३२२
मीमच प ३७, ३८, ४६, ५३, ६२, ६३, ६५
मीरमीप (मीरमी पहुचो) प. ४७
मुगाह दू ४
मुजपुर दू २५६
मुडवाय दू १६५
मुदरडो प १७४
मुमणवाहण दे० मूमणवाहण और ममणवाहण।
मुकुदपुर प १३३
मुणावद प २८४
मुथराजो दे० मथुरा।
मुरधराखड दू ३८
मुलताण प ८, ३५३
मुलतांण दू १२, २२, ११३, ११४, ११५, १२०, १३७, १४२, ३१३
मुल्तान दे० मुलताण।
मुहार दू. ५, ६, ८
मूठली प १६५
मूडखसोल प ३२
मूडथळ प १५८
मूडथळो प १७४
मूडळदेस प ४३, ४५
मूडळ मुलक दे० मूडळदेस।
मूडलो प ३८
मूडेडी प १७७
मूडेळाई दू १३२, १४४
मूणावद्र प १७७
मूथियाड प ३३६
मूमणवाहण दू १०, ११५, ११७, ११६
मूसावळ प १५८
मूळ दे० मूळी।
मूळपुरो प ३८
मूळी दू २५८, २५६, २६०
मूळी-रो परगनो दू २६०
मेऊ दे० मऊ।
मेघा रो गाथ दू १३६
मेडतो प १३, २६, २८, ३५, ६०, ६२, २३६ २४०, २४१, ३०२, ३०४, ३०६, ३२३ ३३६, ३५४
,, दू ६, ३१, ११६, १२५, १३८, १४७, १४८, १४६, १५०, १५१ १५३, १६०, १८७, १६२, १६३ १६८, १७३, १८६, १६६
,, तो २८, ६३, ६४, ६५ ६८, १०१, १०२, ११५, ११६ ११७, ११८, १२०, १२१ १२२, २१५

मेड़ो प. १५८, २४७
मेढी-रो- माळ दू. ३४
मेदपाट प. ७
मेदसर ती. २२७
मेरता दे० मेड़तो ।
मेरवाड़ो प. ४५
मेरवाड़ो वड़ प. ४५
मेरियोवास प. ३४३
मेलांगरी प. १७४
मेवड़ो प. १७६
मेवरो दू. १५६, १५६, १६०
मेवल प. ४३
मेवल-मेरां-री प. ४५
मेवाड़ प. १, ३, ४, ६, ७, ११, १६, २४, २६, ३६, ४०, ४२, ४३, ४४, ४७, ४८, ५५, ५६, ५८, ५६, ६४, ८६, ६०, ६१, ६६, १३६, १३७, १४४, १८६, १८६, १६७, २३२, २६५, २८२, २८४, ३४२,
„ दू. ३८, ६३, २६२, २६३, ३३५, ३४३
„ ती. ६, १०, १२, १३६, १३६, १६२, १६४, २३६, २४७, २६६
मेहगड़ो प. २३८, २३६
मेहर दू. ११
मेहलांणो प. २३८
मेहळी प. २३६
„ दू. १८५
मेहवानगर दे० मेहवो ।
मेहवो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०
„ दू. ५४, ६८, ८४, ६०, ६६, १०४, १३०, १४१, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २८६, २६०, २६२, २६३, २६४, २६७, २६६, ३००, ३०७, ३०६, ३२०
„ ती. ३, ४, ५, २३, २४, २८, ५८, २५१, २५२, २५६, २८०
मेहःकोर दू. १२२, १२३
मेहाजळहर दू. ७८
मैदानो प. २५२, २५६
मैहकर दू. १६०
मोकरड़ो प. १७४
मोकळनड़ी दू. १८३
मोकळाइत दू. ४
मोकीली प. ५२
मोलेरी दू. ६५, १६५
मोजाबाद प, २८७, ३१४ दे० मोजाबाद
मोटपुर प. ११६
मोटांण प. १८०
मोटासण प. १७६
मोटासर दू. ११, १११
मोटेळाई दू. १११
मोडो प. १७५
मोरथळो प. १८०
मोरवो प. ३५६
मोरवी दू. २१३, २१४, २६०, २६१
मोरवड़ा प. १७६
मोरवण प. ६३
मोरियांवाळो दू. १११
मोलेळो प. ४०
मोलेसरी प. १७६
मोहनी प. १२८
मोहारी प. ३१३
मोहिल-मांकड़ो प. ४५
मोहिल-मांकड़ा रो परगनो प. ४५

मोहिसावाटी ती. १५३
मोही प ३७, ४७, ५२, ११६
मोजावाद ती. ६८ दे० मोजावाद।
मोडी प. १६४, १६५
म्रिगासर ती. ४७

य

यादवस्थली दू. ३

र

रगाईसर ती २२६
रडोद दू १५७
,, ती. ६५
रणथमोर दे० रिणथभोर
रतनपुर प ४४, ६२, ६४
रतनपुर-री-चौरासी प ६४
रतबडो (रंवडो ?) प १६४
रतलाम प ६४
,, ती २५
रबीरो दू. ४
रवणियो दू १७५
रहवाडो प. १६२
रांणकवाडो प. १७५
रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६६
रांणाई प ५
रांणासर ती. २२६
रांणी गांव (पारकर) प. ३६४
राणोर-रायमल वाळी दू १२५
रांणेरी दू १३५
राणेहर दू. ११, १११
रामगढ प २५२, २७६
रामडावास दू १८०, १८६
रांमपुरो प २६, ३८, ४५, ४६, ६५
,, दू १७६
,, ती २३६, २४०, २४६, २४७
रांमसर दू १३५
रांमसेण प १४४, १४६, ३३७
रांमावट दू १६२
रांमेस दू ३८
रांवण दू. १३८
रांवणियांणो दू १८७
रांहिण प २६, ३१५
राकडवो दू ३६
राखांणो प. २३६
राजकोट प २७१
राजगियावास दू १६१
राजपीपळो प ८८
राजलो-तेजा-रो दू १५०
राजस्थान प ४८, १४७
,, दू २५८, २६६, २७८, २८७, ३३२
,, ती १४, १५५, १७३, १८१
राजासर दू १११
,, ती. २१
राजोडो प १७८
राजोद दू ११६
राठ प १०५, १२७
राठ कोदमियो प १०५
राडधरो प २२८
,, दू ६७, १७६
,, ती २५६
राडवरा प. १७७
रातोकोट प ३३८
राय कोहरियो दू १८८
रायधणपुर (राधनपुर) प ३३७
रायपुर प. ३१४
,, दू. २६२
,, ती २३६
रायपुरियो प. १७५
रायमलवाळी दू ११, १११
रायमो प २३७
रावतसर दू. ४
,, ती २२६

रावर प. ४७, ३१५
रास ती. २३५
रासा-रो-गुढो दू. १३१
राहड़ दू, ३३
राहिण दे० रांहिण ।
राहुवो प. १७५
रिख-विसळपुर प. ४५
रिड़ियो दू. ८
रिड़ी दू. ६
रिणथंभोर प. ३७, १०३, १०४, १०८, ११०, १११, ११२, २७६, ३००, ३०१
„ ती. ६६, १८४
रिणधीरसर प. ३४६
रिणमलसर दू. ६२, ६६, १३८
रिणी प. २१२
„ ती. १५४
रिवड़ी दू. १४७
रिवद्र प. १७५
रिवियो प. १७६
रिषीकेश (आबू पर्वत) प. १७८
रीछड़ो प. १७६
रीछेर प. ४०
रींयां दे० रेयां ।
रीवां प. १३३
रोवी प. १७५
रुंम्रांव प. ३२
रूंण प. ३४२ ३४४
„ ती. ८, १४१
रूंणकोट प. ३३६
रूणवाय प. ३३६
रुंदियो दू. १६३
रूपजी प. ४०, ४१
रूपजी-वासरोड़ प. ४०, ४१
रूपनगर ती. २२०
रूपावास प. २३६
रूम-सूम दू. ४५
रेतळो ती. २८०
रेयां प. ३०२, ३१४
„ दू. २०१
„ ती. ६४, ६५, ६६
रेवड़ो प. १६४, २३७
रेवत दू. १५०
रेवली प. ४२
रेवाड़ो प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३, ३२४
रैतळो ती. २८०
रैयां दे० रेयां ।
रैवासो प. ३२०
रोजेड़ प. १७६
रोणवो ती. २२६
रोह प. १४६
रोहचो प. २३७
रोहड़ो प. १२३
रोहणवो दू. १६१, १७२
रोहाई प. १७३
रोहाई-भीतरोट प. १७३
रोहिड़ो प. ४२, ४७
रोहितगढ दे० रोहिरगढ ।
रोहिताश्वगढ दे० रोहितासगढ।
रोहितासगढ प. २६३
„ ती. १७४
रोहिरगढ ती. १७३
रोहिलगढ दे० रोहिरगढ ।
रोहिसो प. ३४०
रोहीड़ो प. १७४
रोहीणो ती. २२६
रोहीणो ती. २२६
रोही-भीतरोट प. १७३
रोहीसो प. १६३
रोहुरो प. १७६
रोहुवो प. १७५

ल

लका दू ३६, २४२
लकडवा प ३२
लखमणसर ती २३३
लखमेर प १७६
लखांनखेडो प १०१
लवांणो प ३०७ ३११
लदांवण प ३०७
लबीह दू ४
लवांइण प २८७, ३०२
लवाणागढ प ३३२
लवाणो प ३३२
लवेरो दू १५०, १५४, १५५, १५६, १५७, १५६, १६०, १६१, १७४, १८६, १८८, १८६
लांगरपुर प १२८
लाणेलो दू ४, ८
लांबियो ती १२१, २३५
लाकडवाळो दू १११
लाखडो दू २०६, २१०, २११, २१२, २१६
लाखा रो घट दू ३२
लाखासर दू १११, १३८
लाखाहोळो प ३२, ४३
लाखूटा (लाखोटा) नो पोळ ती ५५
लाखेरी ती. २६७
लाखेरी गोडावाळो प ११३
लाखे रो-गांव प ११०
लाघडो प २२८
लाज प १७६
लाठी प ३३५
लाठी दू ७६
लाठीहर दू २६१
लाडणू ती १५४, १५७
लाडेलो प १७५
लाघडियो ती १३, १४
लाघां दू ३२७
लालसोट प ३१४
लालांणो दू १८५, १८८
लालावर दू १११
लास प १७७, २८४
लास मुणावद प २८४
लाहोर प २६३
,, दू ५५, १४६
,, ती २१४
लिखमडी प ३८
लिखमीदास प १७७
लिखमेली दू ६२
लीकडो दू १२
लीकणो दू १४२
लूद्रवो प २५३
लूद्रवो दू ६, ८, १६, २६, २७, २८, ३३, ३४, ३५, ३६, ७६
, ती १७४, २२२
लूणावाडो प ८६
लूणोई दू ३६, ६६
लोईयांणो दे० लोहियाणो ।
लोटाणो प १७४
लोटीवाडो प १७७
लोटोती प ६२
लोठीधरी प ६२
लोदरो प १७३
लोलटो प ३५१
लोलापुडी दू ८
लोलियांणो प ३३५
,, दू ६५
लोवो ती २३२
लोहगढ प १८७
लोहटवाली प १०१
लोहडी दू १४१
लोहवागढ ती १७४

लोहसींग प. ४०, ४१
लोहावट दू. १६२, १६६, १८१
लोहियाणो प. १४६, १६०

व

वंको प. ६०
वंगो दे० वांगो ।
वंसहीगढ ती. १७४
वगड़ी ती. ८१, ८३, १०५
वघरेड़ो प. ६६
वछणोट दू. १३
वजु दू. ७६, ७७, १३६
वड़गांव प. ६६, १३६, १४६, १७७, १७८
वडगिर दू. ६३
वड़लो दू. १७२, १६४
वडवज प. १५६, १७५
वडवाळो प. ४३
वडांणी दू. ८५
वड़ी प. ३२
वडेरण दू. १११, ३०४
वडेर-रा-गांव प. ११५
वड़ोव प. ८१, २५२
वड़ोवती ८१
वड़ोद्रो प. १७६
वढवांण दू. २५६, २६१
वणसेड़ो प. १११
वणहटो प. ३१४
,, ती. ६८
वणहड़ो प. ४७
वणाड़ दू. ३३
वणाड़ो दू. ६७
वणोर प. ५३
वदनोर प. १७, १८, २६, ३७, ४७, ४८, ५३, ११०, ११६, १८६, २८०, २८१, २८२, २८३, ३४०
वधनोर दे० वदनोर ।
वरकांणो प. १३७
वरजांगरो दू. १३६
वरजांगसर दू. १६६
वरणो प. ४१
वरवाड़ो प. ४१
वरवाड़ो प. ४१, ४७
,, ती. ६८
वरसड़ो प. ३२
वरसलपुर दू. १०, ११०, १११, ११७, ११६, १२०, १२१, १२६, १३५
वराहील प. १७६
वरियाहेड़ो प. ३३४
वरिहाहो दू. २५
वसाड़ प. २६, ४६, ५३, ६४
वसी प. ५१, ६६, १५१
वहवड़ो दू. १३६
वांकानेर दू. २५६, २६१
वांगो दू. २२६, २३१, २३२, २३३
वांसड़ो प. २८५
वांसरोट प. २८५
वांसलो प. १
वांसवाळो दे० वांसवाहळो ।
वांसवाहळो प. १४, २६, ३७, ३८, ३६, ४३, ४६, ५३, ६६, ७०, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ८६, ८७, ८८, ६४
वांसवाहळो ती. २६६
वांसियो-पोपळियो प. ६४
वांसोर दू. ३२६
वांसोलो प. ६१, ६२
वागड़ प. ५, ७०, ८६, ८७, ८८, ११६
,, दू. ३८, १६१, १६२, १६४
वागड़ियो प. १७८

वागोर दे० वाघोर।
वाघरड़ो प. ६२
वाघसणो प. १७७
वाघार प. १६२
वाघावास दू. १८८, १६८
वाघोर प. ४०, १७६, ३०२
„ दू. १, १६, २३२
वाघोरियो प. ३३८
वाचड़ा प. १७७, १७६
वाचड़ा-बीजो प. १७७
वाचडोळ प. १७५
वाचण दू. २५६
वाचाहडा प. १७८
वाचेल प. १७५
वाजणो प. ६०, १०७
वाभनाइयो दू. ८
वाटेरो प. १७४
वाड़ो दू. १५०
वाणारसी प. ११२, १२८
वाप प. २१२
„ दू. १२, ११४, १२७, १३१, २००
„ ती. २२३
वाय ती. २२३
वारणाऊ दू. १६०, १७५
वाराहो दू ३२
वारू दे० बारू।
वालजीसर दू. ६६
वालरवो दू. १६४, १६५, १६७, १६८
वालिया प. ६१
वाळेसर दू. १२६
वाव प. १४६, १७२, ३६५
वावडी दू. १२, १४०
वासड़ेसो-भाटां-रो प. १८०
वासडो प. १६२
वासण प. १७७
वासणड़ो प. १७६
वासणपो दू. ४, ६, १०, ७२
वासणी प. २३६
„ दू १७५
वासणी-सवेरा-री दूं. १५४, १६०, १६१
वासथांन प. १७८
वास-बाहिरलो प. २४७
वास-माहिलो प. २४७
वासरोड़ प. ४०
वासुदेव प. १७८
वासो प. १७४
वाहिण दू. १४१
विकूकोहर दे० बीकूकोहर।
विकूपुर दे० बीकूपुर।
विजाई दू. १४६
विजियावासणी दू. १५०
विमळोखो दू १५६
विलायत दू. २३६
„ ती. १६२
विल्हणवाटी प. १२२
विसळपुर प ४५, ४७
विसांइण दू १७६
वींजोराई दे० वींझोराही
वींझोतो दू. ४, ११
वींझोराई दे० वींझोराही।
वींझोराही दू. ६ ८४, ६७
वींटली ती ६५
वींठाड़ो दू. १०
वीकमपुर प. २५३
वीकानेर प. २५, ५१, ६०, १४६, २१२, ३०२, ३४६ ३५४
„ दू. १, २, ७, ११, १६, ३३, ३६, ७५, ८५, ६२, ६४, ६६, ६७, ११०, १११, ११३, ११४, १२३, १२४, १३०, १३१, १३२, १३३, १३७, १३८, १४०, १४५, १६४, १७७

बीकानेर ती. १५, १६, १७, १८, १९, २०, ५१, ५२, ९०, १५१, १७६, १७७, १८०, १८१, २०५, २०६, २०७
बीकूंकोहर प. ३५१
बीकूंकोहर दू. १२२, १२८, १५७, १५९, १७४
बीकूंपुर प. ३४६.
„ दू. १, २, १०, १२, २५, ३९, ७६, ७७, १०४, १०७, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, १२१, १२६, १२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३७, १४०, १४१
„ ती. ३४, ३६, २६०
बीखरण दू. ३२
बीचवाड़ो प. १७८
बीछूंदो प. ४७
बीजळी प. २३७
बीझणो प. ९१, ९२
बीझणोट दू. १३
बीझळवाळी दू. १११
बीझवाड़ियो दू. ११९, १५१, १६०, १८७
बीझेवो प. १३७
बीझोळाई दू. ८
बीठणोक दू. ११३, १२५, १३०
बीठू दू. १८६
बीदासर ती. २३०
बीनावास दू. १८६
बीनोतो प. ६४
बीमणवो दू. १२३
बीरपुरी प. १५८
बीरमगांव (बीरमगांव) दू. २१३, २५८, २५९, २६०, २६१
बीरमो दू. ३२
बीरवाड़ो प. १७३
बीरांणी दू. ९०, १७४
बीराळियो-भाटां-रो प. १७४
बीरोळी-बांभणां-री प. १७९
बीरोळी-भाटां-री प. १७९
बीसळू प. २३५
बेकरियो प. ४१
बेघम प. २९, ३७, ४४, ४९, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, २८०
बेधू प. ५३
बेटवास दू. १६१
बेड़च प. ३३, ३५
बेणातो ती. २३१
बेरसलपुर दू. ११७, ११९, १२१, १२६, १२९, १३०, १३५
„ ती. ३७
बेरागर दू. ३८
बेराट प. ३३२
बोपारी दू. १४७
ब्यावर रांणारी प. ३८
ब्रमसर दू. ३९
ब्रमांण प. १७५
ब्रह्मांण प. १४६
ब्रह्मांनपुर प. ३१९, ३२१ दे० बुरहांनपुर।
ब्राहनपुर प. ७७ दे० बुरहांनपुर।

श

शत्रुंजय दे० सेत्रूंजो।
शाहपुरा प. ३२४
शिखरगढ दे० सिखरगढ।
शिवपट्टन प. २१३
शेखावाटो दे० सेखावाटी।

शेखासर दे० सेखासर।
श्री महादेवजी सारणेसरजी रा गाँवां
रो पगन प. १७३, १७८
श्रीमोर-परगनो तो. १५५

स

सतपुरो प १७४
सभर प. २५०
सक्तीपुर प. २३१
सकर प. १७६
सकराणो प २१३, २१६, २१७, २१६
सजडाऊ दू. ४
सभांणो (सभाडो) प २४०
सतापुर प १७७
सतारो तो. १८१
सतावतां रो-वास दू १७६
सतिग्राहो दू. १४२
सतिहाहो दू. १२
सतोही दू ७६
सथांणो प २८२, २८३
सपतद्वीप प. १७, १६०
सपत पताळ प. १६२
सपहुर दू. ४
समदडी प. २८, २३३
समदडो दू. ३२
समावळो प २३३, २४१
,, दू १६४
समियाणो दे० सिवाणो।
समीचो प ४१
समूंभो प १६४
समेळ प. ३८, २०७
समोगढ तो. १६२
समोगर दे० समोगढ।
सरऊपर दू ११६
सरकसर दू. ६७
सरणुग्रो प. १८१, १८८, १८६
सरनावडो दू. १६२
सरेचो प. २७
सरोतरो प १४६
सलखावासी दू. २८०, २८१
सलास प. १६८
सलूंबर प. ३६, ३८, ३६, ४३, ४८, ६६
सवराड दू. १६६
सवाळख दे० स्वाळख।
सांकरगढ प. २७६
सांखलो दू. ३१
सांखू तो. २२४
सांगण दू. ६ ३६
सांगवाडो प १७४
सांगानेर प. ३११, ३३१
सांगोद प. ११४
सांचोर दे० साचोर।
सांजीत दू. ३६
सांडवो तो २३२
सांडूडो प. १७५
सांणपुर प. १७६
सांतरवाडो प. १७६
सातळपुर दू. सातळपुर।
सांथांणो प. २४८
साबो प ३४६
सांभर प. ५, १००, ११६, २५०, ३०६
,, दू ५६, २६६
सामई दू २१५, २३६, २३७, २३८
सामरलो दू १८३
सामळवाडो प १७८
सामूजो प २४०
सावडाऊ दू १७६
सावत-कूवो दू १६६, १७१, १८१, १८६
सावतसी-रो-गांव दू ४
सांवरलो दू १८२
सांवळतो दू. १६३
साकवडो प १७६

साचोर प. १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८
साठ-मंडाहड़ प. १७३
साठ-रो-पधग प. १७५
सातळपुर दू. २१४, २५३
सातळमेर तौ. ११४, २२०
सातवाड़ो प. १७८
सातसेण प. १७६
सार्थाणो दू. १६०
सादड़ी प. ५, ५३, ५६, ४१,
४३, ४६, ५३, ६१,
६२, ६३
सादड़ी-झालांवाळी प. ५
सादियाहेड़ो प. १०२
सापली दू. ४, १३
सापो प. २४१
साबो प. ३४६, ३५२
सायरो प. ४२
सारंगपुर प. २५२
सारंगरो प. ४३
सारण प ३८
सारणेसर प. १७३, १७८
सारसी दू. २४२
साळ प. १७७
सालेर-मालेर प. ३३२
साळोड़ी प. ५३, ५४
साधड़ प. ८, ४७
साथड़ो दू. २, ३१, ८१
सावर प. १२२
सावरीज दू. १२५, १६५
साहड़ां प. ६६
साहपुरो प. ३२४
,, तौ. २१७
साहरियांणो प. २३७
साहळथो दू. ३२
साहिजिहांनाबाद प. ५३
साहिजिहानाबाद-कणवीर परगनो प. ५३
साहिजिहानाबाद-कपासण परगनो प. ५३
साहिलगढ तौ. १७३
साहेलो दू. १४८
साहोर तौ. २३०
सिंघलद्वीप प. ८
सिंघावासणी दू. १८८
सिंध प. ८, ६०, १८५, २६२
,, दू. १७, २१, २२, २५,
२६, ३१, ७६, ८१,
८६, ८७, १०६, ११६,
११७, ११८, २१५, २३१,
२३५, २३७, २३८, २६६
,, तौ. १७४
सिंघड़ी दू. २३१
सिंधु दू. २४२
सिंधुद्वीप तौ. १७८
सिंहस्थलो दे० सीहथल।
सिखरगढ प. ३१८, ३१६
सिणगारी प. २०६
सिणली दू. १५०
सिणलो प. २५
सिणवाड़ो प. १७४
सिणवार तौ. १७३
सिणहड़ियो प. १२३, १२४
सिद्धपुर प. २५६, २७६, २७७
,, दू. २६२
सिधपुर दे० सिद्धपुर।
सिधमुख तौ. १४, १५, २३३
सिरंगसर तौ. २२४
सिरड़ प. ३५०
सिरड़ियो दू. १०७
सिरबाज प. १२७
सिरवाड़
सिरवो

सिरहड दू ११४, १२८, १३०, १३४
सिरहड वडी दू १३६
सिरांणो प २३६, २३६
सिरिवाज प १३१
सिरोहणो प १७८
सिरोही दे० सीरोही।
सिव दू १३, ६६
सिवपुरी प १८६, १६०
सिवरटो प १७६
सिवांणची प १६३
सिवाणी ती १४
सिवांणो प २८, १६४, १८७ १६३
२०३, २०४, २३३, २३६,
२३८, २३६
, दू १२१, १५४, १६१, १७३
१८२, १८३, १८४, १८५
१८८, २८४
,, ती २८, १८४, २१४, २२०,
२७२
सिवानची पट्टी प १६३
सिवाना दे० सिवांणो।
सिवियाणो दे० सिवांणो।
सींगडियो प ३६ ४३
सींधाड प ४२
सींधळावाटी ती ४१, ४८, १२५
सीकरी प १६, ३००
,, दू २६२ २६४
, ती २६७
सीकरी पोळियो खाळ दू २६२
सीकरी फतहपुर ती २६७
सीघणोतो प १७४
सीझातरो प १७६
सीतडहाई प ३३४
सीतहडाई दू ६
सीतहळ दू ४
सीतहळाई दू. ८
सीताहर दू २६१
सीधपुर प २५६ (दे० सिद्धपुर सिधपुर)
सीधळां रो (जाझोरो ?) दू ६
सीरोड प ४२, ४३
सीरोडो प १७४, १७६
सीरोडो द्रगडां रो प १७७
सीरोही प २२, २३, ३७, ३६
४१, ४२, ४६, ८६,
८८, ६०, १३४, १३५
१३६ १३८, १३६, १४०,
१४१, १४२, १४५, १४६,
१४७, १४८, १४६, १५०,
१५१, १५३ १५४, १५६,
१५७, १५८, १६०, १६२,
१६८ १६६, १७२, १७३,
१७८ १८०, १८१, १८४,
१६१, १६२, १६५, २४५,
२४६, २७२, २८४
, दू १७५ १८६
ती. २६, ५६, ६४, ६८,
६६, ७५, ६६, २१५
सीलघनी प १२७
सीळवो दू ६७
सीवळतो दू १५१
सीवेर प १७३
सीसारमो प ३२
सीसोदो प १, ८
,, ती २३६
सीहडांणो दू ३३
सीहणवाडो प १७३
सीहथळ प. २८५
,, दू १६, २५
सीहरांणो प २३७, २४८
सीहवाग ती १७
सीहवाडो प २२६
सीहांणो दू १२३

सीहार दू. १६८
सीहारो दू. १७३
सीहो प. १७८
सीहोर प. २७६, ३३५
सुआळी प. ६१
सुईगांव प. १७२, ३६५
सुगाळियो प. २३६, २३८
सुणेर प. २६, ४६
सुरड़ियो दू. ३२
सुरतांणपुरो प. १७४
सुरवांणियो प. ३५४
सुहागपुरो प. ६३, ६४
सूंडळ दू. २६२
सूंम दू. ४५
सूजेचो-वांभणीको दू. ७६
सूरजबासणी दू. १५०, १७४
सूरपुर ती. २१६
सूरपुरो दू. १८३
सूरसेन प. २५३
सूरांणी दू. १८०, १८८
सूराचंद प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
सूरासर दू. १११
सूवो प. ५३
सूहड़लो प. १७६
सूहतो प. २८३
सेखपाट दू. २२४
सेखावाटी ती. २७४
सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७, १४२, १४३,
सेणो प. २४५, २४६, २४७
सेत दे० सेतुबंध।
सेतरावो ती. ७
सेतुबंध प. ६
,, दू. ३८
सेतोराई दू. ११
सेत्रूंजो प. २७६, ३३५
सेपटावास दू. १६८
सेरड़ो ती. २१
सेराणो दू. १४८
सेरवो प. १७५
सेलावट दू. ५
सेलो ती. २३२
सेवंत्री प. २८५
सेवका ती. ६१
सेवड़ो दू. १२७, १३४, १३५
सेवना प. ६४
सेवाड़ी प. ३८, ४१
सेवा सांखला रो गांव दू. २६१
सेसू-त्रिवाड़ियां-रो प. १८०
सेहुरो प. १७७
सैंभर प. ५ दे० सांभर।
सैणी प. २०४
सैंवरा प. ३७
सैंसभारिजो प. ४७
सोआऊ दू. १०४
सोजत दे० सोभत।
सोजेरो दू. ३६
सोजेवो दू. ४३
सोभत प. २३, २५, ३७, ५१, ११४, २३३, २४१, ३६१
,, दू. ८४, ८६, १४७, १४८, १६१, १६३, १६४, १६५, १६६, १७७, १७८, १८१, १८३, १८७, १८८, ३१३, ३३१, ३३६
,, ती. ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, १२३, २१५
सोभेवो दू. ४
सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
सोनांणी प. १७६
सोनागर दे० सोनगिर।

सोनेहो प. २०६
सोमईयो प. ३३५
सोमनाथ प. ३३५
सोमनाथ-पट्टन प. २१३
सोयलो दू. १७१
सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३, २१५, २७१, ३३५
,, दू. १६, २५, २६, ६४, १६८, २०३, २०५, २२०, २४२, २६६
,, ती. २२०
सोळकियां-रो-उतन (पथग) प १७३
सोळकियां वाळो दू. १३६
सोळसभा प. १७५
सोलावास प. १७६
सोळियाई दू. ६
सोलोई प. १७८
सोवाणियो दू. १२४
सोहडापुर प. १७६
सोहलवाड़ो प. १७५
सोराष्ट्र दे० सोरठ।
सौरों प. २१४
स्यांणो प. १४६
स्यालकोट प. ३००
स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
स्वाळख प. १८५, ३२४

ह

हस वाहळो प २६
हसार दे. हासार।
हट हटांरो दू. ३३
हडफो दू. १२३
हडवो दू. ६६
हडेल दू. ४
हणवतियो प. १७५
हणाद्रो प. १७५
हथणापुर दू. २४२
हथणापुर ती. १७४
हथूडियो दू. १६१
हवां-रो-वास दू. ३६
हमीरपुर प. ५३, १७५
हरढांणो प. २३६
हरदेसर ती. २३२
हरभमजाळ प ३५०
हरमूसर प. ३४७
हरमाडो प. ६०
हरवाडो ती. १०१
हरवार प. ६६
हरसोर प. १२२
हरीगढ प. ११६
हळदी-री-घाटी प. २०८
हळवद दू. २१४, २४५, २४६, २४८, २५०, २५३, २५४, २५५, २५६, २५८, २५६, २६०, २६१, २६२
,, ती. २२०
हळोद दे. हळवद।
हळोद्र दे. हळवद।
हल्दी घाटी दे. हळदी-री-घाटी।
हवेली-मोकीली परगनो प. ५२
हवेली-रा-गांव प. ४५
हस्तिनापुर दे. हथणापुर
हांसार ती २१, २२, २७३, २७४
हासी प २७३
हाडोती प. ४७, ११६, २०२
,, दू. २६२
,, ती. २६८, २६६
हाथळ प. १७६
हापासर दू. ११, ११०, १११, १२०, १२१, १२४, १२५
हाबुर दू. ४
हारांणी-खेडो ती. १५
हालार दू २२१

हाळीवाड़ो प. १७६
हिंदुस्यान प. १६२, २१७, २१६, २८६
,, दू. १५ ३३१
,, ती. १६, १७२, १६२
हिंसार दे. हांसार।
हिरणांमो प. १०६
हिरमलगढ ती. १७४
हिसार दे. हांसार।
हींगोळां-री-घासणी दू. १८८
हींडोळो प. १०६, ११७
हीरादेसर प. २३५, २३६, २४०
,, दू. १६६
हुरड़-वाहण दू. २०
हुरमझ दू. २३६
हूंगोरी प. २८३
हूण प. २३३
हेकल दू. ४
हेठामाटी प. १७७

२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामों को ढूंढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

अरहट – रहँट।
आडावळो – अरवली पर्वत।
उनाव – १ जलाशय। २. नीची भूमि।
कुवो – कुँआ।
कूओ – कुँआ।
कोहर – कुँआ।
खंभ – १. तलहटी। २ पहाडी ढलाव। ३. पहाड का भीतर घुसा हुआ भाग।
गिर – गिरि। पर्वत।
घाटावळ – १. बडी घाटी। २. विकट पहाड का बडा मार्ग। ३ एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाडी मार्ग।
घाटी – पहाडी मार्ग।
घाटो – बडी घाटी।
जाळ – पीलू वृक्ष।
झालरो – चारों ओर सीढियों वाला कुँआ अथवा बडा कुंड।
टूक – शिखर।
टोभो – १. छोटा तालाब। २. बडा कुँआ।
डूगर – पर्वत
डूगरी – पहाडी
तळाई – छोटा तालाब
तळाव – तालाब
तळो – कुँआ।
द्रह – १. पानी से भरा रहने वाला गहरा और बडा खड्डा। २. बिना बधा हुआ कुँआ।
नळो – पर्वत।
नाळ – घाटी। पहाडी मार्ग।
नाळो – नाला।
पार – १. कुँआ। २. छोटा तालाब। ३ गाँव।
भाखर – पर्वत।
भाखरी – पहाडी।
मगरी – पहाडी।
मगरो – पर्वत।
वळो – पर्वत।
वाय – बापी। बावली।
वावडी – बापी। बावली।
वाहळो – नाला।
वेरो – कुँआ।
समद – १ तालाब। २ झील।
समुद्र – १. तालाब। २. झील।
सर – १. तालाब। २ कुँआ।
सागर – १. तालाब। २. झील।

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अंबली रो टूंक प. ९६
अखा वेरो (कूप) ती. १३४
अचलांणी तळाई दू. १३५, १४२
अटक दू. १६८
अनंतसी-री-डूंगरी प. १४
अनळकुंड-आबू प. १३४, ३३६
अमलमाळ-रो-भाखर प. ४०
अरवण-रा-मगरा प. ४४
अरावली पर्वत प. ११३
अवाह (कूप) दू. १४२

आ

आंबाव-रा-भाखर प. २७७
आकळी (कूप) दू. १४२
आटोवळो प. ३४०
आडोवळो ती. १४०
आबू पर्वत प. १३४, १३५, १४१, १४४, १५१, १७३, १७७, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, ३३६
आवड़-सावड़-रा-मगरा प. ३६
आसल समुद्र (तालाव) प. २०२
आहोरगढ-रा-मगरा प. ४२

इ

इरावती नदी ती. ७०

ई

ईसवाळ-रो-मगरो प. ४१

उ

उदैसागर (तळाव) प. २१, ३४, ३५, ४३, ४५, ४८
उदैसागर-रो-नाळो प. ४५
उनाव दू. ५

क

कणियागिर (पर्वत) प. १८७
कनकगिरि (,,) प. १८७
कपूरदेसर तळाव दू. ३५, ३६
कनड़-रा-पहाड़ ती. २७६
कांनड़िया-री-तळाई दू. १३५
कांमां पहाड़ो प. ३१८
काक नदी दू. ४
काका वेरो दू. ३२
काळीभर मगरो प. ३६४
काळो डूंगर दू. ४, १३, २७
,, ,, ती. १५३, १५४
किडांणो कोहर दू. ११३, १३६
कुंभळमेर-रो-चाटो ती. ४७
कुंभळमेर-रो-मगरो प. ३५, ४१
कुहाड़ियो नळो प. ४२
कूंपासर (कोहर) दू. १३६
केरड़ू मगरो ती. ११०
केवड़ा-री-नाळ प. ३५
कैर डूंगर दू. १३१, १४४
कैर-डूंगर-चाहळो दू. १४४
कैलास पर्वत प. ८
कोढणी-री-डूंगरी ती. १५४
कोढणे रो तळाव ती. २६१
कोनरो-भांस नाळो प. ४१
कोर डूंगर दू. ३
कोलर रो तळाव दू. ३३०
कोळियासर (कोहर) दू. १३६
कोहर थलू रो प. २२७

ख

खमण-रो-मगरो प. ४१

खमणोर-री घाटो प ३५
खाटू री भाखरी प. २४१
खारी नदी प. ४७
खीचियां वाळो कोहर दू १४२
खीरवो तळाव दू १४३
खुडियै-री-उनाव ती १६
खेतवाळ री टोभो दू. १३५
खेतू री तळाई दू १४२

ग

गगा नदी प १३२, ३३२
गगाजी दू २०२
गगावास री सावडी-रा-मगरा प. ४३, ४६
गगारडी तळाव ती, ११८
गढ माहोर री-मगरो प ४२
गणेशजी की पहाडी
दे० विनायक री डूगरी
गांगडी नदी प ८७
गागा-री-बावडी ती २१५
गांगेलाव तळाव ती २१५
गिरनार पर्वत प. २२
" " दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २४०
गिरराजसर कोहर दू १३६
गिरवा रा-भाखर प. ३६, ४१, ६१, ६२
गिरसोन दे० सोनगिरि ।
गींबाणो तळाव प २५३
गीधळो कोहर दू १४२
गुडवाय-री-भाखर प ११३, ११५
गुलाब सागर ती २१३
गूंजवो कोहर ती ७७
गेहलोतां वाळो कोहर दू १३५
गोगलीसर कोहर दू १३५
गोदावरी नदी प १२२
गोधणली तळाई दू १३५
गोवाळी तळाई दू १३४
गोमती नदी दू. २६८
गोवांणो भाखर ती. ७५६
गोरहर (जैसलमेर दुर्ग) दू. १९६
गोलीराव तळाव प. २६३

घ

घडसीसर तळाव दू ७३
" " ती. ३६
घांघरा-री-घाटी प. ३६
घांसार-री-मगरो प ४१, ४७
घांसेर री-मगरो दे० घांसार-री-मगरो ।
घाटो ती ४७
घूघरोट रा पहाड दू. २६०, २६१, २६४
" " ती १०१, १०२, १२८

च

चद्रभागा नदी ती ७०
चंद्राव-भाटी री तळाई दू. १३४
चमल नदी दे० चांबळ नदी ।
चरला-री-डूगरी ती. १५४
चहुवाण तेजसी-री-वाव प १२७
चांबळ नदी प ४५, ४७, ११५, ११६
" " दू १७३
चाडी कोहर दू १४२
चारण वाळो कोहर दू १३१
चावंड रा-मगरा प ३५
चावडा रा मगरा प ५७
चित्रकूट (पर्वत) प ८
चित्रकोट (") प ८
चिनाव नदी ती ७०
चिमर-री-डूगरी ती १५४
चीरवा-री-घाटी प ४४
चेवळो भाखर प. १५६

छ

छप्पन चावड-रा-मगरा प ४३
छप्पन-री-मगरो प ५८
छहोटण-रा भाखर दू ५
छाळो पूतळी रा-मगरा प ४३, ४७

ज

जगमाल-री-तळाई दू. १४२
जमुना नदी प. १३२, ३३२
जरगा-रो-भाखर प. ४२, ४७, ११६
जवणा री तळाई दू. १०६
जवणी-री-तळाई दू. १४२
जवाछ-रा-मगरा प. ४३
जसू वेरो दू. १३६
जांजाळी नदी प. ६४
जाजम नदी प. ६४
जाह्नवी ती. २०६
जावर-रो-खांण, रूपा री प. ३५
जावर-रो-नाळ प. ३५, ४३
जीलवाड़ा-रो-घाटो प, ३६
जूजळ-रो-वेरो दू. २६१
जूही नदी प. ४१
जेठांणी तळाई दू. १४३
जेठांणी नदी दू. २६०
जेसळू वेरो दू. ३५
जैता-री-तळाई दू. १३४
जोगी-रो-तळाव प. ३४७
,, ,, दू. ११३

झ

झड़ोल-रा-मगरा प. ४२
झांस नाळो-कोनरो प. ४१
झाडोळी-रा-मगरा प. ४६
झेलम नदी ती. ७०
झोटेळाव तळाव ती. २५२, २५३

ट

टगरावटी-रा-मगरा प. ४२, ४६
टावरियांवाळो कोहर दू. १३५

ड

डूंगरसर तळाव दू. १०८

ढ

ढस नदी प. ३१
ढाकसरी-री-कोहर प. ३४७

त

तणूंसर तळाव दू. २७
तिलांणी तळाई दू. १३४
तेजसी-री-वाय प. २२७
तोळाऊ कोहर (बीजो) दू. १४२
त्रिकुट दू. २४२

द

दळपत भाटी घाळी घावड़ी दू. १३६
दलोल-कलोल-रा-मगरा प. ४३, ४७
दहवारी-री-घाटी प. ३५
देरांणी तळाई दू. १४३
देरांणी नदी दू. २६०
देवरावसर तळाव दू. २७
देवरासर तळाव दू. ३२
देवहर-रा-मगरा प. ४३
देवाइत-रो-तळाव दू. १६, ११३
देवजी-री-डूंगरी ती. १५४
देवीदास-री-तळाई दू. १४२

ध

धवळागिर प. १८
धार-रो-पहाड़ प. ४३
धारा-री-तळाई दू. १०६, १४३

न

नगराजसर (कोहर) दू. १३६
नरसिंघ घाळो कोहर दू. १४२
नरासर तळाव ती. ११३
नांदड़ो कोहर दू. १४२
नागनप नदी दू. २२०
नाचणो कोहर दू. १४२
नाथां-रो कोहर दू. १३६
नारणसर कोहर दू. १३५
नाळ भाखर प. ३५
नाहेसर-रा-मागरा प. ४२, ४६
नींबलियो तळाव दू. १४३
नींबली तळाई दू. १३५, १३७

प

पच नद सी ६७, ७०
पई मथारा रा-मगरा प. ४३
पई-रा-डूगर प १६
,, दू. ३३८
,, सी १
पगघोई नदी प. ४५
पठार प ४४
पदमसर तालाब सी २१५
पद्मोळाई तळाई प ३४८
पनोता रो वाहळो दू ३३०
पनोर रा-मगरा प ४३, ४६
पहियड (पर्वत) सी. १३६, १३७
पही रो डूगर दे० पई-रा-डूगर।
पार दू १३६, १३७
पार नदी प ११७
पींडर भांप रो मगरो प ४१
पीछोलो तळाब प ३२, ३३, ३४, ४३
,, ,, सी १२
पीथासर (कोहर) दू १३६
पीपळहडी-रा-मगरा प ४३
पूडण नदी प ११७
पूनावे री तळाई दू. १३५
पोकरण रो वाहळो दू. ५३
प्रोहितवाळो कोहर दू १३५

ब

बलससागर सी २१३
बनास नदी प. ४०, ४१, ४७
बरडो डूगर दू २२०, २२६
बसू री-कोहर प २२७
बह तळाई दू १३४
बहबनसर तळाब प ३३३
बांभणांवाळो सर दू १३७
बांभणी नदी प ४५
बारवरडा-रा-मगरा प ४३
बालसीसर (तालाब) सी. २५७, २५९
बिद सरोवर प २७७
बीबासर तळाब प १२४
बीलेसर डूगर दू २२६
बेराई रा द्रह सी ६०
ब्राह्मणी दे० बांभणी नदी।

भ

भडळो कोहर दू. १४२
भपरी तळाई दू १३४
भरोसर (कोहर) दू १३७
भाखर नाळ प ३५
भागीरथी सी २०६
भाडेर-रा-मगरा प ४२, ४३, ४६
भावर नदी प २७१
भारमलसर कोहर दू १३५
भीदासर कोहर दू १३५
भैरवी घाटो प ६६
भैसे सिरा-री डूगरी सी १५४
भोजासर तळाब दू १०६
भोरड री पहाड प ४०

म

मडळप तळाब दू ४१ ४२
मदाकिनी सी २०६
मछावळो मगरो प. ४०, ४१, ४२
महिरालांणो तळाव प ३४७
महिला बाग री झालरो सी २१३
मही नदी प ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
मांगणी-रो तळो दू २६१
माडाळ तळाई दू १३५
मांडावो अरहट सी ८४
माणच-रा मगरा प ४३
मांणल देवाइत-रो तळाव दू १६
मांनपुरे-रो घाटो प ३६, ३८
मांमा कुड प २१
माद्धळा रो-मगरो प ३२, ३३
मीठडियो बेरो दू १४२

मुहार रै खडीण-री-उनाव दू. ५
मेर (पर्वत) प. १६२, २२६
„ „ दू. ५३
मेरगिर दू. १४, ५२
मेर-सिखर दू. ५२
मेरा-री-तळाई दू. १४३
मेरु दे० मेर। मेरगिर।
मेळू-री-तळाई दू. १४२
मेवल-रा-मगरा प. ४३

र

रांणा-री-तळाई दू. ११२, १४२
रांणाहळ तळाव दू. १३४
रांणीवाळो तळाव दू. १३४
रांणोळाव तळाव प. १२४
राजबाई-री-तळाई दू. ७२, ७५, ८५
राठासण-रो-मगरो प. ४४
रायमल वाळो तळाव दू. ६६
राव वलू-रो-कोहर प. २२६
राव-रो-तळाव दू. १२६, १४२
रावी नदी ती. ७०
राहग-री-मगरो प. ४१, ४२
रूंदियो कुवो प. २३८
रेवां री डूंगरी ती. ६५

ल

लखी जंगळ दू. १६
लाखाहोळी (पहाड़) प. ४३
लाखेळाव तळाव प. १३६
लाठोहर दू. २६१
लायां रो मगरो दू. ३२७
लीकणो वेरो दू. १४२
लूंभासर तळाव प. ३४७
लूड़ी-रांमसर तळाई दू. १३६
लूणी नदी प. २८, २२८, ३३३
„ „ दू. १३०, २८४, २८५
„ „ ती. १४७
लूनी नदी। दे० लूणी नदी।
लोहड़ी तळाई दू. १३४, १४१

व

वडगिर (जैसलमेर का पर्वत और किला) दू. ६३
वडांणी तळाव दू. ८५
वरजांग-तळाई दू. १३४
वरजांगसर तळाव दू. १६०
वर नदी प. ४१
वरवाड़ो मगरो प. ४१, ४७
वळो (आडावळो) प. ११३
वसी-रा-मगरा प. ६६
वांसोर डूंगरचां दू. ३२६
वाखळवाळी तळाई दू. १३५
वाघोर-री-खांभ प. ४०
वालसीसर तळाव ती. २५६
वावड़ी तळाई दलपत री दू. १३४
विजैरावसर तळाव दू. २७
वितस्था नदी ती. ७०
विनायक-री-डूंगरी ती. १५४
विपाशा नदी ती. ७०
वींटळीगढ ती. ६५
वीका सोळंकी-रो-तळाव दू. १३५
वीर समंद प. १३१
वेकरिया-रो-घाटो प. ४१
वेडच नदी प. ३३, ३५
वेत नदी ती. २४१
व्यास नदी ती. ७०
वैगण तळाव दू. १४३
वैरोलाई तळाव दू. १४३

श

शतद्रू नदी ती. ७०

स

संतन-री-वावड़ी ती. १५७
सजन-री-गिड़ी प. १६३

सतलज नदी ती. ७०
सरणउम्रो भाखर प. ४१, १३५, १८१, १८८
सरणुवो दे० सरणउम्रो भाखर।
सरस्वती नदी प. २७६
„ „ दू ३, २६६
„ „ ती. २६
सहस्रलिंग तळाव दू ३३
साठीको-कोहर दू. २८६
सायर-रो-घाटो प. ३६
सारण घाटावळ प. ३८
सालेर-री-डूगरी ती. १४४
साहबा-रो-तळाव ती २१
सिंध नदी (हाडोती) प १३३, ११५, ११६
सिंधु दू २४२
सिंधु नदी ती. ७०
सिरहद तळाई दू १३४
सिरहद लोहडी दू. १३४
सिरहद वडो दू. १३५
सींगडियो भाखर प ४३
सीताहर दू २६१
सीप नदी दू. २१८
सीरोइ-रा-मगरा प ४३
सीलरवा-रो-मगरो प. ३३
सुधो भाखर प. २०३, २०४
सूर सागर प. ११३
सेलासर तळाव दू १४२, १४३
सोनगिरी प १८७, २३१
सोनागर दे० सोनगिरि।
सोम नदी प ३८, ८६
सोळकियांवाळो कोहर दू. १३६
सोहांण री-भाखर दू. ९५
स्याम नदी प ८७, ८८
स्वर्णगिरि दे० सोनगिरि।

ह

हरख तळाई दू. १३४
हरभम जाळ प. ३५०
हरभूसर तळाव प. ३४७
हरराज री-लोहडी (तलाई) दू १३४
हळदी-री-घाटी प. २०८
हल्दी घाटी दे० हळदी री-घाटी।
हिमालय प. ६, १८, २७८
„ दू २०४
हेम दे० हिमालय।
हेमराजसर कोहर दू. १२, १४०, १४२

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

अंगारां-लाग (दाह-संस्कार) द्व. २४६
अचड़ां-वोल द्व. २६
अजित ग्रन्थ ती. २१३
अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
अणहलवाड़ा-पाटणरी-वात (ग्रन्थ) ती. ४६, ५०, ५२
अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर (संस्था) द्व. ३१०
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर (संस्था) ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७, २०७, २०८
अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
अमर-कांचळी ती. ६६
अमल (अमल-पांणी) प. १३४
" " द्व. २५१
अमल (अमल-पांणी) ती. ६२, १३४, १६३, २५७, २८१
अमल-रो-पोतो ती. २६०, २६१, २६२
अमृत ती. ६
अरावो द्व. २३
अलफलां की पैड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५
अश्वमेध प. २३०
असत घांन द्व. ५१

आ

आकाश गंगा दे० क्वारमग।
आखड़ी प. ४६
आखाड़ो (नृत्य सभा) प. २७४
आखाड़ो (नृत्य सभा) द्व. ३७
आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
आयुष्मान् ती. ४६
आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

इंद्र विद्या (वि.वि.) प. १२८
इक-थंभियो महल ती. २१३

उ

उत्पादन-शुल्क द्व. २५८

ऊ

ऊनाळी हूंसो (कर) प. ३६
ऊनाळी-हूंसो (कर) द्व. ८

ऐ

ऐहखरो (घास) द्व. ८

ओ

ओळ प. १८२

क

कंकण-डोरड़ा दे० कांकण-डोरड़ो।
कंवळ-पूजा प. ३३६
कंवार-मग (खगोल) द्व. ६१
कंवार-सूंखड़ी (कर) ती. ५४
कच्छ कलाधर (ग्रन्थ) प. २६६
कच्छ कलाधर (ग्रन्थ) द्व. २०६, २१४, २३७
कटारी द्व. २६६
कच्छी वलांण ती. ६७

कपाळीक (तांत्रिक) प. ३२२
कपूर-वासियो-पांणी दू. ३३
कबाण दे० कमान
कमान दू ६६
कर प. ६४, ७७, ६४, ११६, १२०, १७३
कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
कर ती ५४,
करड़ घास दू. ८
करमुक्त-जागीरी प. २८३
करवत दू. ४५
कळजुग प. ३१
कलियुग दे. कळजुग। कळू
कळू ती. १८५
कवार नी सूंखड़ी ती. ५४, ५८
कवि प्रिया (ग्रंथ) प. १२८
कस्तूरियो-मिरघ (विलासिता की उपाधि) दू. ४१
काकण-डोरड़ो (कांकण-डोरो) प. ७३
काकण-डोरड़ो (कांकण-डोरी) दू. २६५, ३१८
काचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
कांचळी (पुत्री नेग) ती ६६
कांटोवाळी लाग (कर) ती. ५४
काजी नी लाग (कर) ती. ५४
कान्हड़दे प्रबन्ध (ग्रंथ) दू. २०४, २१५
कान्हड़दे प्रबन्ध (ग्रंथ) ती. २६३
काळबी-ज्वार दू. ५१
कालर दू. २५
काष्ट-भक्षण ती. ३३
किरमाळ दू. १०१, १२६
कुंवर नजराणो (कर) ती. ५४
कुंवर-पछेवड़ो (कर) ती. ५४
कुंवर-पामरी (कर) ती. ५४
कुंवर-मांणो (कर) ती ५४
कुंवर सूखडी (कर) ती. ५४
कुतबस्याही नांणो (मुद्रा) ती. ५३
कूतो दू० ५
कृत (मृतक सत्कार) दू. २७१
कृषि-कर दू. २६०
कृष्ण स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
केसरिया ती. १११
क्यामखां रासा ती. २७४
क्वार-मग दू. ६१

ख

खडाऊ ती. ५१
खमा ती ४६
खरक कूप (वि दि.) प. ३३, ३८, ४३
खालसो प १७४
खालसो दू ४, ७
खालसो ती. १८, ११५
खेडा-री बायण (मार्केट) प २८४

ग

गंगा स्तुति (ग्रंथ) ती २०६
गज उद्धार (ग्रंथ) ती २१३
गाय-दान दू० २६६
गिरवी ती ५
गींदोली री बात (ग्रंथ) दू. २८७
गुण क्षुहा (ग्रंथ) ती. २१३
गुण सागर (ग्रंथ) ती २१३
गुरड़ दू २५२, २५३
गुरु प्रार्थना (ग्रंथ) ती २०६
गुळ-लाग (कर) दू. ७
गेहर ती. ८५
गोडो-वाळणो ती ६७
गोत्र-कदब दू २६६
गोहिल-टोळो (स्थान) प ३३५
ग्रास (कर) प. १४७, ३३५
ग्रास (कर) ती. ८६, १६७
ग्रासवेध (कर-कलह) प ६१, ११२, १५४

घ

घणदेवजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती. २८३
घरवासो ती. २३
घूंटी दू. ३१२
घूघरियां ती. २६४
घोड़ा-चारण (कर) ती. ५४

च

चंवरी प. १३४, २३२
चंवरी दू. २८७, ३१०
चूंगी दू. २६०
चेढी (परिमाण) प. ३६४
चोटी-चढियो प. ६८
चौथ (कर) प. ६३
चौथ (कर) दू. २२१
चौहान कुल कल्पद्रुम (ग्रंथ) प. २२१

छ

छकड़ (मुद्रा) ती. ११२
छतीस-भाख दू. १५
छत्र दू० ५६, ५७, ५८, ८३, २३७
छत्र ती. १७१
छत्र ११०
छांट ती. ११०
छांट घालणी ती. ११०

ज

जंत्र दू. ५७, २२५
जंत्र-बत्तीसं दू. २३१
जंवर दे. जौहर।
जजिया दे. जेजियो।
जन्म घुट्टी दू. ३१२
जवावि जळहर (जलक्रीड़ा) दू. ४१, ६८
जमहर दे० जौहर।
जलालशाही-नांणो (मुद्रा) ती. ५३
जलालो (मुद्रा) दे० जलालशाही नांणो।
जांनी ती. ४५, ४७
जान्हवी-डा वूहा (ग्रन्थ) ती. २०६
जिगन दू. ८३
जिग्य-कुंड प. ११
जुंहर दे० जौहर।
जेजियो (कर) प. ५५
जेजियो (कर) दू. ७
जैन दे० देवता आदि नामावली।
जोगणी (शकुन) ती. ७१
जौहर प. ३३३
जौहर दू. ५९, ६०, ६१
जौहर ती. १७, २५, ३४, ५५
ज्यूंहर दे० जौहर।

ट

टंकसाळ (कर। मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८
टको (तोल। कर। मुद्रा) प. ६९, २६२, २८४
टीको (राज्यतिलक। कन्या-नेग) प. ३१, ७३, ७५, १०९, ११०, ११२, १३७, ३५९
टीको (राज्यतिलक। कन्या-नेग)दू. १०६, ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२
टीको (राज्यतिलक। कन्या-नेग) ती. ५३, ६८, ७२, ८१, ९५, १०५, ११४, ११५, १२९, १३२, १३३, १३६, १४९, १६१, १८१, १८२, २३८, २७६, २८५

ड

डंड (कर। शिक्षा) प. ७७
डंड (कर। शिक्षा) दू. ३१, २८२
डंड (कर। शिक्षा) ती. १६७, २७१
डांगरजंत्र दू. ५८
डावो-पाघ ती. ७०
डोरडो दे० कांकण-डोरडो।
डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढब्बूसाई पैसा (तोल। मुद्रा) दू. ३१२
ढोर नी चराई (कर) ती. ५४
ढोल (आक्रमण-संकेत) दू. ३०२

ढोल (आक्रमण-संकेत) तो. १४७, २६२, २८४
ढोल-रो-डमको प. २२३
ढोला-मारवण (ग्रंथ) प. २८६

त

तकियो प. ३१८
तर्पण प. १३२
तलार (कर) तो. ५४
तहड़ कूंप प ८७
तावूत दू. ४६, ५०, ५६
ताम्रयुग तो. १७३
ताल (माप) दू. ३२३
तुरकांणी तो. ५३
तेल-चढो तो. ७५
तुलावट (कर) दू. ७
तोरण बांदणो तो. ४२
तोला दू. ३१२
,, तो. १६३
त्याग (दान । इनाम) दू. ३२६ ३२७

थ

थडा तो. २१३
थापण तो ५
थाळा लाग (कर) प. १६

द

दइव-रो फेर प. ७६
दस दायजो दे० दायजो ।
दयाळदास री ख्यात (ग्रंथ) तो. २०६
दळपत विलास (ग्रंथ) तो. २०७
दसरथराव उत-रा-दूहा (ग्रंथ) तो २०६
दसरावो (दसराहो) (पर्व) प ६६
दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू. २४
दसरावो (दसराहो) तो. ११६
दस्तूरी (कर) तो. ५४
दाण (कर। खेल) प ८४, १५६, १५८, १७३
दाण (कर । खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६, ३०१
दाण (कर । खेल) तो. ५४
दांणव दू. ४६
दांन प. ३१
दांन दू १२०. २२३, २३६, २३७, ३२६
दाम (मुद्रा । कर) प. ५२, २२८, २७६, ३३२
दाम (मुद्रा । कर) दू. २६, २५८, २५६, २७६
दाग (संस्कार) दे० दाह संस्कार ।
दापो (कर) प २३२
दायजो दू ३१०
दायजो तो. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२, २०३, २७२, २७३, २८२
दाळ री लाग (कर) तो. २४०
दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) प. १०८
दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) दू २४६
,, ,, ,, तो. २६३
दीवाळी (पर्व) प. २, ७३, ६६, २७३
दीवाळी (पर्व) दू. ७, २४
दीवाळी-मिलण (कर) दू ७
दुगांणी (कर । मुद्रा । गणित) दू. ७
दुहाग तो १०५
दुहागण तो. १३६
देवचो दू. ४०
देवताओं की शाला (मंडोर) तो. २१३
देवाचा दू ४०, ११६
देसवाळी लोग दू. ७, ८
देसोटो दू. १७७
दोढवाड कूंतो (कर) दू. ५
द्वापर (युग) तो. १८५

ध

धजवड़ तो १६७
धनुप दू ६७
धरम द्वार दू. ६४

धर्म-भाई दू. ५१, ३०३
धारेचो दू. ११५
धारेचो ती. ५७

न

नगारा-नीसांण प. ३४०
नगारो (आक्रमण-संकेत) प. १५२
नगारो (,,) दू. ३४, २४४, २४५, २४६, २४७
नगारो (आक्रमण-संकेत) ती. १३२, १४३, २७६, २८४
नवकुळ नाग दू. २५२
नाव दू. २४
नारेळ-दे० नाळेर।
नाळ (अस्त्र) दू. २३
नाळबंधी (कर) प. ६६
नाळेर (वाग्दान-संस्कार) प. ७३, २८६, ३४५
नाळेर (वाग्दान-संस्कार) दू. २६६, २६२, ३२४, ३३४
नाळेर (वाग्दान-संस्कार) ती. ४१, ७२, १०४, १४१, १६५
निवाज (नमाज) दू. ६७
नीसांण प. ३४०
नीसांण प. दू. ५६, ५७, २४२
नेग दू. ७२, ३२६, ३२७
नेगी दू. ७२
नैणसीरी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८, २६४
न्याळा ती. १०८
न्योछावर दू. ३२७

प

पंच देवळियां ती. २१३
पंच प्रवर ती. १७५
पंचाव फूंण (वि. दि.) प. ३६
पईसो (मुद्रा। तोल) प. ७७
पईसो (मुद्रा। तोल) दू. २७, २६, ७२, १०५, २५८, २८२, ३०१, ३११, ३१२
पईसो (मुद्रा। तोल) ती. १६३
पटू ती. २६६, २६६
परवांणो दू ५६
परवाह (दान। नेग) दू. ३२५, ३२७
पळी (माप। सफेद बाल) दू. ५५, ३११, ३१२
पळो (माप) दू. १५४
पसाइता प. २२८
पाखंड (स्थान) ती. २
पाघड़ी-बरोड़ (कर) ती. ५४
पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८, १८६, २०५, ३११
पाट दू. १०८
पाट ती. १६१
पायाळ प. २७८
पावड़ी ती० ५१
पितराई दू. २२२
पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२
पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८
पींडर-भोंप (तंत्र) प. ४१.
पीरोजी (मुद्रा) दे० पिरोजशाही-सिक्का।
पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७
पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४, १३६, १४२, २८६
पुरांण (धर्म शास्त्र) प. २३०
पुरातत्त्व विभाग, राजस्थान (संस्था) ती. १७३
पुरुष दे० पुरस।
पूंखणो ती. ४६
पूंछी (कर) ती. ५४
पेरोजी (मुद्रा) दे० पिरोजशाही सिक्का।
पेशकशी (कर) प. १४०
पेशकशी (कर) दू. ७, १०५
पेसकस (कर) दे. पेशकशी।
पेसकशी दे. पेशकशी।
पैसा दे० पईसो।
पोतो अमल री ती. २६०, २६१, २६२
प्रेम दीपिका (ग्रंथ) ती. २०६

फ

फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
फदियो (मुद्रा) ती. ४१, २६०
फुरमांन दू. ५६, १०५
फेरा दू. २७७
फेरा ती. ७५

ब

बरछो ती. १६७
बळ (कर) ती. ५४
बलि ती. १७
बहत्तर उमराव ती. ५३
बांकीदास की बात (ग्रंथ) ती. २६६
बांण दू. ४८
बाजरियो ती. २६०
बापीका दू. २२१
बाब (कर) दू. ७, ८.
बाम्बे गंजेटियर (ग्रंथ) दू. २६६
बोहो दू. ६६, ७०, २३१, २६१
बुद्धिसागर (ग्रंथ) ती. २७५
ब्रहमड वीस दू १६२
ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

भगवद् गोमडल कोश (ग्रंथ) प.
भद्रजाती दू. ६५
भरहेर कूण (वि. दि.) प. ३४
भागीरथी रा दूहा (ग्रन्थ) ती. २०६
भावर (भावरी) दू. २७७
भावर (भावरी) ती. ७५
भाषा-भूषण (ग्रंथ) ती. २१४
भुवर ढोल (वाद्य) ती. ७
भूमिया-वट दे० भोमिया-वंट ।
भेट (कर) ती. ५४
भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
भेरी (वाद्य) दू. ४८
भोग (कर) प. ३६; २५६
भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६
भोम (कर) ती. ५४
भोमियाचारो प. ३३१
भोमिया-वट प. २८३, २८४

म

मगळ-कळश ती. ४३, ४६
मगळीक (कर। कर-मुक्ति) दू. ७
मदाकिनी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
मऊ-दुष्काल (पीडित प्रजा) दू. ३२०
मकर सक्रांति (पर्व) दू. ३२
मण (माप, तोल) प. १६२
मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
मदनभेर (वाद्य) ती. ५३
मळवो-लाग (कर) ती. ५४
मलूक (जल-क्रीडा) दू. ४१
मळेछ दू. ५६
महमूदी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
महसूल (कर) दू. १२७
महापसाव दू. २३७
महाभारत (धर्म-ग्रंथ) दू. ३
महिला-बाग ती. २१३
मांगलिक सूत्र दू. २४५
मांढो ती. ४५, ४७
माणो (माप) दू. २८
मानसी सेवा प. २८६
मांमा कुड प. ५१
मांमा वड़ प. ५१
मातलोक प. २७८
माध्यंदिनो शाखा ती. १७५
माफी (कर-मुक्ति) प. २२८
मारवां-विरुद प. ३३१
मालकोट ती. २१५
मालगुजारी (कर) दू. ३०१
मावळियाई भाई दू. १६२
मुकाती दू. २१६
मुकातो (कर) प. ७४
मुद्रा प १८४, १८५

मुद्रा दू. २१०
मुद्रा ती. २४
मूंडका-वेरो ती. ५४
मूळ, मूळो (आखेट-मंच) प. १०७, १०८
मृत्युलोक प. २७८
मेखळी दू. २४
मेघाडंबर दू. ५६
मोभ (कर) ती. ५४
मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प. २५४, २५५
मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती. १४६

र

रवाव (वाद्य) दू. २३१
रळतळी (तलवार) दू. ३१७
'राणाई रो विरव दू. ५१
रांणीपदो ती. १०५
राजपूताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर ती. २७५
राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
राजस्व दू. २५८, २५९
राय-आंगण ती. ८९
राहदारी (कर) दू. १२७
राहावणो दू. १३१
रुंडमाळ दू. २४७
रुद्रवाचा दू. २१
रुपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) प. ५२, ५३, ११६, २३४, २५९, २७७, २७९, २८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२
रुपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) दू. २९, ४५, ६९, ७१, १६०, २५७, २५८, २५९, ३०१
रुपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) ती. ८३, ९९, १००, १३०, १४९, १६५, १९६, २४२, २४५, २६७, २६८, २६७, २६८, २६९, २८३, २८६
रूक ती. १६९
रूपारास कूंण प. ३५, ३८
रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९, ३२०
रेख (कर) दू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट दे० लाखोटो।
लगान दू. ७२
लगानवार दू. ७२
लांचो (कर) ती. ५४
लाख-पसाव प. १०६
लाख-लोवड़ी दू. ७
लाखोटो (जल-मानक) प. ३
लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२
लागत (कर) दू. ५
लागदार दू. ७२
लोक प. ९९
लोकाचार ती. ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५
वडी-तरवार प. २८३
वधांमणो-लाग (कर) ती. ५४
वरकसी प. १४१
वरजांग-री-चंवरी प. २३२
वरतियो दू. २२५, २२६
वरसाळी-हंसो (कर) प. ३९
वरहेड़ो ती. ४६
वळ दू. ७३
वळ ती. १९५
वळ लाग (कर) ती. ५४
वसवेरावउत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
वसी प. ४५, ६९, ८२, ९८, १३२, ४११, १४४, १४८, १५१, २०९, २८३, ३०९, ३२३
वसी दू. १४५, १४६, १४९, १५३, १५७, १५८, १५९, १६०, १६१, १८१, २३६

वसी तौ ८१, ८४, १५७, १६२ २४१
वहतीवांण (कर) दू ७
वांस (नाप) दू ५
वांसा डोब तौ ७०
वाडी लाग (कर) तौ ५४
वात अणहलवाडा पाटण री (ग्रंथ) तौ ४६ ५०
वातपोस तौ ३८
वादळ महल प. ३३
वामीवध तौ ७०
विशति पद्धति तौ. १४
विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य मुद्रा) तौ २१३
विट्ठलनाथजी रा दूहा (ग्रंथ) तौ २०६
विभोग प १५८, १७३, १७४
विवाह ककण दू २६५ ३१८
विवाह सूत्र दे० विवाह ककण ।
विसवो (कर भाग) दू ३०१
वीसी तौ १४
वींटलो तौ २१५
वोघो प ११६
वीण (वाद्य) दू २३१
वेद (धर्म ग्रंथ) प १६२
वेलि क्रिसन रुकमणी री, राठोड प्रिथीराज री कही (ग्रंथ) तौ २०६
वेह तौ ४३
वेंत (नाप) दू ४२
वेंहत (नाप) दू ४२
वेकुंठ दू ७५
व्याज दू ८

श

शाख प ३३६
शास्त्र-पुरांण (धर्म ग्रंथ) दू ६१
श्याम लता (ग्रंथ) तौ २०६

ष

षोडश महादान प १२६

स

सख प २७८ ३३६
संख दू २२५
सतनांवा (ग्रंथ) तौ २७५
सत्तर खान तौ ५३
सरग प ७, ११०, २७८
सरग दू ५८, ५६, ६०, ६२, २६१
सरगापुर दू ७५
सरबार्ज (कर) तौ ५४
सवेरी प १६७
सामेळो तौ ४५
सासण प १०६, १७४, १७६
सासण दू ३८
सांसण तौ २८१
साको दू ४४, ५६
साठा (माप) दू ५
सायरो दू १२०
सायरो तौ १२८
सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर तौ २०७
सायर महसूल दू ७
सावद्र दू ४५
सासत दू २३१
सासतर दू ११५
साहो प ६७
साहो तौ ७५
सिवको दू २४
सिद्धान्त बोध (ग्रंथ) तौ २१४
सिद्धान्त-सार (ग्रंथ) तौ २१४
सिरपाव दू २६
सिरोपाव तौ १६६, २४४, २४५
सिव मारग दू ४५
सीरावणी दू. २५१
सुरगाई दू ६०
सुरधान प १८८
सुरा गुर प ३५४

सुर्जन-चरित (ग्रंथ) ती. २६६
सुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
सुहागण प. १३
सूंखड़ी (कर) ती. ५४
सूतग दू. २३६
सेई (माप) दू. २१२
सेर (तोल) दू. ८. ११८. ३१३
सोढाळ-व्रत दू. १५
सोनइयो (मुद्रा) प. ३, १२
सोमधारिया-धमल ती. १३४
सोळह-शृंगार दू. ५८
सोवन (मुद्रा) प. ७
सौभाग्य-राशि प. १३४
स्वर्ग वे० सरग।

ह

हरिवंश पुराण (धर्मशास्त्र) दू. १५
हळगत (कर) ती. ५४
हलांणो ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२
हासल (कर) प. ७४, ८७, ६६
हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७
हासल (कर) ती. १३०
हासलीक दू. २५६, २६०
हिंदवाणी ती. ५३
होळी (पर्व) प. ७३
होळी (पर्व) दू. ७
होळी (पर्व) ती. ८४
होळी-मंगळाचणो ती. ८४
होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अबाजी प. २७७
अबाव प. ४६
अगन डू. २४६
अगम प. ६६
अग्नि डू. २७७
अग्निकुंड दे० अनळकुंड।
अजोध्या प. २६२
अनळकुंड प. १३४, १८५, १३६,
,, ती. १७४, १७५
अनादि प. १८४, २६१
,, डू. ५७
अयोध्या दे० अजोध्या।
अरक प. १६०
अरणोद गोतमजी तीर्थ प. ६४
अलख ती. २६३
असंभ प. १८४
असुर डू. ६५, १३८
असुरां-गुर प. ३५४

आ

आबाई देवी प. १, २७७
आंबाव प. ४६, २७७
आद डू. ५७
आद नारायण प. १२२, २६१, २८०
आद श्रीनारायण प. २८७
,, ,, डू. ६
आदि प. १८४, २६१
आदि देव प. ७
आदिनाथजी प. ३६
आदि पुरुष ती. १७५
आदि श्रीनारायण प. ७७, २८७
,, ,, डू. ६
आबू दे० ग्राम नामावली में
आयास डू. २५४
आयास ती. २८३
आवड प. ३६
आशापुरा देवी डू. २१७, २१८, २२०
आसापुरी देवी ती. १३४, २६२
आसावर (देवी) प. १८६

इ

इंदु प. १६०
इंद्र प. १६२, २७५, ३३६
इकलिंग महादेव प २३

ई

ईश्वर प. २२०
ईश्वर ती. १२१
ईस डू. २४६

उ

उजेण (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में।
उमादेवी भटियांणी दे० स्त्री नामावली में।

ए

एकलगिढ़ वाराह प. १७०
एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
३४, ३५, ४४
एकलिंगदेव प. ७
एकलिंग महा देव प. ७
एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८
एकादश रुद्र प. २७८
एकादश रुद्र महालय प. २७८
एकावली डू. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

क

कंकाळी प. ३३६
कंधरुढा प. १८५
कंवळ दे० कमळ ।
कंवळ-पूजा प. ५६, ३३६
„ „ दू. १७
कपाळीक प. ३२२
कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०, २८७, २६३
कमळ दू. ६
कमळ ती. १७५
कमळा प. १८५
करणीगर दू. २३७
करतार दू. ४५
कळा-पळा प. १८५
कश्यप दे० कस्यप ।
कस्यप प. ७८, २८७
„ ती. १७५, १७७
कापालिक प. ३२२
कालिका प. १८५
काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।
कासी-करोत प. २१६
कुळदेवी दू. २६७. २७२
कुळदेवी ती. १७५
कृष्ण दे० श्रीकृष्ण ।
कृष्णजी दू. १५. १६, ३५, ६३
केदार(केदारनाथ)दे० ग्राम नामावली में ।
केवायदेवी प. १२३
„ ती. १७३
केसोरायजी प. १३१
कैलास प. ८
कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
कौमारी प. १८५
क्षीरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
क्षेत्रपाल प. २६४
„ दू. २२
„ ती. १७

ख

खुदा दू. ४७
खेड़-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
खेड़ा-देवत दू. २२
खेतपाळ दे० खेत्रपाळ
खेतळ प. २४५
खेतळ-वाहण प. २४५
खेत्रपाळ प. २६४. ३३२
„ दू. २२, १३५, २६७
„ ती. १७

ग

गंगश्यामजी ती. २१५
गंगस्वामी दे० गंगश्यामजी ।
गंगाजळ दू. २०२
गंगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
„ दू. २०२
गंगोदक प. २१३, २१४
गंगोदक-फावड़ प. २१३, २१४, २१५
गणेशजी ती. १५४
गवदेव दू, ५०
गाय-दांत दू. २६६
गिरनार प. २२
„ दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०
गुरड़ दू. २५२, २५३
गुसांई-री-पादुका प. ४२
गोकल्ल तीरथ प. १०७
गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
गोकळीनाथ दे० गोकुळीनाथ ।
गोकुळीनाथ प. २०४, २१३
गोखंभ प. १६०
गोगादे दे० गोगादेजी ।
गोगादेजी प. ३४७ ३४८, ३४६, ३५०
गोगादेजी दू. ३१७, ३१८, ३१६, ३२० ३२१, ३२२, ३२६
गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती सनान) दू २६८
गोमती सगम प २८६
गोरखनाथ जोगी दू ३२०
गोरखनाथ जोगी तो ७६
गोवरधननाथ प ८६
गोविंद भगवान प १८४

च

चक्रेश्वर महादेव दू ३२
चद्र (चद) प १८५ १६२, २७२
चद्र (चद) दू ३७
चद्र (चद) तो ५०, ५२
चक्र प २८६
चक्र तीर्थ (चक्र तीथ, चित्र तीथ) तो २७७
चपळा (देवी) प १८५
चाटीसो महादेव दू ३२
चाद दे० चद्र ।
चामुंडा देवी दे० चावडाजी ।
चारण देवी प ५६
चालर रो पारसनाथ प ४७
चावडाजी प २०४
चोरासी गच्छ तो १६

ज

जगकृता प १८५
जमजाळ प १२५
जमदूत दू ४६ २६८
जमुना तीर्थ प १३२ ३३२
जात (तीर्थयात्रा, देवपूजन) प १, १११, १३२, २६३, २८६, ३३६
जात दू १३, २३६, २४६, २४७
जात्रा दू २६६, २६८, ३२५
जात्री, तीर्थ प २८६
जाग्हवी तो २०६
जिंदो प ३३६
जिग्य प ११
जुगाद तो १७५
जुगाद ब्रह्मा प २६१

जैन (धर्म) प ३३, २२७, २७६
जैन (धर्म) दू ११३
जैन (धर्म) तो १६, २८
जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)
जोतलिंग प १६०
जोतलिग दे० ज्योतिलिंग ।
ज्यान दे० जैन ।
ज्योतिलिंग प ११, २१३, २७८, ३३५
ज्योतिलिंग श्रीएकलिंगजी प ११

झ

झोटोळियो मूत तो २५४
झोटिंग भूत तो २५२ २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (श्रीकृष्ण) प, १३१, २१३, २८६, ३०३
ठाकुर (श्रीकृष्ण) दू २२२, २४७, २७०
ठाकुर (श्रीकृष्ण) तो २४६, २५०
ठाकुरद्वारो प ८४

त

तीर्थ गुरु पुष्कर प २४
तीथ यात्रा दू २६६
तुळछीवळ दू ५६
तुळसी तो २६२
तुळसी पांणी तो २६२
तेलोचन दू ५६
तेहो वदन दू ५६
त्रिलोचन दू ५६
त्रिवदन दू ५६
त्रिसूळ प ४० ४२
त्र्यबक प १, १२२

द

दइव प ७६
दइव दू ६३
दईत तो २५१
दत्तात्रेरी प १८५
दसमों साळगराम प २०४

वांणव प. २१३
वांणव दू. ५६
वांत दू. २२३, २३६, २३७
वांन-पुत्र प. १३६
विल्लीश्वर ईश्वर प. २२०
दुगापचा (दूगर माता, दुगाय माता) ती. २५७
दुगायचा दे० दुगापचा ।
दुर्गा देवी ती. ५३
दुर्गापंचा दे० दुगापचा ।
देव दे० देवता ।
देव-ऊठणी-एकादशी दू. ३२२
देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५
देवगति दू. २७१
देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५
देवता ती. ५७
देवनीक ती. ७६
देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५
देवपाटन दे० देव-पट्टन ।
देव-रो-पाटण दे० देव-पट्टन ।
देवांण-विद्या प. १८५
देवायर प. १६२
देवी, (देवीजी) प. ११, १८५, २०२, २०३, २७३, २७४, ३३६
देवी, (देवीजी) दू. १३, १७, १८, २२, २०३, २०४, २१७, २१८, २२०, २३७, २६७, २७२
देवी,(देवीजी)ती. १७, ६६, १५४, २६२
देवोत्थान पर्व ती. २६५
दैत प. ३३६
दैत ती. २५२
दैवी-शक्ति दू. २०३
दैव्यांशी दू. २०३
द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४, २८६, ३३७
द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६, २६७, २६८
द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६
द्वारकानाथ दू. २६८
द्वारामती दू. २२५

ध

धनदाता देवी प. १८५
धरतीमाता दू. ३०४
धू प. ७, २२६
धू दू. ५२, ५३
ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू. २५२
नाग ती. ७४
नागही चारणी दू. २०२, २०३, २०४
नासिक-त्रंबक प. १, १२२
नासिक-त्र्यम्बक दे० नासिक-त्रंबक ।

प

पनग दू. २५३
परब्रह्म ती. १७५
परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५
परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२
परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ६४, १२०, २५५
पाबूजी दे० पुरुष-नामावली ।
पारसनाथ प. ४७
पितर प. १६
पींडी (शिवलिंग) प. २१३, २१५, २१६
पोकरजी (पुष्कर) प. २४
प्रदक्षिणा दू. २७७
,, ती. ८६
प्रभासक्षेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३
प्रभास-पट्टन प. २१३
प्रम प. १८४
प्रमहंस प. १८५
प्रयागजी प. १३२
,, ती. २७६

प्रागवड़ प. २२६
प्राची-माधव प. २७७

फ

फणइद (फणींद्र) प. १६०

ब

बभेसर दू. २१५
बभूत ती. २७
बहुळी-जोगणी प. २०४
बावण-विसन प. १५
बिंद-सरोवर (तीर्थ) प. २७७
ब्रह्मा दे० ब्रह्मा।
ब्रह्म प. ७
ब्रह्माकोप प. २१५
ब्रह्मतेज प. २१५
ब्रह्मवाचा दू. २१
ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२, १६२, २८०, २८७, २६२
ब्रह्मा दू. ६
ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३
„ दू. ३५, २४६, ३२०
भगवान राम प. ६३
भद्र ती. ५३
भद्रकाळी ती. १७
भव (शंकर) दू. २४६
भागीरथी ती. २०६
भुवनेश्वरी प. १८५
भूत दू. ४६
भूत ती. २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगळ (अग्नि) दू. २५२, २५३
मंत्र-पावाहन प. १
मंदाकिनी ती. २०६
मक्का दू. ४६
मथुरा (मथुराजी) प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
मथुरा (मथुराजी) दू. ११, १६, १४०
मथुरा (मथुराजी) ती. २०६
मरीच प. ७७, २८७
मदनायकजी ती. २१३
मह-मोहण (महा मोहन श्रीकृष्ण) दू. ६३
महाकाळ प. १२५
महादेवजी प. ७, ११, १४४, १५४, २१३, २१५, २१६, २१७, २१८, २१६, २२०, २८६
महादेवजी दू. २६७, २७२
महादेवजी री पींडी प. २१६
महादेवजी रो लिंग प. २१३, २१६
महादेव-सोमइयो प. २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
महा रोख प. ६, १६१
महीनाळ-तीर्थ प. ४४
महेसुर प १८५
मांताधेन प. १
मांमा-खेजड़ो प. २४७
मांमाजी (लोक-देवता) प. २४७
माताजी (देवी) दू. १८, ३३८
माया ती. ७१
मित्रावरण प. १२२
मुद्रा प. १८४, १८५
„ दू. २१०
„ ती २४
मेखळी ती. २७

य

यद्र प. २७८
यमपाश प. १२५
यमुना दे० जमुना।
यात्रा (तीर्थ) प. २८६
युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११
,, दू. २६८
रांमचंद प. ६२
रांमदे पीर प. ३५०, ३५१
रांमेस (रामेश्वर) दू. ३८
राकस (राक्षस) प. १३४
राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५
राक्षस दे० राकस ।
राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४
राम भगवान प. ६३
राष्ट्रश्येना देवी प. ३४
रिणछोड़जी दे० रणछोड़जी ।
रिव प. २३१, ३५४
रिषीकेश (आबू पर्वत पर) प. १७८
रुंडमाळ दू. २४६
रुद्र प. १६२, २७७
रुद्रनाग प. १६०
रुद्र महालय प. २७२, २७७, २७८
रुद्रमाळो (डूंगरपुर-राजस्थान) प. ८५
रुद्रमाळो (सिद्धपुर-गुजरात) प. २७२, २७६, २७७,
रुद्रवाचा दू. २१
रुपांदे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मी दू. २७४
लक्ष्मी ती. ५३
लक्ष्मीनाथ ती. २२१
लांग सगती ती. २२२
लाछ सगती ती. २२२
लाभभ्रम दू. ११८
लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगच्छ ती. १६
वर दू. २६७
वर ती. १६५
वरदांन ती. १२०
वर-वासण देवी प. ४७
वाचाछळ देवीजी प. १३४
वाणारसी वे. ग्राम नामावली ।
वामन अवतार प. १५
वासग प. २७८
विधाता दू. २७४
विनायक ती. १५४
विष्णु दे० विष्णु-भगवान ।
विष्णु भगवान प. १५
विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५
विसनर दू. २४६
विह दे० विधाता ।
वेद प. १६२
वैवस्वत दे० वैवस्वत-मनु ।
वैवस्वत-मनु प. ७८, ११६
वैश्वानर दू. २४६
वैष्णव प. ३०३
वैष्णव ती. २१३
व्रखभ प. २७८

श

शंकर दू. २४६
शंख प. ३१६
शत्रुंजय प. ३३५
शिव प. ८५
शिव दू. २४६
शिव ती. २८
शिव-पट्टन प. २१३
शिवलिंग प. २१३, २१५
शेषनाग प. ६
शैव (सिव) प. ३१
श्रीआविनायजी प. ३६
श्रीआविनारायण ती. १७७
श्रीकुंजविहारीजी ती. २१३
श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) दू. १, ३, ६, १५, ६५, ६३, २०६, ३०३
श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती १७४, २७५
श्रीगदयामजी ती. २१३, २१५
श्रीगोकुळनाथ (श्रीगोकुलीनाथ) प २१३
श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३, २८६, ३०३
,, दू २२२
,, ती. १५७, २५०
श्रीपरमेश्वर दू. १२२
श्रीभगवान ती. २५०
श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी।
श्रीमहादेवजी सारणेसरजी प. १७३, १७८
श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) प १११
,, ,, दू. २४६, २४७, २६८
श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) ती १७६, २६६
श्रीरणछोड़राय सेढ़ ती. १७३
श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २६२, २६३, २६५
,, ती. १७८, २४६
श्रीलक्ष्मीनाथजी (बंसलमेर) ती २२१
श्रीवाराहजी प. २४
श्रीविष्णु दू. ३

स

सकर (शकर) दू २४६
सक्त प २७८, ३३६
सक्त (शक्ति) प. १८६
सचियायदेवी (सचियाय) प. ३३७, ३३६
,, ,, ती. १७५
सपत पताळ प १६२
सरग प. ७, १६०, २७८
, दू २७३
सरस्वती प. १८५, २७७
,, दू. ३, २६६
,, ती. २६, १७३
सहस्त्रलिंग दू ३६
सारणेश्वरजी महादेव प. १७३, १७८
सारसत्त दे० सरस्वती।
साळगराम प २०४
सावद प ३६, ४७
सिकोतरी ती. २
सिद्ध प २५४, २७८, २८५
,, ती २७, ७६
सिद्धपुर प २७६, २७७
सिद्धपुर दू २७२
सिध दे० सिद्ध।
सिध (सिधधर्म=शैव) प ३२
सिवपुरी प १८६, १६०
सीतळा दू. १०६, १५५
सुर प २७७, २७८
सुरपान प. १८८
सुरां-गुर प ३५४
सूरज (सूर्य) प. १ ३, ४३, ७८, १६०, २८७
,, दू. ३७, ३०४
सूर्यवश ती. १७७
सेत दे० सेतुबंध।
सेतुबध प ६, २७
,, दू ३८
सेत्रूजो प. २७६, ३३५
सेस प, ६, २२६
सोंणी चारणी देवी प २०४
सोमइयो प २१४, २१५
सोमइयो महादेव प. २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, ३३५
सोमइयो महादेव ती. २६४
सोमइयो-लिंग प २१३
सोमनाथ-पट्टन प. २१३
सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१६, ३३५
सोमनाथ महादेव,ती. २६४

सोरंभजी प. २१४
सौरीं-घाट प. २१४
स्वर्ग प. ७, २७८
स्वग प. १८६, २४५
स्वग-सातमों प. २४५

ह

हड़वूजी दे० हरभम पीर सांखला ।
हर प. ३४२, ३४६
हर वू. ३२०
हरभम दे० हरभम पीर सांखलो ।
हरभम जाळ प. ३५०
हरभम पीर सांखलो प. ३४८, ३५०, ३५१, ३५२
हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखलो ।
हरि प. ३४२, ३४६

सम्पूर्त्ति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-सख्या

[नाम की पक्ति सख्या उस नाम का उस पक्ति मे होना चाहिये बताता है]

पृ	कॉ	प	पुरुष नाम
२	२	२२	१३६, १४१
३	१	६	पञ्चो प ३६३
५	२	२०	३१, ३६१
७	२	२	आलमसाह प ५६
८	१	४	३६१
८	१	१०	३६२
६	१	२	३६१
६	२	६	३२०
१२	१	७	कपड़ डू २१४
१२	१	८	कपड़नाथ योगी डू २१४
१३	१	११	५, ६, १३, १५, १६, ७०
१३	२	१०	करमचद पवार प १२२
१४	१	३	१६६
१४	१	२७	१६५
१५	१	"	१५६
१६	२	२	काबो गढो प १३६
१६	२	१३	३१५
२०	२	५	३६३
२१	१	२४	३६१
२१	२	११	खीमो सकरोत डू ८४
२२	२	४	गगस घोघो प ५
२२	२	१३	३३८
२३	१	३	गढो काबो प १३६
२३	१	१६	३६३
२३	१	३४	३५६
२४	१	१२	गोकळ प ३६१
२७	१	३६	घवडो दे० चूडो।
३२	१	१४	३१८
३३	२	२८	३१०
३५	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
३६	२	११	१६४
४१	२	३१	३१७, ३१८
४४	२	१४	१६८, १६६
४७	१	३१	१८३
५८	२	६	१६६
४८	२	७	१६८
४८	२	अतिम	१६१
५०	१	२६	३५२
५०	२	३	११६
५४	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५	१	२६	१७
५५	१	अतिम	प्रथीराव प २४३
५७	१	२१	बहल्लाल प. १८६
५७	२	५	६७, ६८
५७	२	२४	भालरघ प. २८८
६५	२	२५	३४५, ३४६
६६	२	२७	२६४, २६५, २६७
७२	२	६	मनावतसिह रावल दे० पताई रावल
७६	१	अतिम	३१६
७७	१	३५	१८६, १६०
८१	२	२६	लसकरी कंमरो प ३००
८६	१	४	१०१

पृ.	कॉ.	पं.	पुरुष नाम
९८	१	३	साह आलम प. ५९
१०१	२	२९	२८३
१०२	२	२३	१०२ से ११०
			भौगोलिक
१२०	२	९	२३६
१२८	२	१९	४१
१३२	२	१७	जांभोरो सीयळां रो दू० ६
१४३	२	३	पूंछणो दू. १६४ दे० पूछणो
			सांस्कृतिक
१७२	१	१९	अमल रो पोतो प. १०२
१७२	१	२४	अलाइ-बलाइ प. १००
१७२	२	६	आहुलांनो प. ८६
१७२	२	१३	१३४, २०६

पृ.	कॉ.	पं.	सांस्कृतिक
१७	१	३१	किरियांणो (प्रसूता की पौष्टिक खाद्य-सामग्री दू. २८०
१७३	२	६	कोड़वांन दू. २२३
१७३	२	२५	गोडो वाळणो दू. ११६
१७४	१	७	३३९
१७५	२	७	दांन-पुन्य प. १३६. २६६
१७५	२	१३	बायजो प. ७६
१७५	२	२५	बुहागण दू. १०
१७६	२	९	पाणी देणो दू. ३३७
१७६	२	११	पाघड़ी-भाई दू. ६६
१७६	२	३७	पोतो प. १०२
१७६	२		अंतिम प्रळैवातार दू. १२०

परिशिष्ट २

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी री हस्तलिखित ख्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुंडलियां भी ख्यात मे उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुंडलियां ज्योतिष-शास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और शोध की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुंडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही दी हुई है। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थीं; अत. यहां दी जा रही हैं—

रांणा सांगा री जन्मकुंडली

समत १५३९ रा वैसाख वद ९ सांगा रो जनम। समत १५६६ जेठ सुद ५ रांणो सागो पाट बैठो। (ख्यात पत्र ५ सूं उद्धृत)

३	२ गु बु रा	१
४ वृ		१२ र
५	श्री॥	११ च
६	८ के	१०
७ म० श०		९

रणां उदैसिंघ री जन्मपत्री

रांणो उदैसिंघ, संमत १५७९ भादवा सुद ११ जनम। सं० १६२९ रा फागुण सुद १५ रांणो उदैसिंघ काळ प्राप्त हुओ। (ख्यात पत्र ६ सूं उद्धृत)

६ शु के	५ र बु	४ मं
७		३
८ चं.	श्री॥	२
९	११ श	१
१० वृ		१२ रा

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

सं० १६११ असाढ वदी ५ रविवार रो जनम (ख्यात पत्र ६ सूं)

<table>
<tr><td>४</td><td rowspan="2">३
सू
रा</td><td>२ बु</td></tr>
<tr><td>५ मं</td><td>१ शु</td></tr>
<tr><td>६</td><td>श्री।।</td><td>१२ श गु</td></tr>
<tr><td>७</td><td rowspan="2">९
के</td><td>११ च</td></tr>
<tr><td>८</td><td>१०</td></tr>
</table>

सगर री जन्म

सं० १६१३ भादवा वदी ३ रो सगर रो जन्म (ख्यात पत्र ६)

<table>
<tr><td>३ मं</td><td rowspan="2">२
रा</td><td>१ श</td></tr>
<tr><td>४ र</td><td>१२</td></tr>
<tr><td>५ बु</td><td>श्री।।</td><td>११ चं</td></tr>
<tr><td>६ शु</td><td rowspan="2">८
बृ
के</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>७</td><td>९</td></tr>
</table>

महारांणा प्रताप री जन्मकुंडळी

सं० १५९६ जेठ सुद ३ रविवार रो रांणा प्रताप रो जन्म (ख्यात पत्र ७)

<table>
<tr><td>११</td><td rowspan="2">१०</td><td>९</td></tr>
<tr><td>१२ रा</td><td>८</td></tr>
<tr><td>१</td><td>श्री।।</td><td>७</td></tr>
<tr><td>२ र</td><td rowspan="2">४
बृ</td><td>६ मं श के</td></tr>
<tr><td>३ शु. बु. चं.</td><td>५</td></tr>
</table>

रांणा करन री जन्मकुंडळी

जन्म स० १६४० सावण सुदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (ख्यात पत्र ८)

३ के ४ २	२	१ १२ बृ.श.
५ शु. बु	श्री॥	११
६ म ७	८	१० ९ रा च.

रांणा जगतसिंघ री जन्मकुंडळी

जन्म स० १६६४ रा भादवा सुद १२, संमत १७१४ रा जेठ मांहे धवळपुर री लडाई कांम आयो।

६ शु व च ७	५ र म रा	४ ३
८		२
९ श १०	११ के	१ १२ वृ

परिशिष्ट ३

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्ट संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नामावली

सं०	— संज्ञा	प. —	नैणसी री ख्यात का पहला भाग		
ब.व.	— बहु वचन	दू. —	,,	,,	दूसरा भाग
दे०	देखिये	ती. —	,,	,,	तीसरा भाग

अखैसाही नांणो—जैसलमेर के रावल अखैराज द्वारा प्रचलित एक रौप्य मुद्रा।

अनवी—परवत्तसर और महारोट के अनन्यवीर रावत उद्धरण दहियै का विरुद।

अभंगनाथ—विजयी वीरों में श्रेष्ठ वीर।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का वस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ।

असंख प्रवाड़े-जैतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असंख्य युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद।

असत घांन—१. हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज।

असुख—१. शत्रुता २. रोग।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय।

(ब.व.—असुरां, असुरांण, असुरायण, असराळ, असुराळ, असाळ)

आऊठ कोड़ बंभणवाड़ }
आऊठ कोड़ सांमई } —नवलखी सिंध का बंभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर। (कहा जाता है कि सिंध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग नवलखी सिंध के नाम से प्रसिद्ध थे। बंभणवाड़ आठ करोड़ की आय का प्रदेश कहा जाता है।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल। २. विजयराव चूड़ाळे का विरुद।

आगू—१. यात्रा में आगे चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति। २. मार्गदर्शक।

आदित, आदित्य—दे. दीत-ब्राह्मण।

आयस, आयसजी—राजस्थान के नाथ सन्यासियों का विरुद या उपाधि।

आरंभरांम—('आरंभ+आरांण' का अपभ्रंश रूप) वह शक्तिमान राजा या बादशाह जो किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है।

आलमगीर—बादशाह औरंगजेब रा विरुद।

आसा—गर्भ

आहाड़ा—'आहाड़' नामक गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोदियों (शासकों) का एक विरुद।

आहूठमा-नरेश—चित्तौड़ के शिशोदिया नरेशों का एक विरुद।

इद्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह विद्याओं में से एक।

इक्को—दे० एको।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन के अंदर टोडा और जालोर को विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि।

उड़दावो—कई धान्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक खाद्य।

उपाधियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अध्यापक की एक उपाधि।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थी। हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर धड़ से लड़ते थे और धड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं। इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो संख्यायें शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं।

'उमराव' अमीर शब्द का बहुवचन रूप है।

'उमराव' और 'उमराव धनो' राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है।

उवही—समुद्र।

ऋषि, ऋषीश्वर—१. वेद-मन्त्रों का प्रकाशक, मंत्र-द्रष्टा। २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्वों का ज्ञाता।

एको—अनेक योद्धाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का अंग-रक्षक।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति। गड़रिया।

ओकर—१. दुर्वचन, गाली। २. विष्टा।

ओठी—ऊंट सवार (१. ऊंट। २. ऊंट से सम्बन्धित।)

ओडो-रांवण—रावण के समान भयकर महाबली दोदा सूमरे का विरुद। (विकट महाबली)

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य को गिरवी रखना पड़ता था। २ मनुष्य को गिरवी रखने की प्रथा।

ओळगण—गानेवाली ढाढिन नौकरानी। (१. वियोगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी)

ओळगू—गाने बजाने वाला ढाढ़ी नौकर।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का। २. राजकुंवरी। ३. पुत्र।

कँवरांणी—कुंवर की पत्नी।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गंगा।

कणवारियो—खेतों में से कूंता किया हुआ नाज इकट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में आये हुए राठौड़ क्षत्री का विरुद।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-वासित पानी।

कमंध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठौड़ क्षत्रियों का विरुद।

करहीरो—ऊंट सवार, करभारोही।

करोड़ी, किरोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि। २. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्त्ता चारण २. कवि ३. भाट-कवि।

कसतूरियो मिरघ—१. विलासिता की एक उपाधि। २. कस्तूरीमृग।

कलावंत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि। २. एक संगीतज्ञ जाति। ३ एक क्षत्रिय जाति। ४. संगीतज्ञ।

कांचळी—पुत्री नेग

कांठळियो—१. सीमा रक्षक। २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा। ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा।

कांनूंगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो।

कांमदार—जागीरदार की जागीरी का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी।

कांमेती—दे० कामदार।

काछ पंचाळ—कच्छ और पांचाल देश की एक देवी।

काछराय—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी।

कारण—१. गर्भ। २. प्रतिष्ठा। ३. मान-मर्यादा। ४. कृपा।

कारणीक—१. योग्य। २. प्रामाणिक। ३. ज्ञाता, जानकार। ४. परोपकारी। ५. विवेकी। ६. दरमियानगिरी करने वाला।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ।

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलंक रूप उपाधि। २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम।

किलंब, किलंम—कलमा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम। (ब. व.—किलंबां, किलंबांण, किलमां, किलमांण, किलमायण)

किलेदार—१. दुर्गरक्षक। २. दुर्गरक्षक का पद।

कुंवर-मांणो—
कुवर पछेवड़ो—
कुवर पामरी—
कुवर सूखड़ो—
} कुवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर।

कुतबसाही-नांणो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रवर्तित कुतुबशाही मुद्रा।

कूरबाण—मांस-खाद्य रखने का एक पात्र।

कृत—मृतक-संस्कार।

केसरिया—विवाहार्थ व युद्धार्थ पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक।

कैलपुरो—कैलवा नाम के गांव में बसने के कारण शिशोदियों का एक विरुद।

कोटवाळ—१. शासनाधिकारी का एक पद। २ दुर्गरक्षक और उसका पद।

खटायत—सहन करने वाला वीर पुरुष।

खबरदार—संदेश-वाहक अनुचर।

खरक कूंण—वायव्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर। २ नाई। ३. दासी। ४. रखैल स्त्री।

खांगड़ो—१. राठौड राजपूत। २. राठौडों का एक विरुद। ३. वीर।

खांगीबध—राठौडों का एक विरुद।

खांट जात—भील, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि।

खांन—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी। खानों की संख्या बादशाही दरबारों में ७० होती थी। इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे। 'सत्तर खान और बहत्तर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है।
२. पठानों की एक उपाधि। ३. मुसलमान।

खाड़ेती—बैलगाडी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति। २ हल चलाने वाला व्यक्ति।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार। २ रखैल। ३ दासी।

खिलहरी, खिलहोरा, खिलोरी, खिलोहरी—१. जंगली मनुष्य। २ भेड बकरी चराने वाला व्यक्ति।

खुरसांण—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय (ब. व. खुरसाणां, खुरासाणां)

खूदालम—बादशाह।

खून—१. अपराध। २ हत्या।

खूमांणो—रावळ खूमाण के वंशज शिशोदिया क्षत्रियों का विरुद।

खूर—लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति।

खेड़ा री वाघण—शिकार का एक प्रकार।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियों का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विरुद ।

खेड़ायत—१. एक गांव का धनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

गंग—१. राना घणसूर मोहिल का विरुद । २. राव गांगा की ऊन संज्ञा ।

गजधर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. गाने वाली । २. वेश्या ।

गुढो—रक्षा-स्थान ।

गुल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक कर ।

गेहलो—अणहिलपुर-पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विरुद ।

गोडो वालणो—मृतक की सम्वेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदंब—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक ।
२. विद्रोही, बागी । ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन । ३. देवी-देवता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पत्नी रूप में पर-पुरुष के घर में रहना ।

घावड़ियो—हानि पहुंचाने या मारने के लिये ताक में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरंधार—कोळू के शासक पमे का विरुद ।

चकवै—चक्रवर्ती राजा, सम्राट ।

चरवैदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नौकर, सईस । २. घोड़ों को जंगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नौकर ।

चवरासियो—चौरासी गांवों का स्वामी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

चींधड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा वीर योद्धा । २. अधिक अफीम खाने के कारण सुध-बुध रहित व गंदा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध वीर भाटी विजयराव का विरुद ।

चोटी-चढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी चोटी कटाई हुई रखनी पड़ती थी ।

चोधरी—१. गांव की चौधराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

चोरासिया-ठाकर—१. चौरासी गांवों का जागीरदार । २. बड़ा जागीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छठो—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीबरदार, चोबदार ।

छतीस पवन—१. चारों वर्ण और उनके अंतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ। २. संसार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. मरहटों का राज्य स्थापित करने वाले वीरवर शिवाजी की उपाधि और विरुद । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

छात्राळा—जैसलमेर के भाटी शासकों का विरुद ।

जवादि जळहर—१ वह जलागार जिसके जल में क्रीड़ा या मंजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । २ सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रीड़ा ।

जमीदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगळधर—१. बीकानेर के राठोड़ राजाओं की उपाधि और विरुद । २. बीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही रुपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणाऊ—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, विज्ञ ।

जांम—सौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी—१. रण-पिशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१. बड़ा योगी, योगीश्वर । २. राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झींटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोंटिंग—१. घने बालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रुपया । २. दो पैसे (रु० $\frac{1}{32}$) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युवराज । २. मुखिया, अधिष्ठाता ।

ठकरांणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलवान क्षत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर--१. ठाकुर, जागीरदार। २. कुलवान क्षत्री।

ठाकुर--१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण। ३. दे० ठाकर।

ठाकुरजी--१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति)। २. श्रीकृष्ण।

डावड़ी --१. जागीरदार की एक दासी। २. पुत्री।

डोळी--ब्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि।

ढोल दिरावणो--आक्रमण के समय सूचना देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना।

डावी-पाघ--राठोड़ों की पगड़ी का एक पेच।

तपसी--तपस्वी साधु।

तहड़-कूंण--सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम।

तुरक--मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम।

तुरकांणी--१ तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य। २ मुसलमान स्त्री।

थाळी-लाग--१. प्रति व्यक्ति कर। २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर।

दळथंभण--जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विरुद।

दसमों साळगरांम-गोकुळीनाथ--जालोर के प्रख्यात वीर राव कान्हड़दे सोनगरे का विरुद।

दानेसर, दानेसवर--प्रभात नाम महादानी कुन्ती पुत्र कर्ण (वसुषेण) का विरुद।

दांम--पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के रु० १ के १६०० दाम होते थे)।

-दीत--दे० दीत-ब्राह्मण।

दीत-ब्राह्मण--चित्तौड़ के शासक सीसोदियों के पूर्वजों (धन शर्मा के बाद गोदसीदित्य से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या अल्ल।

दीवांण--१. मेवाड़ के सीसोदिया शासकों (महारानाओं) का पद और एक विरुद। (मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीइकलिंगजी और महाराना उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान।

दुगांणी-- १. रुपये के सौवें भाग का एक पुराना सिक्का।

२, व्याज की फलावट में गणित का एक साधन, दुगाणी।

दुगायचा (दुगाय माता)--ईडरघाटी में दुगाय पर्वत पर की डूगर माता देवी। दुर्गा-पंचा नाम भी प्रसिद्ध है।

देसोत--१. देशपति, राजा। २. जागीरदार।

देवचो, देवाचो--प्रतिज्ञा।

धाड़वी, धाड़ायत, धाड़ायती, धाड़ेत, धाड़ेती--डाका डालकर धन लूटने वाला व्यक्ति।

धाय-भाई—धा-भाई, दूध-भाई। स्तनपान कराने वाली धाय का पुत्र। २. धाय-भाई के वंशजों की उपाधि।

धारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना।

नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में आने तथा उनकी सवारी के समय विरुद गान करने वाला सेवक।

नगारो दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और वीरों का संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना।

नवाब—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि। २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक।

नव कोटी-मारवाड—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य।

नव-सहसो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राव मालदेव का विरुद। २ वीर राठौड़ क्षत्री।

नागदहा—नागदहा गांव में बसने के कारण मेवाड़ के सीसोदिया-शासकों का एक विरुद।

नादेत-नीसाणेत—चाचग के वंशज रूणधाय के सांखलों का विरुद।

नेगी—नेग लेने वाला व्यक्ति।

न्याळां—१ आखेट-गोष्ठी। शिकारियों की भोजन-गोष्ठी।

पचाध कूण—उत्तर और वायव्य के बीच की दिशा का नाम।

पटू—प्रतिभू, जामिन।

पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पर्दे में रहने का सम्मान मिला हो।

पताई-रावळ—पावागढ (गुजरात) के वीर रावल यशवंतसिंह का विरुद।

परत-री-वेढ—शत्रु की लड़ाई।

परधांन—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री। २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए झगड़े-टंटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति।

पांडव—घोड़े का सईस।

पाइक—१. पैदल सैनिक। २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक।

पाखा-देवळी—१. राजा का परिजन या परिग्रह। २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन।

पाटवी—१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज। २. जागीर का अधिकारी।

पाटोधर—पट्टाधिकारी, राजा।

पात—१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि। २. चारण।

पातर—१. राजाओं की गायिका। २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या।

पातळ—जग-विख्यात महाराना वीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम।

पातसाह—बादशाह ।

पासवांन—१. राजा का खास सेवक । २ राजा की एक रखेल स्त्री और उसका वर्ग ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रुपया ।

पीथल—'क्रिसन रुकमणी री वेलि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त बीकानेर के राठौड़ पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांणो—दे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—दासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

पेरोजी नांणो—दे० पिरोजसाही ।

प्रवाड़मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा । २. दे० असंख प्रवाड़ै-जैतवादो ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । ३. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फर्राश ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

बंधांणो—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्ति ।

बगसी—वेतन बांटने वाला अधिकारी, बक्षी ।

बलबंड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

बहुली-जोगणो—एक योगिनी ।

बा—१. सौराष्ट्र और गुजरात के रजवाड़ों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला माध्येर्थ-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

बाजारियो—१. एक मांस भोजन । २. बरात का एक विशेष भोजन-समारोह ।

बादशाह—हिन्दुतर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

बायड़—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

बायड़ियो—नशा करने की आदत वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

बारोटियो—१. लुटेरा । २. विद्रोही, बलवाखोर ।

बीबो—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का लाक्षणिक या फरजब होने के नाते लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय।

बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी।

ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिष—ब्रह्मर्षि।

भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—कपाट की भांति अवरोध बनकर शत्रु को आगे नहीं बढ़ने देकर देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धाओं का विरद।

भड़-लखमसी—चित्तौड़ के राना रतनसी के भाई लखमणसी का विरद।

भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की दिशा।

भांग-रा-हिमायचा—१ भांग से बना एक नशीला पदार्थ। २. भाग पीने की आदत वाला।

भूंछ लोग—१. धर्मनीति और राजरीति से अनभिज्ञ लोग। २. असभ्य लोग।

भोमियो—१. थोड़ी भूमि (खेतों) का स्वामी, जमींदार। २. बहुत।

मडळीक—१. देरावर के देहड, बूहड और गुणरग का विरद व उनकी उपाधि। २. मडलीक राजा, मडलपति।

मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (अगले वर्ष सुकाल हो जाने पर वापिस लौट आने के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी सुकाल वाले स्थान को जा रही हो। २. गरीब प्रजा।

मनसबदार—बादशाही राजत्वकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी।

मलेछ, मळेछ—१. लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति। २. विधर्मी।

महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का।

महाजन—१. वैश्य, वणिक। २. धनी व्यक्ति। ३. श्रेष्ठ-पुरुष।

महाराणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि।

महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम। २. राजा।

महाराज कंवार—युवराज।

महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि।

महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट।

महावत—फीलवान।

मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के ढोला की पत्नी। २. मारवाड़ देश की स्त्री। ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक गीतों की नायिका।

मारुवा-राव—मारवाड़ में से सौराष्ट्र को गये हुए गोहिल क्षत्रियों का विरद।

मारु—१. मारवाड़ देश। २ मारवाड़ देश का निवासी (ब.व. मारुवां, मारुआं) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक। ४ दे० मारवणी।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन। २. मालानी प्रदेश का क्षत्री।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अंतरंग लोग।

मिरजा—१. मुगलों की एक उपाधि २. मीरज़ा।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि। २. लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि। २. अमीर।

मुंहणोत—राव सीहा के वंशज खेड़-पाटण के राठौड़ राव रायपाल के पुत्र मोहण के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की ओसवालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' शाखा।

मुंहता—१. 'मुंहणोत' का अपभ्रंश रूप। २. मोहताई या मुंहताई का पद। ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक अल्ल।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद।

मूंछाळो-मालदे—जालोर के राव कान्हड़दे सोनगरा का भाई वीर मालदेव सांवतसीओत का विरुद।

मूळां-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊंचे मचान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, ओदी की शिकार। २. किसी झाड़ी, खड्डे या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार।

मेछ—दे० मलेछ। ('म्लेच्छ' का अपभ्रंश रूप। व. व. मेछांण, मेछाइण, मेछायण)

मेळग—चारण।

मेवाड़ो—१. लाक्षणिक अर्थ में मेवाड़ के महाराना का पर्याय। २. मेवाड़ का निवासी।

मेवासी—विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला।

मेवासो—मेवासियों का दुर्गम व छिपा स्थान।

मोटा-राजा—जोधपुर के राजा उदैसिंह की उपाधि या उपनाम। (शरीर में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है।)

मोदी—१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद। २. आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया।

रढ-रांवण—१. राना इन्द्रवीर मोहिल का विरुद। २. रावण के समान दृढ़ और हठी वीर का विशेषण। ('रढरांण' इसका छोटा रूप है)

रवद—रौद्र लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय। (व. व. रवदां, रवदांण, रवदाइण, रवदायण, रवदायत, रवदाळ)

रसोईदार—रसोइया।

रांणा—१. करण रावल के पुत्र राना राहप से चली आ रही मेवाड़ के सीसोदियों की उपाधि। २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुढ़ा और नगर के जागीरदारों की

उपाधि। ३. छापर-द्रोणपुर के मोहिल शासकों की उपाधि। ४. राना. राजा। (सं० राणाई)

राणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी। २. राज्य की स्वामिनी।

रा—कच्छ और सोरठ के शासकों की उपाधि। (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी। दे० अणखीसर कूप की देवली का शिलालेख, स० १३४० वि.)

राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग। २. राज्य वर्ग।

राउ—दे० राव।

राजलोक—१. अंत:पुर, रनिवास। २. रानी। ३. रानियां।

राजवी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि। २. राजघराने का व्यक्ति।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि। २. नृपति। (सं. राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की बेगार निकालती है। बेगारी।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुवर। २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक।

राव—१. मारवाड़ के शुरू के कुछ राठौड शासकों की उपाधि। २ भाटों की उपाधि। ३. राजा। ४. सरदार। (सं० रायाई)

रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि। (स० रावताई) २, भील जाति।

रावळ—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि। २. रावल बापा के पिता भोजादित्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक चित्तौड के शासकों की उपाधि। ३. मारवाड के जसोल और सिणधरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि। ४. डूंगरपुर और बांसवाहला (बासवाड़ा) के रावल माहप से शासकों की उपाधि।

राहवेधी—दूरदेश।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग। (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहां ही रहने के अधिकार के कारण यह सज्ञा दी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिष—१. हारीत ऋषि। २ ऋषि।

रूठी-रांणी—१. राव मालदेव की रानी उमादे भटियानी का स्वाभिमानी नाम।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की दिशा का नाम।

रोद—दे० रवद। (ब. व. रोदा, रोदांण, रोदाइळ, रोदायळ, रोदाळ)

रौद्र—दे० रवद। (ब. व. रौद्रां, रौद्राइण, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद।

२. राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक। ३. बहुत शौकीन।

लसकरी—कामरा की उपाधि।

लांधा-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अद्भुत वीरता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद अथवा विशेषण।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी।

लूंटेरू—लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा।

वजीर—१. दासी पुत्र, गोला। २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी।

वड कँवार—पूर्ण यौवनवती कुमारी।

वडारण—ऊंचे वर्ज वाली दासी।

वरतियो—१. तांत्रिक। २. जैन यती।

वसी, वसीवांन (वसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं। २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं। ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गांव में वसने वाली प्रजा।

वांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विरुद।

वातपोस—राजाओं के मनोरंजनार्थ कहानियें और ख्यात-बातें सुनाने वाला अथवा हांकारा देने वाला व्यक्ति।

वावसू—१. गुप्तचर। २ वायुवेग के समान भाग कर खबर लाने वाला व्यक्ति।

वाहग—१. गुप्तचर। २. दौड़ा करने वाला।

वाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति।

वाहाऊ—दे० वाहरू।

विचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय।

विजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा विजयसिंह द्वारा प्रवर्त्तित एक रौप्य मुद्रा।

वैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद।

वैरायत—१. वैर का बदला लेने वाला व्यक्ति। २. बदला लेने की खोज में रहने वाला व्यक्ति।

वोढो-रांवण—दे० ओढो रांवण।

वोहरो—१. ब्याज पर रुपये उधार देने वाला वणिक। २. एक मुसलमान जाति।

षोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, वस्त्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गंध, माला, फल, शय्या, पादुका, गौ, सुवर्ण और चांदी—इन सोलह वस्तुओं का दान षोडश-महादान कहलाता है।

श्रीठाकुरजी गोकळीनाथ—दे० वसमों साळगराम गोकळीनाथ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भड़ियानी आदि किसी लोकदेवी का आवेश

होता हो। २ वेश्यांशी स्त्री। ३ जोगिनी।

सतवादी—वे० सत्यव्रत।

सती—१ दानी। २ सत्यवादी। ३. पतिव्रता। ४ मृत पति की चिता के साथ जलने वाली स्त्री। ५ जोहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री।

सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरुद।

सर्मा—चित्तौड़ के शासकों के आदि पूर्वज विजयपाल शर्मा से धन शर्मा की ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि।

सवणी—शकुनी शकुन शास्त्री।

सहेली—१ दासी का एक प्रकार। २ सखिन।

सांमधरमी—वे० सांमभगत।

सांमभगत—स्वामीभक्त।

सावत—१ वीरो में प्रधान वीर सामत। २ ठाकुर, सरदार।

सापुरस—भला आदमी।

साह—१ प्रतिष्ठित व्यक्ति। २ बादशाह। ३ बुंदेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि।

साहणी—घोड़ों के तबेले का दरोगा।

साहिजादी—शाहजादी।

साहिजादो—शाहजादा।

सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी।

सिद्धराव, सिधराव—अणहिलवाड़ा पाटण के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विरुद।

सिरदार—१ राजपूत। २ जागीरदार, सरदार।

सीसोदिया—सीसोदा गाँव मे बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि।

सुख—१ प्रेम, २ मेल मिलाप, ३ नैरोग्य।

सुलताण—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी। २ बादशाह।

सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकलज्ञ।

सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि।

सेलहथ—१ वीर पुरुषों की एक उपाधि। २ मालाधारी वीर पुरुष।

सेसू—गुप्तचर।

सोदागर—घोड़ों का व्यापारी।

सोनइया, सोनैया—स्वर्ण मुद्रा, सोन का सिक्का।

हलालखोर खासो—१ बादशाह का खास एतबारी नोकर।

हामू—महाराना हमीर का साहित्यिक नाम।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कृषक के यहां हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवांणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मेंढा, घेटा ।

हुरड़वनो—विजयराव चूड़ाले के पुत्र देवराज का विरुद और उपनाम ।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुरुष, परवश पुरुष ।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी ।

परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

अग
अगज
अगोभव
अगोभ्रम
असो
अभिनमो
आणी
आतमज
उत
ऊत
ओत
कँवर
कळोधर
कुवर
कुळचंद
कुळदीप
कुळदीपक
कुळधर
कुळधारक
कुळभांण
कुळमंड
कुळमंडण
छावडो
छावो
जायो
जोध
जोधार

डावडो
डीकरो
तण
तणे
तणो
धीकरो
नम
पाटोधर
पुत्त
पूंगडो
पूत
पेट
बेटो
भ्रम
रो
लाडो
वसधर
वत
वाळो
सभ्रम
साव
सुजाव
सुत
सुतण
सुध
सुवण

परिशिष्ट ५

ख्यात में प्रयुक्त पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनमो
अभिनमो
कळोधर
कुळज
दुवो
पेट
पोतरो
पोतो
पोत्रो
बीजो
वीयो
वंसज
वंसोधर
संभ्रम
समोभ्रम
हर
हरो

परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१		१	॥ दं० ॥	एक अक्षर-ब्रह्मवाची अपभ्रंश-परंपरा का मंगल चिन्ह, जो मारवाड़ी भाषा की बिलोटी (वर्णमाला) के आदि में लिखा-पढाया जाता है।
१		७	इद्धना	इद्धना
१		२६	ब्राह्मण	ब्राह्मणों के
२		३	बलियां	बळियां
२		५	रहि ने	रहिनै
२		६	पटोला	पटोळा
२		११	बेटो[१२] हूं	बेटो हू[१२]
३		१८	चीतोड	चीतोड़
४		३०	म	मे
५		३	नमण	नयण
५		६	भालांवळी	भालांवाळी
६		६	जसक	जसकर
६		१५	चोरसर्मा	चोरसर्मा
१०		२०	पीढां	पीढयां
११		२०	देव राठासण	देवी राठासण
१२		२	अविचल	अविचळ
१२		७	वधियो	वधियो[२]
१३		६	महापनुं	माहप नू
१३		६	घरांरी	घरां री

पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'अजैसी' के स्थान 'जैसीह' होना चाहिये।

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१४		६	डेरांसू	डेरां सू
१४		६	गढ-रोहै	गढरोहै
१५		१७	खभणोर	खमणोर
१६		१	महियो	महियो
१६		२	डूगररा	डूगर रा
१६		२३	बहतो	बस्ती
१६		२५	ी	री

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१७		२८	'असंख प्रवाड़े-जैतवादी' (असंख्य युद्धों में विजयी) का विरुद प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके बाप राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया।	
१८		७	पारवतीरे	पारवती रै
१८		६	'सुणियो छै' के बाद पूर्ण-विराम नहीं है।	
१८		२७	अक्रमण	आक्रमण
१६		२	धर	घर
१६		२६	राज्यधिकारी	राज्याधिकारी
२२			पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '६ सगर' जोड़िये।	
२२		२८	इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये— 17. आधा दिया। 18. जिससे। 19. अपनी। 20. सहायता की।	
२३		१७	वोहोतो	दोहीतो
२३		२१	ऊपर फरै छै[19],	ऊपर फरै छै,
२३		२७	१७ जैता का पुत्र	१७ रूपसिंह, जैता के पुत्र देवीदास का दोहिता।
२४		२८	१६२६	१६३६
२५		१५	६ सबलसिंघ	१० सबळसिंघ
२५		१६	गांव ४ जालोररा कुरड़ासूं। दीया।...दीधो थत।	गांव ४ जाळोर रा कुरड़ा सूं दिया।
२५		२७	धास के निमित्त जो गांव थे उनमें से चार उसे दिये।	कुरड़ा सहित जालोर के ४ गांव दिये।
२७		२१	सैंद मांलन	सैंद मांळण
२८		१३	काल	काळ
२६		४	मिलीयो	मिळियो
२६		११	जागीर कीयो	जागीर कियो
२६		१२	नीमच	नीमच
२६		१३	देवलियारो गढ़ासिंघ	देवळिया री गड़ासंघ
२६		२२	गांउ	गाव
२६		२६	10 जब्त	10 देवलिया के निकट
३०		७	मिलीया	मिळिया
३०		१२	काल कीयो	काळ कियो
३२		२३	पाल	पाळ
३४		२६	दरी	दर्रा।
३५		३६	जावद	जावर

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
३६	१३	उदैपुर कोस छपनिया-राठोड़ांरो उतन छं	उदैपुर सूं कोस, उतन छं
४०	२	दुरदास	दुरसदास (दुर्गा
४०	१०	मार लाछां	मारलां छां
४०	१८	वाघोरा	वाघोर
४०	२०	भोरड़ा	भोरड़
४१	५	वरदाड़ो	वरवाड़ो
४३	१८	सारंग दे ग्रोतांरो	सारगदेग्रोतां रो
४३	२८	महल मे	महल
४७	१	दलोल-कलोस	दलोल-कलोल
४७	६	लभणोर	लमणोर
४७	११/१२	मीरमी पहु नै	मीरमोपहुवै
५०	१६	रतसीरो	रतनसी रो
५०	२८	जगमाल कां पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की बेटी हाडी
५३	३१	दुहरं	देहुरं
५२	२२	कोसापळ	कोसीथल
५३	२६	रावधदे	रायधदे
५४	२२	ऊपर[25] डाय	ऊपरड़ाय[25]
५४	३०	ऊपर दाव=आक्रमण करने वालों से	ऊपर वालों से
५६	१	तेरे	तरं
५६	१०	चढती ही नै	नै चढतां ही
५६	११	दृढ	हठ
५७	१	चावडारा	चावंड रा
५७	३	चावडारा	चावड रा
५७	२१	छट	छूट
५९	२	थाप लियो	थापलियो
५९	१०	खूमाण	खूमाणं
५९	२६	हडां	हाडा
६१	१६	वेढ नै कीजै	वेढ न कीजै
६१	१९	आग	आगं
६२	४	बालीसा	बालीसो
६३	४	वे घमरी	वेघम री
६३	७	बाघारो	बाघारो
६४	१	विसेरिया-चाकर	विसोरियो-चाकर

पृ.	कॉ	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
६४		१५	पीथा वाळो वाळियो	पीथा वाळो गांम वाळियो
६४		१८	म्हां मांरे	म्हां मांहे
६५		१८	फिर संका	फिर सकां
६७		२१	पंचाइण। रूपसीरो	पंचाइण रूपसी रो
७०		१६	पछ सैं	पछै सैं[4]
७०		१७	रजूआत[4]	रजुआत
७१		२५	2 सत्कार	2 सत्कार होगा
७१		२८	टिप्पणी सं० 8 और 10 के बीच में सं० 9 इस प्रकार जोड़िये— '9 हम तुमको दोनों वासों में (जगहों में) नहीं रखेंगे।'	
७१		२६	शपथ	शपथ करके
७३		२५	4. प्रताप की घर में रखली हुई बनिये के स्त्री के गर्भ से	4. रायल प्रताप की खवास पद्मां बनियाइन के गर्भ से
७४		६	वांसवारलारो	वांसवाहळा रो
७४		६	'मांहो-माह' के ऊपर सं० 9 लगाकर आगे की सभी संख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पंक्ति २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम संख्या 18 को 19 समझें और टिप्पणी की अंतिम पंक्ति में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले सं० 16 लगाकर '16 ननिहाल' को '17 ननिहाल', '17 महल' को '18 महलों', और '18 राज-करा' को 19. राज-कर पढ़िये।	
७६		१८	मेळ दीनो	मेलदीन्हो
७६		१६	डीळ	डील
७७		६	ऊभो मेळनैं	ऊभो मेलनैं
७६		१३	तेतसी	तेजसी
८०		२६	चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०		२७	चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१		१८	दीठ	दीठो
८१		१६	डगरपुर	डूंगरपुर
८१		२३	कहेक	केहेक
८२		१०	डूंगरसूंघणी	डूंगर सूं घणी
८३		६	घरां	घरां
८३		२०	दया	दिया
८४		८	उवेचकिया	उवे चकिया
८४		२३	घर	घर
८५		१६	तासु	ता सु
८६		५	ठाड़	ठोड़

पृ. सं.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
८७	१४	कुळसिंघ	कुसळसिंघशु
८७	१८	भळेरो	भलेरो
८७	२५	पोन	पोन कोस मे
८७	२७	की ओर	पूर्व दिशा की ओर
८७	२४	गडा }	गड़ासंघ
८८	१	संघ }	
८८	६	बडो इतवाय	वडो इतवार
९१	४	तठ	तठै
९२	४	ईणारै	इणारै
७५	१	वळायां	वलायां
९६	८	नाहररो	नरहर रो
९९	२१	वशहरा	वशहरा को
९९	२५	तय रहने के लिये	जहां रहने कि लिये
९९	२५	भविष्य	भविष्य की
९९	२९	अरबी घोड़े	ऐराकी घोड़े
१००	६	घोड़ा	घोडा
१०१	१७	६ जय	६ जवदू
१०३	१३	कह्यो	कह्यो
१०३	२९	सो वरस पोहंचे मर जाना	सो वरस पोंहचं=मर जाय
१०४	१३	मावै नहीं	मावै नहीं
१०४	२८	करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परतु सूरजमल आने नहीं देता	ये तो बहुत ही (खुशी से) आ जायें परतु सूरजमल आने नहीं देता
१०५	५	मोड़ारो बारहठ	मोडां रो बारहठ
१०६	२	लाख दे विदा कियो	लाख पसाव दे विदा कियो
१०६	८	'सुहाणो नहीं' पर सं० 7 पढ़िये। पंक्ति ९ मे 'कुमया करै छै' पर 8 और 'कासूं दीठो ?' 9. इसी प्रकार सब में एक-एक बढ़ाकर प० २२ मे 'पात' पर लगी सं० 15 को 16 पढ़िये। पंक्ति २९ में '16 चारण' जोड़िये।	
१०६	१६	लखपसाव	लाख पसाव
१०७	२७	13 ऊंचे वृक्ष पर मचान बांधकर किया जाने वाला शिकार।	
१०८	६	रांणो कह्यो	रांणै कह्यो
११०	२०	आंरतवो	आंतरवो
११३	२	भाखरके	भाखर रै
११३	३	भाखरवाळारो	भाखर वळा रो
११३	६	बाघ-वाड़ी	बाग-वाड़ी

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
११३		१६	खीचियांरो । उतन	खीचियां रो उतन
११३		१८	घुंडवाणरा	गुंडवाण रो
११३		२६	19 मऊसे । 20 कोस पर धूलकोट	19 मऊ से ७ कोस पर धूलकोट...
११३		२८	21 गुंडगांव ।	20 गुंडवान ।
११३		२६	22 यही ।	21 यही । 22 नीचे ।
११४		१३	नांन	नांम
११४		२६	सेवज	सेंवज
११५		१५	खातखेड़ी	खाताखेड़ी
११५		१५	भील चक्रसेणी	भील चक्रसेण
११५		१७	वाघरी	वाघ री
११५		२६	11 जिसको भील'''करलिया	11 'मारली' एक गांव का नाम है ।
११५		२७	बाघको	बाघ को
११५		२८	13 दोनों	13 'वेहु' एक गांव का नाम है ।
११६		१०	जीलवाड़ो	जीलवाड़ो
११८		५	वीठ्ठ पना	वीठ्ठ पना
११६		२१	धावे	धावे
१२०		२	तापिया	तपिया
१२२			शीर्षक अत	अथ
१२२		३	सुणियो छै । विखणनूं	सुणियो छै विखण नूं
१२२		१५	पित्रावरण	मित्रावरण
१२३		१६	रोहड़ो	रोहड़ो
१२४		१६	कुंतरी	कुंतल री
१२४		२७	कुंतको	कुंतल को
१२५		२२	'दुरात्मा बादशाह के' आगे की समस्त टिप्पणी का मैटर पृ. १२६ की टिप्पणी है ।	
१२६		६	दूह	दूठ
१२७		४	जगहरो	जतहर रो
१२७		६	राड	राठ
१३१		२४	चंपराय	चंपतराय
१३४		१५	बळाई	बलाइ
१३५	२	७	१४ कीतू	१४ कीतू[6]
१३५		२५	1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में ।	1 शोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खंभ में आबू से १० कोस पर नया शहर बसाया ।
१३६		२१	बगतरी	बगतर री

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१३८		६	पडा	पडो
१३८		१५	बीठो	बीठो
१३९		२९	विनय	विनय से
१४१		१६	वरकसो	वरकसो
१४१		१९	सूळ	सूल
१४१		२१	सूळ	सूल
१४१		२९	दिया	दिलवाया
१४३		३	रणधीरोत	रणधीरोत
१४३		१२	बाहमेर	बाहडमेर
१४४		२	कोई	काई
१४६		१६	कह्यो	कह्यो
१५०		१५	सीसोदिया	सीसोदियो
१५१		२	लिसांण	लिसांणो
१५५		११	रावळा घरां मांहे	रावळा घरां मांहै
१५५		२२	लेकिन दिन था	लेकिन जीवन के दिन शेष थे
१५८		६	ऊवो लखारो	ऊवो लाखा रो
१५८		२८	रावल सेखावत	रावत सेखावत
१६०		२६	नवसरा	नवसरो
१६३		२१	कुळधांणे	कुळधाणो
१६४		२५	सिवाणरो	सिवांणा रो
१७०		६	चोवोळ एकलवा वर	चौबो एकल वाड़ घर
१७०		१०	छाळ	छवा
१७०		१	लूट	तूट
१७१		३	हा कलियो	हाकलियो
१७१			शुरू की चार पंक्तियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अंतिम तीन पंक्तियां हैं।	
१७२		२३	वे ही राव	वे भी राव
१७३		१२	भोररा	भोरा रा
१७४		२१	सोधणोतो	सोधणोतो
१७५	१	३	उडलायिड़ो	उडवाडियो
१७६	१	१५	भोररा	भोरा रा
१७६	२	१४	अकेली	आकेली

पृ० स० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ सख्याएँ गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में लगी पृष्ठ सख्याओं को दो दो कम करके ठीक करलें।

पृ.	कॉ.	पं	अशुद्ध	शुद्ध
			पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं। दुबारा वाली १८५ और १८६ संख्याएं यथाक्रम हैं।	
१७८	१		१ वागड़ियो । देवड़ारो उतन	१ वागड़ियां-देवड़ां रो उतन
१७९	२	२२	आहिचावो	अहिचावो
१८०	१	४	अहिचावो खुरदा	अहिचावो खुरद
१८०	१	१३	ओडवाड़िया । चारणांरो	ओडवाड़ियो चारणां रो
१८०	१	१४-१५	कासघरा । वघवाड़िया । खींवराजनूं	कासघरा वघवाड़िया खींवराज नूं
१८२		२७	खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख दीं।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख दीं।
१८४		२०	असंभव	असंभ
१८४		२८	टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये—'सिरोही के टीकायतों की वंशावली के कवित्त-छप्पय आसिया माला के कहे हुए।'	
१८६		२८	I2 जोरावर।	I2 १. जोरावर। २. चौहान-क्षत्री
१८७		२०	दूढ	दूठ
१९०		१९	कीकम्म	वीकम्म
१९१		२५	महारोर वै	महा रोरव
१९२		१८	वर्एहि	वरगह
१९२		२२	पनोसीह पळिरो	पनो सीहपळ रो
१९२		२७	विरुद्ध	विरुव
१९३		१४	वळी	बळी
१९३		२२	चांपा सीवली	चांपा सींधल
१९३		२७	सिवाने	सिवाना
१९४		१३	रेवड़े	रेवतड़े
१९८		५	छांडे नै	छाडनै
१९८		२६	नागा के	नगा के
१९९		२१	जोगीदास	जोगीवास
२०१		७	विसलरो	वीसळरो
२०४		९	गढ़रो है। जाळोर रै	गढरोहै जाळोर रै
२०५		२६	मेघो	मेघो
२१७		७	कहिया तासु	कहिया ता सु
२१७		१६	जै	जे
२१९		१४	मीरगभरू	मीर गाभरू
२२०		१	रावळोजी	रावळजी

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२२०		३	रावळीजी	रावळजी
२२०		८	सूळ	सूल
२२०		१६	भापे	भांपे
२२१		१०	बरवर	बराबर
२२२		१४	रांण	रांणं
२२४		१७	१ लिसमण सोमत	१ लिखमण सोमत
२२७		८	बढ़	बंढ
२२७		२१	महता	मुहता
२३०		२१	मोहळ	मोहल
२३१		५	लि	रिख
२३१		१८	भारवर	भाखर
२३२		३	चंवरीको	चंवरी को
२३४		१४	विहानूं	विहारी नू
२३७		२३	कान्हिसिंघ जैतसीयोतरं	कान्ह, सिंघ जैतसीयोत रं
२४०		१	सम्झाड़ो	सम्झांणो
२४०		१६	भभो	भभो
२४०		२१	भमो	भलो
२४१		६	भारवर	भाखर
२४३		२३	भींवा का बेटा राणा का	भींवा का बेटा राणा
२४५		११	लोद्रां चीसू भांय	लोद्रां चो सूभांय
२४५		२२	टिप्पणी सं० 18 इस प्रकार पढ़िये— इनका निवास जालोर परगने का सेणा एक छोटा सा परगना है।	
२४६		४	तासु	ता सु
२४६		७	निपठ	निपट
२४६		१३	बाहर	वाहर
२४७	२	१७	नवमण	नवघण
२४९		२७	जैतमाल की बेटी को	जैतमाल की बेटी पत्नी को
२५०		२	लेढ़ो	लेटो
२५०		१३	मोणकरा व	मांणकराव
२५१		१३	भ्राहल	आयल
२५३		६	वरि हा हा सके	वरिहाहा सकै
२५६		१०	साप रेने लोचियां	साथरे नै लोचिया
२५६		१६	वारसां	वरसां
२५८		१०	गाडरनें	गाडर नै

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२६०		६	तिांणनूं	तिणांनूं
२६१		२८	वीस वर्ष तक करण	बीस वर्ष तक लघु करण (करण-गौहलो)
२६५		८	वड़ो	वडी
२६५		१६	चूंक लियो	चूंकलियो
२७१		४	पाटख	पाटण
२७२		१	प्रिथीरो रूप	प्रिथी वैर रो रूप
२७२		१२	उभरणी	उमरणी
२७२		१७	ढांणियो	ठांणियो
२७३		२१	देवताए	देवताओं
२७५		४	पाछै	पछै
२७६		२२	वडा	वडो
२७७		२	मुगळे	मुगलै
२७७		६	सिधपुरथी कोस ११ बिंदसरोवर	सिधपुर थी कोस ॥० [आधो] बिंदसरोवर
२७९		६	बलूहुळ	बलू हुल
२८२		१७	गाडियो समूह	गाडियों का समूह
२८३		१७	तरै सो नाहरखांन	तरै सो॥ नाहरखांन
२८४		१७	दुणेसो रायमल	दुणे सो॥ रायमल
२८६		२१	राणो आव पगे लागो	रांणो आय पगे लागो
२८७	१	२४	सखासु	सरवासु
२८७	१	२५	ब्रहवथ	बृहदश्व
२८८	१	१४	संघदीप	संघदीप
२८८	२	११	प्रछेमधन्वा	प्रछेनधन्वा
२८९	१	५	ब्रयवर्य	बृहदर्य
२८९	१	१८	अंतरिरय	अंतरिक्ष
२८९	१	२२	वरदी	बरही
२८९	१	२४	रांणजराय	रांणकराय
२८९	१	२५	सजोसराय	सुजसराय
२८९	२	२	सुघोन	सुघोन
२९०	२	२	जांनरदेव	जांनड़देव
२९०	१	३३	'वज्रभुज' और 'भीखो' के बीच 'रांमसिंघ, कल्यांण, प्रतापसिंघ और रूपसी' ये चार नाम और हैं।	
२९०		२५	भींवसी, राजा वो मासरे हुवो	भींवसी, राजा मास २ हुवो,
२९०		२७	डूलहदेवने अपने तुंवरको ग्वालियर दे दिया।	डूलहदेव ने अपने भानजे तुंवर को ग्वालियर दे दिया।

पृ	कॉ	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२६१	१	५	सल्हैदी	सल्हेदी
२६३		१८	भोजारी	भोज री
२६६		२५	सिवब्रह्म	सिवब्रह्म
३००		११	हूंदामल	हूवाळ
३०१		२१	राज जगनाथ	राजा जगनाथ
३०२		६	मुदड़ा	मुहड़ा
३०२		७	सलहजी	सलेहदी
३०७	१	१५	सवांवण मांहे	सवांणा मांहे
३१०	२	२४	राजरैं	राजा रैं
३१३	१	१२	मोहारि	मोहारी
३१४		२७	रामके	राम ने
३१५	२	११	२३ दूहो ४। सुरजनरा।	२३ दूहो। २४ सुरजन राव।
३१६	१	१५	बाघवत	बाघावत
३१७	२	१० मारियो २। रतने ११ वासावतरा		मारियो। १८ रतनो वासावत।
३१८	२	१६	मनोहरपुर गांव	मनोहरपुर रैं गांव
३१८		३०	तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर बना हुआ है।	तकिया मनोहरपुर के साला गांव में पहाड़ी पर बना हुआ है।
३१९	१	१८	बंठास	वगस
३१९		२४	अमरपुर	अमरसर
३२०	१	१४	जैतसिंघ अग्रसेणरो	जैतसिंघ उग्रसेण रो
३२०		२९	रसायसने	रायसल ने
३२३		२६	खोह	खोहरी
३२४	अंतिम		तब शाहपुरा पट्टे में दिया था। इसकी मा स्वालख की (नागोर परगना की) जाटनी था।	तब शाहपुरा पट्टे में दिया था। बलभद्र नारायणदासोत आया तब उसने मारा। इसकी मा स्वालख की (नागोर परगना की) जाटनी थी।
३३०	१	७	बटा	बेटा
३३५		८	मारवारो	मारवां रो
३३६		२६	थी	था
३४६	२	१७	पावै	धावे
३४९		३	घररा	घर रा
३४९		१८	प्राथीसर	साथीसर
३४९		२४	लना नहीं आता	लेना याद नहीं आता

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
३५०		१	मेराज	मेहराज
३५०		४	हूं मेराजनूं मराहस हेवें फटक खांचियो।	हूं मेहराज नूं मराहस । हेवें कटक खांचियो।
३५०		९	वोलाऊ	वाहाऊ
३५०		९ १०	सोना- तरा देणां कबूल किया।	सो मातरा देणा कबूल किया।
३५०		११	जांभवा घोड़ेरो गुढ़ी	जांभ वाघोड़ं रो गुढ़ो
३५०		१६	सोवत	सोवत
३५१		१२	हरभमटी	हरभम ही
३५१		१३	गार	गोर
३५१		१६	विकूं कोहर करमसियोत मारियो	वीकूंकोहर केहर करमसीओत मारियो
३५२		८	राघो	राघो
३५३		१३	रूणोचा	रूणेचा
३५५	१	२२	चोव,	चांपो
३५७		२०	तेगियां, तिलक	तेगियां-तिलक
३५९	२	१०	गांगारा	गांगा रो
३५९	२	१३	टोकें	टोकै
३५९	२	२०	दासात मारियो	वासोत मारियो
३६०	१	१३ १४	ऊदो हमीररो हमीर, थिरो अवतारदेरो।	ऊदो हमीर रो । हमीर थिरा रो । थिरो अवतारदे रो।
३६०		२७	हमीर और थिरा अवतार-देव के बेटे।	हमीर थिरा का और थिरा अवतारदे का।
३६५		६	पाकररी	पारकर री

भाग २

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१		११	बैसणा	बैसण रा
१	२	२२	पीरोजशाह	पीरोसाह
२	२	७	रूपसी,जैसळमेर गांवका छै।	रूपसी, जेसळमेर रै गांव काछै।
२	२	१०	वरगो	ऊगो
२		२५	जैललमेर	जैसलमेर
३	२	२	राघळ राजरा पोतरा	रावळ मूळराज रा पोतरा
३		२०	तांणुकोट	तणूंकोट
४		२	खालनांरी	खालतां री

पृ	कॉ	प	अशुद्ध	शुद्ध
४		५	भरो	भूरो
४		११	वासणीपो	वासणपो
४		१७	मालगाडो	मालागडो (मालगडो)
४		१८	टीवरियाळो	टावरियाळो
४		२१	१ कोलो डूगर । १ खवासरो	१ काळो डूगर । १ खवास रो गांव
४		२२	१ गजिया गांव ।	१ गजियो ।
४		२४	उनावा	उनाव
५		११	पुळामा	पूळिया
५		१४	मुहाराँ	मुहार रै
५		१६	भोग ग्रवै	भोग ग्रावै
६		१२	नगरडो	लेगरडो
६		१३	ग्रारम	ग्रारग
६		१७	भूण कामळारो	भुणकमळां रो
६		१७	वहोसतोप	वहो सत्तां रो (?)
६		२०	समत १७००	समत १७२०
७		८	रु० १५०००)	रु० १५००)
७		९	बावरा करी	बाव रा करि
७		२४	लिखी जाने वासी	ली जान वाली
८		७	रु० ३१००)	रु० ३१०००) रो ठोड़
८		९	म० २०००)	म० २००००)
८		१०	म० १०००)	म० १००००)
८		१५	मुहारा	मुहार
८		१६	खडाळा	खडाळ
८		१८	दिसँ	दिसी
८		२२	खाडर	खाडाळ
१०	१	१५	ग्रभाहरिया	ग्रभोहरिया
१०		२८	वींहाडा	वींठाडा
११		१	वोभोलो	वींभोलो
११		२३	बाप	वाप
११		२६	नामोंकी शाखाए	नामों की इतनी शाखाए
१२		१	बापसू	वाप सू
१२		४	बाप । बावड़	वाप । वावडी
१२		१५	नीबलायां	नींबाळिया
१२		१६	भूका	मूका
१२		१४	पोहडरा	पोहडा रा

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१३		१	नाहवार	नहवर
१३		५	मालो	माळी
१३		१२	वोलायो छैं	वाळियो छे (वळियो छै)
१४		१	मारण	मारणा
१५		२	लसल	जेसळ
१६		१०	भवछ	भरवछ
१७	२	३	लणोट	तणोट
१७		२६	ह फकर	कह फर
१८		४	विलैरावनूं	विजैराव तूं
१८		६	वरहाहा	वरिहाहा
१६		१२	वरहाहांरा	वरिहाहां रा
१६		२८	वरहाहांरी	वरिहाहां री
१६		२६	भाइयों ने पंक्ति में से	भाइयों ने रतन को पंक्ति में से
२५		२७	लांघ	लांप
२६		२४	तव अपनी अथसे इतितक	तब अपनी बात अथ से इति तक
३१		३	वाघसूता	वाघसू ता
३६		१०	कपाड़ै	क पाड़ै
३७		५	सहस बीस हण सुवग सद्द ढोलां सम घलत	सहस बीस साहण सुवंग सद्द ढोलां सम घालत
३७		८	खळ हण	खळहळ
३८		१६, १७	घणो सारव	घणी साख
३६	२	१४	तेजसी वडो	जैतसी वडो
३६		२१	रावळ लखसेन	रावळ लखणसेन
४१		१	निर्सोगड़ो गांवरै	सु सिर्सोगड़ो गांव रै
४१		२	नीसरियो	नीसरिया
४२		१३	मंडळ परै	मंडळप रै
४२		१७	सोनगरी सेझवाळो	सोनगरी रो सेझवाळो
४३		१६	घातण लागी	घातण लागा
४४		१३	कंवरी सत्र	कंवरां-सत्र
४६		१	सिघारै	सिधारै
४६		२	तरै कोड़ी	तेरै कोड़ी
४६		१७	रमण घणी	रमण री घणी
५१		१७	उवार राखो[1]	उबार राखो[28]
५१		२३	खाट में लेकर निकल गया	खाट में डाल और लेकर निकल गया

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
५१		२७	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे	28 तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे
५३		२७	धरतीको लौट लाया	धरती को लौटा लाया
५४		२०	बांसाधी	बांसा थी
५४		२०	घोड़ांरो	घोड़ां रो
५६		२४	हाथीकी	हाथी का
५६		२५	*होनेकी*	*सोने की*
५८		१९	सातळ सोह हमीर दे	सातळ सोम हमीरदे
६७		१३	प्यारां हीरा	प्यारांही रा
६७		२६	धड़सोने नमाज पढ़ते हुए	धड़सी, नमाज पढते हुए
६७		३०	तलवार से सिर	तलवार से उसका सिर
६९		११	जुवांहरा	जु वांहरा
७०		३	सणग	सूंणग
७१		७	मुकालवै (बलं)	मुकालवै
७२		८	दरगाहस	दरगाह सूं
७४		१४	जोगी	जोगो
७६		१८	केहरो	केहर रो
८०		२९	बे ।।	बेटा
८१		१८	गागारा	गागां रो
८७		१०	एकवर	एकर (एक बार)
८९		१९	साभत	सोभत
९२		१७	वोहोतो	दोहीतो
९४		४	पतियो	तवियो
९६	१	२५	पाखती	पारधती
९७	१	७	सळीवै	सीलवै
९७		२२	*सोळवेको*	*सोलवे को*
९८	१	१३	रावळ कसारी बेटी	रामकवर रावळ कसा री बेटी
९८		२५	बेटी भीमने	बेटी रामकुंवरि को भीम ने
१०६		२८	टोहिया	टेहिया
११६		१३	धणो	धणी
११७		१९	मची	मोच
१२९		३	सामीदास	सांमदास
१३२		७	बलू	बलू
१३७		८	चाच	चाचो
१३९		२७	कान्ह मानसिंह का बेटा	मानसिंह कान्ह का बेटा
१४०		१७	बुधरो	बुधेरो

पृ. कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१४०	२०	टोको	टीको
१४२	२२	मेलूरो	मेळू री
१४३	३	ग्राको	ग्रको
१४५	२	जोगी	जोगो
१४५	८	हमीरार	हमीर रा
१४८	१	रूपसीयात	रूपसोग्रोत
१५१	२०	रायमत रांणावत	रायमल रांणावत
१५६	२२	सिंघलोंके	सींघलों के
१५६	१०	ग्रजळदास	ग्रचळदास
१६३	२८	फलोधीम	फलोधी में
१७२	१५	वुलटो	वुरवटो
१७३	२८	गांव वे दिया था।	गांव दिया था
१७७	२६	चिह्ह	चिह्न
२१३	६	म्हेजांमनूं	म्हे जांम नूं
२१५	१७	ग्राहूर	ग्राहूठ
२१५	१९	सुतन वंभ वंस सम मीढबं,	सुतन वंभ वंस सम मीढिजै माल सुत,
२१५	२३ २४	हेतुवां ग्रलेखें खेंग देखै गहर चढो, लोहड़ां वडम ग्रांक वळियो ॥४॥	हेतुवां ग्रलेखे खेंग दे खेंग हर, चढो लोहड़ां वडम ग्रांक वळियो ॥४॥
२१६	१७	घावांसूं	धोवां सूं
२१६	२०	भाद्रसर	भाद्रेसर
२१६	२५	20 नाम पर। भाद्रेसरको	१० नाम पर। ११ भाद्रेसर को
२१७	२२	चुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२२०	१३	मांडो	मार्डो
२२०	२०	जेठवो, भीम, काठी, हाजो, वाढेल, भांण	जेठवो भीम. काठी हाजो, वाढेल भांण
२२१	१५	घोणोद	धोणोद
२२२	६	ग्रायी	ग्रायो
२३१	२३	टिप्पणी 6 इस प्रकार पढ़िये—	

जिस फूल से वाड़ी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है। हे लाला महराण!
तेरे बिना ग्रब वह सिंध सूनी है, तू लौट ग्रा।

पृ. कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२३५	८	घाळ	बाळ
२३६	२	तिण ऊनड़रैं	तिण समैं ऊनड़ रैं
२३६	१३	तो सत वोलै छै	क तो सत तोलै छै
२४१	१७	मांगी	मांग

पृ	का	प. अशुद्ध	शुद्ध
२४२		२० सिपुरी साईयां	सिपु रीसाईयां
२४४	शीर्षक	जसा थवळोत	जसा हरथवळोत
२४८		१२ भाणी	भणी
२५२		२६ शास्त्रदल	शास्त्रुदल
२५३		१६ आया। तळाव	आया तळाव
२६४	१	४ गोमळियावास	गंमळियावास
२७६		२७ मोहिलों को	मोहिलों को
२८५		१६-२१ टिप्पणी तनुकृत समझें पृ २८४ में आ चुकी है।	
२६६		१२ जोयर्न	जायर्न
३०४		१६ वीरमजी	वीरमजी
३०८		१० भारा=घासका बड़ा भार, बंडल	भारा=घास का एक परिमाण
३११		८ आयन	आयनै
३१५		१४ हुसो	हुसी
३१७		२७ ऐसी चली कि। उस स्त्रीको	ऐसी चली कि उस स्त्री को
३१६		१६ ढाढ	ढाढी
३२३		५ ऊठै	उठै
३२३		१० गोगाजीने	गोगादेजी ने
३२६		२६ बठलाया	बिठलाया
३२५		१२ घोडारी	घोड़ा री
३३६		२३ चहाजीन	चूडाजी ने
३४२		१७ जोध	जोधं

भाग २

५	१२ विचारयो	विचारियो
८	१४ विसिसि	विसिसी
११	७ पहोडो	पहोडो
१४	२५ दशमास	दशमांस
३१	१५ बटो	बेटो
३३	१४ मात्रे हीसूं	मात्रेही सू
३४	१० देवरो	देवराज रो
३६	१६ कान्हा	कान्हो
५६	२६ रवशाह	बावशाह

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
६०		१०	आनिर	आनि रै
६०		१७	थोरो	थोरी
६१		११	पाबूजो	पाबूजी
६२		१३	संकळपो	संकळपी
६२		१६	तरो	तरी
६३		१७	आदमो	आदमी
६४		२०	लेणो	लेणी
७५		८	वीमाह	वीमाह
७६		११	जोवं	जीवं
८२		२	वोलाइं	बोलाइं
९२		१३	ससक	ससर्क
९४		१७	कह्यी	कह्यो
१०३		२६	महने	हमने
१२१		२	भो हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१		१२	दीठो जाईयेरै जे	दीठो—जा ईयेरै, जे
१२१		१७	भोमता मांनो,······न छै	भो मतां मांनो,······न छै ?
१२१		१९	धिक्कार है रे भावेवाला !	धिक्कार रे भावेवाला !
१२१		२०	अच्छी हंडिया चाटी रे !	अच्छी हंडिया चाटी !
१२१		२४	लिकला	निकला
१३२		१	रिणवोरजी	रिणधीरजी
१३२		११	सोनगरान	सोनगरा नूं
१३५		६	तोमरे	तो मरै
१४४		१२	तहरां	ताहरां
१४४		१३ / १४	आव, मांचे / पण सूय ।	आव, मांचे सूय ।
१५६		५	इण सौंको	इणसौं को
१६६		७	रहरांवण	रह रांवण
१७३		२१	खेड़चा	खेड़ेचा
१७८	१	२०	अजमंजस	असमंजस
१७९	१	२३	वुहव्वल	बूहबूबल
२०१		२८	टूट गये अ राजा	टूट गये और राजा
२०७		३२	प्रकाशित ह	प्रकाशित हो
२०८	१	६	माहेणसिंघजो	मोहणसिंघजी
२२६		२५	फणाणा	फाणाणा
२२६		१३	घांधूसर	धांधूसर

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२३१		७	वेगारोतं	वेगातं री
२३३		१	पड़िहारांरो	पड़िहारा री
२३६		१४	सजन	साजन
२४१		७	विगायो	विगोयो
२४७		२६-२७	कुवर पृथ्वीराजने ··· लड़ाई लड़ी।	राणा रायमल के बेटे पृथ्वीराज से बड़ी लड़ाई लड़ी।
२४८		१५	बीच	वीधो
२५५		१३	बहेलवो	बहेलवे
२५६		२०	गोयामणाके	गोयाणा के
२६५		४	मळेंथीरें	मेळंजी रैं
२७७		४	चत्र तीरथ	चक्र तीरथ
२७७		१२	चित्र (?) तीर्थ	चक्र तीर्थ
२८८		१०	रुधिय	रुधियों
२८८		२५	सगतावत	सांगावत
२९३		६	गोळिदेंसं	गोळिये सूं

भाग ४

नामानुक्रमणिका

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
३	२	५	सांवत स्रोत	सांवतसोत्रोत
४	१	२६	प्रड़माळ	प्रड़माल
४	२	२५	प्रनुरुप	प्रनुरुप
५	१	१६	विथो रो	पियोरो
७	१	११	प्रांबा	प्रांबो
७	१	३०	प्रापमलसूरा रो	प्रापमल सूरा रो
१३	१	१६	स.	सौं.
१३	२	१६	करमसा	करमसी
१५	१	१५	कश्यप	कस्यप
१५	२	११	४०,४१,४२	कान्हड़दे रावळ वृ. ४०, ४१, ४२
१६	१	२३	कल्हो	केल्हो
२०	२	२४	खांत खानो	खांनखानो
२४	२	२६	गोपादासळ	गोपाळदास
२५	१	२३	८८ के पहले 'वृ'	
३७	१	३४	चरड़ो	चरड़ो
२७	२	१४	चांवसे	चांवसेह

				शुद्ध
३५	२			जैभ्रम
३६	२	२८	बूहा	दूवा
४१	१	२२	वळदत	वळपत
४६	१	२६	घुघळियो	घुंघळियो
५२	१	२४	गोवा रो	गोदारो
६३	१	१३	भोजा वत्य	भोजावित्य
६३	२	१	भोपन	भोपत
७७	२	अंतिम	२०६ के पहले 'दू.'	
८१	२	१४	बोड़ो	बोड़ा रो
८४	१	२६	घतजांगदे	घरजांगदे
८५	२	११	बाघो	घाघो
८८	१	२८	वोदो राव	बीदो राव
८९	१	८	बीरमदे राव	बीरमदेव, राव
१०१	२	३५	सूरव	सुरव
१०२	२	२१	वालासो	वालीसो
१०३	१	१३	सूरसिंह	सूरसिंघ
१०९		७	पुरुश	पुरुष
११४	२	५	बीकानरी	बीकानेरी
११५	२	३	रांयकंवर	रांमकंवर
११५	२	१९	महासिंघ री रांण ।	महासिंघ री रांणी
११७	१	६	सोढ	सोढी
१२०	१	८	त.	ती.
१२७	२	२२	खूहड़ा	खूहड़ी
१२९	२	३२	घणोल	घणोली
१३२	२	१५	जांझोरो	जांझोरो बाभणां रो
१३६	२	१३	तिलायला	तिलायली
१५२	१	७	मेरवाड़ो वड़	मेरवाड़ो वडो
२६७	२	७	घांणरा-रो-घाटो	घांणेरा-रो-घाटो
१६८	२	३२	मागरा	मगरा
१६८	२	३३	वींबलियो	नींबलियो
१७५	१	२१	थाळ लाग	थाळी-लाग
१७७	२	७	मऊ-दुष्काल (पीड़ित प्रजा)	मऊ (दुष्काल पीड़ित-प्रजा)
१८२	२	३२	गोगादेनी	गोगादेजी
१८३	१	१०	चं	चंद्र

पृ	कॉ	प.	अशुद्ध	शुद्ध

पद विरुदादि

१६५		१ औरगजेब रा विरुद	औरगजेब का विरुद
१६५		६ इद्र	इद्र
१६६		२७ काल	काले
२०७		३ जलन	जलने

शुद्धि पत्र

२१०	१	१ प्रभनमो	प्रभनमो
२११	२	२ मारवाडी भाषा का	मारवाडी भाषा की
२१५	१	७ बडो इतबाव	बडो इतबाव
२१५	२	१ कुसळसिघघु	कुसळसिघ
२१७	२	१५ महा रोरव	महा रोरवं
२२४	२	२७ सेभवाळा	सेभवाळो

भूमिका

३	१ एतिहासिक · बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५	१७ ५'	५
१२	२२ यद्य	गद्य
१३	१३ जबादि, जलहर (जलकोडा)	जबादि जलहर (जलक्रीडा);
१३	२० राजनै तक	राजनैतिक
१३	२१ विभिन्न	विभिन्न
१६	७ वशावलियाँ	वशावलियाँ
२०	१६ स्वासी । द्रोह	स्वामी द्रोह
३६	२४ बहुतश्रुत	बहु-श्रुत